KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN

केंद्रीय विद्यालय संगठन

Kendriya Vidyalaya Sangathan

18, Institutional Area, Shaheed Jeet Singh Marg,
New Delhi - 110 602.

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

SUPPORT MATERIAL

YEAR 2014-15

Class IX

Social Science SA-I

PATNA REGION

Acknowledgements

REVIEW COMMITTEE

Workshop& Venue Director: **Mr. M.S.Chauhan**
Deputy Commissioner
KVS, RO PATNA(Bihar)

Convenor: **Sh. A.K.Mishra**
Principal, KV Muzaffarpur

Members of Support Material Review Team :

1. **Mr. A. P. Sharma**
   TGT (S.ST.) K.V. Muzaffarpur (F/S)
2. **Mr. V. N. Choudhary**
   TGT (S.ST.) K.V. Samastipur
3. **Mr. V. S. Malviya**
   TGT (S.ST.) K.V. Mokamaghat CRPF
4. **Dr. I. N. Jha**
   TGT (S.ST.) K.V. Kishanganj
5. **Mr. S. K. Pandey**
   TGT (S.ST.), KV Jamalpur
6. **Mr. Sudhakar Mishra**
   TGT (S.ST.) K.V. Masrakh
7. **Mrs. Rashmi Sinha**
   TGT (S.ST.) K.V. Danapur Cantt.
8. **Mrs. Kiran Kumari**
   TGT (S.ST.) K.V. Danapur Cantt.
9. **Mr. Shashi Shekher**
   TGT (S.ST.) K.V.No.1. Gaya

INDEX

1. फ्रांसीसी क्रांति	7
2. युरोप में समाजवाद एवं रुसी क्रांति	20
3. नाजीवाद एवं हिटलर का उदय	33
4. भारत–आकार और अवस्थिति	47
5. भारत का भौतिक स्वरुप	55
6. अपवाह	67
7. समकालीन विश्व के लोकतंत्र	76
8. लोकतंत्र क्या? लोकतंत्र क्यों?	84
9. संबैधानिक स्वरुप	93
10. पालमपुर गाँव की कहानी	104
11. संसाधन के रुप में लोग	117

SPLIT UP SYLLABUS 2014-15

CLASS- IX

Month	Sl. No.	Topics
April	1.	India – size and location (Geog.-1)
	2.	The French Revolution (His -1)
	3.	Democracy in Contemporary World (Pol. Sci. -1)
May	4.	The story of village Palampur (Eco.-1)
	5.	What is Democracy? Why Democracy? (Pol. Sci.-2)
June	6.	Physical Features of India (Geog.-2)
July	7.	Russian Revolution (His-2)
		Or
	8.	Rise of Nazism (His.-3)
	9.	People as Resource (Eco.-2)
August	10.	Drainage (Geo.-3)
	11.	Designing of Democracy in India (Pol. Sci.- 3)
September		Revision for SA-I Exam. (1 to 8 September)
	12.	Climate (Geog.-4)
October	13.	Electoral Politics in Democracy (Pol. Sci.-4)
	14.	Poverty as a Challenge (Eco.-3)
November	15.	Forest Society and colonialism (His. -4)
		Or
	16.	Pastoralists in the modern world (His.-5)
		Or
	17.	Farmers and Peasants (His.-6)
	18.	Natural Vegetation (Geog.-5)
December	19.	Institution of Parliamentary Democracy (Pol. Sci.-5)
	20.	Food Security (Eco.-4)
January	21.	Sports and Politics (His. -7)
		Or
	22.	Clothes and cultures (His.-8)
February	23.	Citizens Rights in Democracy (Pol. Sci.-6)
	24.	Population (Geog.-6)
March		Revision for SA –II Exam

कक्षा–नवम्　　　　　　　　　　पाठ्यक्रम　　　　　　　　संकलित परीक्षा– 1

इकाई–1:भारत तथा समकालीन विश्व–1 (इतिहास)

भाग–1: घटना और प्रक्रियाएँ– (निम्नलिखित में कोई दो)

1. फ्रांसीसी क्रांति (क) प्राचीन राजतंत्र और संकट
   (ख) क्रांति के प्रारंभ करने वाले सामाजिक तत्व
   (ग) विभिन्न क्रांतिकारी समूहों के विचार
   (घ) क्रांति की देन : अनिवार्य (अध्याय 1)
2. रूस की क्रांति (क) जारशाही शासन व्यवस्था
   (ख) 1905–1917 के बीच सामाजिक आन्दोलन के स्वरूप
   (ग) प्रथम विश्व युद्ध और सोवियत राज्य की स्थापना
   (घ) क्रांति की देन : (अध्याय 2)
3. नात्सीवाद और हिटलर का उदय
   (क) सामाजिक लोकतंत्र की स्थापना
   (ख) जर्मनी में संकट
   (ग) हिटलर का उदय
   (घ) नात्सीवाद का प्रभाव (अध्याय 3)

इकाई–2 भारत–भूमि और लोग (भूगोल)

1. भारत : स्थिति, उच्चावच, संरचना, मुख्य भौतिक स्वरूप (अध्याय 1 और 2)
2. अपवाह : मुख्य नदियाँ और सहायक नदी, झील एवं सागर, अर्थव्यवस्था में नदियों की भूमिका, नदी प्रदूषण को नियंत्रित करने के उपाय (अध्याय 3)

इकाई–3 लोकतांत्रिक राजनीति भाग–1

1. समकालीन विश्व में लोकतंत्र
   (क) लोकतंत्र के लिए संघर्ष
   (ख) लोकतंत्र के प्रसार के विभिन्न चरण
   (ग) वैश्विक स्तर पर लोकतंत्र
   (घ) लोकतंत्र को आगे बढाना
2. लोकतंत्र क्या ? लोकतंत्र क्यों ?
   (क) लोकतंत्र को परिभाषित करने के विभिन्न तरीके
   (ख) हमारे समय में लोकतंत्र एक प्रभावी शासन था
   (ग) लोकतंत्र का विकल्प
   (घ) लोकतंत्र दूसरे शासन व्यवस्था से बेहतर क्यों ?
3. संवैधानिक स्वरूप
   (क) भारत कब और कैसे लोकतंत्र बना
   (ख) भारत के संविधान का निर्माण कैसे हुआ

(ग) भारतीय संविधान की मूलभूत विशेषताऍ

(घ) भारत में लोकतंत्र का लगातार विकास

इकाई– 4 अधिक विकास की समझ –1

1. पालमपुर की आर्थिक कहानी

   (क) पालमपुर में आर्थिक लेन देन व दुनिया के अन्य देशों से समन्वय उत्पादन के कारकों (भूमि, श्रम एवं पूॅजी) के संदर्भ में

2. संसाधन के रूप में लोग

   (क) लोग संसाधन के रूप कैसे बनता है

   (ख) पुरूषों और महिलाओं द्वारा किये गये आर्थिक क्रियाऍ

   (ग) महिलाओं द्वारा किया गया अवैतनिक कार्य

   (घ) मानव संसाधन की गुणवत्ता

   (ड.) स्वास्थ्य एवं शिक्षा की भूमिका।

   (च) बेरोजगारी–मानव संसाधन का अनुपयोग

   (छ) सामाजिक राजनीतिक प्रभाव।

भाग –1

भारत और समकालीन विश्व –1 (इतिहास)

पाठ–1: फ्रांसीसी क्रांति
अठारहवीं सदी के उत्तरार्ध में फ्रांसीसी समाज

<u>**फ्रांसीसी समाज वर्ग व्यवस्था को दर्शाता है –**</u>

प्रथम एस्टेट– पादरी वर्ग, द्वितीय एस्टेट–कुलीनवर्ग, तृतीय एस्टेट–बड़े व्यवसायी, व्यापारी, आदालती कर्मचारी, वकील, किसान और कारीगर, भूमिहीन मजदूर, नौकर इत्यादि।

तृतीय एस्टेट में कुछ अमीर थे और कुछ गरीब। राज्य के वित्तीय कामकाज का सारा बोझ करों के माध्यम से तृतीय एस्टेट वहन करती थी।

जीने का संघर्ष : फ्रांस की जनसंख्या में वृद्धि हुई और अनाज के लिए माँग बढ़ी। अमीर गरीब की खाई चौड़ी होती गई। इसे जीविका संकट कहा गया।

मध्यम वर्ग का उभरना – यह एस्टेट पढ़े–लिखे थे और इनका मानना था कि समाज के किसी भी समूह के पास जन्मना विशेषाधिकार नहीं होने चाहिए। यह विचार लॉक अंग्रेजी दार्शनिक और रूसो जैसे फ्रांसीसी दर्शनिको के द्वारा लाया गया। फ्रांस के राजनीतिक चिंतको के लिए अमेरिकी संविधान और उसमे दी गई व्यक्तिगत अधिकारो की गारंटी प्रेरणा का एक महत्वपूर्ण स्त्रोत थी। दर्शनिकों के इन विचारों पर कॉफ़ी हाउसों व सैलॉन की गोष्ठियों में पुस्तकों और अखबारों के माध्यम से इनका व्यापक विचार विर्मश हुआ। इनको लोगों के बीच पढ़ा गया।

क्रांति की शुरूआत : फ्रांसीसी क्रांति कई चरणों से गुजरी। जब लूई सोलहवाँ को 1774 में फ्रांस की गद्दी मिली तो उसे राजकोष खाली मिला। प्राचीन फ्रांसीसी समाज में असंतोष बढ़ने लगा।

1789, एस्टेट्स जनेरल का आह्वान। तृतीय एस्टेट नैशनल असेंबली का गठन करता है। वास्तील पर हमला, देहात में किसानों का विद्रोह।

1791, सम्राट की शक्तियों पर अंकुश लगाने और सभी मनुष्यों को मूलभूत अधिकार प्रदान करने के लिए संविधान बनाया गया।

1792–93, फ्रांस गणराज्य बना। जैकोबिनगणराज्य का पतन, फ्रांस पर डिरेक्ट्री का शासन।

1795, परिषदों ने 26 अक्टूबर 1795 में पाँच सदस्यों वाली एक कार्यपालिका डिरेक्ट्री को नियुक्त किया।

1799, नेपोलियन बोनार्पाट के उदय के साथ क्रांति का अंत हुआ।

1770–1780 – फ्रांसीसी सरकार का कर्ज में डुबना और उसका आर्थिक पतन।

1788–1789 – फसलों की बर्बादी और मूल्य वृद्धि, और भोजन संकट।

1789 May 5 – एस्टेटस जनरल का बनना और सुधारों की मांग

1789 जुलाई 14 – नेशनल असेंबली की स्थापना और बास्तिल पर हमला, फांसीसी क्रांति की शुरूआत।

1789 – 4 अगस्त की रात राजतंत्र की समाप्ति

1789 अगस्त 26 – पुरूष एवं नागरिक अधिकार की घोषणा

1790 – चर्च का राष्ट्रीयकरण

1792 – 1791 की संविधान के अनुसार फ्रांस संवैधानिक राजतंत्र बना तथा राजा की शक्तियों को सीमित किया जाना।

1792 – ऑस्ट्रिया और प्रशा के विरूद्ध फ्रांस का आक्रमण

1793 – लूई XVI और मेरी एन्तोएनेत को फांसी।

1793–94 – आतंक का राज आरंभ

1794 – रोबेस्पेयर का पतन और पाँच सदस्यों वाली एक कार्यपालिका–डिरेक्ट्री द्वारा फ्रांस का शासन।

1799 – नेपोलियन बोनापार्ट का नेता बनना।

<u>महिलाओं की क्रांति –</u>

महिलाएँ शुरू से ही फ्रांसीसी समाज में अहम परिवर्त्तन लाने वाली गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल थी। तीसरे एस्टेट की अधिकांश महिलाएॅ जीविका निर्वाह के लिए काम करती थी। उनकी मजदूरी पुरूषों की तुलना में कम थी। महिलाओं ने अपने हितों की हिमायत करने और उन पर चर्चा करने के लिए खुद के राजनीतिक क्लब शुरू किए और

अखबार निकाले। उनकी प्रमुख मांग यह थी कि महिलाओ को पुरूषों के समान राजनीतिक अधिकार प्राप्त होने चाहिए। आज भी उनका संघर्ष विश्व के कई भागों में जारी है। 1946 में फ्रांस की महिलाओं की जीत हुई और उन्हें मत का अधिकार मिला।

दास प्रथा का उन्मूलन –

यूरोप, अफ्रीका एवं अमेरिका के बीच त्रिकोणीय दास–व्यापार था। अठारहवीं सदी में फ्रांस में दास प्रथा की ज्यादा निंदा नही हुई। इनके विरूद्ध कोई कानून पारित नहीं हुआ। सन् 1794 के कन्वेंशन ने फ्रांसीसी उपनिवेशों में सभी दासों की मुक्ति का कानून पारित कर दिया। दस वर्ष बाद नेपोलियन ने दास प्रथा पुनः शुरू कर दी। फ्रांसीसी उपनिवेशों से अंतिम रूप से दास–प्रथा का उन्मूलन 1848 में किया गया।

क्रांति और रोजाना की जिदंगी

सन् 1789 से बाद के वर्षो में फ्रांस के पुरूषों, महिलाओं एवं बच्चों के जीवन में ऐसे अनेक परिवर्त्तन आए। क्रांतिकारी सरकारों ने कानून बनाकर स्वतंत्रता एवं समानता के आर्दशों को रोजाना की जिदंगी में उतारने का प्रयास किया। सबसे महत्वूपर्ण कानून आस्तित्व में आया, वह था– सेंसरशिप की समाप्ति। स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक अधिकारों का विचार फ्रांसीसी क्रांति की सबसे महत्वपूर्ण विरासत थे। ये विचार उन्नसवीं सदी में फ्रांस से निकलकर बाकी यूरोप में फैला।

नेपोलियन –

1804 में नेपोलियन बोनापार्ट ने खुद को फ्रांस का सम्राट घोषित कर दिया। पुराने राजवंशो को हटाकार उसने नए साम्राज्य बनाए और उनकी बागडोर अपने खानदान के हाथों में दे दी। नेपोलियन खूद को यूरोप के आधुनिकीकरण का अग्रदूत मानता था। आखिरकार 1815 में वॉटरलू में उसकी हार हुई।

बहुविकल्पीय प्रश्न (1 Mark)

1. तृतीय एस्टेट में शामिल थे –

   क) गरीब नौकर और छोटे किसान, भूमिहीन मजदूर

   ख) किसान और कारीगर

ग) बड़े व्यवसायी, व्यापारी, वकील इत्यादि

घ) उपर्युक्त सभी।

2. 'एक व्यक्ति एक वोट' कि सिफारिश की –

क) जार्ज डेनटॉन ख) रूसो

ग) ज्याँ–पॉल मरा घ) जेकोबिन

3. निम्नलिखित में से कौन–सा निर्णय कन्वेंशन द्वारा लिया गया।

क) फ्रांस का संवैधानिक राजतंत्र घोषित करना

ख) राजतंत्र का अंत

ग) सभी स्त्री और पुरूषों को वोट देने का अधिकार जो 21 वर्ष के हों।

घ) फ्रांस का गणतंत्र घोषित होना।

4. क्रांतिकारी पत्रकार कैमिल डेस्मॉलिन ने स्वतंत्रता से सम्बन्धित निम्नलिखित में से कौन सा विचार नहीं दिया है

क) स्वतंत्रता आपके दुश्मनों को खत्म कर देना चाहती है

ख) स्वतंत्रता, खुशी, कारण, समानता और न्याय है

ग) स्वतंत्रता अधिकारों की घोषणा है।

घ) स्वतंत्रता एक शिशु के समान नहीं है जिसे परिपक्व होने तक अनुशासन की अवस्था से गुजरना आवश्यक है।

5. ''जीविका संकट'' कैसे होता है ?

क) खराब फसल खाद्यान की कमी लाती है।

ख) खाद्य मूल्यवृद्धि तथा गरीबों द्वारा डबलरोटी का न खरीद पाना।

ग) कमजोर शरीर बिमारियाँ, मृत्यु, तथा भोजन सम्बन्धी दंगों का जन्म होना।

घ) उपर्युक्त सभी

6. प्रशा और अस्ट्रिया के विरूद्ध कौन सा देशभक्ति गीत लाया गया।

क) स्वतंत्रता ख) मार्सिले

ग) बीबा फ्रांस घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

7. तृतीय एस्टेट से सम्बन्धित कौन–सा तथ्य सही नहीं है–

क) तृतीय एस्टेट में केवल गरीब शामिल थे।

ख) तृतीय एस्टेट के अर्न्तगत कुछ अमीर तो कुछ गरीब थे।

ग) तृतीय एस्टेट के अमीर सदस्य भूस्वामी थे।

घ) किसान, सेना व सड़क निर्माण में कार्य करने हेतु तत्पर थे।

8. ''तृतीय एस्टेट क्या है'' किसने लिखा है–

क) मिराव्यो–एल कुलीन व्यक्ति

ख) आबे सिए

ग) रूसो

घ) मान्टेस्क्यू

9. गिलोटिन था।

क) दो खम्भों के बीच लटकते आरे वाली मशीन जिसपर रखकर अपराधी का सिर धड़ से अलग कर दिया जाता था।

ख) एक तेज तलवार जिससे सिर काटा जाता था।

ग) एक फाँसी का फंदा

घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

10. फ्रांसीसी क्रांति कब हुई ?

क) 14 जुलाई 1789

ख) 10 जनवरी 1780

ग) 12 अगस्त 1780

घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

11. लिब्रे क्या है ?

क) फ्रांस में मुद्रा की इकाई

ख) चर्च द्वारा लगाया गया कर

ग) राज्य को सीधा दिया गया कर्ज

घ) इनमें से कोई नहीं

12. फ्रांस में जनसंख्या वृद्धि का क्या प्रभाव पड़ा ?

क) शिक्षा का कठिन होना

ख) खाद्य वस्तुओं का मांग तेजी से बढ़ना

ग) निवास की समस्या

घ) उपर्युक्त सभी

13. तृतीय एस्टेट के द्वारा राज्य को प्रत्यक्ष रूप से दिया जाने वाला कर

क) टाइद ख) लिव्रे ग) टाइल

घ) उपर्युक्त सभी

14. एस्टेट जनरल क्या था ?

क) आर्मी जनरल क पद

ख) राजनीतिक इकाई

ग) भूसम्पत्ति का स्वामी

घ) राजा का सलाहाकार

15. अठारवीं सदी में कौन–सा सामाजिक समूह उभरा –

क) वकील ख) प्रशासनिक अधिकारी ग) मध्यम वर्ग

घ) उपर्युक्त सभी।

16. ''प्राचीन राजतन्त्र'' शब्द का प्रयोग मुख्यतः किसे दर्शाता है ?

क) 1000 ई0 पूर्व का फ्रांस

ख) 1789 ई0 के पश्चात् का फ्रांसीसी समाज

ग) 1789 ई0 के पूर्व के समाज व संस्थाएँ

घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

17. मोन्तेस्क्यू द्वारा उल्लखित सरकार के प्रारूप को किस ने लागू किया ?

क) अमेरिका ख) चीन ग) रूस घ) उपरोक्त सभी

18. जान लाक द्वारा रचित किताब है –

क) द स्पिरिट आफ लॉज

ख) टू ट्रीटइज़ेज ऑफ़ गवर्नमेंट

ग) सामाजिक अनुबन्ध

घ) उपरोक्त सभी

19. लुई 16 द्वारा नए करों के प्रस्तावों हेतु एस्टेट जनरल की सभा कब बुलाई ?

क) 2 जनवरी, 1775

ख) 10 मार्च, 1780

ग) 5 मई, 1789

घ) 14 जुलाई, 1789

20. एस्टेट जनरल की सभा में तृतीय एस्टेट की मांग थी –

क) तृतीय एस्टेट के सभी को एक सभा द्वारा मत देने का अधिकार

ख) प्रत्येक एस्टेट का एक वोट होना चाहिए

ग) तृतीय एस्टेट के सभी प्रत्येक सदस्य को वोट देने का अधिकार

घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

21. 20 जून को वर्साय के टेनिस कोर्ट में तृतीय एस्टेट के प्रतिनिधि शामिल हुए –

क) भुख हड़ताल के लिए

ख) संविधान का प्रारूप तैयार करने के लिए

ग) विद्रोह आरंभ की घोषणा

घ) आवश्यकता के समय राजा के सर्मथन हेतू अपील

22. 20 जून को वर्साय में तृतीय एस्टेट का प्रतिनिधित्व किसने किया –

क) मिराब्यों ख) आवे सिए ग) लूई XVI

घ) क और ख दोनों

23. 4 अगस्त 1789 की रात असेंम्बली ने आदेश पारित किया –

क) सामंती व्यवस्था का उन्मुलन

ख) पादरी वर्ग द्वारा उनके विशेषाधिकारो की समाप्ति

ग) टाइद का उन्मुलन

घ) उपर्युक्त सभी

24. नया संविधान ने फ्रांस को बनाया–

क) संवैधानिक राजतंत्र

ख) साम्यवादी राज्य

ग) लोकतांत्रिक राज्य

घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

25. वोट देने का अधिकार था –

क) 25 वर्ष से उपर के पुरूष

ख) पुरूष तथा महिला जो 30 वर्ष की हैं

ग) वे पुरूष जो कम से कम तीन दिन की मजदूरी के बराबर कर चुकाते थे।

घ) क और ग दोनों

26. फ्रांस में 1791 के संविधान द्वारा निम्नलिखित में से किन अधिकारों को 'नैसर्गिक तथा अहरणीय' अधिकारों के रूप में स्थापित किया गया था ?

क) जीवन का अधिकार

ख) अभिव्यक्ति तथा विचारों की स्वतंत्रता

ग) कानूनी बराबरी का अधिकार

घ) उपर वर्णित सभी।

27. पुरूष एवं नागरिक अधिकार घोषणा पत्र में निम्नलिखित में से कौन सा प्रावधान रखा गया है।

क) मनुष्य स्वतंत्र जन्म लेता है

ख) कानून के समक्ष समानता

ग) स्वतंत्रता का अर्थ; दूसरे को हानि न पहुँचाना

घ) उपर्युक्त सभी।

28. विद्रोहियों की ताकत को देखते हुए लूई 16 ने क्या कदम उठाया?
(क) नेशनल असेंबली को सहमति प्राप्त
(ख) शक्ति के नियंत्रण को स्वीकार करना
(ग) क और ख दोनो

लघुउत्तरीय प्रश्न– (3 अंक)

प्रश्न 1. जीविका संकट क्या है? प्राचीन राजतंत्र के दौरान फ्रांस में क्यों पायी गई।

उत्तर –

- फ्रांस की जनसंख्या सन् 1715 में 2.3 करोड़ थी जो सन् 1789 में बढ़कर 2.8 करोड़ हो गई।
- अनाज उत्पादन की तुलना में उसकी मांग काफी तेजी से बढ़ी।
- अधिकांश लोगों के मुख्य खाध–पावरोटी की कीमत में तेजी से वृद्धि हुई
- अधिकतर कामगार कारखानों में मजदूरी करते थे और उनकी मजदूरी मालिक तय करते थे और मजदूरी महंगाई की दर से नही बढ़ रही थी फलस्वरूप अमीर–गरीब की खाई चौड़ी होती गई।

प्रश्न 2. एस्टेट जनरल में वोट की प्रणाली क्या थी ? तृतीय एस्टेट के लोग क्या परिवर्तन लाना चाहते थे ?

उत्तर –

1. एस्टेट जेनरल के नियमों के अनुसार प्रत्येक वर्ग को एक मत देने का अधिकार था।
2. तीसरे वर्ग के प्रतिनिधियों ने मांग रखी कि अबकी बार पूरी सभा द्वारा मतदान कराया जाना चाहिए जिसमें प्रत्येक सदस्य को एक वोट देने का अधिकार होगा।
3. यह एक लोकतांत्रिक सिद्धांत था जिसे मिसाल के तौर पर रूसो ने अपनी पुस्तक "द सोशल कौन्ट्रैक्ट" मे प्रस्तुत किया था।

प्रश्न 3. उन घटनाओं का वर्णन करें जो बास्तील के आक्रमण के लिए उत्तरदायी थे।

उत्तर–

1. जिस वक्त नैशनल असेंबली संविधान का प्रारूप तैयार करने में व्यस्त थी, पूरा फ्रांस आंदोलित हो रहा था।
2. कड़ाके की ठंड के कारण फसल मारी गई और पावरोटी की कीमतें आसमान छू रही थी। बेकरी मालिक स्थिति का फायदा उठाते हुए जमाखोरी में जुटे थे।
3. बेकरी की दुकानों पर घंटो के इंतजार के बाद गुस्सायी औरतों की भीड़ ने दुकान पर धावा बोल दिया।
4. ठीक उसी समय सम्राट ने सेना को पेरिस में प्रवेश का आदेश दे दिया। 14 जुलाई को बास्तील पर धावा बोलकर उसे नेस्तनाबूद कर दिया।

प्रश्न 4. संवैधानिक राजतंत्र के नयी राजनीतिक प्रणाली फ्रांस में कैसे काम किया ? वर्णन करे।

उत्तर–

1. सन् 1791 के संविधान ने कानून बनाने का अधिकार नैशनल असेंबली को सौप दिया जो अप्रत्यक्ष रूप से चुनी जाती थी।
2. नागरिक एक निर्वाचक समूह का चुनाव करते थे जो पुनः असेंबली के सदस्यों को चुनते थे सभी नागरिक को मतदान का अधिकार नहीं था।
3. 25 वर्ष से अधिक उम्र वाले केवल ऐसे पुरूषों को ही सक्रिय नागरिक का दर्जा दिया गया था, जो कम से कम तीन दिन की मजदूरी के बराबर कर चुकाते थे।
4. शेष पुरूषों और महिलाओं को निष्क्रिय नागरिक के रूप में वर्गीकृत किया गया था।
5. निर्वाचक की योग्यता प्राप्त करने तथा असेंबली का सदस्य होने के लिए लोगो का करदाताओं की उच्चतम श्रेणी में होना जरूरी था।

प्रश्न 5. "नैसर्गिक एवं अहरणीय" अधिकार क्या था ?

उत्तर–

1. संविधान "पुरूष एवं नागरिक अधिकार घोषणापत्र" के साथ शुरू हुआ था।
2. जीवन के अधिकार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार और कानूनी बराबरी के अधिकार को नैसर्गिक एवं अहरणीय अधिकार के रुप में स्थापित किया गया अर्थात ये अधिकार प्रत्येक व्यक्ति को जन्मना प्राप्त थे और इन अधिकारों को छीना नहीं जा सकता।
3. राज्य का यह कर्त्तव्य माना गया कि वह प्रत्येक नागरिक के नैसर्गिक अधिकारों की रक्षा करें।

प्रश्न 6. दास प्रथा की शुरुआत क्यों हुई? फ्रांसीसी उपनिवेंशों में इसका उन्मुलन क्यों हुआ ?

उत्तर–

1. दासप्रथा की शुरूआत 17 वीं शताब्दी में हुई। कैरिविआई उपनिवेश–मार्टिनिक, गॉडेलोप और सैन डोमिंगो तम्बाकू, नील, चीनी एवं कॉफी जैसी वस्तुओं के महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्त्ता थे।
2. अपरिचित एवं दूर देश जाने और काम करने के प्रति यूरोपियों की अनिच्छा का मतलब था– बगानों में श्रम की कमी।
3. अठारहवीं सदी में फ्रांस में दास–प्रथा की ज्यादा निंदा नही हुई नेशनल असेंबली में लंबी बहस हुई कि व्यक्ति के मूलभूत अधिकार उपनिवेशों में रहने वाली प्रजा सहित समस्त फ्रांसीसी प्रथा को प्रदान किए जाए या नही।
4. सन 1794 के कन्वेंशन ने फ्रांसीसी उपनिवेशो में सभी दासों की मुक्ति का कानून पारित कर दिया।
5. यह कानून एक छोटी–सी अवधि तक ही लागू रहा। दस वर्ष बाद नेपोलियन ने दास–प्रथा पुनः शुरू कर दी।
6. फ्रांसीसी उपनिवेशों से अंतिम रूप से दास–प्रथा का उन्मूलन 1848 में किया गया।

प्रश्न 7. क्रांति क्या है?व्याख्या करें। फ्रांस की क्रांति अलग–अलग लोगों के लिए अलग अर्थ क्यों रखता है ?

उत्तर– क्रांति, परिवर्तन है, जो किसी देश की सरकार को बदलने या परिवर्तित करने के लिए जनता द्वारा की गई हिंसात्मक या आक्रामक कार्यवाही है।

1. क्रांति से तृतीय एस्टेट और साधारण लोगों को फायदा हुआ। पादरी वर्ग और कुलीन वर्ग की शक्ति समाप्त कर दिया।
2. उनके विशेषअधिकार खत्म कर दिए गए। निम्न मध्यम वर्ग को ज्यादा सुविधा मिली।
3. कारीगरों और मजदूरों की स्थिति में सूधार हुआ।

4. पादरी, सांमती, कुलीन यहाँ तक कि महिलाएँ असंतुष्ट थे। क्रांति के द्वारा पूर्ण समानता नहीं मिली। सभी को वोट देने का अधिकार प्राप्त नही था। महिलाओं को 1946 में वोट देने का अधिकार प्राप्त हुआ।

प्रश्न 8. तृतीय एस्टेट में कौन से लोग आते थे? टैक्स कौन अदा करता था और किसकों ?

उत्तर–

1. तृतीय एस्टेट में निम्नलिखित लोग आते थे–
   बड़े व्यवसायी, व्यापारी, वकील, किसान, कारीगर, छोटे किसान, भूमिहीन मजदूर और नौकर।
2. तृतीय एस्टेट में कुछ लोग अमीर थे तो कुछ लोग गरीब। ये जनसंख्या के 95 प्रतिशत भाग मे थे। ये राज्य को टैक्स आदा करते थे।
3. टैक्स का रूप था– टाइद, टाइल और कई प्रकार के अप्रत्यक्ष कर।

प्रश्न 9. नेशनल असेंबली की स्थापना किसने की ? "बास्तील डे" कब और क्यों मनाया जाता है?

उत्तर–

1. तृतीय एस्टेटस के प्रतिनिधि 20 जून को वर्साय के इन्डोर टेनिस कोर्ट में जमा हुए और अपने आप को नेशनल असेंबली घोषित कर दिया।
2. प्रतिवर्ष 14 जुलाई को बास्तील डे के रुप में मानाया जाता है क्योंकि उस दिन पेरिस नगर के बास्तील किले की जेल को तोड़ डाला गया। यह जेल सम्राट की निरंकुश और आतंक का प्रतीक था।

प्रश्न 10. उन तीन प्रमुख दार्शनिकों का नाम लिखे, जिन्होने फ्रांस की क्रांति में अहम भूमिका थी। उनके प्रमुख विचार क्या थे?

उत्तर–

1. ज्यॉ जाक रूसों– फ्रांसीसी दार्शनिक, उनके प्रमुख विचार मनुष्य स्वभाव अच्छा होता है परन्तु समाज के द्वारा वह चिंतित और दुखी होता है।
2. मिराब्यो– इनका जन्म कुलीन परिवार में हुआ था लेकिन वह सामंती विशेषाधिकारों वाले समाज को खत्म करने के पक्ष में थे। उन्होने एक पत्रिका निकाली और वर्साय में जुटी भीड़ के समक्ष जोरदार भाषण भी दिए।
3. वॉल्टेयर– एक प्रमुख फ्रांस के लेखक थे। उन्हाने चर्च के प्रशसन और उसके बुराईयों से लोगो को परिचय कराया। प्रथम दो एस्टेट के लोग (1) पादरी और (2) कुलीन वर्ग के लोग ज्यादा संख्या में शामिल थे।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न– (5 अंक)

प्रश्न 1. फ्रांसीसी क्रांति सम्बन्धित निम्नलिखित घटनाओं के महत्व की व्याख्या करेंः–

(क) बास्तील का हमला (ख) पादरी के नागरिक संविधान को मंजुरी।

उत्तर–(क) बास्तील पर हमलाः–

(1) 14 जुलाई 1789, सैकड़ो लोगो का समूह पेरिस नगर के पूर्वी भाग की ओर चल पड़ा और बस्तील किले की जेल को तोड़ डाला।

(2) हथियारो पर कब्जे की इस सशस्त्र लाड़ाई में बास्तील का कामांडर मारा गया और कैदी छुड़ा लिए गए।

(3) सम्राट की निरंकुश शक्तियों का प्रतीक होने के कारण बास्तील लोगो की घृणा का केन्द्र था।

(4) इस दिन को (14 जुलाई का दिन) "बास्तील डे" के रुप में प्रतिवर्ष मनाया जाने लगा।

(ख) पादरी के नागरिक संविधान के मंजुरीः–

(1) 1790 मे चर्च को नागरिक संविधान द्वारा राष्ट्रीकृत किया गया।

(2) पादरी वर्ग और लोगो को भी विशेषाधिकारो को छोड़ देने के लिए विवश किया गया।

(3) टाइद (धार्मिक कर) समाप्त कर दिया गया और चर्च के स्वामित्व वाली भूमि जब्त कर ली गई।

प्रश्न 2. आतंक राज का वर्णन करे और रोबस्प्येर की मुख्य भूमिका का वर्णन करें।

उत्तर– सन् 1793 से 1794 तक के काल को आतंक का युग कहा जाता है।

(1) रोबस्प्येर – जैकोबिन का नेता, इनहोने नियंत्रण और दंड की सख्त नीति अपनाई।

(2) उसके हिसाब से गण्तंत्र के जो भी शत्रु थे कुलीन और पादरी, अन्य राजनीति दलों के सदस्य उनसभी को गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया। न्यायालय यदि उन्हे दोषी पाता तो गिलोटिन पर चढाकर उनका सिर कलम कर दिया जाता था।

(3) रोबस्प्येर सरकार ने कानून बनाकर मजदूरी एवं कीमतों की अधिकतम सीमा तय कर दी।

(4) गोश्त एवं पावरोटी की राशनिंग की गई।

(5) महंगे सफेद आटे के इस्तेमाल पर रोक लगा दी गई।

(6) रोबस्प्येर ने अपनी नीतियों को इतनी सख्ती से लागू किया कि उसके समर्थक भी त्राहि–त्राहि करने लगे। अतः जुलाई 1794 में न्यायालाय द्वारा उसे दोषी ठहराकर गिरफ्तार कर लिया गया और अगले दिन ही उसे गिलोटिन पर चढ़ा दिया गया।

प्रश्न 3. निम्नलिखित प्रतीको में अधिकारों की घोषणा क्या दर्शाते थे ?

(1) टूटी हुई जंजीर (2) छड़ो का बर्छीदार गट्ठर (3) राजदंड (4) अपनी पूँछ, मुँह मे लिए सॉप

(5) लाल फ्राइजियन टोपी (6) विधि पट्ट

उत्तर–टूटी हुई जंजीर– दासों को बाँधने के लिए जंजीरों का प्रयोग होता था। टूटी हुई हथकड़ी उनकी आजादी का प्रतीक है।

छड़ों का बर्छीदार गट्ठर– अकेली छड़ी को आसानी से तोड़ा जा सकता है पर पूरे गट्ठर को नहीं। एकता में ही बल है।

राजदंड– शाही सत्ता का प्रतीक।

अपनी पूँछ, मुँह में लिए साँप– सनातनता का प्रतीक। अंगूठी का कोई ओर छोर नहीं होता।

लाल फ्राइजियन टोपी– दासों द्वारा स्वतंत्र होने के बाद पहनी जाने वाली टोपी।

विधि पट्ट– कानून सबके लिए समान है और उसकी नजर में सब बराबर है।

प्रश्न 4. जैकोबिन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

उत्तर– (1) जैकोबिन, इसका नाम पेरिस के भूतपूर्व कॉन्वेन्ट ऑफ सेंट' जैकब के नाम पर पड़ा

(2) जैकोबिन क्लब के सदस्य मुख्यतः समाज के कम समृद्ध हिस्से से आते थे।

(3) इनमें छोटे दुकानदार और कारीगर – जैसे जूता बनाने वाले, पेस्ट्री बनाने वाले, घड़ी साज, छपाई करने वाले और नौकर व दिहाड़ी मजदूर शामिल थे।

(4) उनका नेता मैक्समिलियन रोबेस्येर था।

(5) जैकोबिन के एक बड़े वर्ग ने तोदी कामगारों की तरह धारीदार लंबी पतलून पहनने का निर्णय किया।

(6) ऐसा उन्होंने समाज के फैशन परस्त वर्ग, खासतौर से घुटने तक पहने जाने वाले ब्रीचेस (बुटला) पहनने वाले कुलीनों से खुद को अलग करने के लिए किया गया।

(7) कुलीन की सत्ता समाप्ति के एलान का एक तरीका था।

प्रश्न 5. राजनीतिक क्लब की गतिविधियों और मांगों में महिलाओं के योगदान का उल्लेख करें।

उत्तर–महिलाऐं शुरू से ही फ्रांसीसी समाज में अहम परिवर्तन लाने वाली गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल थीं।

(1) उन्हें उम्मीद थी कि उनकी भागीदारी क्रांतिकारी सरकार को उनका जीवन सुधारने हेतु ठोस कदम उठाने के लिए प्रेरित करेगी।

(2) तीसरे एस्टेट की अधिकांश महिलाएँ जीविका निर्वाह के लिए काम करती थीं। वे सिलाई, बुनाई, कपड़ों की धुलाई करती थी, बाजारों में फल–फूल, सब्जियाँ बेचती थी अथवा घरों में घरेलू काम करती थीं।

(3) अधिकांश महिलाओं के पास पढ़ाई लिखाई तथा व्यवसायिक प्रशिक्षण के मौके नहीं थे। उनकी मजदूरी पुरूषों की तुलना में कम थी।

(4) मलिहाऐं अपने हितों की रक्षा के लिए खुद के राजनीतिक क्लब शुरू किए और अखबार निकाले। 'द सोसाइटी ऑफ रेवलूशनरी एंड रिपब्लिकन विमेन' मशहुर क्लब था।

(5) उनकी प्रमुख मांग यह थी कि महिलाओं को पुरूषों के समान राजनीतिक अधिकार प्राप्त होने चाहिए।

(6) महिलाऐं इस बात से निराश हुई कि 1791 के संविधान में उन्हें निष्क्रिय नागरिक का दर्जा दिया गया था।

प्रश्न 6. फ्रांस में जैकोबिन सरकार के पतन के कारणों की व्याख्या करें।

उत्तर– जैकोबिन सरकार के पतन के निम्नांकित कारण थेः–

(1) जैकोबिन सरकार फ्रांस में कठोर दंड पर आधारित था। सन् 1793–1794 तक के काल आतंक का युग कहा जाता है। रोबेस्प्येर ने नियंत्रण एवं दंड की सख्त नीति अपनाई।

(2) उसके हिसाब से गणतंत्र के जो भी शत्रु थे– कुलीन एवं पादरी, अन्य राजनीतिक दलों के सदस्य, उसकी कार्यशैली से असहमति रखने वाल पार्टी सदस्य–उन सभी को गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया, तथा मुकदमा चलाया गया और गिलोटिन कर दिया गया।

(3) रोबेस्प्येर की सरकार चर्चो को बंद कर दिया और उनके भवनों को बैरक या दफ्तर बना दिया। पादरी वर्ग जैकोबिन शासन के विरूद्ध हो गए।

(4) रोबेस्प्येर ने अपनी नीति को इतनी सख्ती से लागू किया जिससे उसके समर्थक भी उसके विरूद्ध हो गए। और वे एक मध्यम मार्ग और सुधार की मांग की। अंततः जुलाई 1794 में न्यायालय द्वारा उसे दोषी ठहराया गया और गिरफ्तार कर गिलोटिन पर चढ़ा दिया गया।

<u>उच्चस्तरीय कौशल वाले प्रश्न</u>

प्रश्न 1. 4 अगस्त 1789 को तृतीय एस्टेट के द्वारा गठित नैशनल असेंबली की मुख्य निर्णय क्या थी?

(1) लूई 16 अंततः नैशनल असेंबली को मान्यता दिया तथा अपनी शक्तियों की कटौती को स्वीकार किया।

(2) 4 अगस्त 1789 को पारित असेंबली द्वारा करों/टैक्स कर्त्तव्यों और बन्धनों वाली सामन्ती व्यवस्था के उन्मुलन का आदेश पारित किया।

(3) पादरी वर्ग के लोगों को भी अपने विशेषाधिकार को छोड़ देने के लिए विवश किया गया।

(4) धार्मिक कर समाप्त कर दिया गया और चर्च के स्वामित्व वाली भूमि जब्त कर ली गई। इस प्रकार कम से कम 20 अरब लिव्रे की सम्पति सरकार के हाथ में आ गई।

प्रश्न 2. फ्रांस में पुरुस और नागरिक अधिकारों की घोषणा के महत्व का वर्णन करें।

उत्तर– पुरुष और नागरिक अधिकारों की घोषणा फ्रांस के इतिहास में महत्वपूर्ण निर्णय था।

(1) संविधान "पुरुष एवं नागरिक अधिकार " घोषणा पत्र के साथ शुरु हुआ था। जीवन का अधिकार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार और कानूनी बराबरी के अधिकार को नैसर्गिक एवं अहरणीय अधिकार के रुप में स्थापित किया गया। अर्थात् ये अधिकार प्रत्येक व्यक्ति को जन्मना प्राप्त थे और इसे कोई छीन नहीं सकता।

(2) राज्य का यह कर्त्तव्य माना गया कि वह प्रत्येक नागरिक के नैसर्गिक अधिकारों की रक्षा करे। पुरुष और नागरिक घोषणा पत्र ने अन्य स्थानों पर क्रांतिकारी आन्दोलन को जन्म दिया।

प्रश्न 3. राजनीतिक क्लब, उनकी गतिविधियों और मांग में महिलाओं की भूमिका का वर्णन करे।

उत्तर– देखिए दीर्घउत्तरीय प्रश्न नं0 5

मूल्य पूरक प्रश्न

प्रश्न 1. किस एक मात्र घटना ने क्रांति को आतंक के राज्य में बदल दिया। रोबस्प्येर की भूमिका की व्याख्या करें।

प्रश्न 2. बूबॉ वंश के राजाओं की फ्रांसीसी क्रांति में क्या भूमिका थी ?

प्रश्न 3. फ्रांसीसी समाज किस प्रकार से संगठित था ? सामाज के खास वर्ग को क्या सुविधाएँ प्राप्त थी ?

बहुबिकल्पीय प्रश्नो के उत्तर :–

1. (घ)	2. (ख)	3. (घ)	4. (ख)	5. (घ)	6. (ख)	7 (क)
8. (ख)	9. (क)	10 (क)	11. (क)	12 (ख)	13. (ग)	14.(ख)
15. (ख)	16.(घ)	17. (ग)	18. (क)	19.(ख)	20. (ग)	21.(क)
22. (ख)	23. (घ)	24. (घ)	25. (घ)	26.(क)	27. (ग)	28. (घ)

अध्याय–2. यूरोप में समाजवाद एवं रुसी क्रांति (इतिहास)

अवधारणाएँ–

- उदारवादी–उदारवादी वे लोग थे जो चाहते थे कि राष्ट्र सभी धर्मों के साथ सहिष्णुता का व्यवहार रखे। वे निर्वाचित संसदीय सरकार की वकालत करते थे जो पूर्ण–प्रशिक्षित न्यायपालिका द्वारा विधिसम्मत घोषित हो।
- चरमपंथी– चरमपंथी वे लोग थे जो चाहते थे कि सरकार देश की बहुसंख्यक जनसंख्या की इच्छा पर आधारित हो। वे लोग सत्ता का कुछ लोगों के हाथों में संकेन्द्रण के खिलाफ थे। ये निजी सम्पति के खिलाफ नहीं थे किन्तु सम्पत्ति का कुछ हाथों में संकेन्द्रण के खिलाफ थे।

- दक्षिणपंथी— दक्षिणपंथी अथवा रुढ़िवादी वे लोग थे जो परिवर्त्तन का विरोध करते थे। हलाकि एक बार क्रांति के प्रारम्भ होने के बाद वे धीरे—धीरे परिवर्त्तन को स्वीकार करने लगे किन्तु भूतकाल के प्रति सम्बन्ध एवं सम्मान उनमें अभी भी मौजूद था।

रुसी क्रांति—

- अर्थव्यवस्था एवं समाज— रुस की अधिकांश जनसंख्या कृषक थी। उधोग जो स्थापित किये जा रहे थे उनमें निजी सम्पत्ति लगी हुई थी। कामगार विभिन्न समुहों में विभाजित थे किन्तु वे एकताबद्ध हो जाते थे जब असंतुष्ट होते थे। कृषकों में सम्भ्रांत वर्ग के प्रति सम्मान नहीं था जैसा कि फ्रांसीसी कृषकों में देखने को मिलता था। रुसी कृषक समुदाय एकमात्र ऐसा कृषक समुदाय था जिन्होनें अपनी भुमि को एकसाथ मिलकर छोटे—छोटे कम्यूनों में विभाजित कर दिया।
- रुस में समाजवाद — 1914 से पहले रुस में सभी राजनीतिक दल अवैधानिक थे। रुसी समाजवादी लोकतांत्रिक श्रमिक पार्टी की स्थापना 1900 में हुई थी। यह भूमि जो कुलिनों के नियंत्रण में था पर कृषकों के अधिकार के लिए संघर्ष कर रही थी। जमीन समय—समय पर कृषकों के बीच विभाजित किया जाता था तथा यह माना जाता था कि कृषक न कि कामगार क्रांति के मुख्य स्रोत साबित होंगे। लेकिन लेनिन इससे सहमत नहीं था। उसका मानना था कि कृषक एक सामाजिक वर्ग नहीं थे। इसी कारण से समाजवादी पार्टी बोल्शेविक एवं मेनशेविक के बिच में विभाजित हो गई।
- 1905 की क्रांति — 1905 से पहले रुस एक अधिनायक तंत्र था। रुस का शासक जार अपने को संसद के प्रति उत्तरदायी नहीं मानता था। उदारवादी इस अवस्था/व्यवस्था का समापन चाहते थे। 1905 की क्रांति के समय ये लोग एक संविधान की मॉग कर रहे थे।
- खूनी रविवार — 1904 तक आवश्यक वस्तुओं के मुल्य में तीव्र एवं भारी वृद्धि हुई तथा वास्तविक मजदूरी दर में 20% तक की गिरावट दर्ज की गई। इस दौरान प्युतिलोव आयरनवर्क्स के चार कामगारों को काम से हटा दिया गया। इसका वहॉ के कामगारों द्वारा भारी विरोध किया गया। 110,000से अधिक कामगार सेंट पिटसवर्ग में हड़ताल पर चले गए तथा काम के घंटों में कमी तथा मजदूरी की दर में वृद्धि की मॉग करने लगे। हड़तालियों के जुलूस पर पुलिस एवं "कोसैक्स" द्वारा हमला किया गया। 100 से अधिक कामगार मारे गए। इसके प्रतिक्रिया स्वरुप फिर से हड़ताल किया गया। लोगों ने एक संविधान सभा की मांग की। इस पूरी घटना को खूनी रविवार कहा जाता है।
- प्रथम विश्व युद्ध तथा रुसी साम्राज्य — रुस में प्रारम्भ में इस युद्ध को लेकर बहुत जोश था लेकिन धीरे—धीरे युद्ध के प्रति समर्थन कमजोर पड़ने लगा। जर्मन विरोधी भवनाऍ उफान पर थीं। रुसी सेनाऍ जर्मनी एवं आस्ट्रियां में बुरी तरह पराजित हो रहीं थी। रुस मे उस समय घायलों की संख्या 70 लाख थी तथा 30 लाख शरणार्थी रुस में मौजूद थे। युद्ध ने उद्योग धन्धों को भी बुरी तरह प्रभावित किया। मजदूरों की भारी कमी थी रेल लाईन को बंद कर दिया तथा छोटी—छोटी कार्यशालाऍ बंद कर दी गई। अनाजों की भारी कमी थी तथा रोटी पर भी आफत आई हुई थी।
- फरवरी क्रांति, पेट्रोगार्ड में — 1917 को सर्दी में पेट्रोगार्ड की स्थिति काफी गंभीर भी। कामगारों के आवासों में भोजन की काफी कमी थी।

  22 फरवरी 1917 को एक फैक्ट्री में तालाबंदी कर दी गई। सहानुभूति वश 50 अन्य फैक्ट्रियों के कामगार भी इसमें शामिल हो गए। महिलाओं ने भी इस हड़ताल में भाग लिया एवं अपना समर्थन

दिया। इस दिन घटित घटना को अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस का नाम दिया गया। इसी दिन एक अधिकारी की गोली मार हत्या कर दी गई। इसके विरुद्ध विभिन्न रेजिमेंटों ने विद्रोह कर दिया तथा हड़ताल कर रहे कामगारों के साथ शामिल हो गए। यह पेत्रोग्राद सोवियत था। एक प्रतिनिधिमंड़ल जार से मिला। सेनापति ने जार को अपना पद छोड़ने की सलाह दी। जार ने स्थिति की गंभीरता को भॉपते हुए 2 मार्च 1917 को अपना पद छोड़ दिया। देश के शासन को चलाने के लिए सोवियत एवं ड़्यूमा के नेताओं द्वारा एक वैकल्पिक सरकार का गठन किया गया। इसमें शामिल थे– सांसद, कामगार, महिला कामगार, सैनिक एवं सैन्य अधिकारी इत्यादि।

प्रभाव :–

सार्वजनिक सभाओं एवं संगठनो पर से प्रतिबंध हटा लिया गया। सभी जगह सोवियत की स्थापना की गई। फैक्ट्री समितियों का गठन किया गया जो उधोगपतियों से प्रश्न करना शुरु कर दिया कि वे कैसे फैक्ट्रियों को संचालित कर रहे हैं। सेना में सैन्य समितियों का गठन किया गया। वैकल्पिक सरकार द्वारा यह महसूस किया जाने लगा की उनकी शक्तियों में गिरावट आ रही थी तथा बोल्शेविकों का प्रभाव बढ़ता जा रहा था। इस वैकल्पिक सरकार ने व्यापक रुप से फैल रहे असंतोष को रोकने के लिए कड़े उपाय किये। इसने कामगारों द्वारा फैक्ट्रियों को संचालित करने को रोक दिया तथा उनके नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया।

- अक्टूबर क्रांति :– 16 अक्टुबर 1917 को लेनिन ने पेट्रोग्राड सोवियत तथा बोल्शेविक पार्टी को सत्ता पर समाजवादी नियंत्रण हेतु मनाया। एक क्रांतिकारी सैन्य समिति की नियुक्ति की गई सोवियत के द्वारा ताकि समाजवादी नियंत्रण स्थापित किया जा सके।

विद्रोह की शुरुआत 24 अक्टूबर 1917 को प्रारम्भ हुई। प्रधानमंत्री केरेन्सकी ने सैनिकों को हाजिर होने का आदेश किया। सैन्य बल जो सरकार के प्रति वफादार थे ने बोल्शेविक समाचार पत्रों के दो भवनों पर कब्जा कर लिया। सरकार समर्थक सैन्य बलों को टेलीफोन तथा टेलीग्राफ कार्यालयों और "विंटर पैलेस" पर नियंत्रण स्थापित करने तथा मंत्रियों को गिरफ्तार करने के आदेश दिये गए। "अरौरा जलयान" को विन्टर पैलेस के लिए रवाना कर दिया गया तथा अन्य जलयानों को विभिन्न राजनीतिक जगहों पर तैनात कर दिया गया। रात तक पुरे शहर पर नियंत्रण स्थापित कर लिया गया तथा मंत्रियों ने समर्पण कर दिया।

पेत्रोग्राद़ में सभी रुसी सोवियतों के कांग्रेस ने इस बोल्शेविक कृत्य को मान्यता प्रदान कर दी। दिसम्बर में मॉस्को में भारी लड़ाई शुरु हो गई तथा बोल्शेविकों ने मॉस्को पर नियंत्रण स्थापित कर लिया।

प्रभाव :–

अधिकांश उद्योगों एवं बैंको का राष्ट्रीयकरण कर दिया गया। भूमि को एक समाजिक सम्पत्ति घोषित कर दिया गया तथा कृषकों को कुलिनों की भूमि को अधिग्रहित करने की अनुमति दे दी गई। पूराने पदवियों के प्रयोग को प्रतिबंधित कर दिया गया। मजदूर संगठानों को पार्टी नियंत्रण के भीतर लाया गया। केन्द्रीकृत नियोजन की प्रक्रिया प्रारम्भ की गई। इन प्रयत्नों ने आर्थिक विकास की गति को तीव्र किया। औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि हुई। खेतों के समुहीकरण को आगे बढ़ाया गया।

- गृह युद्ध – जब बोल्शेविकों ने भूमि ने पुनर्वितरण का आदेश किया तब रुसी सेना में टूट–फूट होना प्रारम्भ हो गया। गैर बोल्शेविक समाजवादीयों, उदारवादीयों तथा अधिनायकवाद के समर्थकों ने इस

बोल्शेविक विद्रोह की निंदा की। इन्हे फ्रांसीसी, अमेरिकी, ब्रिटिश एवं जपानी सैनिकों का समर्थन प्राप्त था। इन सभी ने मिलकर बोल्शेविकों के विरूद्ध युद्ध लड़ना शुरु किया।

- एक समाजवादी समाज का निर्माण– बोल्शेविकों ने गृह युद्ध के दौरान उद्यागों एवं बैंको का राष्ट्रीयकरण किया। केन्द्रीयकृत नियोजन की प्रक्रिया को शुरु किया गया। तीव्र निर्माण एवं औद्योगिकरण की प्रक्रिया प्रारम्भ किया गया। विस्तृत विद्यालयी व्यवस्था विकसित की गई।
- स्टालिन एवं खेतों का समुहीकरण –स्टालिन का मानना था कि धनी कृषकों एवं व्यपारियों द्वारा वस्तुओं की आपुर्ति को रोककर कृत्रिम रुप से कमी पैदा की जाती है। इसलिए खेतों के समुहीकरण का समय की आवस्था ने कृषि के आधुनिकीकरण को भी आगे बढ़ाया। जिस भी कृषक ने खेतों के इस समुहीकरण का विरोध किया उसे सजा दी गई तथा देश से निष्काषित कर दिया गया।
- वैश्विक प्रभाव – 1950 तक यह महसूस किया जाने लग गया था कि रुस में तथा रुस के बाहर जो कुछ भी चल रहा है वह ठीक–ठाक नहीं है तथा रुसी क्रांति के आदर्शों के अनुरुप नहीं है। यह महसूस किया जाने लगा कि यद्यपि उद्योगों एवं कृषि की दशा में सुधार हुआ है। लोगों को भोजन की कमी नहीं रह गई है किन्तु नागरिकों को आवश्यक स्वतंत्राओं से वंचित रखा गया है। हलॉकि रुस में समाजिक आदर्शों को अभी भी अनुपालित किया जा रहा था जो रुसी क्रांति के दौरान अस्तित्व में आये थे।

बहुविकल्पीय प्रश्न – (1 अंक वाले)

प्रश्न 1. निम्नलिखित में से कौन सा समुह किसी भी प्रकार के राजनीतिक एवं सामाजिक परिवर्त्तनों के खिलाफ था ?

(क) राष्ट्रवादी (ख) रुढ़िवादी

(ग) उदारवादी (घ) चरमपंथी

प्रश्न 2. वे लोग जो यूरोप में विद्यमान सरकार को तत्काल प्रभाव से समाप्त करना चाहते थे वे कहलाए :–

(क) राष्ट्रवादी (ख) उदारवादी

(ग) क्रांतिकारी (घ) चरमवादी

प्रश्न 3. फ्रांसीसी क्रांति के पश्चात यूरोप के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सत्य है ?

(क) आचानक यह प्रतीत होने लगा कि 18 वीं शताब्दी का सम्भ्रान्त समाज में परिवर्तन संभव था।

(ख) हलांकि प्रत्येक व्यक्ति समाज में समग्र बदलाव नहीं चाहता था।

(ग) कुछ लोग क्रमिक बदलाव के पक्षधर थे। जबकि कुछ लोग समग्र परिवर्तन के पक्ष में थे।

(घ) उपरोक्त सभी।

प्रश्न 4. रुस का बहुसंख्यक धर्म ....था लेकिन रुसी सम्राज्य में शामिल था..............................।

(क) रुसी आर्थोडॉक्स चर्च जिसकी उत्पत्ति ग्रीक आर्थोडॉक्स चर्च से हुई थी।

(ख) रुसी आर्थोडॉक्स चर्च

(ग) कैथोलिक्स, प्रोटेस्टेंट, मुस्लिम तथा बौद्धधर्म

(घ) ख तथा ग दोनों।

प्रश्न 5. निम्नलिखित में से किस कारक ने रुस में अधिनायकवाद को अलोकप्रिय बना दिया ?

(क) जारीना एलेक्जेन्ड्रा की जर्मन उत्पत्ति मूल

(ख) रॉसपूटिन जैसा कमजोर सलाहकार

(ग) प्रथम विश्वयुद्ध में युद्ध पर हुए विशाल खर्च

(घ) क तथा ख दोनों।

प्रश्न 6. 1914 तक समाजवादियों के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है ?

(क) उन्होने विभिन्न संघो को यूरोप में संसदीय सीटों को जीतने में मदद किया।

(ख) संसदीय राजनीति में व्यापक संख्या द्वारा समर्थित समाजवादियों ने विधायिका को प्रभावित एवं उसे रुप देने में सहायता की।

(ग) यूरोप में वे सरकार बनाने में सफल हुए।

(घ) सरकार तथापि रुढ़िवादियों, उदारवादियों एवं चरमवादियों द्वारा लगातार चलाया जा रहा था।

प्रश्न 7. आप कैसे कह सकते हैं कि उदारवादी लोकतंत्रवादी नहीं थे ?

(क) वे सार्वभौम व्यस्क मताधिकार में विश्वास नहीं करते थे।

(ख) वे ऐसा मानते थे कि सम्पत्ति–शाली पुरुषों को ही मत देने का अधिकार है।

(ग) महिलाओं को मत देने का अधिकार उनके अनुसार नहीं होना चाहिए।

(घ) उपरोक्त सभी।

प्रश्न 8. निम्नलिखित में से कौन सा कथन चरमवादियों के सम्बन्ध में सही नहीं है ?

(क) वे महिलाओं के मताधिकार के समर्थक थे।

(ख) वे बड़े भूमिपतियों के विशेषाधिकारों के विरुद्ध थे।

(ग) वे पूरी तरह से निजी सम्पति के अस्तित्व के विरुद्ध थे।

(घ) वे देश की बहुसंख्यक जनता की इच्छा पर आधारित सरकार की वकालत करते थे।

प्रश्न 9.किस प्रकार का विकास अस्तित्व में आया जिसमें यूरोप में एक नई राजनीतिक प्रवृति का जन्म हुआ?

(क)औद्योगिक क्रांति का आना (ख) नये शहरों का अस्तित्व

(ग) रेलवे का विस्तार (घ) उपरोक्त सभी

प्रश्न 10. वह विचार जिसने 19 वीं शताब्दी के मध्य तक यूरोप में समाज की पुर्नसंरचना पर व्यापक ध्यान आकर्षित किया–

(क) पूँजीवाद (ख) समाजवाद

(ग) अधिनायकवाद (घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 11. इटली में क्रांति को लाने हेतु षड़यंत्र करने वाला था –

(क) बिसमार्क (ख) कार्ल मॉर्क्स

(ग) ज्युसेप मैजिनी (घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 12. रुस में समाजवादी क्रांतिकारी पार्टी की स्थापना कब हुई थी ?

(क) 1898 (ख) 1900

(ग) 1905 (घ) 1910

प्रश्न 13. सेंट पीट्सबर्ग में हड़ताल पर गए कामगारों ने मॉग की –

(क) कार्य के घंटो को 8घंटो से कम करने की मांग

(ख)मजदूरी की दर में वृद्धि

(ग) कार्य की परिस्थितियों में सुधार

(घ) उपरोक्त सभी

प्रश्न 14. जार ने प्रथम ड्यूमा को उसके निर्वाचन के 75 दिनों के भीतर ही क्यों कर दिया ?

(क) क्योंकि यह अच्छे निर्णय ले पाने में सक्षम नह्यी था।

(ख) क्योंकि जार नहीं चाहता था कि कोई उसकी सत्ता पर प्रश्नचिन्ह उठाए।

(ग) प्रथम ड्यूमा का कार्यकाल 75 दिनों का ही था।

(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं।

प्रश्न 15. प्रथम विश्वयुद्ध जो 1914 में प्रारम्भ हुआ था रुस किसके विरुद्ध लड़ा ?

(क) ब्रिटेन एवं फ्रांस (ख) जर्मनी एवं आस्ट्रिया

(ग) अमेरिका (घ) उपरोक्त सभी

प्रश्न 16. 1914 से 1916 के बीच जर्मनी एवं आस्ट्रिया में रुसी सेना की स्थिति क्या थी ?

(क) रुसी सेना ने जर्मनी एवं आस्ट्रिया में व्यापक विनाश को लाया।

(ख) इसने व्यापक संख्या में लोगों को मारा तथा विजयी हुआ।

(ग) रुसी सेना बुरी तरह पराजित हुई।

(घ) इनमें से कोई नहीं।

प्रश्न 17. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सत्य है ?

(क) 1916 तक रुस में रेलवे लाईन टूटने लगी।

(ख) श्रम की कमी होने लगी थी तथा आवश्यक वस्तुओं का उत्पादन करने वाले कार्यशालाएँ बंद हाने लगी थी।

(ग) सेना की खाधान आवश्यक्ता को पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर अनाजों को भेजा जाने लगा।

(घ) उपरोक्त सभी।

प्रश्न 18. 22 फरवरी 1917 को नेवा नदी के दक्षिणी तट पर फैक्ट्री में हुए तालाबंदी का कारण क्या था ?

(क) अत्यधिक सर्दी के कारण कामगारों को काम करना संभव नहीं हो पा रहा था।

(ख) कामगारों को सेना में भर्त्ती किया जा रहा था।

(ग) खाधान आभाव कामगारों के आवासों में व्यापक तौर पर फैला हुआ था।

(घ) क तथा ग दोनों।

प्रश्न 19. 27 फरवरी 1917 को सैनिकों एवं हड़ताली कामगारों ने इकट्ठा हो एक परिषद् का गठन किया जो कहलाता था –

(क) सोवियत परिषद्

(ख) पेट्रोग्राड सोवियत

(ग) मॉस्को संघ

(घ) रुसी परिषद्

प्रश्न 20. जार ने कब गद्‌दी का परित्याग किया ?

(क) 28 फरवरी 1917

(ख) 2 मार्च 1917

(ग) 10 अप्रैल 1917

(घ) 15 मई 1918

प्रश्न 21. इनमें से कौन सी मॉग लेनिन की 'अप्रैल थीसीस' के रुप में जाना जाता है ?

(क) प्रथम विश्व युद्ध का समापन हाना चाहिए।

(ख) भूमि कृषकों को स्थानान्तरित कर दी जानी चाहिए।

(ग) बैंको का राष्ट्रीयकरण कर दिया जाना चाहिए।

(घ) उपरोक्त सभी।

प्रश्न 22. प्रारम्भ में बोल्शेविक पार्टी के अधिकांश सदस्य ' अप्रैल थीसीस ' को लेकर अचंभित क्यों थे ?

(क) वे प्रथम विश्व युद्ध मे निरन्तरता चाहते थे।

(ख) वे सोचते थे कि अभी सामाजिक क्रांति के लिए सही समय नहीं आया है।

(ग) सरकार का इस समय समर्थन किया जाना चाहिए था।

(घ) उपरोक्त सभी।

प्रश्न 23. रुस में खेतो के दौरान बोल्शेविक समूहों का नेतृत्व किया –

(क) कार्ल मॉर्क्स

(ख) फ्रेडरिक एंजेल

(ग) ब्लादिमीर लेनिन

(घ) ट्राटस्की

प्रश्न 24. रुस में खेतों के सामुहिकरण कार्यक्रम की शुरुआत किसने की थी ?

(क) लेनिन

(ख) कार्ल मॉक्स

(ग) रॉसपुटीन

(घ) स्टॉलिन

प्रश्न 25. समाजवादियों ने सरकार के ऊपर किस प्रकार नियंत्रण स्थापित किया ?

(क) 1917 के अक्टुबर क्रांति द्वारा

(ख) 1918 के नवम्बर क्रांति के द्वारा

(ग) 1919 के दिसम्बर क्रांति के द्वारा

(घ) 1920 के फरवरी क्रांति के द्वारा

प्रश्न 26. 1905 के पश्चात अधिकांश समितियॉ एवं मजदूर संघ –

(क) अवैधानिक घोषित हो गए

(ख) वैधानिक घोषित हो गए

(ग) क्रियाशील

(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

प्रश्न 27. 20 वीं शताब्दी के शुरुआत में अधिकांश रुसी लोग कार्य करते थे –

(क) औद्योगिक क्षेत्र

(ख) कृषक क्षेत्र

(ग) खनन क्षेत्र

(घ) परिवहन क्षेत्र

प्रश्न 28. रुसी गृह युद्ध में बोल्शेविकों एवं समाजवादी क्रांतिकारियों का प्रतिनिधित्व करने वालों का प्रतिनिधि रंग क्या था ?

(क) सफेद एवं लाल

(ख) हरा एवं सफेद

(ग) लाल एवं हरा

(घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 29. कृषकों का ' कम्यून ' कहलाता था –

(क) जार

(ख) ड्यूमा

(ग) मीर

(घ) कोसैक्स

प्रश्न 30. रुस में ' खूनी रविवार ' की घटना के दौरान कामगारों के जूलुस का नेतृत्व किसने किया।

(क) लेनिन

(ख) स्टालिन

(ग) केरेन्सकी

(घ) फॉदर गैपन

लघु उत्तरीय प्रश्न (3 अंक)

प्रश्न 1. यूरोप में उदारवादियों एवं चरमवादियों के विचारों में क्या अंतर था ?

उत्तर – उदारवादी सार्वभौम व्यस्क मताधिकार में विश्वास नहीं करते थे। इसके विपरीत परमवादी चाहते थे कि सरकार का निर्माण देश की बहुसंख्यक जनता की इच्छा पर आधारित हो।

उदारवादियों का मानना था कि मताधिकार केवल सम्पत्तिशील पुरुषों को ही हो। वे महिलाओं के मताधिकार के विरुद्ध थे। दूसरी तरफ चरमवादी महिलाओं के मताधिकार के समर्थक थे। वे सार्वभौम मताधिकार के समर्थक तथा भूमिपतियों के विशेषाधिकारों तथा धनी फैक्ट्री मालिकों के द्वारा धन संचयन के विरुद्ध थे।

प्रश्न 2. हम ऐसा क्यों कहते हैं कि इस समय के उदारवादी लोकतंत्रवादी नहीं थे ?

उत्तर – ऐसा इसलिए कि इस समय के उदारवादी प्रतिनिधिक व निर्वाचित लोकतांत्रिक सरकारों के पक्षधर तो थे किन्तु सार्वभौम व्यस्क मताधिकार के पक्षधर नहीं थे। उनका मानना था कि महिलाओं को मताधिकार नहीं होना चाहिए तथा पुरुषों में भी केवल उन्हें ही मताधिकार हो जिनके पास सम्पत्ति हो।

प्रश्न 3. उदारवादियों एवं चरमवादियों के अनुसार समाज का विकास कैसे होना चाहिए ?

उत्तर – उदारवादी एवं चरमवादी प्रायः सम्पत्तिशाली एवं नियोजक थे।

उन्होंने औद्योगिक गतिविधियों एवं व्यापार द्वारा सम्पत्ति बनायी थी। वे सख्ती से ऐसा विश्वास करते थे कि ऐसे प्रयासों को बढ़ावा दिया जाए जिससे अधिकाधिक लाभ की प्राप्ति हो।

उनका मानना था कि समाज तभी विकसित हो सकता है यदि गरिबों को काम मिला, व्यक्ति की स्वतंत्रता को आश्वस्त किया जाए तथा जिनके पास पुॅंजी है वे बिना किसी बाधा के उसका संचालन कर सकें।

प्रश्न 4. क्यों समाजवादी निजी सम्पत्ति के खिलाफ थे और इसे सभी सामाजिक बुराइयों की जड़ देखते थे ?

उत्तर – 1. समाजवाद का प्रचार करनेवाले लोग कहते थे कि जो लोग निजी सम्पत्ति रखते हैं अनेक लोगों को रोजगार प्रदान करते हैं पर वे केवल व्यक्तिगत फायदे को देखते हैं।

1. वे लोगों के कल्याण की चिंता नहीं करते।
2. उन्होंने महसूस किया कि यदि समाज सम्पत्ति नियंत्रित करेगा, तो सामूहिक सामाजिक हितों पर विशेष ध्यान दिया जा सकेगा।

प्रश्न 5. 'खूनी रविवार' के रूप में ज्ञात घटना का वर्णन करें।

उत्तर– 1. 110,000 से अधिक श्रमिकों के 1905 में सेंट पीटर्सबर्ग में कार्य दिवस कम करते हुए आठ घंटे करने, मजदूरी में वृद्धि और कार्य को परिस्थितियों में सुधार की मांग को लेकर हड़ताल पर गये।

2. जब यह जुलूस विंटर पैलेस पहुँचा, तब इस पर पुलिस और कोसैक्स ने इमला किया।

3 100 से अधिक मजदूर मारे गए और करीब 300 घायल हुए। ' खूनी रविवार ' के रुप में ज्ञात इस घटना ने घटनाओं की श्रृंखला शुरु कर दी जिसे 1905 की क्रांति के रुप में जाना गया।

प्रश्न 6. रुस के उद्योगों पर युद्ध ने क्या प्रभव डाला ?

उत्तर – रुस के उद्योग संख्या में बहुत कम थे और बाल्टिक सागर पर जर्मनी के नियंत्रण से औद्योगिक सामानों की आपूर्ति बंद हो चुकी थी। यूरोप के बाकी देशों के मुकाबले रुस के औद्योगिक उपकरण ज्यादा तेजी से बेकार होने लगे। 1916 तक रेलवें लाइनें टूटने लगी। अच्छी सेहत वाले मर्दो को युद्ध में झोंक दिया गया। देशभर में मजदूरों की कमी पड़ने लगी और जरुरी समान बनानेवाली छोटी–छोटी वर्कशाप्स ठप्प होने लगीं।

प्रश्न 7. सामूहिक फार्म का निर्णय क्यों लिया गया ?

उत्तर – 1. यह सोचा गया कि देहात के धनी किसानों और व्यापारियों द्वारा कीमत की उम्मीद में स्टॉक रखा गया है।

2 इसने अभाव पैदा कर दिया है।

3 वह ऐसा भी सोचता था कि छोटे आकार के फार्म को आधुनिक नहीं बनाया जा सकता।

4 वह ऐसा सोचता था कि उस समय की मांग आधुनिक फार्म को विकसित करने की तथा उन्हें

मशिनों के साथ उधोगों के साथ चलाने की है।

प्रश्न 8. 1950 से ऐसा माना जाता था कि देश के भीतर सोवियत संघ के सरकार की शैली एसी क्रांति के विचारों (आदेशों) से पृथक है। ऐसा क्यो कहा जाता था ?

उत्तर –1. 1950 के दशक में ऐसा माना जाता था कि देश के भीतर सोवियत शासन शैली रुसी क्रांति के आदेशों से मेल नहीं खाती है।

2 पिछड़ा हुआ देश रुस अब एक महान शक्ति बन चुका था।

3 इसके उद्योग और कृषि ने प्रगति की और गरीब कम हाने लगे।

4 लेकिन नागरिक की आवश्यक स्वतंत्रताएँ नकार दी गई और विकासात्मक परियोजनाओं को दमनकारी नीतियों से लागू किया गया।

प्रश्न 9. 1905 के किसान विद्रोह में जार की क्या भूमिका थी ?

उत्तर –1. 1905 की क्रांति के दौरान जार ने एक चुनी हुई सम्पर्क करनेवाली संसद या ड्यूमा के निर्माण की अनुमति दी। जार ने इसे 75 दिनों के भीतर बर्खास्त कर दिया और पुनः चुनाव करवाया।

2. दूसरी ड्यूमा तीन माह के अन्दर । वह अपने अधिकार पर किसी तरह का प्रश्न नहीं चाहता था और न अपने अधिकारों में कमी चाहता था। उसने मतदान के नियमों को बदला और तीसरे ड्यूमा को अनुदार राजनीतिज्ञों से भर दिया।

प्रश्न 10. मार्क्सवादी सिद्धांत के मूल सिद्धांत क्या थे ?

उत्तर – 1. मार्क्स विश्वास करता था कि मजदूरों की स्थिति तबतक नहीं सुधरेगी जबतक निजी पूंजीपतियों द्वारा मुनाफे जमा किये जाते रहेंगे।

2 मजदूरों को पूंजीवाद और निजी सम्पत्ति के नियमों को उखड़ फेकना होगा।
3 मजदूरों को एक क्रांतिकारी समाजवादी समाज का निर्माण करना होगा जिसमें सभी सम्पत्तियॉ समाज द्वारा नियंत्रित की जाएंगी, यह एक साम्यवादी समाज होगा और साम्यवादी समाज ही भविष्य का प्राकृतिक समाज होगा।

प्रश्न 11. संक्षेप में पंचवर्षीय योजनाओं की विवेचना करें ?

उत्तर – एक केन्द्रीकृत योजना की प्रक्रिया को लगाकर किया गया, अधिकारियों ने मूल्यांकन किया कि किस प्रकार अर्थव्यवस्था काम करेगी और पॉच वर्षो के लिए लक्ष्य निर्धारित किये जिसके आधार पर उन्होने पंचवर्षीय योजनाओं को बनाया। पहली दो योजनाओं (1927–32 और 1933–38) के दौरान औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने सभी मूल्य तय किये, केन्द्रीकृत योजनाओं से आर्थिक विकास हुआ।

लंबे उत्तर वाले प्रश्न :–

प्रश्न 1. व्याख्या करें कि समाज किस प्रकार समाजवादियों के अनुसार बिना संपत्ति के चल सकता है। समाजवादी समाज का आधार क्या होगा ?

उत्तर – केवल व्यक्तिगत प्रयासों से बड़े पैमाने पर सहकारी समितियॉ नहीं बन सकेंगी।

1. समाजवादी चाहते थे कि सरकार सहकारी–समितियों को अवश्य प्रोत्साहित करे तथा पूंजीवादी उद्यमों (कल–कारखाने) को बदले।
2. वे कहते थे कि सहकारी समितियॉ लोगों का संघ बने जो मिल जुलकर वस्तुओं का उत्पादन करे और सदस्यों द्वारा किए गए काम के अनुसार उनमें मुनाफे को बांट दे।
3. तर्क के इस निकाय के साथ अधिक विचार जोड़े गये।
4. ये विचार कार्ल मार्क्स और फ्रेडरिक एंगेल्स द्वारा जोड़े गये। मार्क्स ने तर्क किया कि औधोगिक समाज पूॅजीवादी है। पूंजीपति कल–कारखानों में निदेश किये गए पूंजी पर अधिकार रखते हैं।
5. मुनाफा जो पूंजीपतियों को इन कारखानों के माध्यम से मिला है, मजदूरों द्वारा उत्पादित हैं। मजदूरों ने मुनाफे में योगदान दिया है, पर उनको कुछ भी प्राप्त नहीं होता है।

प्रश्न 2. स्टालिन के सामहिकीकरण कार्यक्रम की विवेचना करें।

उत्तर–

1. स्टालिन महसूस करता था कि सामूहिकीकरण निश्चित तौर पर कमी की समस्या का समाधान करेगा।
2. 1929 से पार्टी ने किसानों को सामूहिक फार्म (कोलखोज) में खेती करने के लिए बाध्य किया।
3. ज्यादातर जमीन और साजो–समान सामूहिक खेतो के स्वामित्व में सौप दिए गए।
4. सभी किसान सामूहिक खेतों पर काम करते थे और कोलखोज के मुनाफे को सभी किसानों के बीच बॉट दिया जाता था।
5. इस फैसले से गुस्साए किसानों ने सरकार का विरोध किया और वे अपने जानवरों को खत्म करने लगे। 1929 से 1931 के बीच मवेशियों की संख्या मे एक–तिहाई कमी आ गई।

प्रश्न 3. क्रांति में व्लादिमीर लेनिन की भूमिका आर्थिक नीति में उसके योगदान पर विचार करें।

उत्तर –

1. 1917 के रुसी क्रांति में ब्लादिमीर लेनिन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
2. जर के पतन के बाद लेनिन ने क्रांतिकारियों का नेतृत्व किया, लेनिन के नेतृत्व में बोल्शेविक पार्टी ने युद्ध समाप्त करने के लिए स्पष्ट नीतियों को सामने रखा।
3. किसानों को जमीन सौप दी गई तथा ' सभी अधिकार सोवियतों को ' का नारा दिया गया।
4. वह इस विचार था कि गैर रुसी जातियों को बिना बराबर के अधिकार दिये वास्तविक जनतंत्र की स्थापना नहीं हो सकेगी।
5. ये रुसी क्रांति के वास्तविक लक्ष्य थे और उसने उन सभी लक्ष्यो को प्राप्त किया इसलिए रुसी क्रांति के साथ लेनिन का नाम अकाट्य रुप से जुड़ गया है।

प्रश्न 4. रुसी क्रांति के तात्कालिक परिणाम क्या थे ?

उत्तर –

1. नवम्बर, 1917 में अधिकांश कल–कारखाने और बैंक राष्ट्रीयकृत कर दिये गये।
2. इसका अर्थ था कि सरकार ने इनका स्वामित्व और प्रबंधन ले लिया है। जमीन को सामाजिक सम्पत्ति घोषित कर दिया गया।
3. किसानो को अनुमति दी गई कि वे जमिंदारो के जमीन पर कब्जा कर ले।
4. शहरो में बेल्शेविकों ने परिवार की आवश्यक्तानुसार बड़े मकानों के विभाजन पर जोड़ दिया।
5. उन्होनें कुलीनता के पुराने उपाधियों के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया।

प्रश्न 5 किस प्रकार विश्व युद्ध में रुस का शामिल होना जार के पतन का कारण बना ?

उत्तर –

1. इस युद्ध को शुरु–शुरु में रुसियों का काफी समर्थन मिला। जनता ने जार निकोलस का साथ दिया।

2. लेकिन जैसे–जैसे युद्ध लंबा खिचता गया समर्थन कम और जार की लोकप्रियता कम होती चली गई। जर्मन विरोधी भावनाएँ बलवती होने लगी।
3. जारीना अलेक्सांद्रा के जर्मन मूल का होने और उसके घटिया सलाहकारों , खास तौर से रासपुतिन नामक एक संयासी ने राजशाही को और लोकप्रिय बना दिया।
4. पराजय हिला देने तथा हतोत्साहित कर देने वाली थी। 1914 और 1916 के बीच रुसी सेना जर्मनी और आस्ट्रिया में बुरी तरह पराजित हुई। 1917 तक 70 लाख लोग मारे जा चुके थे।
5. फसलों और इमारतों के विनाश से रुस में करीब 30 लाख से ज्यादा लोग शरणार्थी हो गए। इन हालात ने सरकार और जार, दोनों को अलोकप्रिय बना दिया।

उच्चस्तरीय कौशल वाले प्रश्न–

प्रश्न (1) कौन सी परिस्थितियाँ रुसी गृह–युद्ध (1918–1920) की ओर ले गई ? कोई चार बिन्दु।

उत्तर– (1) जब बोल्शेविको ने जमीन के पुनर्वितरणो का आदेश दिया तो रुसी सेना टूटने लगी । ज्यादातर सिपाही किसान थे। वे भूमि पुनर्वितरण के लिए घर लौटना चाहते थे इसलिए सेना छोड़कर जाने लगे।

(2) गैर बोल्शेविक समाजवादियों, उदारवादियों और राजशाही के समर्थकों ने बोल्शेविक विद्रोह की निंदा की। उनके नेता बोल्शेविकों से लड़ने के लिए टुकड़ियाँ संगठित करने लगे।

(3) 1918 और 1919 में रुसी साम्राज्य के ज्यादातर हिस्सों पर सामाजिक क्रांतिकारियों (ग्रीन्स) और जार–समर्थक (व्हाइट्स) का ही नियंत्रण रहा। उन्हे फ्रांसीसी, अमेरिकी, ब्रिटिश और जापानी टुकड़ियों का भी समर्थन मिल रहा था। इन टुकड़ियों और बोल्शेविकों के बीच चले गृह युद्ध के दौरान लूटमार, डकैती और भुखमरी जैसी समस्याएँ बड़े पैमाने पर फैल गई।

(4) 'व्हाइटस' में जो निजी संपत्ति के समर्पक थे उन्होने जमीन पर कब्जा करनेवाले किसानों के खिलाफ काफी सख्त रवैया अपनाया।

प्रश्न (2) रुसी क्रांति के विश्व पर पड़े प्रभाव पर विचार करें।

उत्तर –

1. बोल्शेविकों ने जिस तरह सत्ता पर कब्जा किया था और जिस तरह उन्होने शासन चलाया उसके बारे में यूरोप की समाजवादी पार्टियाँ बहुत सहमत नहीं थी।
2. लेकिन मेहनतकशों के राज्य की स्थापना की संभावना ने दुनिया भर के लोगों में एक नई उम्मीद जगा दी थी। बहुत सारे देशों में कम्युनिस्ट पार्टियों का गठन किया गया।
3. बोल्शेविको ने उपनिवेशों की जनता को भी उनके रास्ते का अनुसरण करने के लिए प्रोत्साहित किया। अनेक गैर–रुसियों को सोवियत संघ की कम्युनिस्ट युनिवर्सिटी ऑफ द वर्कर्स ऑफ दि ईस्ट में शिक्षा दी गई। जब दूसरा विश्वयुद्ध शुरु हुआ तबतक सोवियत संघ की वजह से समाजवाद को एक वैश्विक पहचान और हैसियत मिल चुकी थी।

प्रश्न (3) 1905 के पूर्व रुस की समाजिक, आर्थिक तथा राजनीतिक दशा क्या थी ?

उत्तर – समाजिक दशा– रुस में विभिन्न सामाजिक हैसियत वर्ग धर्म और कई राष्ट्रों के लोग रहते थे। रुसी भाषा के बोले जाने से इन लोगों की संस्कृतियॉ महत्वहीन हो रही थीं। रुसी आबादी के कई समूह किसान, कामगार, भूस्वामी, पूंजीपति, उधोगपति तथा व्यापारी थे।

आर्थिक दशा – 85 प्रतिशत रुसी कृषक थे। विशाल आबादी को कृषि रोजगार देती थी। खेती करने वाले बाजार और अपनी आवश्यक्ताओं के लिए भोजन उत्पादन करते थे।

राजनीतिक दशा– जार की सेवा कर न कि स्थानीय लोकप्रियता से कुलीन अपनी शक्ति तथा हैसियत पाते थे और उनके लिए लड़ते थे। रुस में किसान कुलीनों की भूमि चाहते थे, वे लगान देने से इन्कार करते थे और यहॉ तक कि जमीन्दारों की हत्या कर देते थे।

मुल्य आधारित प्रश्न :–

प्रश्न 1. क्यों समाजवादी निजी सम्पत्ति के खिलाफ थे ?

प्रश्न 2. 1904 में सेंट पीटर्सबर्ग में हड़ताल पर जानेवालें मजदूरों की मांगो का उल्लेख करें।

प्रश्न 3. 1917 की रुसी क्रांति के कारणों की विवेचना करें।

बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर :–

1 (ख) 2. (ग) 3. (घ) 4. (घ) 5. (घ) 6. (ख) 7. (घ) 8. (ग)

9. (घ) 10. (ख) 11. (ग) 12. (ख) 13. (घ) 14. (ख) 15. (ख) 16.(ग)
17. (घ) 18. (घ) 19. (ख) 20. (ख) 21.(घ) 22. (ख) 23. (ग)
24. (घ) 25. (अ) 26. (अ) 27. (ख) 28. (ग) 29. (ग) 30. (घ)

अध्याय–3 नाजीवाद एवं हिटलर का उदय (इतिहास)

वाइमर गणराज्य का जन्म

जर्मनी, ऑस्ट्रियाई साम्राज्य के साथ मिल कर मित्र राष्ट्रों (इंग्लैण्ड, फ्रांस) के खिलाफ पहला विश्व युद्ध (1914–1918) में लड़ा था। जर्मनी ने प्रारम्भ में फ्रांस व बेल्जियम पर कब्जा कर सफलता हासिल की लेकिन आखिरकार, नवंबर 1918 में केन्द्रीय शक्तियों के साथ जर्मनी की हार हुई।

वाइमर नामक स्थान पर एक राष्ट्रीय सभा की बैठक बुलाई गई और एक लोकतांत्रित संविधान पारित किया गया तथा संघीय व्यवस्था कायम किया गया। लेकिन नया गणराज्य खुद जर्मनी के ही लोगो को पसन्द नहीं आ रहा था।

इसका कारण –

1) पहले विश्व में जर्मनी की पराजय के बाद विजयी देशों ने उस पर कठोर शर्तें थोप दी थी।

2) मित्र राष्ट्रों के साथ वसीय में हुई शांति–संधि बहुत ही कठोर व अपमान जनक थी।

युद्ध का असर

इस युद्ध का असर पूरे महाद्वीप पर मनोवैज्ञानिक व आर्थिक, दोनों ही स्तर पर असर प्रभावित किया।

1. प्रथम विश्वयुद्ध के पूर्व तक यूरोप कर्ज़ देने वाले देशों कहलाता था लेकिन अब कर्ज़दारों का महाद्वीप बन गया। वाइमर गणराज्य के हिमायतियों में मुख्य रूप से समाजवादी, कैथलिक और डेमोक्रेट खेमे के लोग थे, अब इन पर हमले होने लगे। इन्हें ''नवम्बर का अपराधी'' कहकर मज़ाक उड़ाया जाने लगा।

2. सिपाहियों को आम नागरिकों के मुकाबले ज्यादा सम्मान दिया जाने लगा।

3. आक्रामक युद्ध व राष्ट्रीय सम्मान को प्राथमिकता दिया जाने लगा।

राजनीतिक रैडिकलवाद और आर्थिक संकट : वाइमर गणराज्य की स्थापना के समय से ही जर्मनी में रूस की शांति स्पार्टकिस्ट लींग अपने क्रांतिकारी विद्रोह की योजनाओं को अंजाम देने लगी। अंततः समाजवादियों, डेमोक्रैटस और कैथोलिक गुटों द्वारा इस विद्रोह को दबा दिया गया। इसके पश्चात् स्पार्टकिस्टों ने जर्मनी में कम्युनिष्ट पार्टी की नींव डाली।

राजनीतिक रेडिकलवादी विचारों को 1923 के आर्थिक संकट से और बल मिला। 1923 में जर्मनी ने कर्ण़ और हर्जाना चुकाने से इनकार कर दिया। इसका परिणाम यह हुआ कि फ्रांस ने जर्मनी के मुख्य औद्योगिक इलाके रूर पर कब्ज़ा कर लिया। अंततः जर्मनी ने बड़े पैमाने पर कागजी मुद्रा छापना शुरू कर दिया। जर्मनी मुद्रा की मार्क का मूल्य तेजी से गिरने लगा।

परिणाम – जर्मनी में अति–मुद्रास्फीति की स्थिति बन गई।

मंदी का साल – सन् 1924 से 1928 तक जर्मनी में कुछ स्थिरता रही। लेकिन यह स्थिरता ज्यादा समय तक कायम न नहीं क्योंकि यह अमेरिका से लिए अल्पकालिक कर्जो पर आश्रित थी।

जर्मनी की अर्थव्यवस्था पर बुरा प्रभाव।

1. औद्योगिक उत्पादक 40 प्रतिशत गिर गया।

2. मजदूर बेरोजगार हो गये।

3. मजदूरी बहुत कम हो गई।

4. चारों तरफ निराशा का माहौल

5. समाज के लोगों को सर्वहाराकरण (मजदूर बनने की स्थिति) का भय सताने लगा।

वाइमर गणराज्य राजनीतिक स्तर पर बड़े नाजुक दौर से गुजर रहा था।

कमियाँ –

1. आनुपातिक प्रतिनिधित्व से संबंधित– किसी एक पार्टी को बहुमत मिलना नामुमकिन था।

2. अनुच्छेद पक्ष – राष्ट्रपति को आपातकाल लागू करने नागरिक अधिकार रद्द करने, अध्यादेशों के जरिए शासन चलाने का अधिकार दिया गया था जिसका अनुचित प्रयोग किया गया था।

हिटलर का उदय

हिटलर का जन्म 1889 में ऑस्ट्रिया में हुआ था, अपने गरीबी के कारण शुरूआत में उसने फौज में भर्ती हुआ। बहादुरी के लिए कुछ तमगें हासिल किये।

1. जर्मन सेना की पराजय ने उसे हिला दिया

2. वसीय की संधि ने उसे आग बबूला कर दिया।

3. 1919 में जर्मन वर्क्स पार्टी की सदस्यता की व धीरे धीरे नैशनल सोशलिस्ट पार्टी का नया नाम दिया इसे नान्सी पार्टी के नाम से जाना गया।

जर्मनी में हिटलर के प्रसिद्धि के कारण

1. हिटलर ज़बर्दस्त वक्ता था।

2. महामंदी का दौर

3. नात्सी प्रोपेगैंडा ने लोगों को बेहतर भविष्य दिखाया।

4. एक शक्तिशाली राष्ट्र व वसीय की संधि द्वारा हुए अपमान का बदला लेने की बात ने हिटलर को प्रसिद्धि दिलायी।

लोकतंत्र का ध्वंस

30 जनवरी 1933 को राष्ट्रपति हिंडनवर्ग ने हिटलर का चांसलर का पद भार दिया। हिटलर ने धीरे–2 लोकतांत्रिक शासन की संरचना और संस्थाओं को भंग करना प्रारम्भ किया।

28 फरवरी 1933 को जारी किए गए अग्नि अध्यादेश के जरिये अभिव्यक्ति, प्रेस व सभा करने की आजादी जैसे अधिकार समाप्त कर दिये। कम्युनिष्टों को रातो रात कंसन्ट्रेशन कैंपो में बंद कर दिया। राजनीतिक पार्टीयों को प्रतिबंधित कर दिया गया।

पुननिर्माण

हिटलर ने अर्थव्यवस्था को सम्भालने की जिम्मेदारी अर्थशास्त्री हालमार शाख़्त को सौपी। मशहूर सुपर हाइवे और जनता की कार – फ्रॉक्सवैगन एक मशहूर कार्यक्रम रहा।

विदेशी मोर्चे पर हिटलर ने 1933 में 'लीग आफ नेशंस से पल्ला झाड़ा। 1936 में राइनलैण्ड पर दोबरा कब्जा किया। एक जन–एक साम्राज्य और एक नेता के नारा दिया व ऑस्ट्रिया, सुडेंटनलैण्ड का अपने जर्मनी में मिला लिया। फिर पुरे चेकोस्लावाकिया को हड़प लिया।

हिटलर ने 1 सितम्बर 1939 में पौलेण्ड में आक्रमण किया जिसके कारण फ्रांस व इंग्लैण्ड के साथ द्वितीय विश्वयुद्ध प्रारम्भ हो गया।

इस युद्ध में अमेरिका अपने पर्ल हार्बर पर हुए बमबारी के कारण शामिल हुआ।

यह युद्ध मई 1945 में हिटलर की पराजय और जापान के हिरोशिमा शहर पर अमेरिका द्वारा परमाणु बम गिराने से खत्म हुआ।

नात्सियों का विश्व दृष्टिकोण

नात्सी विचारधारा ने सभी समाजों को बराबरी का हल नहीं दिया, वे नस्ली आधार पर या तो बेहतर थे या कमजोर थे।

ब्लॉन्ड, नीली आंखो वाले, नॉर्डिक जर्मन आर्य सबसे ऊपर व यहूदी सबसे नीचले स्तर पर थे।

नात्सियों ने मौजूदा समाजों से उन नस्लों को खत्म करना प्रारम्भ किया जो अवांछित थे। उन्होने यहूदी, जिप्सियों, अश्वेतों, रुस व पौलेण्ड नागरिको एवं विकंलागों को अवांछित माना।

नात्सी जर्मनी में सबसे बुरा हाल यहूदियों का था। हिटलर की 'दुष्टि' में इस समस्या का एक ही हल है – यहूदियों को पूरी तरह खत्म कर देना। 1933 से 1938 तक नान्सियों ने यहूदियों को तरह–2 से आतंकित किया। उन्हे गैस चेम्बरों में ले

जाकर मार दिया जाने लगा। 1939–1945 के दूसरे दौर में यहूदियों को कुछ खास इलाकों में इक्ट्ठा करने और अंततः पौलैंड में बनाये गैस चेंबरों में ले जाकर मार दिया जाने लगा।

नस्ली कल्पनालोक (यूरोपिया)

जनसंहार व युद्ध एक ही सिक्के के दो पहलु बन गये। पराजित पोलैण्ड को पूरी तरह तहस–नहस कर दिया पौलैण्ड वासियों को खदेड़ कर जनरल गवर्नमेण्ट नामक दूसरे हिस्से में पहुँचा दिया गया।

नात्सी जर्मनी में युवाओं की स्थिति –

हिटलर का मानना था कि शक्तिशाली नात्सी समाज के लिए बच्चों को नान्सी विचारधारा की छुट्टी पिलाना जरूरी है।

- स्कूलों में सफ़ाए व शुद्धिकरण की मुहिम चलाई गयी।
- यहूदी, जिप्सियों, विकलांग के बच्चों को स्कूलों से निकाल दिया गया।
- स्कूल में ''नस्ल विज्ञान'' नामक नया विषय लागू किया गया
- खेलकूद के जरिये बच्चों में हिंसा और आक्रामकता की भावना पैदा की गई।
- 10 साल की उम्र में बच्चों को युंगफ़ोक में दाखिला।
- 14 साल की उम्र में सभी लड़को को नात्सियों के युवा संगठन ''हिटलर यूथ'' में शामिल होना अनिवार्य।
- 1922 में नात्सी यूथ लीग का गठन हुआ।

मातृत्व की नात्सी सोच

नात्सी समाज में औरत मर्द के अधिकार बराबर नहीं है।

लड़कियों को यह कहा जाता था कि उनका फ़र्ज एक अच्छी माँ बनना और शुद्ध आर्य रक्त वाले जन्म देना और उनका पालन–पोषण करना है। जयादा से ज्यादा बच्चों को जन्म देना औरतों का फ़र्ज था।

प्रचार की कला – नात्सी शासन ने भाषा और मीडिया का बड़ी होशियारी से इस्तेमाल किया गया। सामूहिक हत्याओं को विशेष व्यवहार, अंतिम समाधान यूनिज़िया, चयन और संक्रमण–मुक्ति आदि शब्दों का प्रयोग किया गाय।

आम जनता और मानवता के खिलाफ़ अपराध लोगों ने दुनिया को नात्सी विचारों से देखने लगे। लेकिन कुछ लोगो ने नात्सीवाद का जमकर विरोध भी किया।

<u>होलोकास्ट के बारें में जानकारियाँ</u>

यहूदियों के साथ हुए अत्याचार का जानकारी धीरे–धीरे दुनिया के सामने युद्ध की समाप्ती के पश्चात् आई। नात्सी द्वारा किये गये कत्लआम को <u>महाध्वंस</u> भी कहा जाता है।

बहुविकल्पीय प्रश्न :–

प्रश्न 1. नवनिर्मित वाइमर गणराज्य के प्रति जर्मनवासियों की क्या प्रतिक्रिया थी ?

उत्तर – (क) नव वाइमर गणराजय को जर्मन ने घर व वार्साय में हुए अपमान का कारण माना।

(ख) वाइमर गणराज्य को युद्ध का दोषी व राष्ट्रीय अपमान का कारण माना।

(ग) रुढ़िवादी या पुरातनपंथी की आड़ में वाइमर समर्थकों पर हमला होना।

(घ) उपरोक्त सभी।

प्रश्न 2. प्रथम विश्व युद्ध ने यूरोपीय समाज व राजनीति में क्या प्रभाव छोड़ा ?

उत्तर – (क) सैनिकों का नागरिकों से उच्च स्थान तथा खंदको की जिन्दगी का गुणगान।

(ख) राजनेता तथा प्रचारक द्वारा आक्रामक, ताकतवर तथा मर्दाना गुण पर जोर।

(ग) आक्रामक युद्ध प्रचार व राष्ट्रीय सम्मान व प्रतिष्ठा की चाह तथा रुढिवादी तानाशहों को व्यापक जनसमर्थन दिया गया।

(घ) उपरोक्त सभी।

प्रश्न 3. निम्नलिखित कथनों में प्रथम विश्व युद्ध के सैनिकों से सम्बन्धित कौन सा तथ्य गलत है ?

उत्तर –(क) सिपाही खन्दकों मे दयनीय जिंदगी जी रहे थे।

(ख) वे जहरीली गैस, दुश्मनों की गोलाबारी का सामना करते हुए साथियों को मरते देखते थे।

(ग) सभी सिपाही देश व अपने यश के लिए मरने को तैयार थे।

(घ) आक्रामक प्रचार ने युद्ध को महामंडित किया।

प्रशन 4. निम्नलिखित में से कौन सा कथन हिटलर से संबंधित गलत है –

उत्तर – (क) हिटलर का जन्म 1889 में ऑस्ट्रिया में हुआ था व बचपन गरीबी में बीता।

(ख) प्रथम विश्व युद्ध के दौरान सेना मे भर्ती हुआ तथा मेडल जीता।

(ग) वह जर्मन के हार से विचलित नहीं था।

(घ) 1919 में उसने जर्मन वर्कर्स पार्टी नामक एक छोटे से समूह की सदस्यता ली जो बाद में नाजी पार्टी बनी।

प्रश्न 5. वर्साय की संधि, जर्मनी के लिए कठोर व अपमान जनक थी क्योंकि –

उत्तर– (क) जर्मनी से सारे उपनिवेश छीन गये तथा 13 प्रतिशत भूभाग भी ले लिये गये।

(ख) उसके 75 प्रतिशत लौंह भंडार, 26 प्रतिशत कोयला भंडार फ्रांस, पोलैण्ड, डेनमार्क तथा लिथुआनिया के हवाले करना पड़ा।

(ग) उसकी सेना भंग कर दी गई तथा राइनलैण्ड पर भी बीस की दशक में ज्यादातर मित्र राष्ट्रों का ही कब्जा रहा।

(घ) उपरोक्त सभी।

प्रश्न 6. निम्नलिखित में से हिटलर की खास, सुरक्षा सेना थी –

उत्तर –(क) मौजूदा हरी वर्दीधारी पुलिस व स्ट्रॉर्प टूपर्स

(ख) गेस्तापो, एस एस।

(ग) सुरक्षा सेवा।

(घ) ख व ग दोनों।

प्रश्न 7. हिटलर की महान भूल क्या थीं व क्यों ?

उत्तर –(क) 1941 में सोवियत संघ पर आक्रमण।

(ख) जर्मन पश्चिमी मोर्चा ब्रिटिश बमबारी के चपेट में आना।

(ग) सोवियत लाल सेना ने स्तालिनग्रद में जर्मन सेना को हराया।

(घ) उपरोक्त सभी।

प्रश्न 8. हिटलर का विश्व दृष्टिकोण जो कि नाजी सोच भी थी के अन्तर्गत आता था –

उत्तर –(क) सभी समाजों को बराबरी का हक नहीं था वे नस्ली आधार पर या तो बेहतर थे या कम।

(ख) ब्लॉन्ड, नीली ऑखों वाले नार्डिल जर्मन आर्य सबसे ऊपर व यहूदी सबसे नीचें।

(ग) यहूदियों को नस्ल विरोधी माना गया।

(घ) उपरोक्त सभी।

प्रश्न 9. हेलमुट के पिता ने 1945 के वसंत मे आत्महत्या क्यों की ?

उत्तर –(क) जर्मनी के द्वितीय विश्वयुद्ध में हार के कारण हताश था।

(ख) वो डरा हुआ था कि आम आदमी उसके व उसके परिवार के साथ दुर्व्यवहार करेंगें।

(ग) मित्र शक्तियों द्वारा बदला लेने के भय के कारण।

(घ) नाजी शासन के दौरान जो हिंसा वह किया था इसलिए वो मृत्यु को प्राप्त होना चाहता था।

प्रश्न 10. निम्नलिखित में से कौन द्वितिय विश्व युद्ध मे मित्र शक्तियॉ थी।

उत्तर –(क) ब्रिटेन व फ्रांस।

(ख) रुस व अमेरिका।

(ग) जर्मनी व आस्ट्रिया।

(घ) क व ख दानों।

प्रश्न 11. द्वितीय विश्वयुद्ध के अंत में युद्ध आपराधों की समीक्षा के लिए कौन सी संस्था की स्थापना की गई ?

उत्तर –(क) अन्तराष्ट्रीय सैनिक अदालत।

(ख) ब्रिटिश सैनिक ट्रिब्यूनल।

(ग) मित्र सैनिक ट्रिब्यूनल।

(घ) मित्र न्यायिक कोर्ट।

प्रश्न 12. जर्मनी का नस्लीय विचारधारा निम्नलिखित में से किनके खिलाफ था –

उत्तर –(क) यहूदी एवं राजनीतिक विरोधी।

(ख) जिप्सीयों व पोलिस।

(ग) मानसिक व शारीरिक रुप से विकलांग।

(घ) उपरोक्त सभी।

प्रश्न 13. नयूरेम्वर्ग ट्रबूनल

उत्तर –(क) सिर्फ 11 नाजी ही दोषी पाये गये थे।

(ख) मित्र राष्ट्र पराजित जर्मनी के साथ प्रथम विश्व युद्ध जैसा व्यवहार नहीं करना चाहता है।

(ग) जर्मनी ने दोबारा ऐसा न करने का वादा किया।

(घ) जर्मनी, क्षतिपूर्ति की बड़ी रकम मित्र राष्ट्रों को देने के लिए तैयार था।

प्रश्न 14. 1914–1918 में हुए प्रथम विश्व युद्ध में जर्मनी निम्नलिखित में से किन देशों से युद्ध किया –

उत्तर –(क) इंग्लैण्ड।

(ख) फ्रांस।

(ग) रुस।

(घ) उपरोक्त सभी।

प्रश्न 15. 1918–19 में जर्मनी मे स्पार्टकिस्ट लीग की महत्वपुर्ण तथ्य क्या था ?

उत्तर –(क) वाइमर गणतन्त्र द्वारा विद्रोहीयों को कुचल दिया गया।

(ख) स्पार्टकिस्टों ने साम्यवाद की स्थापना जर्मनी में किया।

(ग) स्पार्टकिस्टों की मांग को वाइमर गणराज्य ने मान लिया।

(घ) क व ख दोनों।

प्रश्न 16. 'नवंबर के अपराधी' कहकर किनका मजाक उड़ाया जाता था ?

उत्तर –(क) वाइमर गणराज्य के विरोधी।

(ख) राज्य छोड़ कर भागने वाला राजा व उसके सहयोगी।

(ग) वाइमर गणराज्य के सर्मथक।

(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं।

प्रश्न 17. 1917 में मित्र राष्ट्रों में शक्ति वृद्धि व जर्मनी की हार किसके कारण हुआ ?

उत्तर –(क) चीन।

(ख) जापान।

(ग) अमेरिका।

(घ) स्पेन।

प्रश्न 18. डॉव्स योजना क्या थी ?

उत्तर –(क) एक ऐसी योजना जिसके अर्न्तगत जर्मनी पर शुल्क थोपा गया।

(ख) ऐसी योजना जिसके द्वारा जर्मनी के सभी सजा को समाप्त कर दिया गया।

(ग) एक ऐसी योजना जिसके द्वारा जर्मनी को आर्थिक संकट से उबारा।

(घ) उपरोक्त कोई नहीं।

प्रश्न 19. 1923 में जर्मनी में होने वाले आर्थिक संकट से संबंधित कौन सा कथन सही है–

उत्तर –(क) जर्मनी की मुद्रा (मार्क) का मूल्य गिरा।

(ख) वस्तुओं की किमतें ऊँची हुई।

(ग) वाइमर गणराज्य आर्थिक समृद्धि लाया।

(घ) क व ख दोनों।

प्रश्न 20. जर्मनी की छवि एक कुख्यात आपराधिक राज्य के रुप मे किस कारण हुआ ?

उत्तर –(क) नव गठित गेस्तापो, एस एस, एस डी को अतिरिक्त संवैधानिक अधिकार दिये गये।

(ख) गेस्तापो के यंत्रणा गृहों मे किसी को भी बंद किया जा सकता था।

(ग) बंदी लोगो के लिए किसी प्रकार का कानूनी प्रावधान नहीं था।

(घ) उपरोक्त सभी।

प्रश्न 21. हिटलर के विदेश नीति की मुख्य बात थी –

उत्तर –(क) 1933 में लीग आफ नेशन्स से जर्मनी को अलग करना।

(ख) किसी देश पर आक्रमण न करने का फैसला।

(ग) मित्र राष्ट्रों को धन्यवाद देना कि उसे सही मार्गदर्शन दिया।

(घ) उपरोक्त सभी।

प्रश्न 22. हिटलर द्वारा अपनी आक्रामक विदेश नीति को जायज ठहराने के लिए क्या नारा दिया गया ?

उत्तर –(क) भगवान का दूत एक व्यक्ति, एक राज्य।

(ख) दुनिया को जीतो।

(ग) एक नेता।

(घ) हम आर्यन है, असली शासक।

प्रश्न 23. द्वितिय विश्वयुद्ध किस कारण प्रारम्भ हुआ –

उत्तर –(क) जर्मनी द्वारा स्वीटजरलैण्ड पर आक्रमण।

(ख) जर्मनी द्वारा पोलैण्ड़ पर आक्रमण।

(ग) रुस द्वारा जर्मनी पर आक्रमण।

(घ) पर्ल हाबर पर जापान द्वारा आक्रमण।

प्रश्न 24. ' त्रिपक्षीय संधि' कब व किनके मध्य हुआ ?

उत्तर –(क) 1940, जर्मन, इटली व जापान।

(ख) 1939, जर्मन, आस्ट्रिया व सोवियत रुस।

(ग) 1940, इंग्लैण्ड, फ्रांस व अमेरीका।

(घ) 1938, इंग्लैण्ड, जर्मन व सोवियत रुस।

प्रश्न 25. जर्मन ने सोवियत रुस पर आक्रमण कब किया ?

उत्तर –(क) 1939 (ख) 1941

(ग) 1942 (घ) 1943

प्रश्न 26. अमेरीका किस घटना के कारण विश्वयुद्ध में शामिल हुआ ?

उत्तर –(क) पूर्वी यूरोप पर हिटलर का आक्रमण।

(ख) हिटलर द्वारा यहूदियों के मारने की घटना।

(ग) फ्रांस व ब्रिटेन की असहायता।

(घ) जापान द्वारा अमेरीकी नौसेनिक बेड़े पर आक्रमण।

प्रश्न 27. द्वितिय विश्वयुद्ध कब समाप्त हुआ ?

उत्तर –(क) जनवरी 1944।

(ख) मई 1945।

(ग) जून 1946।

(घ) अगस्त 1945।

प्रश्न 28. हिटलर की ' रहने की जगह ' या लेबेन्स्त्राउम की विचार धारा क्या है ?

उत्तर –(क) बहुमंजिला इमारतों का निर्माण करना।

(ख) संसाधनो व रहने की जगह बनाने के लिए विश्व के अन्य देशों को कब्जे में करना।

(ग) नए क्षेत्रों पर कब्जा करना।

(घ) ख व ग दोनों।

प्रश्न 29. नाजी विचारधरा के अनुसार अवांछित कौन थे ?

उत्तर –(क) शुद्ध व स्वस्थ नार्डिक आर्य।

(ख) क्षेत्र विस्तार में मदद करने वाले जर्मन सैनिक।

(ग) विभिन्न प्रकार के पुलिस।

(घ) वे सभी जो हिटलर को भगवान मानते थे।

लघुउत्तरीय प्रकार के प्रश्न (3 अंक)

प्रश्न 1. जर्मनी के प्रथम विश्व युद्ध में हार के पश्चात् उसकी क्या स्थिति थी ?

उत्तर – प्रथम विश्व युद्ध का अंत जर्मनी व उसके सहयोगी देशों की घर से नवम्बर 1918 को हुआ वासीय की संधि जर्मनी के लिए बहुत ही अपमान जनक थी। जर्मनी के सभी उपनिवेश छीन लिये गये। 13 प्रतिशत उसके क्षेत्र, 75 प्रतिशत लौह क्षेत्र व 26 प्रतिशत कोयला क्षेत्रो को फ्रांस पोलैण्ड, डेनमार्क व लिथुआनिया ने अपने में बॉट लिया। मित्र राष्ट्रो ने जर्मनी की सेना को भंग कर दिया। युद्ध अपराधबोध अनुछेद के तहत उस पर छः अरब पौण्ड का जुर्माना भी लगाया।

प्रश्न 2. हिटलर के उदय के कारण बताइये ?

उत्तर – आर्थिक संकट – 1929 की महामंदी ने जर्मनी की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहॅुचाया। बेरोजगारी मूल्य वृद्धि, व्यापार व वाणिज्य का पतन हुआ।

हिटलर का व्यक्तित्व – हिटलर का प्रभावशाली व्यक्तित्व, उसका बढ़िया वक्ता होना तथा बढ़िया संगठन कर्ता होना, हिटलर के उदय में सहायक बना।

राजनैतिक उथल पुथल – जर्मनी के लोगों का लोकतंत्र से विश्वास उठ गया था।

प्रश्न 3. हिटलर शासित जर्मनी में महिलाओं की स्थिति की व्याख्या करें ?

उत्तर –

1. हिटलर के अनुसार महिलाएॅ, पुरुषों से भिन्न होती है।
2. औरत मर्द के लिए समान अधिकारों का संघर्ष गलत है। यह समाज को नष्ट कर देगा।
3. लड़कों को आक्रामक, मर्दाना और पत्थर दिल होना सिखलाया जाता था जबकि लड़कियों को यह कहा जाता था कि अच्छी मॉ बनना शुद्ध आर्य रक्त वाले बच्चों को जन्म देना उनका कर्तव्य हैं।

प्रश्न 4. 'मेन केफ' हिटलर द्वारा लिखित पुस्तक में हिटलर ने अपने क्या विचार लिखे है ?

उत्तर – हिटलर की पुस्तक 'मेनकेफ' जो उनकी आत्मकथा है, उसमें उन्होने निम्नलिखित विचार दिये है –

1. हिटलर ने युद्ध व ताकत को जायज ठहराया। देश को एक शक्तिशाली नेता के अधीन होना चाहिए।
2. हिटलर की इस विचारधारा को उसके समर्थकों द्वारा माना गया।
3. सम्पूर्ण जर्मनी में आतंक व भय का माहौल बनाया गया। हिटलर ने उग्र राष्ट्रवाद व युद्ध को जायज ठहराया।
4. हिटलर ने अपनी पुस्तक 35 वर्ष की उम्र में लिखा जिसमें लोकतंत्र की निंदा की।
5. उसने जर्मनी का प्रथम विश्व युद्ध में आत्मसर्पण की भी आलोचना की।

प्रश्न 5. नासीवाद को पूरे यूरोप व जर्मनी के लिए खतरा माना गया क्यों ?

उत्तर –

1. नाजी विचारधारा नस्ली आधार को बल देता था सभी समाज को बराबरी का हक नहीं था।
2. ब्लॉन्ड, नीली आंखो वाले, नार्डिक जर्मन आय को सबसे ऊपर य यहूदी को सबसे नीचे मानते थे।

3. नजी सेना द्वारा 60 लाख यहूदीयों 200,000 जिप्सियों, 10 लाख पौलेण्ड के नागरिकों तथा 70,000 जर्मनवासियों की हत्या की गई।
4. हिटलर द्वारा जर्मनी को आर्थिक मंदी से उबारने के लिए युद्ध का रास्ता चुना जाना।

प्रश्न 6. नान्सी जर्मनी में स्कूलों की क्या स्थिति थी ?

उत्तर –

1. सभी स्कूल के भीतर व बाहर, दोनो जगह बच्चों पर बूरा नियन्त्रण किया गया।
2. यहूदी या 'राजनीतिक रुप से अविश्वसनीय' दिखाई देने वाले शिक्षकों को नौकरी से हटाया गया।
3. जर्मन व यहूदी बच्चों को अलग–अलग बैठाया जाता था।
4. बाद में अवांछित बच्चों को यानी यहूदियों, जिप्सियों के बच्चे और विकलांग बच्चों को स्कूलों से निकाल दिया गया।

प्रश्न 7. 'मेरे राज्य की सबसे महत्वपुर्ण नागरिक मॉ है' हिटलर के इस कथन की व्याख्या करे।

उत्तर –

1. हिटलर के इस कथन के विपरीत जर्मनी में सभी माताओं के साथ बराबर व्यवहार नहीं किया जाता था।
2. 'वांछित' दिखने वाले बच्चों को जन्म देने वाली माताओं को ईनाम दिया जाता था, जबकि 'अवांछित' बच्चों को जन्म देने वाली माताओं को दंडित किया जाता था।
3. नस्ली तौर पर वांछित बच्चों को जन्म देने वाली औरतों को विशेष सुविधऍं– अस्पतालो, थियेटर, रेलगाड़ी व दूकानों में दिया जाता था।

प्रश्न 8. निम्नलिखित पदों की व्याख्या करे।

(1) प्रोपेगैंडा (2) युंगफोक

उत्तर –

1. प्रोपेगैडा – जनमत कों प्रभावित करने के लिए किया जाने वाला एक खास तरह का प्रचार जो पोस्टनों, फिल्मों और भाषणों आदि के माध्यम से किया जाता है। नान्सी जर्मनी में इस का प्रयोग यहूदीयों के खिलाफ किया गया।
2. युंगफोक – जर्मन बच्चों और युवाओं को राष्ट्रीय समाजवाद की भावना से लैस की जिम्मेदारी युवा संगठनों को सौंपी गई। इसी में एक युंगफोक था जिसमें 14 साल से कम उम्र के बच्चों का दाखिला होता था।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

प्रश्न 1. वाइमर गणराज्य जर्मनी की समस्या को हल करने में असफल क्यों रहा ?

उत्तर –

1. जिस समय वाइमर गणराज्य की स्थापना हुई उसी समय जर्मनी में स्पार्टकिस्ट लीग अपने क्रांतिकारी विद्रोह की योजना को अंजाम देने में लगी थी।
2. समाजवादियों, डेमोकैट्स और कैथालिक गुरों ने वाइमर मे इक्ट्ठा होकर इस प्रकार की शासन व्यवस्था को विरोध किया व एक लोकतांत्रिक गणराज्य की स्थापना का फैसला किया।
3. पहले विश्व युद्ध में जर्मनी की पराजय के बाद विजयी देशों ने उस पर कठोर शर्ते थोप दी थी।
4. जर्मनवासी वाइमर गणराज्य को ही विश्व युद्ध में जर्मनी की हार व अपमानजनक शंति संधि को मानने के लिए जिम्मेदार ठहरा रहे थे।
5. जर्मनी 1923 में कर्ज व हर्जाना चुकाने के कारण आर्थिक संकट की दौर से गुजर रहा था। जर्मन वासी इसका कारण वाइमर गणराज्य को दे रहे थे।
6. मार्क (जर्मनी की मुद्रा) की मूल्य में गिरावट व अति–मुद्रास्फीति की स्थिति के लिए जर्मन वासी वाइमर गणराज्य को जिम्मेदार मान रहे थे।

प्रश्न 2. नात्सीवाद किस प्रकार से लोकतंत्र व समाजवाद विरोधी था ?

उत्तर –

1. 30 जनवरी 1933 को राष्ट्रपति हिंडनबर्ग ने हिटलर को चांसलर का पद–भार संभालने का न्यौता दिया। सत्ता हासिल करने के बाद से हिटलर ने लोकतांत्रिक शासन संरचना और संस्थाओं को भंग करना शुरु कर दिया।
2. 28 फरवरी 1933 को जारी किये गये अग्नि अध्यादेश के जरिए अभिव्यक्ति, प्रेस व सभा करने की आजादी जैसे नागरिक अधिकार को अनिश्चितकाल के लिए निलंबन कर दिया।
3. 3 मार्च 1933 को प्रसिद्ध विशेषाधिकार अधिनियम पारित किया गया। जर्मनी मे तानाशाही की स्थापना हुई।
4. नात्सी पार्टी और उससे जुड़े संगठनो के अलावा सभी राजनीतिक पार्टियों व ट्रेड यूनियनों पर लगा दी गई।
5. अर्थव्यवस्था, मीडिया सेना और न्यायपालिका पर राज्य का पूरा नियन्त्रण स्थापित हो गया।

प्रश्न 3. यहूदियों के प्रति हिटलर व नात्सीवादी सोच क्या थी ? व्याख्या करें।

उत्तर –

1. हिटलर ने यहूदियों के लिए नकारात्मक दृष्टिकोण अपनाया। सत्ता में आते ही उसने नस्ल विरोधी कार्य प्रारम्भ किया। वह यहूदियों को हीन दृष्टि से देखता था। उसके अनुसार नस्ली आधार पर ब्लॉन्ड, नीली ऑखो वाले, नॉर्डिक जर्मन आर्य सबसे ऊपर व यहूदी सबसे निचली पायदान पर आते थे।
2. नात्सियों ने 'शुद्ध' जर्मनो के विशिष्ट नस्ली समुदाय की स्थापना के लिए प्रयास प्रारम्भ किया।
3. यहूदियों ने ईसा मसीह को मारा था ऐसी सोच ईसाइयों की थी। उनकी नजर में यहूदी आदतन हत्यारे व सूदखोर होते है।
4. नरसंहार के जरिये समय–समय पर यहूदियों का सफाया किया जाता था।

5. यहूदियों के प्रति हिटलर की घृणा जो नस्ल के छद्म वैजानिक सिद्धांतों पर आधारित थी इस नफरत में यहूदी समस्या का हल धर्मान्तरण से नहीं निकल सकता था। इसका एकमात्र हल यहूदियों को पूरी तरह खत्म कर दिया जाए।

प्रश्न 4. वर्साय की शांति संधि का प्रथम विश्व युद्ध के पश्चात् हिटलर पर क्या प्रभाव पड़ा ?

उत्तर –

1. प्रथम विश्व युद्ध के पश्चात् जर्मनी के साथ मित्र राष्ट्रों ने वर्साय की संधि की जिसे राष्ट्रीय अपमान माना गया।
2. हिटलर जर्मनी की हार से दुखी हुआ व वर्साय की संधि से आग–बबूला हुआ।
3. उसने जर्मन वर्कर पार्टी को ज्वाइन किया तथा उसका नाम नेशनल सोशलिस्ट पार्टी रखा जो बाद में नाजी पार्टी के नाम से जाना गया।
4. हिटलर एक शक्तिशाली राष्ट्र बनना चाहता था। वह वर्साय की संधि में हुए अन्याय का बदला लेना चाहता था। सितम्बर 1939 को उसने पौलेण्ड पर आक्रमण किया। 1940 में जर्मनी, इटली व जपान के मध्य त्रिपक्षीय संधि हुआ।

प्रश्न 5. हिटलर के उदय की व्याख्या निम्नलिखित बिंदुओं पर करे–

1. युवाओं के लिए नीति
2. व्यक्तिगत गुण
3. प्रोपेगैंडा (प्रचार) की कला

उत्तर –

1. युवाओं के लिए नीति – हिटलर का मानना था कि एक शक्तिशाली नात्सी समाज की स्थापना के लिए वच्चों को नात्सी विचारधारा का घुट्टी पिलाना बहुत जरुरी है। इसके लिए स्कूल के भीतर व बाहर दोनों जगह बच्चों पर पूरा नियंत्रण आवश्यक था। इसके लिए युवा संगठनो की स्थापना हुई।
   युंगफोक – 10 साल की उम्र में सभी को युंगफोक में दाखिल करा दिया गया।
   14 साल की उम्र में सभी लड़को को हिटलर यूथ की सदस्यता लेनी पड़ती थी।
2. व्यक्तिगत गुण – हिटलर जबर्दस्त वक्ता था। उसका जोश और शब्द लोगों को बहुत प्रभावित करते थे। साम्यवादी विरोधी, उसने वादा किया कि वह जर्मनी को साम्यवाद से बचायेगा व वर्साय की संधि के कारण हुए जर्मन के अपमान का बदला लेगा।
3. प्रोपेगैंडा की कला – नात्सी शासन ने भाषा और मीडिया का बड़ी होशियारी से इस्तेमाल किया। उन्होने अपने तौर–तरीकों को बयान करने के लिए जो शब्द ईजाद किए थे वे न केवल भ्रामक बल्कि दिल दहला देने वाले थे। उन्होने अपने दस्तावेज में कभी भी 'हत्या' या मौत शब्द का प्रयोग नहीं किया।

उच्चस्तरीय कौशल वाले प्रश्न

प्रश्न 1. वर्साय की संधि के मुख्य बातों को उल्लेखित करें।

उत्तर – वर्साय की संधि, जर्मनी के लिए बहुत ही अपमान जनक व कठोर थी।

1. जर्मनी के सारे समुह पार के उपनिवेश उससे ले लिये गये।
2. 13 प्रतिशत क्षेत्रफल, 75 प्रतिशत लौह भंडार, 26 प्रतिशत कोयला भंडार फ्रांस, पोलैण्ड, डेनमार्क और लिथुआनिया के हवाले कर दिया गया।
3. जर्मनी की सैन्य ताकत को खत्म कर दिया गया।
4. युद्ध अपराधबोध अनुच्छेद के तहत युद्ध के कारण मित्र देशों को हुई तबाही व हानि का जिम्मेवार जर्मनी को ठहराया गया। 6 अरब पौण्ड का जुर्माना लगाया गया।

प्रश्न 2. जर्मनवासी या आम आदमी, नात्सीवाद के बारे में क्या विचार रखते थे ?

उत्तर –

1. . लोग नाजियों की दृष्टि से देखने लगे व नाजियों की भाषा उनके मस्तिष्क में घर कर गई उन्होने यहूदियों के प्रति गुस्सा और घृणा विकसित कर ली थी। उन्हे विश्वास हो गया था कि नाजीवाद खुशहाली लायेगा और उनके जीवन को बेहतर बनाएगा।
2. यहूदियों के घर चिंहित किये गये और संदिग्ध पड़ोसियों के रुप में उनकी शिकायत की गई।

प्रश्न 3. व्याख्या करे– हिटलर की नस्ल आधारित विचार किससे प्रेरित थे ?

उत्तर –

1. हिटलर की नस्ल आधारित विचार चार्ल्स डारविन व हरबर्ट स्पेन्सर के विचारों पर आधारित थे।
2. डार्विन प्रकृति विज्ञानी थे जिन्होने विकास और प्राकृतिक चयन की अवधारणा के जरिए पौधों और पशुओं की उत्पति की व्याख्या का प्रयास किया गया।
3. हिटलर, हर्बट स्पेन्सर के अति जीविता का सिद्धांत जो सबसे योग्य है, वही बचेगा के विचारों से भी प्रभावित था। इस विचार का यह मतलब था कि जो प्रजातियॉ बदलती हुई वातावरणीय परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाल सकती है वही जिन्दा रहती है।
4. हिटलर ने नस्लवादी विचारकों और राजनेताओं ने पराजित समाजों पर अपनी साम्राज्यवादी सोच को सही ठहराने के लिए डार्विन के विचारों का सहारा लिया।

मूल्यपरक आधारित प्रश्न

प्रश्न 1. द्वितीय विश्वयुद्ध में अमेरीका क्यों भाग लिया ?

प्रश्न 2. हिटलर ने जर्मनवासियों से क्या वायदा किया ?

प्रश्न 3. हिटलर ने अपनी नात्सी विचारधारा को सही ठहराने के लिए क्या वैज्ञानिक सिद्धान्त प्रस्तुत किया ? क्या वे सही थे ?

बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर

1. (घ) 2. (घ) 3. (ग) 4. (ग) 5. (घ) 6. (घ) 7. (घ)

8. (घ)	9. (ग)	10. (घ)	11. (क)	12.(घ)	13. (ख)	14. (घ)
15. (घ)	16. (ग)	17. (ग)	18. (ग)	19. (घ)	20. (घ)	21. (क)
22. (ग)	23. (ख)	24. (क)	25. (ख)	26. (घ)	27. (घ)	28. (घ)
29. (क)						

भाग –2

<u>भूगोल</u>

अध्याय–01: आकार और अवस्थिति

मुख्य बिन्दुः

अवस्थितिः

भारत पूर्णरूप से उत्तरी गोलार्द्ध में स्थित है। भारत की मुख्य भूमि $8^0 4'$ उत्तरी अक्षांश से $37^0 6'$ उत्तरी अक्षांश एवं $68^0 7'$ पूर्वी से $97^0 25'$ पूर्वी देशान्तर में अवस्थित है। कर्क रेखा ($23^0 30'$ उत्तरी अक्षांश) भारत को दो बराबर भागों में बाँटती है।

आकारः– भारत का क्षेत्रफल 32.8 लाख वर्ग किलोमीटर है जो विश्व के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 2.4 प्रतिशत है। भारत विश्व का सातवां सबसे बड़ा देश है (क्षेत्रफल की दृष्टि से) जिसकी भूमि सीमा लगभग 15200 किलोमीटर तथा तटवर्ती क्षेत्र की लम्बाई 15200 किलोमीटर तथा तटवर्ती क्षेत्र की लम्बाई 7516.6 किलोमीटर है। भारत का पूर्वी–पश्चिमी विस्तार, उत्तरी–दक्षिणी विस्तार की अपेक्षा थोड़ा कम है।

भारत और विश्वः– भारत भूमि पूर्वी और पश्चिमी एशिया के बीच केन्द्रित है। भारत का दक्कन प्रायद्वीप पश्चिमी एशिया, अफ्रीका और यूरोप, दक्षिण पूर्व एवं पूर्वी एशिया के देशों से निकट सम्बन्ध स्थापित करने में मदद करता है। जलमार्ग की अपेक्षा स्थलमार्ग से भारत का सम्बन्ध विदेशों से अधिक मात्रा में सम्भव हो पाया है। भारत का विचार, दर्शन और गणित के क्षेत्र में विश्व के स्तर पर महत्वपूर्ण योगदान है। भारत के विभिन्न कलाओं पर यूनान और पश्चिमी एशियाई देशों की विभिन्न शैलियों का प्रभाव दिखता है।

भारत के पड़ोसी देशः– भारत दक्षिणी एशिया का एक महत्वपूर्ण देश है। जिसके 28 राज्य और सात संघ शासित प्रदेश हैं। भारत की सीमा पाकिस्तान, अफगानिस्तान, चीन, नेपाल, बंगलादेश, म्यांमार और भूटान से मिलती है। समुद्र से सटे हुए दो द्वीपीय देशों मालदीव एवं श्रीलंका भारत के दक्षिण में स्थित है। बाकी एशियाई देशों से भारत अलग है।

बहु वैकल्पिक प्रश्न (एक अंक)

1. **प्र0 सं0 01:** भारतीय मानक समय ग्रीनवीच मध्याह्न समय (जी. एम. टी.) से कितने घंटे है?

   (अ) 5 घंटे 30 मिनट जी. एम. टी. के पीछे

   (ब) 15 घंटे जी. एम. टी. के आगे

   (स) 5 घंटे 30 मिनट जी. एम. टी. से आगे

   (द) इनमें से कोई नहीं

प्र0 सं0 02: इनमें से कौन यूरोप से भारत की दूरी को 7000 किलोमीटर कम कर देता है?

(अ) स्वेज नहर (ब) पनामा नहर (स) इन्दिरा गाँधी नहर

(द) बकिंघम नहर

प्र0 सं0 03: इनमें से कौन दिन और रात के अन्तराल को प्रभावित करता है, दक्षिण से उत्तर की ओर गतिशील होने के कारण?

(अ) अक्षांशीय विस्तार (ब) देशान्तरीय विस्तार

(स) प्रधान मध्याह्न रेखा (द) इनमें से कोई नहीं

प्र0 सं 04: इनमें से किस स्थान से होकर भारत की प्रधान मध्याह्न रेखा, $82^0 30'$ पूर्वी, होकर गुजरती है?

(अ) तमिलनाडु में कन्याकुमारी (ब) अरूणाचल प्रदेश वालॉग

(स) गुजरात में कच्छ (द) उत्तरप्रदेश में मिर्जापुर

प्र0 सं0 05: गुजरात की तुलना में दो घंटे पहले अरूणाचल प्रदेश में सूर्योदय होता है। यदि अरूणाचल प्रदेश में सुबह के छः बज रहे हों, तो गुजरात में क्या समय होगा?

(अ) 4 बजकर 16 मिनट दिन (ब) 7 बजकर 44 मिनट दिन

(स) 4 बजे दिन (द) 5 बजकर 44 मिनट दिन

प्र0 सं0 06: भारत के पश्चिम में स्थित द्वारका का स्थानीय समय ($69^0 01$ पूर्वी) 6 बजे दिन है तो पूरब में स्थित असम के डिब्रूगढ़ ($94^0 58'$ पूर्वी) का स्थानीय समय क्या होगा?

(अ) 4 बजकर 16 मिनट दिन (ब) 6 बजे दिन

(स) 7 बजकर 44 मिनट दिन (द) 7 बजकर 44 मिनट रात

प्र0 सं0 07: गुजरात और अरूणाचल प्रदेश के बीच कितने समय का अन्तर है?

(अ) 24 घंटे (ब) 12 घंटे (स) 2 घंटे (द) 30 मिनट

प्र0 सं0 08: भारत का अक्षांशीय और देशान्तरीय विस्तार लगभग 30^0 है, किन्तु भारतीय मानचित्र को देखते हुए इनमें से कौन सा विकल्प भारतीय आकार के बारे में सही है।

(अ) पूर्वी पश्चिमी विस्तार उत्तरी पश्चिमी विस्तार से छोटा है।

(ब) पूर्वी पश्चिमी विस्तार उत्तरी दक्षिणी विस्तार से बड़ा है।

(स) पूर्वी पश्चिमी और उत्तरी दक्षिणी विस्तार बराबर है।

(द) उत्तरी दक्षिणी विस्तार पूर्वी पश्चिमी विस्तार से छोटा है।

प्र0 सं0 09: भारत की मुख्य भूमि का अक्षांशीय और देशान्तरीय विस्तार लगभग कितना है?

(अ) 97^0 (ब) 68^0 (स) 30^0 (द) 8^0

प्र0 सं0 10: 22^0 उत्तरी अक्षांश के दक्षिण में भारत की मुख्य भूमि को कौन सी भौगोलिक विशेषता जोड़ती है?

(अ) नवीन वलित पर्वत (ब) बलुई मरूस्थल (स) लावा पठार

(द) सागर और महासागर

प्र0 सं0 11: उत्तर पश्चिम, उत्तर और उत्तर पूर्व भारत को कौन सी भौगोलिक विशेषता जोड़ती है?

(अ) समुद्र (ब) लावा पठार (स) नवीन वलित पर्वत (द) बलुई मरूस्थल

प्र0 सं0 12: क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का विश्व में कौन सा स्थान है?

(अ) पहला (ब) तीसरा (स) चौथा (द) सातवाँ

प्र0 सं0 13: निम्नांकित में से कौन भारत भूमि के क्षेत्रफल को बताता है?

(अ) 24 लाख वर्ग किलोमीटर (ब) 32.8 लाख वर्ग किलोमीटर

(स) 328 लाख वर्ग किलोमीटर (द) 32.8 लाख किलोमीटर

प्र0 सं0 14: अरब सागर में स्थित कौन सा द्वीप समूह भारतीय भू–भाग है?

(अ) अंडमान एवं निकोबार (ब) श्रीलंका

(स) लक्षद्वीप (द) मालदीव

प्र0 सं0 15: बंगाल की खाड़ी में स्थित कौन सा द्वीप समूह भारतीय भूभाग है?

(अ) अंडमान एवं निकोबार (ब) श्रीलंका

(स) लक्षद्वीप (द) मालदीव

प्र0 सं0 16: भारत के दक्षिणतम् बिन्दु से कौन सा अक्षांश गुजरता है?

(अ) $8^0 4'$ उत्तर (ब) $37^0 6'$ उत्तर

(स) $8^0 4'$ दक्षिण (द) $82^0 30'$ पूर्व

प्र0 सं0 17: भारत के पश्चिमतम बिन्दु से कौन सा देशान्तर गुजरता है?

(अ) $97^0 25'$ पूर्व (ब) $68^0 7'$ पूरब

(स) $68^0 7'$ पूरब (द) $82^0 32'$ पूरब

प्र0 सं0 18: भारत का पूर्वतम देशान्तर क्या है?

(अ) $97^0 25'$ पूरब (ब) $68^0 7'$ पूरब

(स) $77^0 6'$ पूरब (द) $82^0 32'$ पूरब

प्र0 सं0 19: कौन सी अक्षांश रेखा भारत को लगभग दो बराबर भागों में बाटती है?

(अ) भूमध्य रेखा (ब) मकर रेखा

(स) कर्क रेखा (द) प्रधान मध्याह्न रेखा

प्र0 सं0 20: भारत का विस्तार इनमें से कौन सा है?

(अ) $8^0 4'$ उत्तर से $37^0 6'$ उत्तर (ब) $68^0 7'$ पूर्व से $97^0 5'$ पूरब

(स) $68^0 7'$ पूरब से $97^0 25$पू0 (द) $8^0 4'$ पूरब से $37^0 6'$ पूरब

प्र0 सं0 21: इनमें से कौन सा भारतीय स्थान तीन सागरों के पास अवस्थित है?

(अ) पोर्ट ब्लेयर (ब) कावारत्ती

(स) कन्याकुमारी (द) कोच्ची

प्र0 सं0 22: इनमें से किस अवधि में भारत का सामाजिक और आर्थिक विकास बहुआयामी हुआ?

(अ) प्राचीन समय में (ब) मध्यकाल में

(स) 21वीं सदी में (द) पिछले पाँच दशकों में

प्र0 सं0 23: भारत के पश्चिमी तट पर कौन सा संघ शासित प्रदेश है?

(अ) अंडमान और निकोबार द्वीप समूह (ब) चंडीगढ़

(स) दादर और नगर हवेली (द) पुडुचेरी (पांडिचेरी)

प्र0 सं0 24: भारत में कितने राज्य और संघ शासित प्रदेश हैं?

(अ) 28 राज्य और दिल्ली सहित सात संघ शासित प्रदेश

(ब) 23 राज्य और 12 संघ शासित प्रदेश

(स) 26 राज्य और 9 संघ शासित प्रदेश

(द) 30 राज्य और 5 संघ शासित प्रदेश

प्र0 सं0 25: इनमें से कौन सा भारतीय बन्दरगाह स्वेज नहर मार्ग के नजदीक है?

(अ) कोलकाता (ब) चेन्नई (स) कोच्चि (द) मुम्बई

प्र0 सं0 26: विश्व के अन्य देशों से भारत को जोड़ने वाला सबसे पुराना मार्ग कौन सा है?

(अ) महासागरीय मार्ग (ब) समुद्री मार्ग (स) स्थलीय मार्ग (द) वायुमार्ग

प्र0 सं0 27: किस कारण से हिन्द महासागर का नाम भारत के नाम पर रखा गया?

(अ) भारत का ट्रांस इण्डियन महासागरीय मार्ग से सटे हुए होने के कारण

(ब) हिन्द महासागर में भारत के समान किसी अन्य देश की बड़ी तट रेखा नहीं है

(स) भारत मुख्य रूप से हिन्द महासागर में केन्द्रित है।

(द) उपरोक्त सभी।

प्र0 सं0 28: इनमें से किस देशान्तर को भारत का प्रधान मध्याह्न रेखा निश्चित किया गया है?

(अ) $68^0 7'$ पूर्व (ब) $82^0 30'$ पूर्व (स) $97^0 25'$ पूर्व (द) $23^0 3'$ उत्तर

प्र0 सं0 29: इनमें से किस स्थान पर दिन और रात का अन्तराल सबसे कम है?

(अ) कन्याकुमारी (ब) लेह (स) श्रीनगर (द) ईटानगर

प्र0 सं0 30: इनमें से किस राज्य से होकर कर्क रेखा गुजरती है?

(अ) उड़ीसा (ब) त्रिपुरा (स) बिहार (द) पंजाब

प्र0 सं0 31: भारत का दक्षिणतम अक्षांश क्या है?

(अ) $8^0 4'$ उत्तर (ब) $8^0 4'$ दक्षिण (स) $6^0 4'$ दक्षिण (द) $6^0 4'$ उत्तर

प्र0 सं0 32: भारतीय अक्षांशीय विस्तार इनमें से क्या है?

(अ) $7^0 5'$ उत्तर से $26^0 5'$ उत्तर

(ब) $8^0 4'$ उत्तर से $37^0 6'$ उत्तर

(स) $12^0 5'$ उत्तर से $29^0 5'$ उत्तर

(द) $12^0 5'$ उत्तर से $37^0 6'$ उत्तर

प्र0 सं0 33: इनमें से किस राज्य से होकर कर्क रेखा नहीं गुजरती है?

(अ) राजस्थान (ब) त्रिपुरा (स) झारखण्ड (द) बिहार

प्र0 सं0 34: इनमें से किस मध्याह्न को भारत का प्रधान मध्याह्न निश्चित किया गया है?

(अ) $82^{1/20}$ पूर्व (ब) $84^{1/20}$पूर्व (स) 86^0 पूर्व (द) 81^0 पूर्व

प्र0 सं0 35: भारत का पूर्वतम देशान्तर क्या है?

(अ) $97^0 25'$ पूर्व (ब) $77^0 6'$ पूर्व (स) $68^0 7'$ पूर्व (द) $82^0 32'$ पूर्व

प्र0 सं0 36: क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का विश्व में कौन सा स्थान है?

(अ) आठवाँ (ब) सातवाँ (स) छठा (द) दूसरा

प्र0 सं0 37: भारत की मुख्य भूमि का दक्षिणतम बिन्दु क्या है?

(अ) इन्दिरा बिन्दु (ब) कन्या कुमारी (स) पाकजल डम मध्य (द) कुवरती

प्र0 सं0 38: कौन सी रेखा भारत को दो बराबर हिस्सों में बाँटती है?

(अ) भूमध्य रेखा (ब) कर्क रेखा (स) मकर रेखा (द) इनमें से कोई नहीं

प्र0 सं0 39: भारत का कौन सा पड़ोसी देश सबसे छोटा है?

(अ) नेपाल (ब) भूटान (स) श्रीलंका (द) बंगलादेश

प्र0 सं0 40: भारत में कितने राज्य और संघ शासित प्रदेश हैं?

(अ) 26 राज्य 7 संघ शासित प्रदेश

(ब) 25 राज्य 7 संघ शासित प्रदेश

(स) 28 राज्य 7 संघ शासित प्रदेश

(द) 28 राज्य 6 संघ शासित प्रदेश

लधुत्तरीय प्रश्नः

प्रश्न 01ः $82^{1/2}$ पूर्वी देशान्तर को भारत का प्रधान मध्याह्न रेखा क्यों गया?

उ0. संसार 24 समय क्षेत्रों में बंटा हुआ है। प्रत्येक समय क्षेत्र के अन्तर्गत 15 देशान्तर है प्रत्येक क्षेत्र के मध्य अक्षांशीय को स्थानीय समय को $7^{0}30'$ से विभाजित करके मानक समय का निर्धारण किया जाता है। भारत का मानक समय $82^{0}30'$ पूर्व देशान्तर को स्वीकृत इसलिए किया गया है क्योंकि यह पूरे देश के मध्य मे है और $7^{0}30'$ से विभाजित भी होता है।

प्रश्न 02ः कन्याकुमारी के दिन और रात के अन्तराल में शायद ही अन्तर होता है जबकि कश्मीर में ऐसा नहीं होता है। क्यों?

उ0. (1) कन्या कुमारी भूमध्यरेखा के नजदीक स्थित है जहाँ वर्ष भर सूर्य सिर के उपर चमकता रहता है जिससे दिन और रात का अन्तराल लगभग बराबर रहता है।

(2) भूमध्य रेखा से दूर होने के कारण कश्मीर में दिन और रात के अन्तराल में अधिक अन्तर दिखाई देता है।

प्रश्न 03ः पूर्वी और पश्चिमी तट रेखा पर स्थित संघ शासित प्रदेशों का नाम लिखें?

उ0. भारत के पश्चिमी तटवर्ती क्षेत्र में स्थित चार संघ शासित प्रदेश 1. दमन और दीव 2. दादर और नगर हवेली 3. माहे (पाण्डिचेरी) 4. लक्षद्वीप

भारत के पूर्वी तटवर्ती क्षेत्र में स्थित दो संघ शासित प्रदेशः 1. अंडमान निकोबार द्वीप समूह और पाण्डिचेरी

प्रश्न 04ः क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का सबसे छोटा और बड़ा राज्य कौन सा है?

उ0. क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे छोटा राज्य – गोवा

क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा राज्य– राजस्थान

प्रश्न 05ः भारत के उन राज्यों का नाम लिखें, जो न ही अन्तर्राष्ट्रीय सीमा से जुड़ी हो और न ही तट रेखा से।

उ0. हरियाणा, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, और झारखण्ड

प्रश्न 06ः भारतीय राज्यों को चार वर्गों में वर्गीकृत करें जिनकी सीमा समान ढ़ंग से पाकिस्तान, चीन, म्यांमार और बंगलादेश से जुड़ता हो?

उ0. 1. पाकिस्तान की सीमा से समान रूप से जुड़ने वाले राज्य– जम्मू कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, गुजरात

2. चीन की सीमा से समान रूप से जुड़ने वाले राज्य – जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड, सिक्किम और अरूणाचल प्रदेश

3. म्यांमार की सीमा से समान रूप से जुड़ने वाले राज्य– अरूणाचल प्रदेश, नागालैण्ड, मणिपुर और मिजोरम

4. बंगलादेश की सीमा से समान रूप से जुड़ने वाले राज्य– पश्चिम बंगाल, मेघालय, असम और त्रिपुरा

प्रश्न 07ः गुजरात की अपेक्षा अरूणाचल प्रदेश में सूर्योदय दो घंटे पहले होता है किन्तु घड़ी दोनो जगह एक ही समय दिखाता है क्यों?

उ0. गुजरात और अरूणाचल के सूर्योदय के समय में अन्तर होने का कारण यह है कि अरूणाचल प्रदेश भारत के पूर्वी भाग में स्थित है और गुजरात पश्चिमी भाग में। सूर्योदय का यह अन्तर स्थानीय समय के आधार पर दिखता है किन्तु $82^{1/2}$ पूरब देशान्तर को भारत को मानक समय माने जाने के कारण दोनो स्थानों की घड़ी में समान समय दिखता है।

प्रश्न 08ः हिन्द महासागर में भारत की केन्द्रीय स्थिति को सार्वाधिक महत्वपूर्ण माना जाता है, क्यों?

उ0. हिन्द महासागर में भारत की केन्द्रीय स्थिति से पश्चिमी एशिया, अफ्रीका और यूरोप को पश्चिमी तट से और दक्षिण पूर्व तथा पूर्वी एशिया को पूर्वी तट से जुड़े होने के कारण भारत का मैत्रीपूर्ण सम्बन्ध स्थापित करने में सहायता मिली है।

प्रश्न 09ः भारत का देशान्तरीय विस्तार क्या है? इसके दो प्रभावों का उल्लेख करे?

उ0. भारत का देशान्तरीय विस्तार $68^0 7'$ पूरब से $97^0 25'$ पूरब में स्थित है।

भारत का पूर्वी और पश्चिमी विस्तार 2933 किलोमीटर है। देशान्तरीय विस्तार के कारण भारत पूर्वी गोलार्द्ध में है।

लगभग 30^0 देशान्तरीय विस्तार ($97^0 25' - 68^0 7' - 29^0 18'$ लगभग 30^0) होने के कारण स्थानीय समय में पूरब से पश्चिम के बीच दो घंटे का अन्तर होता है। इस समस्या के समाधान हेतु $82^{1/20}$ पूर्वी देशान्तर को भारतीय मानक समय निधारित किया गया।

प्रश्न 10ः एशिया में भारत की भौगोलिक स्थिति का संक्षेप में वर्णन करें तथा इसके महत्व को भी दर्शावें?

उ0. भारत का पूर्वी और पश्चिमी एशिया के बीच केन्द्रीय अवस्थिति है। भारत एशियाई महादेश का दक्षिणी विस्तार है। समुद्री मार्ग से पश्चिम में यूरोपीय देशों और पूर्वी एशियाई देशों के साथ सम्बन्ध जुड़ने से हिन्द महासागर में भारत की केन्द्रीय अवस्थिति का महत्व बढ़ जाता है। हिन्द महासागर में दक्कन प्रायद्वीप द्वारा पश्चिमी एशिया के पेट्रोलियम पदार्थ से सम्पन्न देशों, अफ्रीका और यूरोप को पश्चिमी तट से तथा दक्षिण पूर्व तथा पूर्वी एशियाई देशों का पूर्वी तट द्वारा समुद्र एवं हवाई मार्ग से सम्बन्ध जुड़ने में सहायता मिली।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

प्रश्न 01: किन देशों से भारत की स्थलीय सीमा जुड़ी हुई है। पड़ोसी देशों के बीच भारत की महत्ता पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें?

उ0. भारत की स्थल सीमा पश्चिम में पाकिस्तान और अफगानिस्तान से, उत्तर में चीन (तिब्बत), नेपाल और भूटान से तथा पूरब में म्यांमार और बंगलादेश से जुड़ा है। हिमालय की उपस्थिति के कारण अन्य एशियाई देशों से भारत अलग हो जाता है। उत्तर और उत्तर पूर्व में हिमालय एक प्राकृतिक दीवार का काम करता है। इस प्रकार पर्वत श्रेणियों की उपस्थिति से पड़ोसी देशों की अपेक्षा भारत की स्थल सीमा अधिक सुरक्षित माना जाता है।

भारतीय उपमहाद्वीप में भारत का महत्वपूर्ण स्थान है और अपने पड़ोसी देशों से भारत का मजबूत ऐतिहासिक और भौगोलिक सम्बन्ध है। सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक दृष्टि से पड़ोसी देशों के साथ भारत का मजबूत द्विपक्षीय सम्बन्ध है। पड़ोसी देशों से सामाजिक और आर्थिक आदान प्रदान से हमारा सम्बन्ध अधिक मजबूत हुआ है तथा सांस्कृतिक विरासत भी समृद्ध हुआ है। राजनीतिक और आर्थिक दृष्टि से भारत का पड़ोसी देशों से बेहतर सम्बन्ध रहा है। दक्षिण एशियाई देशों के बीच सम्बन्ध को प्रगाढ़ बनाने में सार्क की भी महत्वपूर्ण भूमिका है।

प्रश्न 02: भारत की अवस्थिति और आकार पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

उ0. भारत एक विशाल देश है जो दक्षिण एशिया में स्थित है। दक्षिण से उत्तर में भारत का अक्षांशीय विस्तार $8^0 4'$ से $37^0 6'$ उत्तर है जो उत्तरी गोलार्द्ध में पड़ता है। कर्क रेखा भारत के बीच से गुजरती है। पूरब से पश्चिम में भारत का देशान्तरीय विस्तार $68^0 7'$ पूर्व से $97^0 25'$ पूरब है जो पूर्वी गोलार्द्ध में अवस्थित है। दक्षिण पूर्व में भारत की भूमि बंगाल की खाड़ी में स्थित अंदमान निकोबार द्वीप समूह है। दक्षिण पश्चिम में अरब सागर स्थित लक्षद्वीप भारत का हिस्सा है। भारत 32.8 लाख वर्ग किलोमीटर में फैला है, जो विश्व का सातवें बड़े देश के रूप में गिना जाता है। भारत का क्षेत्रफल विश्व क्षेत्रफल का 2.4 प्रतिशत है। भारत का पूर्वी और पश्चिमी विस्तार 2933 किलोमीटर है जबकि उत्तरी दक्षिणी विस्तार 3214 किलोमीटर है। पूरब पश्चिम में यह अरूणाचल प्रदेश को कच्छ से तथा उत्तर दक्षिण में कश्मीर को कन्याकुमारी से जोड़ता है। भारत की स्थल सीमा लगभग 15200 किलोमीटर है। भारत की तट सीमा 7516.6 किलोमीटर है जिसमें अंडमान निकोबार और लक्षदीप भी जुड़ा हुआ है। एक अरब से अधिक जनसंख्या होने के कारण भारत चीन के बाद दूसरा सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश है। हिमालय की उच्च श्रेणियाँ उत्तर पश्चिम, उत्तर एवं उत्तर पूर्व की सीमा को प्राकृतिक अवरोधक द्वारा सुरक्षित करती है। भारत का दक्षिणी भाग प्रायद्वीप के रूप में है जो दक्षिण में हिन्द महासागर से जुड़ा हुआ है। भारत दक्षिण पश्चिम में सागर से तथा दक्षिण पूर्व में बंगाल की खाड़ी से घिरा हुआ है।

प्रश्न 03: भारतीय मानक समय पर टिप्पणी लिखें, और यह भी स्पष्ट करें कि अरूणाचल प्रदेश और गुजरात के बीच दो घंटे का अन्तर क्यों होता है?

उ0. भारत का देशान्तरीय विस्तार अधिक होने के कारण इसके पूर्वी और पश्चिमी क्षेत्रों में लगभग दो घंटे का अन्तर होता है इस समस्या के समाधान हेतु सम्पूर्ण देश के लिए एक मानक समय का निर्धारण किया

गया जो $82^{1/2}$ पूर्वी देशान्तर पर स्थित उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर को माना गया। मिर्जापुर के स्थानीय समय को ही भारत का मानक समय माना गया जो जी. एम. टी. से $5^{1/2}$ घंटे आगे है। भारत ग्रीनवीच से पूरब की ओर है इसलिए इसका समय जी. एम. टी. से आगे होता है। भारत का देशान्तरीय विस्तार $68^{0}7'$ पूरब से $97^{0}25'$ पूरब, लगभग 30^{0} है। एक डिग्री देशान्तर के समय में चार मिनट का अन्तर होता है। भारत का देशान्तरीय विस्तार लगभग 30^{0} होने के कारण दो घण्टे का अन्तर स्थानीय समय में दिखता है यही कारण है कि अरूणाचल प्रदेश में जब दिन के छः बज रहे होते है तो गुजरात में सुबह के चार बज रहे होते हैं।

प्रश्न 04: कितने राज्य मिलकर भारतीय संघ का निर्माण करते हैं? भारत के सबसे बड़े तथा सबसे छोटे राज्य के बारे में टिप्पणी लिखें?

उ0. प्रशासनिक दृष्टि से भारत को 28 राज्यों और 7 केन्द्रशासित प्रदेशों में बाँटा गया है जिसमें राजधानी दिल्ली भी सम्मिलित है। प्रशासनिक विभाजन का मुख्य आधार भाषा रहा है। दिल्ली भारत की राष्ट्रीय राजधानी है। क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान सबसे बड़ा और गोवा सबसे छोटा राज्य है। राजस्थान का क्षेत्रफल 342000 वर्ग किलोमीटर है जो भारत के पश्चिम में स्थित है। राजस्थान की सीमा पश्चिम में हमारे पड़ोसी देश पाकिस्तान से जुड़ा हुआ है। राजस्थान के पूरब में उत्तरप्रदेश और मध्यप्रदेश, उत्तर में पंजाब और हरियाणा तथा दक्षिण में गुजरात और मध्यप्रदेश का कुछ भाग है। राजस्थान में थार मरूस्थल भी पाया जाता है। राजस्थान की राजधानी जयपुर है।

बहुवैकल्पिक प्रश्नों के उत्तर –

1(स)	2. (अ)	3. (ब)	4. (द)	5. (स)	6. (स)	7. (स)
8 (अ)	9. (स)	10.(द)	11.(स)	12.(द)	13.(ब)	14.(स)
15.(अ)	16.(अ)	17.(ब)	18.(अ)	19.(स)	20.(ब)	21.(स)
22.(द)	23.(स)	24.(अ)	25.(द)	26.(स)	27(द)	28.(ब)
29.(अ)	30.(ब)	31.(स)	32.(ब)	33.(द)	34.(अ)	35.(अ)
36.(ब)	37.(ब)	38.(ब)	39.(ब)	40.(स)		

अध्याय–02: भारत का भौतिक स्वरूप

मुख्य बिन्दुः

स्थितिः

भारत विभिन्न स्थलाकृतियों वाला एक विशाल देश है। जैसे पर्वत, मैदान, मरूस्थल, पठार और द्वीप समूह। एक स्थान से स्थान पर मृदा के रंगों में विभिन्नता पायी जाती है क्योंकि मृदा विभिन्न प्रकार की शैलों से बनी है। भारत में विविध स्थलाकृतियाँ हैं जिसका निर्माण को प्लेट विवर्तनिक सिद्धान्त के माध्यम से समझा जा सकता है। इस सिद्धान्त के अनुसार पृथ्वी की उपरी पर्पटी सात बड़ी एवं कुछ छोटी प्लेटों से बनी है। प्लेटों की गति के कारण प्लेटों के अन्दर एवं उपर की ओर दबाब उत्पन्न होता है। इसके परिणामस्वरूप वलन भ्रंशण तथा ज्वालामुखीय क्रियाएँ होती है।

भारत की भौगोलिक आकृतियों को निम्नांकित वर्गों में विभाजित किया जा सकता है।

(1) हिमालय पर्वत श्रृंखला	(2) उत्तरी मैदान
(3) प्रायदीपीय पठार	(4) भारतीय मरूस्थल
(5) तटीय मैदान	(6) द्वीप समूह

(1) हिमालय पर्वत श्रृंखला– हिमालय भूगर्भीय रूप से युवा एवं बनावट की दृष्टि से वलित पर्वत श्रृंखला है। यहाँ विश्व की सबसे उँची चोटी है। यह भारत के लिए प्राकृतिक अवरोधक का काम करता है। हिमालय 2400 किलोमीटर लम्बा एवं 150 से 400 किलोमीटर चौड़ा है। जो कश्मीर से अरूणाचल प्रदेश तक फैला हुआ है।

अपने पूरे देशान्तरीय विस्तार के साथ हिमालय को तीन भागों में बाँटा जा सकता है। सबसे उत्तरी भाग में स्थित श्रृंखला को गहन या आन्तरिक हिमालय या हिमाद्री कहते हैं। मध्य हिमालय को हिमाचल तथा बाह्य हिमालय को शिवालिक कहते हैं।

हिमालय को चार भागों में बाँटा जा सकता है–

(1) पंजाब हिमालय – जो सिन्धु तथा सतलुज नदी के बीच स्थित है।

(2) कुमायूँ हिमालय– जो सतलुज और काली नदी के बीच स्थित है।

(3) नेपाल हिमालय– यह काली और तिस्ता नदी के बीच स्थित है।

(4) असम हिमालय– यह तिस्ता और देवांग नदी (सांगपो) के बीच स्थित है।

(2) उत्तरी मैदानः– यह 7 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। जो 2400 कि0मी0 लम्बा एवं 240 से 320 कि0मी0 चौड़ा है। उत्तरी पर्वतों से आनेवाली नदियाँ यहाँ निक्षेपण का काम करती है।

उत्तरी मैदान को चार वर्गों में बाँटाा जा सकता है।

(1) भाँवर– नदियाँ पर्वतों से नीचे उतरते समय शिवाालिक की ढ़ाल पर 8 से 16 कि0मी0 की चौड़ी पट्टी में गुट्टिका का निशेचन करती है जिसे भावर कहा जाता है।

(2) तराई– नम तथा दलदली क्षेत्र का निमार्ण होने से तराई बनता है जो वन्य प्राणियों से भरा घने जंगलों का क्षेत्र है।

(3) बांगर(भांगर)– यह नदियों के बाढ़ वाले मैदान के उपर स्थित है। वेदिका जैसी आकृति प्रदर्शित करती है। जिसे भांगर कहा जाता है।

(4) खादर– बाढ़ वाले मैदान के नये तथा युवा निक्षेपों को खादर कहते हैं।

(3) प्रायद्वीपीय पठार– यह गौंडवाना भूमि के टूटने और अफवाह के कारण बना था। इस पठार के दो मुख्य भाग हैं।

(1) मध्य उच्च भूमि (2) और दक्कन का पठार। इस पठार के पूर्वी विस्तार को स्थानीय रूप से बुंदेलखंड तथा बघेलखण्ड के नाम से जाना जाता है इसके और पूरब के विस्तार को दामोदर नदी द्वारा अपवाहित छोटा नागपुर पठार दर्शाता है।

दक्षिण का पठार एक त्रिभुजााकार भूभाग है जो नर्मदा नदी के दक्षिण में स्थित है।

दक्षिण के पठार के पूर्वी और पश्चिमी सिरे पर क्रमशः पूर्वी तथा पश्चिमी घाट स्थित है। पूर्वी घाट की अपेक्षा पश्चिमी घाट उँची है।

प्रायद्वीपीय पठार की एक विशेषता यहाँ पायी जाने वाली मृदा है, जिसे दक्कन ट्रैप के नाम से भी जाना जाता है।

भारतीय मरूस्थल–

अरावली पहाड़ी के पश्चिमी किनारे पर स्थित थार मरूस्थल है जो बालू के टिब्बों से ढ़ँका हुआ एक तरंगित मैदान है।

यहाँ अर्धचन्द्राकार बालू का टिब्बा है जिसे बरखान कहा जाता है।

(यूनी इस क्षेत्र की सबसे बड़ी नदी है)।

तटीय मैदानः– प्रायदीपीय पठार के किनारे पर संकीर्ण तटीय पट्टीयों का विस्तार है जो पश्चिम में अरब सागर से लेकर पूरब में बंगाल की खाड़ी तक विस्तृत है। मैदान एवं दक्षिणी भाग को कोंकण, मुख्य भाग को कन्नड़ मैदान एवं दक्षिणी भाग को मालावार तट कहा जाता है। उत्तरी भाग में इसे उत्तरी सरकार तथा दक्षिणी भाग कोरोमण्डल तट के नाम से जाना जाता है।

द्वीप समूहः– अरब सागर स्थित लक्षद्वीप समूह केरल से सटा हुआ है जो प्रवाल द्वीपों के नाम से जाना जाता है। पहले इनको लकादीव, मोनोकाय तथा एमीनदीव के नाम से जाना जाता है।

अंदमान निकोबार द्वीप समूह बंगाल की खाड़ी में उत्तर से दक्षिण के तरफ फैला हुआ है। यह द्वीप समूह निमार्डजत पर्वत श्रेणियों के शिखर है जो मुख्यतः दो भागों में बँटा है–उत्तर में अंदमान तथा दक्षिण में निकोबार।

बहुवैकल्पिक प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न 1. भारत के विभिन्न भागों में स्थित मिट्टी की रंगों की विविधता के लिए प्रमुख रूप से क्या उत्तरदायी है?

(अ) शैल निर्माण में विभिन्नता (ब) अवक्षय

(स) अपरदन और निक्षेपण (द) भूमि उपयोग

प्रश्न 2. भारत की स्थलाकृत्तियों के निर्माण एवं पुर्नसंरचना के लिए कौन सा कारक उत्तरदायी नहीं है,

(अ) भूगर्भीय संरचना (ब) सघन जनसंख्या

(स) अपरदन (द) अपरदन और निक्षेपण

प्रश्न 3. महाद्वीपों? महासागरों एवं विभिन्न स्थलाकृतियों की संरचना के सम्बन्ध में भूगर्भशास्त्रियों द्वारा प्रतिपादित सर्वमान्य सिद्धान्त इनमें से कौन है?

(अ) गति का सिद्धान्त (ब) प्लेट विर्वतनिक सिद्धान्त

(स) विकास का सिद्धान्त (द) सापेक्षता का सिद्धान्त

प्रश्न 4. प्लेट विर्वतनिक सिद्धान्त के अनुसार भूपर्पटी का निर्माण कितने प्रमुख प्लेटों से हुआ है?

(अ) तीन (ब) पाँच (स) सात (द) दस

प्रश्न 5. प्लेट विर्वतनिक सिद्धान्त के अनुसार प्लेटों का प्रवाह कुछ भूगर्भिक क्रियाओं का परिणाम है इनमें से कौन इस प्रकार की भूगर्भिक क्रियाएँ नहीं हैं–

(अ) ज्वालामुखी क्रिया (ब) वलन (स) भ्रंशन (द) हिमानीकरण

प्रश्न 6. प्लेट विर्वतनिक सिद्धान्त के अनुसार जब कुछ प्लेट एक दूसरे से दुर जाते हैं तो इनमें से किसका निर्माण होता है–

(अ) अभिसारित परिसीमा (ब) अपसारित परिसीमा

(स) रूपान्तरित परिसीमा (द) टकराव से निर्मित परिसीमा

प्रश्न 7. प्लेट विर्वतनिक सिद्धान्त के अनुसार जब कुछ प्लेट एक दूसरे के करीब आते हैं तो इनमें से किसका निर्माण होता है–

(अ) अभिसारित परिसीमा (ब) अपसारित परिसीमा

(स) रूपान्तरित परिसीमा (द) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 8. प्लेट विर्वतनिक सिद्धान्त के अनुसार जब कुछ प्लेट एक दूसरे के करीब आते हैं तो इनमें से किसका निर्माण सम्भव नहीं होता है–

(अ) प्लेटों का टकराना और टूटना (ब) प्लेटों का क्षैतिजवत एक दूसरे की ओर मुड़ना

(स) प्लेटों का अभिसारित सीमा का निर्माण करना

(द) एक प्लेट का फिसलकर दूसरे प्लेट के नीचे आना

प्रश्न 9. प्लेट विर्वतनिक सिद्धान्त के अनुसार प्लेटों के प्रवाह का निम्नलिखित में से क्या प्रभाव होगा?

(अ) महाद्वीपों की स्थिति और आकार में बदलाब (ब) महासागरीय द्रोणी का निर्माण

(स) भारत के वर्तमान स्थलस्वरूप और उच्चावचन का विकास

(द) उपरोक्त सभी।

प्रश्न 10. स्थल भाग जो तीन तरफ से समुद्र से घिरा हुआ हो, कहलाता हैः–

(अ) तट (ब) द्वीप (स) प्रायद्वीप (द) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 11. इनमें से कौन भारत का सबसे पुराना स्थल भाग है–

(अ) हिमालय (ब) उत्तरी मैदान (स) प्रायद्वीपीय पठार (द) भारतीय मरूस्थल

प्रश्न 12. भारत का प्रायद्वीपीय पठार इनमें से किन स्थलस्वरूप का हिस्सा है।

(अ) अंगारालैण्ड (ब) गोण्डवाना लैण्ड (स) टेथिस (द) यूरेशियन प्लेट

प्रश्न 13. इनमें से कौन सा देश या महादेश प्राचीन गोण्डवाना भूमि का हिस्सा नही था –

(अ) भारत (ब) आस्ट्रेलिया

(स) यूरोप (द) दक्षिणी अमेरिका

प्रश्न 14. इण्डो आस्ट्रेलियन प्लेट का उतर की ओर प्रवाह का बड़े यूरोपियन प्लेट के टकराने का परिणाम इनमें से क्या नही होता है ?

(अ) गोण्डवाना भूमि का अनेक हिस्से में विखण्डन ।

(ब) यूरोप और एशियाई महादेशों का निर्माण।

(स) टेथिस भू अभिनति के अवसादी चट्टान मुड़ गए।

(द) भारत और आस्ट्रेलिया का निर्माण।

प्रश्न 15. टेथिस भू अभिनति में अवसादों के संग्रहण से इनमें से भारत के किस भौतिक स्वरुप का निर्माण होता है ?

(अ) हिमालय (ब) उतरी मैदान

(स) प्रायद्वीपीय पठार (द) भारतीय मरुस्थल

प्रश्न 16. ' टेथीस' के हिमालय के रुप में उपर उठने तथा प्रायद्वीपीय पठार के उतरी किनारे के बिच धसने के परिणाम स्वरुप निम्नांकित में से किस भारतीय भौतिक विभाग का निर्माण होता है ?

(अ) हिमालय (ब) उतरी मैदान

(स) प्रायद्वीपीय पठार (द) तटीय मैदान

प्रश्न 17. भूगर्भिक तौर पर निम्नांकित में से कौन भारत के भौतिक विभाग का सबसे प्राचीनतम भाग है ?

(अ) हिमालय (ब) उतरी मैदान

(स) प्रायद्वीपीय पठार (द) भारतीय मरुस्थल

प्रश्न 18. भूगर्भिक दृष्टि से निम्नांकित में से भारत के किस भू भाग को अस्थिर भाग है ?

(अ) हिमालय पर्वत (ब) प्रायद्वीपीय पठार

(स) भारतीय मरुस्थल (द) द्वीपों

प्रश्न 19. निम्नांकित में से कौन नवीन वलित पर्वत हैं ?

(अ) अरावली (ब) नीलगिरि

(स) हिमालय (द) सहयाद्रि

प्रश्न 20. निम्नांकित में से कौन प्राकृतिक विशेषता भारत के उतर में प्राकृतिक अवरोधक का काम करता है ?

(अ) कुनलुन पर्वत (ब) तिब्बत का पठार

(स) ब्रह्मपुत्र नदी (द) हिमालय

प्रश्न 21. देशन्तरीय विष्तार के साथ हिमालय को तीन भागों में बॉट सकते है। निम्नलिखित में से कौन उतरी भाग श्रृंखला का नाम है ?

(अ) हिमाद्रि (ब) हिमाचल

(स) शिवालिक (द) पूर्वांचल

प्रश्न 22. हिमालय का कौन सा भाग बर्फ से घिरा है तथा इनमें बहुत सी हिमानियों का प्रवाह होता है ?

(अ) महान हिमालय या हिमाद्रि (ब) निम्न हिमालय या हिमाचल

(स) शिवालिक (द) पूर्वांचल

प्रश्न 23. इनमें से कौन भारत की सबसे उॅची चोटी है ?

(अ) माउण्ट एवरेस्ट (ब) कंचन जंगा

(स) नंगा पर्वत (द) नन्दा देवी

प्रश्न 24. इनमें से कौन बृहत् हिमालय का पर्वतीय दर्रा नही है ?

(अ) बारा लाप्चा ला (ब) नाथुला

(स) खैवर दर्रा (द) जाजिला और लिपुलेख

प्रश्न 25. निम्नांकित मे से निम्न हिमालय किस नाम से जाना जाता है ?

(अ) हिमाद्रि (ब) हिमांचल

(स) शिवालिक (द) पूर्वांचल

प्रश्न 26. इनमें से कौन निम्न हिमालय या हिमाचल की श्रृंखला का भाग नही है ?

(अ) पीर पंजाल (ब) धौलाधर

(स) महाभारत (द) कामेत

प्रश्न 27. हिमालय के किस विभाग में कश्मीर कांगडा और कुलू की प्रसिद्ध घाटियॉ अवस्थित है ?

(अ) हिमाद्रि (ब) हिमाचल

(स) शिवालिक (द) दून

प्रश्न 28. इनमें से कौन सी हिमालय की श्रृखलाऍं नदियों द्वारा लाई गई असंपिड़ित अवसादों से बनी है ?

(अ) पीर पंजाल श्रृंखला (ब) काराकोरम श्रृंखला

(स) शिवालिक (द) लद्धाख श्रृंखला

प्रश्न 29. निम्न हिमालय और शिवालिक के बीच स्थित लम्बवत घाटी को कहते है ?

(अ) कांगडा घाटी (ब) पटकोई बुम

(स) दर्रा (द) दून

प्रश्न 30. पश्चिम से पूरब की ओर हिमालय के विभाजन को नदी घाटियों के द्वारा चिन्हित किया जाता है । सतलज और काली नदीयों के बीच स्थित हिमालय के भाग को कहा जाता है ?

(अ) पंजाब हिमालय (ब) कुमायॅू हिमालय

(स) नेपाल हिमालय (द) असम हिमालय

प्रश्न 31. पूर्वीघाट के दक्षिण पूर्व में स्थित दो पहाडियॉ इनमे से कौन हैं ?

(अ) मिजो और नागापहाडियॉ (ब) जावादी पहाडी और शेवरोइ पहाडियॉ

(स) पटकोई पहाडियॉ और मणिपुर की पहाड़ियॉ (द) मिजो और पटकोई पहाड़ियॉ

प्रश्न 32. भारत के किस द्वीप को प्रवाल द्वीप कहा जाता है ?

(अ) लक्षद्वीप (ब) अण्डमान और निकोबार

(स) दोनों (द) इनमें से कोई नही

प्रश्न 33. पर्वतों के बीच स्थित संकरा भाग को जिससें एक भाग से दूसरे भाग की ओर पार किया जा सके, कहा जाता है ?

(अ) टीला (ब) दर्रा

(स) जलडमरुमध्य (द) घाटी

प्रश्न 34. उत्तरी मैदान के नाम और दल–दली क्षेत्रों को स्थानीय रुप से क्या कहा जाता है ?

(अ) भांवर (ब) तराई

(स) दोआब (द) भांगर

प्रश्न 35. इनमें से कौन एक समान नहीं है ?

(अ) कंचन जुंगा (ब) नंगा पर्वत

(स) नामचा बरवॉ (द) अन्नाई मुदी

लघुउत्तरीय प्रश्न (03 अंक)

प्रश्न 1. प्लेट विर्वतानिक सिद्धांत का वर्णन करें ?

उत्तर – माहाद्वीपों, महासागरीय, द्रोणियों और विभिन्न स्थालाकृतियों के निर्माण से सम्बन्धित भूगर्भ शास्त्रीयों द्वारा प्रतिपादित सर्वमान्य सिद्धांत प्लेट विर्वतानिक का सिद्धांत है। इस सिद्धांत के अनुसार पृथ्वी की उपरी पर्पटी सात बड़ी एवं कुछ छोटी प्लेटों से बनी है। भूगर्भ शास्त्रियों के अनुसार लाखों वर्ष पहले संसार एक वृहतम महाद्वीप पैंजिया जो विशालकाय महासागर पैंथालसा से घिरा था, वर्तमान महाद्वीप और उसमें समाहित महासागर का निर्माण संवहनीय प्रवाह के कारण भूपर्वती के टूटने तथा उनके संचरण से हुआ है।

प्रश्न 2. भारत के प्रमुख भौतिक विभागों के नाम लिखें ?किन्हीं एक भौतिक विभाग पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

उत्तर – भारत के प्रमुख भौतिक विभाग निम्नांकित है –

1. हिमालय का पर्वतीय प्रदेश
2. उतरी मैदान
3. प्रायद्वीपीय पठार
4. भारतीय मरुभूमि
5. समुंद्र तटीय मैदान
6. द्वीप समूह

समुंद्र तटीय मैदान– भारत का प्रायद्वीपीय पठार पूरब और पश्चिम में पतले समुद्र तटीय मैदान से घिरा है। पश्चिम तटीय मैदान एक पतली पट्टी है जो अरबसागर के साथ–साथ फैला हुआ है तथा इसके पूरब में पूर्वी घाट अवस्थित है। इस पश्चिमी तटीय मैदान का उतरी भाग कोंकण(मुम्बई से गोवा) कहलाता है। मध्यवर्ती भाग कन्नड़ तथा दक्षिणी भाग मालावार तट कहलाता है।

बंगाल की खाड़ी के साथ विस्तृत मैदान चौड़ा एवं समतल है। उतरी भाग में इसे उतरी सरकार कहा जाता है जबकी दक्षिणी भाग को कोरोमण्डल तट के नाम से जाना जाता है।

प्रश्न 3. भारत के उतरी मैदान का निर्माण कैसे हुआ है ? संक्षेप मे वर्णन करें।

उत्तर – टेथिस सागर में लगातार अवसादों के निक्षेपण से ऊँचें उठे हुए हिस्से से उतरी मैदान का निर्माण हुआ।

उतरी मैदान तीन प्रमुख नदी प्रणालियों– सिंधु, गंगा एवं ब्रहम्पुत्र तथा इनकी सहायक नदियों से बनी हैं। यह मैदान जलोढ मृदा से बना है। लाखों वर्षो में हिमालय के गिरिपाद में स्थित बहुत बड़े बेसिंग (द्रोणी) में जलोढो का निक्षेप हुआ, जिससे इस उपजाऊ मैदान का निर्माण हुआ। समृद्ध मृदा आवरण, पर्याप्त पानी की उपलब्धता एवं अनुकुल जलवायु के कारण कृषि की दृष्टि से यह भारत का अत्यधिक उत्पादक क्षेत्र है।

जैसे ही हिमालय का उत्थान हुआ नदियां, हिमानी और अपरदन के दूत अपरदन कार्य में सक्रिय हो गए। परिणाम स्वरुप विशाल अवसाद के अवसादीकरण के कारण टेथिस सिकुड़ता गया।

प्रश्न 4. पूर्वी और पश्चिमी घाट कहाँ पर स्थित हैं? प्रत्येक पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

उ. पूर्वी और पश्चिमी घाट प्रायद्वीपीय पठार के क्षेत्र में स्थित है। पश्चिमी तट के समानान्तर दक्कन के पठार के पश्चिमी किनारे में पश्चिमी घाट है। पूर्वी घाट दक्कन पठार के पूर्वी किनारे में स्थित है। यह दक्षिण में नीलगिरी पहाड़ी से महानदी घाटी तक फैला हुआ है। पूर्वी तटीय मैदान पूरब की ओर जाता है। पश्चिमी घाट लगातार है जिसे थाल, भोर, और पाल घाट नामक दर्रों से पार किया जा सकता है। यह सापेक्षतः उँचा (औसत 900 से 1600 मीटर) है। कोई भी नदी इस घाट को काटकर पार नहीं की है।

पूर्वी घाट लगातार नहीं फैला है। पश्चिमी घाट की अपेक्षा यह नीचा है। यह बंगाल की खाड़ी से गिरने वाली नदियों से अनेक भागों में बँटा है।

प्रश्न 5. विवर्तनिक या भूगर्भिक प्लेटों का संक्षिप्त में वर्णन करें।

उ. भूगर्भ वैज्ञानिकों ने इस विचार को आगे बढ़ाया कि भूपर्पटी या स्थलमण्डलीय पिण्ड स्थिर नहीं है। यह अनेक वृहत् और छोटे, दृढ़ अनियमित पदार्थों के मिलने से प्लेट का आकार दिया जिसमें महाद्वीपों और महासागरीय सतह भी सम्मिलित है। ये प्लेट (भूगर्भिक प्लेट) प्रति वर्ष 2.5 सेंटीमीटर से 5 सेंटीमीटर की गति से एक दूसरे की ओर प्रवाहित हो रहे हैं। इस सिद्धान्त के अनुसार भूवैज्ञानिकों ने पृथ्वी भूपर्पटी को सात बड़ी और कुछ छोटे प्लेटों को चिन्हित किया है।

प्रश्न 6. विंध्य और अरावली श्रेणी के बीच कौन पठार स्थित है? इस पठार पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

उ. मालवा का पठार विंध्य और अरावली श्रेणियों के बीच स्थित है। अरावली की पहाडियाँ पश्चिम में तथा विंध्य श्रेणी इसके दक्षिण में स्थित है। प्रायद्वीपीय पठार का यह भाग जो नर्मदा नदी के उत्तर में स्थित है उसे मध्य उच्च भूमि के नाम से जाना जाता है। मालवा पठार मध्यप्रदेश में है। ये बहुत अधिक अपरदित एवं खण्डित पहाडियाँ हैं। चम्बल नदी के समीप या उसके पूर्व यह पठार अनेक नदियों द्वारा विस्तृत रूप से अनेक भागों में बँटा है।

प्रश्न 7. दून से आप क्या समझते हैं? यह हमारे देश के किस भाग में स्थित है? दून के कोई दो उदाहरण दें।

उ. निम्न हिमालय और शिवालिक के बीच फैली लम्बवत घाटियों को दून के नाम से जाना जाता है। काटली दून और देहरादून इसके प्रमुख उदाहरण हैं।

प्रश्न 8. प्रवाल क्या है? उस द्वीप का नाम बताये और वर्णन करे जो प्रवालों से बना है?

उ. प्रवाल सुक्ष्मतम जीव है जो एक आवरण के अन्दर रहते हैं। इनका विकास छिछले, स्वच्छ और गर्म जल में होता है। यह कैल्सियम कार्बोनेट से बना है। प्रवाल के कंकाल से ही प्रवाल अवसाद का निर्माण हुआ। लक्षदीप एक प्रवाल द्वीप है जो केरल के मालावार तट के समीप प्रवालों से बना एक छोटा सी द्वीप था।

प्रश्न 9. भाँवर और तराई का वर्णन करें।

उ. भाँवर पर्वत पदीय क्षेत्रों में पाया जाता है जहाँ नदियों द्वारा छोटे छोटे पत्थर के टुकड़े को बिछा दिए जाते हैं। जहाँ सरिताएँ इस पट्टी में विलुप्त हो जाती है।

इस पट्टी के दक्षिण में ये सरिताएँ एवं नदियाँ पुनः निकल आती हैं एवं नम तथा दलदली क्षेत्र का निर्माण करती है जिसे तराई कहा जाता है। यह वन्य प्राणियों से भरा घना जंगलों का क्षेत्र है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

प्रश्न 1. वृहत् हिमालय श्रेणी के विभिन्न भागों पर टिप्पणी लिखें।

उ. हिमालय विश्व के सबसे ऊँचे पर्वतो में से एक है और एक अत्यधिक असम अवरोधों में से एक है। जो पश्चिम से पूरब सिन्धु नदी से ब्रह्मपुत्र नदी तक पूरे भारत के उत्तरी सीमा का निर्माण करते हैं। भूगर्भिक दृष्टि से यह नवीन और संरचना की दृष्टि से वलित पर्वत प्रणाली है।

(2) पश्चिम से पूर्व हिमालय को तीन क्षैतिवत विभागों में बाँटा गया है। सबसे उत्तरी भाग को वृहत् हिमालय या आन्तरिक हिमालय के नाम से जाना जाता है। हमेशा बर्फ तथा हिमनदियों से ढ़का होने के कारण इसे हिमाद्रि के नाम से जाना जाता है। इन श्रेणियों की औसत उँचाई 6000 मीटर है। सभी मुख्य और प्रमुख उँची चोटियाँ (शिखर) इसी श्रेणी में स्थित है। कुछ प्रमुख उँचे शिखर नेपाल में एवरेस्ट (8848 मी0), सिक्किम में कंचनजुंगा (8598 मी0), कश्मीर में नंगा पर्वत, उत्तराखण्ड में नन्दा देवी और अरूणाचल प्रदेश में नमचा वरवाँ और नेपाल में धौलागिरी और अन्नपूर्णा।

(3) हिमाद्री के दक्षिण में स्थित श्रेणी को निम्न हिमालय या हिमाचल कहा जाता है जिसकी औसत चौड़ाई 50 कि0मी0 है। इस श्रेणी की औसत उँचाई 3900 से 4500 मीटर है। इस श्रेणी के प्रमुख

श्रेणी पीर–पंजाल श्रेणी, धौलाधर श्रेणी और महाभारत श्रेणी है। कश्मीर की प्रमुख घाटी, तथा हिमाचलप्रदेश की कांगड़ा और कुलू घाटियाँ इसी श्रेणी में स्थित हैं।

(4) हिमालय के सबसे बाहरी श्रृंखला को शिवालिक या बाह्य हिमालय कहा जाता है। इनकी चौड़ाई 10 से 50 कि0 मी0 तथा उँचाई 900 से 1100 मीटर के बीच है। ये श्रृंखलाएँ उत्तर में स्थित मुख्य हिमालय की श्रृंखलाओं से नदियों द्वारा लाई गई असंपिडित अवसादों से बनी है। ये घाटियाँ बजरी तथा जलोढ की मोटी परत से ढ़की हुई है।

(5) निम्न हिमाचल तथा शिवालिक के बीच में स्थित लम्बवत् घाटी को दून के नाम से जाना जाता है। कुछ प्रसिद्ध दून हैं– देहरादून, कोटली दून एवं पाटली दून।

प्रश्न 2. गोण्डवानालैण्ड से भारत के निर्माण का वर्णन करें।

उ. भूगर्भशास्त्रियों के अनुसार प्लेट विवर्तनिक का सिद्धान्त प्रस्तुत किया गया जिसके अनुसार भूपर्पटी का निर्माण प्लेट विवर्तनिक से हुआ है। इन प्लेटों के प्रवाह ने भारत के वर्तमान स्थलस्वरूप को निर्माण को प्रभावित किया। पैजियाँ के दक्षिण वाले भाग को गोण्डवानालैण्ड के नाम से जाना गया। जिसमें भारत, आस्ट्रेलिया, दक्षिण अमेरिकाय, दक्षिण अफ्रिका ये सभी एक ही भूभाग थे। भूगर्भिक दृष्टि से प्रायद्वीपीय पठार जो पृथ्वी का सबसे प्राचीनतम भूभाग है जो गोण्डवानालैण्ड का ही भाग है।

प्लेट विवर्तन ने भूपर्पटी को अनेक भागों में बाँट दिया। गोण्डवानालैण्ड के भाग के रूप में आस्ट्रेलियन प्लेट उत्तर की ओर प्रवाहित हुआ। परिणामस्वरूप इस टकराव वृहत यूरेशियन प्लेट से हुआ। उत्तर में अंगारालैण्ड तथा दक्षिण में गोण्डवाना लैण्ड के बीच का भाग टेथिस सागर के रूप में उभरा। टकराव से टेथिस भू अभिनति में अवसादों के जमाव के उपर उठने और मुड़ने से हिमालय पर्वत का निर्माण हुआ।

हिमालय के निर्माण के बाद के टेथिस सागर में अवसादों के निक्षेपण तथा प्रायद्वीपीय पठार के धसने के कारएा वृहत् बेसिन का निर्माण हुआ। लाखों वर्षों तक हिमालय की नदियों तथा प्रायदीपीय पठार की नदियों के अवसादों के निक्षेपण से मैदान का निर्माण हुआ। सिन्धु, गंगा, ब्रह्मपुत्र और उनकी सहायक नदियों ने एक समतल, उपजाऊ और सघन जलोद अवसादों के निमार्ण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिसे उत्तर के मैदान के नाम से जाना जाता है।

प्रश्न 3. उत्तर मैदान और प्रायदीपीय पठार में अन्तर बतावें।

उ. उत्तर का मैदान–

1. भूगर्भिक दृष्टि से उत्तर के मैदान का निर्माण वर्तमान भूगर्भिक काल से हुआ है।
2. उत्तर का मैदान अत्याधुनिक स्थलरूप है।
3. नदी प्रणालियों ने नये रूप और आकार दिया है।
4. यह उपजाऊ समतल मैदान है।
5. उत्तर मैदान का निर्माण नदियों द्वारा लाए गए जलोढ मृदा से हुआ है।

6. उत्तर का उपजाऊ मैदान तीन भागों में बंटा है।

(क) पंजाब के मैदान का निर्माण सिन्धु और उसकी सहायक नदियों द्वारा हुआ है।

(ख) उत्तर भारत में गंगा का मैदान।

(ग) असम में ब्रह्मपुत्र का मैदान।

7. उतर का मैदान कृषि के उच्च उत्पादन के लिए उपजाऊ और जलोढ मृदा से सम्पन्न है।

प्रायद्वीपीय पठार –

1. भूगर्भिक दृष्टि से प्रायद्वीपीय पठार गोण्डवाना लैण्ड का एक भाग है। जो प्राचीन वृहत महाद्वीप का दक्षिणी भाग है।
2. प्रायद्वीपीय पठार प्राचीन भू भाग हैं।
3. यह सबसे सुदृढ स्थल भाग है।
4. इस पठारी भाग में चौड़ी तथा छिछली घाटियॉ एवं गोलाकार पहाड़िया हैं। प्रयद्वीपीय पठार एक मेज की आकृति वाला स्थल है।
5. प्रायद्वीपीय पठार पुराने क्रिस्टलीय आग्नेय तथा रुपान्तरित शैलों से बना है।
6. प्रायद्वीपीय पठार के दो मुख्य भाग है–
   (क) मध्य उच्च भूमि ।
   (ख) दक्कन का पठार।
7. प्रायद्वीपीय पठार की एक विशेषता यहा पायी जाने वाली काली मृदा है जिसे दक्कन ट्रैप के नाम से भी जाना जाता है।

प्रश्न 4. हिमालय के किस भाग को पूर्वांचल के नाम से जाना जाता हैं ? पूर्वांचल हिमालय पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

उत्तर – हिमालय पर्वत के पूर्वी पहाड़ियॉ जो उतर से दक्षिण भारत के पूर्वी सीमा पर फैला है जिसे पूर्वांचल के नाम से जाना जाता है। यह भारत के पूर्वोतर राज्यों में स्थित है। ब्रहम्पुत्र नदी हिमालय के पूर्वी सीमा का निर्धारण करती है। दिबांग गार्ज के उपर हिमालय तीक्ष्ण रुप से दक्षिण की ओर मुड़कर भारत के पूर्वी सीमा पर फैला है। जिसे पूर्वांचल के नाम से जाना जाता है। ये समानान्तर श्रेणियों में है। यह मजबुत बलुआ पत्थर और अवसादी शैलों से बना है।

हिमालय की अपेक्षा पूर्वांचल पहाडियॉ उतनी ऊॅची नही है। पहाडियॉ और श्रेणिया घने वनों से ढका हुआ है। पूर्वांचल के कुछ प्रमुख पहाड़ियॉ है–

(क) पटकोई बूम और नागा की पहाड़ियॉ।

(ख) मिजों और मणिपुर की पहाड़ियॉ।

(ग) मेघालय बंगलादेश सीमा के साथ गारों, खासी और जैन्तियॉ की पहाड़ियॉ।

(घ) उतर के डल्फा की पहाड़ियॉ।

प्रश्न 5. प्रायद्वीपीय पठार के महत्वपूर्ण विशेषताओं का वर्णन करें ?

उत्तर – भारत का प्रायद्वीपीय पठार उतरी मैदान के दक्षिण में तथा भारत के दक्षिणी सीरा तक फैला है। प्रायद्वीपीय पठार एक मेज की आकृति वाला स्थल है। जो पुराने क्रिस्टलीय, आग्नेय तथा रुपान्तरित शैलों से बना है। यह त्रिभुजाकार है। यह सबसे प्राचीनतम् और स्थाई भूभाग है।

इस पठार के दो मुख्य भाग है–

1 मध्य उच्च भाग और 2. दक्कन का पठार

मध्य उच्च भाग जो मालवा के पठार, बुन्देलखण्ड और बघेल खंड से बना है विन्ध्यन श्रेणी का विस्तार छोटानागपुर पठार, अरावली जो अपरिदित पहाड़ी हैं जो पश्चिम तथा उतर पश्चिमी सीमा पर स्थित है।

प्रायद्वीपीय पठार का भाग जो नर्मदा नदी के दक्षिण में स्थित हैं जिसे दक्कन के पठार के नाम से जाना जाता है। यह एक त्रिभुजाकार भूभाग है जो उतर में चौड़ा तथा दक्षिणी भाग में पतला होता गया। इसका निर्माण लावा प्रवाह से हुआ है। ज्वालामुखी उद्‌भेदन के कारण इसका बड़ा भाग बैशाल्ट के शैलों से बना है। इसका विस्तार उतर में सतपुड़ा तक है और महादेव की पहाड़ियॉ, कैमुर की पहाड़ियॉ, मैकाल की पहाड़िया इसके पूर्वोतर विस्तार को दर्शाता है। दक्कन का पठार पश्चिम में पश्चिमी घाट तथा पूर्वी घाट के बीच स्थित है। पश्चिमी घाट की औसतन ऊॅचाई लगभग 900 से 1600 मीटर तथा पूर्वी घाट की ऊॅचाई 600 मीटर है। इसलीए पठार पश्चिम की ओर ऊॅचा तथा पूर्व की ओर ढालू है। दक्कन के पठार के काली मृदा के क्षेत्र को दक्कन ट्रैप के नाम से जाना जाता है।

अतिमहत्वपूर्ण और कौशल पर आधरित प्रश्न :–

प्रश्न 1. विश्व के किस क्षेत्र में सबसे अधिक ज्वालामुखी तथा भूकम्प क्षेत्र पाया जाता है ?

प्रश्न 2. वर्तमान मे कौन सा महाद्वीप पहले गोण्डवाना लैण्ड़ के भाग थें ?

प्रश्न 3. भारत के लिए हिमालय का क्या महत्व है ?

मानचित्र कार्य (04 अंक)

प्रश्न 1. भारत के मानचित्र में निम्न स्थानों को दर्शावें और अंकित करें –

(क) हिमाद्री श्रेणी

(ख) शिवालिक

(ग) पूर्वांचल

(घ) मालवा पठार

प्रश्न 2. भारत के मानचित्र में निम्नांकित को दर्शावें और अंकित करें –

((अ)विन्ध्यन

(ब) पश्चिमी घाट

(स) छोटानागपुर पठार

(द) अरावली

प्रश्न 3. भारत के मानचित्र में निम्नांकित को दर्शावें और अंकित करें –

(अ) पूर्वीघाट

(ब) खासी की पहाड़ियॉ

(स) थार मरुस्थल

(द) दक्कन का पठार

बहुवैकल्पिक प्रश्नों के उत्तर –

1(अ)	2. (ब)	3. (ब)	4. (स)	5. (द)	6. (अ)	7. (ब)
8 (स)	9. (द)	10.(स)	11.(स)	12.(ब)	13.(स)	14.(स)
15.(अ)	16.(ब)	17.(स)	18.(अ)	19.(स)	20.(द)	21.(अ)
22.(अ)	23.(ब)	24.(स)	25.(अ)	26.(द)	27(ब)	28.(स)
29.(द)	30.(ब)	31.(ब)	32.(अ)	33.(ब)	34.(ब)	35.(द)

अध्याय 3

अपवाह

लघुउत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. निम्न में से कौन हमारे नदियों के प्रदूषण के लिए जिम्मेवार हैं ?

(क) जलविधुत परियोजनाये

(ख) विभिन्न नदी कार्य योजना

(ग) वर्षा जल संग्रहण

(घ) कोई नहीं इनमें

प्रश्न 2. निम्न मे से कौन नदियों के जल को स्वयं स्वच्छ करने की क्षमता को प्रभावित करते हैं ?

(क) जल प्राणी

(ख) सिंचाई के लिए पानी का प्रयोग

(ग) जल विधुत उत्पन्न करना

(घ) प्रदूषण

प्रश्न 3. निम्न में से कौन नदियों के जल प्रदूषण के कारण नहीं है ?

(क) कूडे कचरे को जमा करना

(ख) जल में रहने वाले जीव जंत

(ग) नाले के पानी को नदियों में प्रवाहित करना

(घ) कारखानो के अवशिष्ट को नदियो मे प्रवाहित करना

प्रश्न 4. भारत का निम्न में से कौन सा शहर नदी के किनारे बसे हुए नहीं हैं।

(क) हरिद्वार

(ख) इलाहाबाद

(ग) शिलॉग

(घ) वराणसी

प्रश्न 5. झीलों का मानव जीवन में बहुत अधिक महत्व है। निम्न में कौन सा तर्क झीलों के सम्बंध में गलत है ?

(क) नदियों के जल के प्रवाह को नियमित रखता है।

(ख) यह बाद की उत्पत्ति का कारण है।

(ग) इनका उपयोग जल विधुत तैयार करने के लिए किया जाता है।

(घ) यह प्राकृतिक सौंदर्य को बढाता है।

प्रश्न 6. प्राचीन काल में नदी तटीय क्षेत्र लोगों को क्यों आकर्षित करते थे ?

(क) जल एक प्राथमिक प्राकृतिक संसाधन है।

(ख) नदियॉ सिचाई के लिए पानी उपलब्ध कराती है।

(ग) नदियॉ अन्तर्देशीय जल परिवहन की सुविधा उपलब्ध कराती है।

(घ) उपर्युक्त सभी।

प्रश्न 7. नैनीताल और भीमताल किस राज्य में स्थित है।

(क) जम्मू और कश्मीर

(ख) हिमाचल प्रदेश

(ग) उत्तर प्रदेश

(घ) उतरा खंड

प्रश्न 8. आंध्र प्रदेश में स्थित कृत्रिम झील कौन सा है ?

(क) कौलीरू

(ख) नागार्जुन सागर

(ग) कृष्णा राजा सागर

(घ) वेमबानाड

प्रश्न 9. निम्नलिखित में से कौन सा झील मानव निर्मित नहीं है ?

(क) गोविंद सागर

(ख) निजाम सागर

(ग) बड़ा पानी

(घ) हीरा कुंड

प्रश्न 10. निम्नलिखित में से कौन सा सबसे बड़ा स्वच्छ पानी का झील है ?

(क) वुलर

(ख) लोकटक

(ग) नैनीताल

(घ) डल

प्रश्न 11. विर्वतनिक क्रियाओं के फलस्वरुप कौन सी झीलों का निर्माण किया गया ?

(क) वुलर झील

(ख) कोलेरू झील

(ग) लोकटक

(घ) डल झील

प्रश्न 12. उड़ीसा के समुंद्र तटीय क्षेत्र में कौन सा झाील लैगून है ?

(क) भीम ताल

(ख) बड़ापानी

(ग) चिल्का

(घ) हीराकुंड

प्रश्न 13. निम्नलिखित में से कौन सा झील लवणीय झील है।

(क) वुलर झील

(ख) सांभर झील

(ग) बड़ा पानी

(घ) कुल झील

प्रश्न 14. निम्न में से किस झील का निर्माण नदियों के क्रिया कलाप से हुआ है।

(क) लवलीण जल झील

(ख) ग्लेसियर झील

(ग) आक्सवा झील

(घ) लैगून

प्रश्न 15. निम्न में से किस झील में केवल वर्षा ऋतु में पानी पाया जाता है।

(क) आक्सवा झील

(ख) लैगून

(ग) अन्तरदेशीय प्रवाह वाले झील

(घ) ग्लेसियर झील

प्रश्न 16. निम्न में से कौन सा झील कश्मीर का प्रसिद्ध झील है ?

(क) सांभर झील

(ख) भीमताल झील

(ग) चिलका झील

(घ) डल झील

प्रश्न 17. निम्न में से कौन सी नदी छोटानागपुर पठार के हजारी बाग से प्रवाहित होती है

(क) अमरावती

(ख) भीमा

(ग) घाट प्रभा

(घ) दामोदर

प्रश्न 18. निम्न में से कौन सा जल प्रपात कावेरी नदी दूबारा बनता है और जो भारत का दूसरा बड़ा जल प्रपात है ?

(क) जौग

(ख) शिवसमुद्रम

(ग) दुग्धार

(घ) कुंडरु

प्रश्न 19.निम्न में से कौन सी नदी कर्नाटक केरल और तमिलनाडु के भागों से होकर गुजरती है।

(क) गोदावरी

(ख) कृष्णा

(ग) कावेरी

(घ) भुसी

प्रश्न 20. अमरावती भवानी हेमावती और कामबनी निम्न में से किसकी सहायक नदी है ?

(क) वेन गंगा

(ख) भीमा

(ग) कृष्णा

(घ) कावेरी

प्रश्न 21. निम्न में से कौन सी नदी महाराष्ट्र के नासिक जिले के पश्चिमी घाट से निकलती है ?

(क) महानदी

(ख) नर्मदा

(ग) गोदावरी

(घ) कोयना

प्रश्न 22. निम्न में से किस राज्य से होकर गोदावरी नदी प्रवाहित नहीं होती है ?

(क) महाराष्ट्रा

(ख) उड़ीसा

(ग) आंध्रप्रदेश

(घ) छतीसगढ़

प्रश्न 23. निम्न में से कौन सी नदी गोदावरी की सहायक नदी नहीं है ?

(क) उड़ना

(ख) घाट प्रभा

(ग) आद्धा

(घ) प्रागहीता

प्रश्न 24. निम्न में से कौन सी नदी दक्षिण गंगा के नाम से जानी जाती है।

(क) गोदावरी

(ख) नर्मदा

(ग) कृष्णा

(घ) कावेरी

प्रश्न 25. वेन गंगा और पेन गंगा निम्न में से किसकी सहायक नदी है ?

(क) महानदी

(ख) गंगा

(ग) गोदावरी

(घ) कृष्णा

लघुउत्तरीय प्रश्न (3 अंक)

प्रश्न 1. बारहमासी और ऋतुगत नदियॉ किसे कहते है ?

उत्तर – नदियॉ जो पूरे वर्ष बहती है उसे बारहमासी नदियॉ कही जाती है। उनका ज्यादा और कम गतियॉ पूरे वर्ष रहती है जैसे कि गंगा ।

1. नदियॉ जो पूरे वर्ष नहीं बहती है उन्हे ऋतुगत नदियॉ कहते है ये ऋतुगत नदियॉ है जो वर्षा ऋतु में बहती है और शुष्क ऋतु में सूख जाती हैं। जैसे कि सुवर्ण रेखा।
2. हिमालय से निकलने वाली नदियॉ बारहमासी नदियॉ है उनका स्त्रोत बर्फ के मैदान और ग्लेसियरों है। मानसून के दौरान हिमालय क्षेत्र में भारी वर्षा होती है जिसके कारण उन नदियों में पानी का प्रवाह बढ़ जाता है।

प्रश्न 2. गोदावरी नदी को दक्षिणी गंगा क्यों कहा जाता है ?

उत्तर – गोदावरी प्रायद्वीपीय क्षेत्र का सबसे बड़ा नदी है। इसकी लम्बाई लगभग 1500 किलो मीटर है। यह नदी तंत्र महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश तथा ऑध्रप्रदेश में फैले हुए हैं। इसकी लम्बी दूरी तय करने और वृहत क्षेत्रो में फैले होने के कारण गोदावरी नदी को दक्षिणी गंगा के नाम से जाना जाता है। यह नदी महाराष्ट्र के नासिक जिले के पश्चिमी ढाल से निकलती है और पूर्व की ओर प्रवाहित होती हुई बंगाल की खाड़ी में जाकर मिल जाती है।

प्रश्न 3. लवणीय झील का निर्माण कैसे होता है ? भारत के कुछ लवणीय झील का उदाहरण दें।

उत्तर – वह झील जिसमें अधिक मात्रा में लवण की मात्रा मिली होती है उसे लवणीय झील कहते है। यह झील शुष्क जलवायु वाले क्षेत्रों में पायी जाती है। इस प्रकार के झील अक्सर ऋतुगत होते है। भारत में सांभर झील के पानी का उपयोग नमक बनाने के लिए होता है।

प्रश्न 4. लैगून क्या है ? यह झील से किस प्रकार भिन्न है।

उत्तर – स्पिट तथा बार (रोधिका) तटीय क्षेत्रों में लैगून का निर्माण करते है। हवाओं और समुद्री धाराओं की क्रिया तटीय क्षेत्रों में समुद्र के जल को रोककर जिस आकार का निर्माण करते है उसे लैगून का निर्माण होता है। यह सामान्य रुप से गंगा नदी के विशाल डेल्टा और महानदी डेल्टा के पास पाया जाता है। उड़ीसा में चिल्का तमिलनाडु मे पुलीकट और आंध्रप्रदेश में ये प्रमुख लैगून हैं।

समुद्र के समीप तजा हवायें भी तटीय बालू से जल को रोक लेते हैं जिससे दलदली लैगून का निर्माण हो जाते है।

(1) लैगून में सामान्यत : लवणीय जल होता है जबकि झील शुद्ध जल या लवणीय जल से भरा होता है।

(2) लैगून का निर्माण पवनों एवं तरंगो के क्रिया से तटीय क्षेत्रो मे बनता है जबकि झील का निर्माण नदियो के द्ववारा होता है।

प्रश्न 5. गार्ज क्या है ?

उत्तर– गार्ज संकीर्ण नदी घाटियों को कहा जाता है जो पर्वतीय क्षेत्रों में नदियों के क्रियाकलापों से बनता है। यह मुख्य रुप से उन पर्वतीय क्षेत्रों में पाया जाता है।

प्रश्न 6. ब्रहम्पुत्र नदी किस प्रकार की प्रवाह प्रणाली से सम्पन्न है ?

उत्तर – ब्रहम्पुत्र नदी पूरे असम क्षेत्र जल एवं सिल्ट की मात्रा लिए हुए प्रवाहित होती है। उत्तर पूर्वी भारत के क्षेत्रों में भारी वर्षा होती है। मानसून के दौरान असम में भारी वर्षा होती है। जिसके कारण बहम्पुत्र नदी मे भरी वर्षा होती है। जिसके कारण ब्रहम्पुत्र नदी में जल की मात्रा काफी बढ जाती है। बड़े पैमाने पर मृदा अपरदन होने के कारण बहुत मात्रा में सिल्ट लेकर प्रवाहित होती है यह सिल्ट नदी के तल मे जमा हो जाती है। जिसके कारण नदी का जल कई प्रवाहों में बदल जाता है।

प्रश्न 7. भारत में स्वच्छ जल झील कहां स्थित है ?

उत्तर – भारत का अधिकतर स्वच्छ जल झील हिमालय में स्थित है हिमालय की अधिकांश पर्वत श्रेणियां बर्फो से ढकी है और हिमालय में अनेक हिमनद है। हिमालय क्षेत्र स्थित झीलों का निर्माण बर्फो के पिघलने से होता है जिससे इन झीलो का पानी शुद्ध होते है। भारत का सबसे बड़ा शुद्ध जल झील वुलर झील होती है।

प्रश्न 8. नदी द्रोणी क्या है ?

उत्तर – वह क्षेत्र जहॉ से एक नदीं तंत्र या उसकी सहायक नदियों द्वारा जल प्रवाहित होता है उसे नदी द्रोणी कहते है। अपवाह शब्द एक क्षेत्र के नदी तंत्र का वर्णन करता है कई छोटी– छोटी धराए मिलकर एक मुख्य नदी का निर्माण करती है। मुख्य नदी में कई सहायक नदी और उपनदी मिलती है अंत में नदियां समुंद्र में अपने पानी को प्रवाह करती है।

प्रश्न 9. कृष्णा और उसकी सहायक नदियॉ पर नोट लिखें ।

उत्तर – कृष्णा नदी महाबलेश्वर के निकट एक झील से निकलती है यह पूर्व दिशा की ओर प्रवाहित होती हुई बंगाल की खाड़ी में मिल जाती है। इसकी लम्बाई लगभग 1400 किलो मीटर है। गोदावरी के बाद यह प्रायद्वीपय भारत की दूसरी सबसे लम्बी नदी है। तुंगभद्रा, कोयना तथा भीमा, घाट प्रभा और भूसी कृष्णा नदी की मुख्य सहायक नदियॉ है।

प्रश्न 10. हिमालय से निकलने वाली तीन प्रमुख नदियों और उसकी सहायक नदियो का नाम लिखों ?

उत्तर – हिमालय से निकलने वाली तीन प्रमुख नदियॉ निम्न है–

1. सिंधु नदी तंत्र – सतलज, व्यास और रावी सिंधु नदी की तीन प्रमुख सहायक नदियॉ है।
2. गंगा नदी तंत्र – यमुना घाघरा और गंडक गंगा नदी की प्रमुख सहायक नदी है।
3. ब्रहम्पुत्र नदी तंत्र – दीवांग, लोहित केनुला ब्रहम्पुत्र नदी की सहायक नदियॉ है।

प्रश्न 11. प्रायद्वीप भारत में पूर्व और पश्चिम दिशा में प्रवाहित होने वाली नदियों में उत्तर बतलावें।

उत्तर – पूर्व की ओर प्रवाहित होने वाली नदियॉ–

1. ये नदियॉ अपने मुहाने पर डेल्टा का निर्माण करती है।
2. ये सभी नदी बंगाल की खाड़ी जाकर पानी गिराती है।
3. ये नदियॉ है महानदी, गोदावरी और कृष्णा।

   पश्चिम की ओर प्रवाहित होने वाली नदियॉ–

1. ये नदियॉ के मुहाने पर डेल्टा का निर्माण नहीं करती है।
2. ये नदियॉ अरबसागर में जाकर मिल जाती है।
3. इन नदियों में नर्मदा और तापी महत्वपूर्ण है।

प्रश्न 12. सहायक नदी और उपनदी में अन्तर बतलावें ?

उत्तर – सहायक नदी – वैसी नदी को कहते है जो मुख्य नदी में आकर मिलती है। जैसे – यमुना नदी, गंगा की सहायक नदी है। एक सहायक नदी मुख्य नदी के साथ अपना पानी मिला देती है।

उपनदी– उपनदी उस नदी को कहते है जो मुख्य नदी से अलग होती है। उपनदी मुख्य नदी से पानी लेती है, देती नही है।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न –

प्रश्न 1. हिमालय से निकलने वाली नदियों और प्रायद्वीपीय नदियों में अन्तर बतावें ?

उत्तर –

1. हिमालय से निकलने वाली नदियॉ – ये नदियॉ हिमनद से निकलती है इसलिए ये नदियॉ सालभर बहती रहती है उसका पानी कभी समाप्त नही होता है।
2. ये नदियॉ समतल उत्तरी मैदान से बहती है इसलिए ये नदियॉ सिचाई और जहाजरानी के लिए उपयोगी है।

3. ये नदियॉ अपने साथ उपजाऊ मिट्टी लाती है जिसे मैदानी भागो में बिछा देती है।
4. उन नदियों से नहरे निकाल कर सिचाई की व्यवस्था की गई है।
5. उन नदियों के किनारे पर नगर और व्यापार केन्द्र स्थित है।

प्रायद्वीपीय नदियॉ –

1. ये नदियॉ उन पर्वतों से निकलती है जहॉ हिमछादित नही होती तथा ग्रीष्म ऋतु में यह सुख जाती है।
2. ये नदियॉ विषन चट्टानी धरातल पर बहती है इसलीए नदियॉ सिचाई के लिए उपयोगी नही है और न ही जहाजरानी के लिए।
3. प्रायद्वीपीय नदियॉ अपने साथ दोमट मिट्टी नही लाती।
4. ये नदियों के पथरीला धरातल होने के कारण और नदियो के किनारे नहरें नही निकाली जा सकती। अतः इससे सिचाई असंभव है।
5. इन नदियों के किनारे बहुत कम बडे नगर और व्यापार के केन्द्र है।

प्रश्न 2. सिंधु नदी तंत्र पर एक नोट लिखें ?

उत्तर – सिंधु नदी तिब्बत मे मानसरोवर झील के निकट से निकलती है और दक्षिण पश्चिम में बहती हुई अरब सागर में गिर जाती है। इसकी लम्बाई लगभग 2900 किलो मीटर है। इसकी मुख्य सहायक नदियों सतलज, रावी, व्यास, झेलम है। सिंधु नदी तंत्र में सम्मलित नदियों के बटवारे के लिए भारत और पाकिस्तान में संधि हो रखी है जिसे सिंधु जल संधि कहा जाता है। इस संधि के अनुसार सतलज, व्यास और रावी नदियों के पानी का प्रयोग भारत करता है। जबकी चिनीब झेलम और सिंध नदी के पानी का प्रयोग पाकिस्तान करता है। इन नदियों के पानी का प्रयोग 20 प्रतिशत करता है। बाकि 80 प्रतिशत पानी का प्रयोग पाकिस्तान करता है।

प्रश्न 3. ब्रह्मपुत्र नदी तंत्र पर एक नोट लिखें ?

उत्तर – ब्रह्मपुत्र नदी विश्व की सबसे लंबी नदी है परंतु इसका अधिकतर भाग भारत के बाहर बहता है। ब्रह्मपुत्र नदी का उदगम तिब्बत के पूर्व मानसरोवर झील में है। यह नदी हिमालय के पूर्वी दिशा में समानान्तर हिमालय के बहती है। यह तिब्बत में सांगपो के नाम से जानी जाती है। यहॉ यह कम मात्रा में पानी को बहा ले जाती है। इसमें सिल्ट की मात्रा कम होती है जैसा कि यह ठंडा और शुष्क क्षेत्र है।

यह नदी U की तरह मुड़कर नमचा बरबा से मुड़कर भारत में अरुणांचल प्रदेश में प्रवेश करती है। अरुणांचल प्रदेश में इसे दिहांग के नाम से जानी जाती है। यहां यह दिहांग लाहित केनुला के अनेक सहायक नदीयों के नाम से जाना जाता है।

इस नदी की पानी की मात्रा बढती है और इसे ब्रह्मपुत्रा के नाम से असम मे जानी जाती है यह क्षेत्र वर्षा ऋतु में काफी वर्षा प्राप्त करता है। जिससे नदी में पानी की मात्रा बढ जाती है। वर्षा ऋतु में असम और बंगलादेश में विनाशकारी बाढ आ जाती है। जो जान माल को भारी क्षति पहुचाते है।

प्रश्न 4. गंगा नदी तंत्र पर एक नोट लिखें ?

उत्तर – गंगा नदी हिमालय पर्वत में स्थित गंगोत्री या हिमनदी से निकलती है और पूर्व दिशा में भारत और बंगलादेश से बहती हुई बंगाल की खाड़ी में गिर जाती है। इसकी कुल लंबाई लगभग 2500 किलो मीटर है। यमुना, घाघरा, गंडक, कोसी, सोन आदी इसकी प्रमुख सहायक नदियॉ है। इसकी मुख्य सहायक नदी यमुना है। जो इलाहाबाद में आकर गंगा से मिल जाती है। गंगा नदी के जल के बटवारा को लेकर भारत और बंगलादेश के बीच एक संधि हुई है जिसके अनुसार दोनो देश इस नदी के जल का उपयोग करेंगे।

प्रश्न 5. प्रायद्वीपीय भारत में पूर्व और पश्चिम में प्रवाहित होने वाली नदियों पर एक नोट लिखें ?

उत्तर – पूर्व की ओर बहने वाली नदियॉ –

1. ये नदियॉ महानदी, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी है।
2. ये नदियॉ बंगाल की खाड़ी में गिरती है।
3. ये नदियॉ बंगाल की खाड़ी में गिरने से पहले अपना अवसाद इधर–उधर विखेर देती है और ड़ेल्टा बनाती है।
4. ये नदीयॉ पश्चिमी घाट पर होने वाली वर्षा पर निर्भर करती है और पूर्वी दिशा से पश्चिमी दिशा की ओर बहती है।
5. ये नदीयॉ जिन घाटियों में बहती है वे इतनी तंग और गहरी नही होती।

पश्चिम की ओर बहने वाली नदियॉ –

1. ये नदियॉ पश्चिम की ओर बहने वाली नदियॉ नर्मदा और तापी है।
2. ये नदियॉ अरब सागर में गिरती है।
3. ये नदियॉ ज्वारनद मुख द्वारा अरब सागर में दाखिल होती है और अपना सारा अवसाद समुद्र में डाल देती है।
4. ये नदियॉ मध्य भारत में छोटानागपुर क्षेत्र में होने वाली वर्षा पर निर्भर करती है और पूर्व से पश्चिम की ओर बढती है।
5. ये नदियॉ बड़ी तंग और गहरी घाटी से होकर बहती है।

उच्चस्तरीय कौशल वाले प्रश्न :–

प्रश्न 1. किसी देश की अर्थव्यवस्था के लिए नदियॉ क्यों महत्वपूर्ण है ?

प्रश्न 2. नदी प्रदूषण पर एक नोट लिखें ?

प्रश्न 3. जल प्रदूषण को कैसे कम किया जा सकता है ?

बहुवैकल्पिक प्रश्नों के उत्तर –

1(ख)	2. (घ)	3. (ख)	4. (ग)	5. (ख)	6. (द)	7. (घ)
8 (ख)	9. (ग)	10.(क)	11.(क)	12.(ग)	13.(ख)	14.(ग)
15.(ग)	16.(घ)	17.(घ)	18.(ख)	19.(ग)	20.(घ)	21.(ग)

22.(घ)　23.(ख)　24.(क)　25.(ग)

भाग–3

भाग–3: राजनीति शास्त्र

पाठ–1: समकालीन विश्व में लोकतंत्र

लोकतंत्र के लिए संघर्ष:

बहुत सारे देश लोकतंत्र के लिए संघर्ष कर रहे हैं लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। चिले में सल्वाडोर आयेंदे की लोकतांत्रिक सरकार को 1973 में उखाड़ फेंका गया तथा पिनोशे वहाँ का सैनिक शासक बना। चिले में पुनः लोकतंत्र की स्थापना 1988 में हुई। पोलैण्ड में जो एक गैर–लोकतांत्रिक देश था, एक दलीय शासन को लेक–वालेशा के नेतृत्व में हटा कर लोकतंत्र की स्थापना की गई।

लोकतंत्र की दो विशेषताएँ

1. लोकतंत्र एक तरह की शासन प्रणाली है जो जनता को अपना शासक चुनने की आजादी देती है।
2. लोगों को अपना विचार व्यक्त करने की स्वतंत्रता, एकजुट होने की स्वतंत्रता तथा अन्याय का विरोध करने की आजादी देती है।

लोकतंत्र के विस्तार के चरण

2005 में लगभग 140 देशों में बहुदलीय व्यवस्था थी। 80 से अधिक देश लोकतंत्र की तरफ कदम बढ़ा रहे थे। परन्तु अभी भी बहुत सारे देश ऐसे हैं जहाँ जनता अपने लिए सरकार नहीं चुन सकती थी। म्यांमार में चुनी हुई नेता आंग सान सू की को कैद कर दिया गया था (1990)। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उनकी रिहाई के लिए कोई प्रयास नहीं किया गया।

वैश्विक स्तर पर लोकतंत्र

क्या वैश्विक स्तर पर लोकतांत्रिक व्यवस्था संभव है? अभी नहीं। संयुक्त राष्ट्र संघ, अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष, तथा विश्व बैंक एक वैश्विक संगठन है। ये संगठन विश्व में शांति, एवम् सुरक्षा बहाल कराने का प्रयास करते हैं। ये देशों को ऋण एवम् धन मुहैया कराते हैं। ये भी पूर्ण रूप से लोकतांत्रिक नहीं हैं। पाँच देश अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन एवम् रूस को सुरक्षा परिषद् में वीटो पावर प्राप्त है। विश्व बैंक का अध्यक्ष हमेशा अमेरिका का ही होता है तथा अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष सात शक्तिशाली देशों के हाथों में है।

लेकतंत्र को बढ़ावा देना

अमेरिका जैसे शक्तिशाली देशों का विचार है कि विश्व में लोकतंत्र को ताकत से बढ़ाना चाहिए। शक्तिशाली देश गैर–लोकतांत्रिक देशों पर आक्रमण कर रहे हैं। इराक इसका बड़ा उदाहरण है। अमेरिका और इसके सहयोगी देशों ने इराक पर बिना संयुक्त राष्ट्र संघ की सहमती के नाभिकीय शस्त्रों को बढ़ावा देने के आरोप में, आक्रमण किया। वहाँ जबरदस्ती चुनाव कराए गए। लोकतंत्र की मांग लोगों के तरफ से आना चाहिए न कि उनके ऊपर थोपा जाना चाहिए।

वीटोः किसी व्यक्ति, दल, अथवा देश का अधिकार जो किसी निर्णय अथवा कानून को रोक सके।

उपनिवेशः क्षेत्र जो किसी दूसरे राज्य के अधिकार में हो।

<u>बहुविकल्पी प्रश्न (1 अंक)</u>

प्र0 (1) 'हमारे देश के कार्यशील लोगों' मेरा विश्वास चिले मे है मुझे एक नैतिक ज्ञान मिला है कि ये किसने कहा हैः–

(क) जनरल ऑगस्तो पिनोशे (ख) जनरल एल्बर्टो बैशले

(ग) सल्वाडोर आयेंदे (घ) मारकल बेशेले

प्र0 (2) चिले में सैनिक विद्रोह कब हुआ?

(क) 12 सितम्बर 1973 (ख) 11 सितम्बर 1973

(ग) 11 सितम्बर 1974 (घ) इसमे से कोई नहीं।

प्र0 (3) चिले में सैनिक विद्रोह का नेतृत्व किसने किया ?

(क) जनरल एलबर्टो बैशले (ख) माइकल बैशले

(ग) जनरल आगेस्टो पिनोशे (घ) सल्वाडोर आयेंदे

प्र0 (4) 'रेफरेन्डम' क्या है?

(क) देश के सभी लोगों का किसी महत्वपूर्ण राष्ट्रीय घटना पर मत

(ख) शिक्षित जनसंख्या का मत

(ग) केवल पुरूषों का मत

(घ) इसमें से कोई नहीं।

प्र0 (5) जनवरी 2006 में चिले का राष्ट्रपति कौन चुना गया?

(क) मिशेल बैशले (ख) जनरल अल्बर्ट्रो बैशले

(ग) जनरल पिनोशे (घ) इसमें से कोई नहीं।

प्र0 (6) पोलैण्ड में 1980 में कौन सी पार्टी शासन में थी?

(क) पोलिस वर्कर्स पार्टी (ख) पोलिस पार्टी

(ग) पोलिस युनाइटेड वर्कर्स पार्टी (घ) कोई नहीं

प्र0 (7) लेनिन जहाज कारखाना के मजदूर हड़ताल पर गएः–

(क) 14 अगस्त 1980 को (ख) 15 अगस्त 1980 को

(ग) 14 सितम्बर 1980 को (घ) कोई नहीं

प्र0 (8) एलेन्डे चिले, वालेशा पोलैण्ड और माइकल चिले, ये तीनों सरकारे थी :–

(क) लोकतांत्रिक सरकार (ख) सैनिक शासन

(ग) साम्यवादी सरकार (घ) उपरोक्त सभी

प्र0 (9) किस क्रांति ने यूरोप में लोकतंत्र के लिए संघर्ष को बढ़ावा दिया:–

(क) रशियन क्रांति (ख) अमेरिकी क्रांति

(ग) फ्रैंच की क्रांति (घ) क और ख दोनो

प्र0 (10) सार्वभौमिक व्यस्क मताधिकार क्या है?

(क) संपत्ति वाले लोगों को मत का अधिकार (ख) महिलाओं को मत का अधिकार

(ग) सभी व्यस्कों को मत का अधिकार (घ) कालों को मत का अधिकार

प्र0 (11) घाना कब और किससे स्वतंत्र हुआ ?

(क) 1956, डच (ख) 1957, फ्रांस

(ग) 1957, ब्रिटेन (घ) 1958, जर्मनी

प्र0 (12) आजादी के बाद घाना का प्रथम प्रधानमंत्री तथा राष्ट्रपति कौन बना ?

(क) पेट्रिस लुमांबा (ख) जोमो केन्याटा

(ग) सैम नुजोमा (घ) वामे एनक्रूमा

प्र0 (13) म्यांमार कब स्वतंत्र हुआ? वहाँ किस तरह की सरकार बनी?

(क) 1946, साम्यवादी (ख) 1948, लोकतांत्रिक

(ग) 1947, लोकतांत्रिक (घ) 1948, तानाशाही

प्र0 (14) सू ची को कौन सा पुरस्कार मिला?

(क) साक्षरता पुरस्कार (ख) आस्कर पुरस्कार

(ग) शांति का नोबेल पुरस्कार (घ) कोई नहीं।

प्र0 (15) संयुक्त राष्ट्र संघ का कौन सा अंग देशों में शांति एवम् सुरक्षा के लिए जिम्मेदार है–

(क) सामान्य सभा (ख) सुरक्षा परिषद्

(ग) अंतराष्ट्रीय न्यायालय (घ) सभी

प्र0 (16) संयुक्त राष्ट्र संघ का कौन सा अंग संसद की तरह कार्य करता है:–

(क) सामान्य सभा (ख) सुरक्षा परिषद

(ग) अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (घ) सामाजिक एवम् आर्थिक परिषद्

प्र0 (17) सुरक्षा परिषद् के कितने सदस्य हैं?

(क) 5 (ख) 10

(ग) 15 (घ) 20

प्र0 (18) सुरक्षा परिषद् के पाँच स्थायी सदस्य कौन से हैः–

(क) यू.एस., जर्मनी, फ्रांस, चीन, इटली

(ख) यू.एस., ब्रिटेन, जर्मनी, इटली, फ्रांस

(ग) यू.एस., फ्रांस, स्वीटजरलैण्ड, चीन, रूस

(घ) यू.एस., फ्रांस, ब्रिटेन, रूस, चीन

प्र0 (19) संयुक्त राष्ट्र संघ से ज्यादा धन कौन सा देश देता हैः–

(क) यू. के. (ख) फ्रांस (ग) यू. एस. ए. (घ) चीन

प्र0 (20) विश्व बैंक का अध्यक्ष हमेशा किस देश का होता है?

(क) ब्रिटेन (ख) अमेरिका (ग) फ्रांस (घ) रूस

प्र0 (21) 1968 से इराक में किस पार्टी का शासन है?

(क) बाथ पार्टी (ख) सोशलिस्ट बाथ पार्टी

(ग) अरब समाजवादी बाथ पार्टी (घ) कोई नहीं

प्र0 (22) किसी दूसरे राज्य के अधीन आने वाले देश या राज्य कहलाता हैः–

(क) साम्यवादी राज्य (ख) उपनिवेश (ग) लोकतांत्रिक राज्य

(घ) कोई नहीं

प्र0 (23) लोकतंत्र के विस्तार को क्या बढ़ावा नहीं देता है?

(क) लोगों का संघर्ष (ख) उपनिवेशवाद का अंत

(ग) लोगों के स्वतंत्रता की इच्छा (घ) विदेशी देशों का अतिक्रमण

प्र0 (24) इनमें से कौन सुरक्षा परिषद् का स्थायी सदस्य नहीं है?

(क) चीन (ख) फ्रांस (ग) जापान (घ) रूस

प्र0 (25) 'अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष' के सदस्य देश कितने हैं?

(क) 173 (ख) 192 (ग) 200 (घ) 190

प्र0 (26) 1990 से पूर्व वह कौन सा देश था, जिसके प्रत्येक नागरिक को मत का अधिकार था?

(क) आस्ट्रेलिया (ख) न्यूजीलैण्ड (ग) पोलैण्ड (घ) ब्रिटेन

प्र0 (27) पोलैण्ड के तानाशाही सरकार को किस देश का सहयोग प्राप्त था?

(क) अमेरिका (ख) चीन (ग) रूस (घ) ब्रिटेन

प्र0 (28) संयुक्त राष्ट्र के आम सभा के सदस्यों की संख्या कितनी है?

(क) 200 (ख) 190 (ग) 193 (घ) 205

प्र0 (29) वह पहला देश जहाँ सार्वभौमिक व्यस्क मताधिकार दिया गयाः–

(क) न्यूजीलैण्ड (ख) ब्रिटेन (ग) भारत (घ) अमेरिका

प्र0 (30) 'अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष' की स्थापना क्यों हुई?

(क) देशों में शांति एवम् सुरक्षा बहाल करने के लिए

(ख) सरकारों को धन उपलब्ध कराना

(ग) व्यापारिक समझौतों को सम्पन्न कराना एवम् लागू करना

(घ) पश्चिमी देशों में गरीबी एवम् लाचारी पर निर्णय लेना।

प्र0 (31) म्यांमार में 'आंग सान सू ची' नेता हैः–

(क) राष्ट्रीय कांग्रेस (ख) संयुक्त वर्कर्स पार्टी

(ग) साम्यवादी पार्टी (घ) लोकतांत्रिक लीग

प्र0 (32) घाना के प्रधानमंत्री थेः–

(क) अगस्टो पिनाचे (ख) वामे एनक्रूमा (ग) जनरल बैचलेट (घ) आयेंदे

प्र0 (33) बेमेल को अलग करेंः–

(क) आम सभा (ख) अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (ग) सुरक्षा परिषद् (घ) विटो पावर

प्र0 (34) सुरक्षा परिषद् के कितने सदस्य देश हैंः–

(क) 25 (ख) 20 (ग) 15 (घ) 10

प्र0 (35) म्यांमार का नेता जो अपने घर में नजरबंद हैः–

(क) बान की मून (ख) उथान (ग) आन सांग सू की (घ) खालिदा जिया

लघु उत्तरीय प्रश्न (3 अंक)

प्र0 (1) आयेंदे कौन था?

उ0. 1. आयेंदे चिले के समाजवादी पार्टी का संस्थापक नेता था।

2. उसने चिले में एक गठबंधन बनाया तथा 1970 में चुनाव जीतकर चिले का राष्ट्रपति बना।

3. राष्ट्रपति रहते हुए उसने गरीबों एवम् मजदूरों के लिए कई नियम बनाए।

प्र0 (2) डांस्क शहर में लेनिन शीपयार्ड के मजदूर 1980 में हड़ताल पर क्यों चले गए?

उ0. लेनिन शीपयार्ड के मजदूर 14 अगस्त 1980 के हड़ताल पर चले गए। फैक्ट्री का सरकार द्वारा अधिग्रहण कर लिया गया था। मजदूरों की मांग थी कि फैक्ट्री में पुनः क्रेन संचालक को वापस लाया जाय। वह एक महिला थी जिसे अन्याय पूर्वक नौकरी से हटा दिया गया था।

प्र0 (3) संयुक्त राष्ट्र संघ में सामान्य सभा के क्या कार्य है?

उ0. सामान्य सभा, संयुक्त राष्ट्र संघ के संसद की तरह है। जहाँ हर तरह की बहस होती है। इस तरह यू. एन. एक लोकतांत्रिक संस्था लगती है। लेकिन सामान्य सभा कोई निर्णय नहीं ले सकती अगर दो देशों के बीय कोई विवाद है।

प्र0 (4) सुरक्षा परिषद् कैसे संयुक्त राष्ट्र संघ को लोकतांत्रिक बनाता है?

उ0. सुरक्षा परिषद् के 15 सदस्य है।

5 सदस्य स्थायी महत्वपूर्ण निर्णय लेते हैं।

ये 15 सदस्य महत्वपूर्ण निर्णय लेते हैं।

वास्तविक शक्ति 5 सदस्यों में है। इनको वीटो अधिकार है। इसलिए सुरक्षा परिषद् यू. एन. को लोकतांत्रिक नहीं बनाता।

प्र0 (5) क्या कोई लोकतांत्रिक देश किसी दूसरे देश पर युद्ध एवम् आक्रमण के माध्यम से लोकतंत्र थोप सकता है? एक उदाहरण से अपना विचार दें?

उ0. मेरे विचार से लोकतांत्रिक देशों में ऐसा अधिकार नहीं है।

अमेरिका का इराक पर आक्रमण, यह आरोप लगाकर कि इराक हथियारों को बढ़ावा दे रहा है। यह पूर्ण रूप से अन्यायपूर्ण है।

प्र0 (6) 'संयुक्त राष्ट्र संघ' के सुरक्षा परिषद की कार्यशैली अलोकतांत्रिक है? तीन उदाहरण से स्पष्ट करें?

उ0. (1) असली शक्ति 5 स्थायी सदस्यों में निहित है।

(2) इन सदस्यों को वीटो शक्ति प्राप्त है।

(3) सुरक्षा परिषद् इन सदस्यों के बिना कोई निर्णय नहीं ले सकता।

प्र0 (7) 1970 में चिले में सल्वाडोर आयेंदे के राष्ट्रपति चुने जाने के बाद क्या नीतियाँ बनाई गई? किन्हीं तीन का वर्णन करेः—

उ0. (1) शैक्षणिक व्यवस्था में सुधार

(2) बच्चों के लिए मुफ्त दूध

(3) भूमिहीन किसानों में भूमि का वितरण

प्र0 (8) 'अतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष' एक लोकतांत्रिक संस्था नहीं है। तीन तर्क दे?

उ0. (1) सभी 173 सदस्यों को बराबर अधिकार नहीं है।

(2) सभी देशों के मत का मूल्य उसके द्वारा मुद्रा कोष में उसके सहयोग से तय होता है।

(3) आधा से ज्यादा मत का अधिकार सिर्फ 07 देशों में निहित है।

प्र0 (9) '1970 में चिले का राष्ट्रपति कौन चुना गया'? गरीबों के मदद के लिए उसने क्या कदम उठाए?

उ0. सेल्वाडोर 1970 में चिले का राष्ट्रपति चुना गया।

1. उसने शिक्षा व्यवस्था में सुधार किया।
2. उसने बच्चों को मुफ्त दूध उपलब्ध कराया।
3. भूमिहीन किसानों के लिए भूमि उपलब्ध कराया।

प्र0 (10) पोलैण्ड में लोकतंत्र कैसे पुर्नस्थापित हुआ?

उ0. लेक वालेसा जो एक विद्युतकर्मी' थे हड़ताल में शामिल हुए। वे प्रसिद्ध हो गये। सरकार मजदूरों के मांग मानने के लिए तैयार हो गई। एक स्वतंत्र व्यापार मंडल बनाया गया। जल्दी ही इसके एक करोड़ सदस्य हो गए। सरकार ने इसे दबाने का प्रयास किया। इसके विरोध में हड़ताल हुई। इसके बाद स्वतंत्र चुनाव के लिए एक समझौता 1989 में हुआ। इस चुनाव में वालेसा पोलैण्ड कक राष्ट्रपति निर्वाचित हुए।

प्र0 (11) 'लेक वालेसा' कौन था?

उ0. लेक वालेसा लेनिन शीपयार्ड का एक विद्युतकर्मी था। उसने हड़ताली कर्मियों का साथ दिया। उसने 21 बिन्दुओं के एक समझौता पर हस्ताक्षर किया। एक नए व्यापारिक संगठन का गठन हुआ।

प्र0 (12) 'सल्वाडोर आयेंदे ' कौन था? उसके नीतियों का विरोध क्यों हुआ?

उ0. सल्वाडोर आयेंदे चिले का राष्ट्रपति था। उसकी नीतियों का विरोध जमीन्दारों, धनी लोगों एवम् चर्च द्वारा किया गया। क्योंकि ये सुधार उनके लिए उपयोगी नहीं थे।

<u>दीर्घ उत्तरीय प्रश्नः—</u>

प्र0. चिले के पिनोशे के शासन एवम् कम्यूनिस्ट शासन (पोलैण्ड) में अंतर बताएँ?

उ0. पिनोशे जो एक सेना का जनरल था तथा उसे अमेरिका का समर्थन प्राप्त था। उसने 1973 में आयेंदे के चुनी हुई सरकार के खिलाफ विद्रोह किया। इससे चिले में लोकतांत्रिक शासन स्थापित हुआ।

(2) पिनोशे सरकार ने आयेंदे के सभी समर्थकों की हत्या करवा दी जो लोकतंत्र स्थापित करना चाहते थे।

(3) पोलैण्ड में 1980 में संयुक्त पोलीश यूनाइटेड वर्कस पार्टी का शासन था। कोई दूसरी पार्टी वहाँ कार्य नहीं कर सकती थी। पोलैण्ड की सरकार को सोवियत रूस का समर्थन प्राप्त था।

(4) परन्तु जब लेक वालेसा द्वारा चलाया गया आंदोलन आगे बढ़ा तब वहाँ के मजदूर अपने अधिकारों की मांग करने लगे।

(5) वालेसा और पोलिश सरकार के बीच एक समझौता हुआ जिसमें मुक्त चुनाव कराने पर विचार हुआ। 1990 में चुनाव हुए जिसमें कई दलों ने संघर्ष किया।

प्र0 (2) उन्नीसवीं सदी में वैश्विक स्तर पर लोकतंत्र की स्थापना के लिए प्रमुख माँग क्या थी?

उ0. (1) 19वीं सदी में लोकतंत्र के लिए संघर्ष मुख्यतः राजनीतिक समानता, स्वतंत्रता तथा न्याय के लिए था।

(2) प्रत्येक व्यस्क नागरिक के लिए मत के अधिकार की माँग की गई।

(3) कुछ देशों में सिर्फ संपत्ति वालों को मत का अधिकार था। महिलाओं को भी मत का अधिकार नहीं था।

(4) लोकतंत्र के लिए संघर्ष करने वाले ''सार्वभौमिक मताधिकार'' की माँग कर रहे थे।

प्र0 (3) लोकतांत्रिक एवम् गैर–लोकतांत्रिक शासन में अंतर बताएँ?

उ0. (1) लोकतांत्रिक सरकार जनता द्वारा चुनी जाती है जबकि गैर–लोकतांत्रिक नहीं।

(2) लोकतांत्रिक देशों में लोगों को मौलिक अधिकार प्राप्त है जबकि गैर लोकतांत्रिक देशों में नहीं।

(3) लोकतंत्र में निरंतर चुनाव होते हैं जिसमें जनता सरकार को बदल सकती है।

(4) लोकतंत्र में सरकार संविधान के अनुसार कार्य करती है।

(5) लोकतंत्र में संसद प्रमुख होता है।

<u>हॉट्स प्रश्नः</u>

प्र0 (1) संयुक्त राष्ट्र संघ के एक वैश्विक सरकार के रूप में तीन योगदान बताएँ?

उ0. (1) यह एक वैश्विक संगठन है जो विश्व में शांति एवम् न्याय, सुरक्षा, आर्थिक विकास, तथा सामाजिक समानता स्थापित करता है।

(2) यह विश्व सेना को सुसंगठित रखता है।

(3) यह दोषी देशों के विरूद्ध कार्यवाही कर सकता है।

प्र0 (2) 1990 के चुनावों के बाद म्यांमार में लोकतंत्र का दमन कैसे हुआ?

उ0. 1. 1990 में 28 साल बाद म्यांमार में चुनाव हुए।

2. नेशनल लीग जिसकी नेता आन सान सू की थी कि पार्टी विजयी हुई परन्तु सेना के शासकों ने इस परिणाम को स्वीकार नहीं किया।

3. चुनाव में जीते सभी नेताओं तथा आन सान सू की को घर में नजरबंद कर दिया गया।

प्र0 (3) वैश्विक सरकार की अनुपस्थिति में सरकारों पर कैसे नियंत्रण किया जा सकता है?

उ0. 1. ऐसी कोई वैश्विक सरकार नहीं है लेकिन वैश्विक स्तर पर कई ऐसे संगठन हैं जो ऐसा कार्य कर सकते हैं।

2. ये देश के शासन पर नियंत्रण नहीं कर सकते, परन्तु वे उसपर कुछ प्रतिबंध लगा सकते हैं।

3. संयुक्त राष्ट्र संघ के कार्य इसके उदाहरण हैं।

4. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् विश्व में शांति एवम् सुरक्षा के लिए जिम्मेदार है।

5. अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष कमजोर एवम् गरीब देश के सरकारों को धन उपलब्ध कराते हैं।

उत्तर बहुविकल्पी प्रश्नः

1(ग)	2(ख)	3(ग)	4(क)	5(क)	6(ग)	7(क)
8(ख)	9(क)	10(ग)	11(ग)	12(ग)	13(ख)	14(ख)
15(ग)						

पाठ–2

लोकतंत्र क्या ? लोकतंत्र क्यों ?

लोकतंत्र संबंधी कुछ तथ्य

लोकतंत्र शासन की वह प्रणाली है जिसमें शासक जनता द्वारा चुने जाते हैं। इस शासन प्रणाली में शक्ति हमेशा जनता के हाथ में होती है। डेमोक्रेसी एक ग्रीक शब्द से आया है।

सरकार के प्रकार

1. लोकतांत्रिक सरकार
2. गैर लोकतांत्रिक सरकार
3. राजशाही
4. तानाशाही

लोकतंत्र की विशेषताएँ

1. लोकतंत्र में अंतिम शक्ति जनता के हाथों में होती है।
2. लोकतंत्र मुक्त एवम् साफ सुथरी चुनाव व्यवस्था पर निर्भर करता है।
3. लोकतंत्र राजनैतिक समानता पर निर्भर है। इसमें सबको बराबर मताधिकार है तथा सभी के मत का बराबर मूल्य होता है।
4. लोकतंत्र में शासन संविधान के माध्यम से चलाया जाता है।
5. लोगों को मौलिक अधिकार दिए गए हैं।

लोकतंत्र क्यों?

लोकतंत्र के सकारात्मक परिणाम

1. लोकतंत्र जनता की आवश्यकताओं का ध्यान रखता है।
2. लोकतंत्र में बेहतर निर्णय लिए जाते हैं क्योंकि ये सुझाव एवम् बहस के बाद लिए जाते हैं।
3. यह हर समस्या का शांतिपूर्ण समाधान बताता है।
4. लोकतंत्र में कोई स्थायी विजेता नहीं होता।
5. यह अपनी गलतियों को सुधारने का मौका देता है।
6. यह भेदभाव एवम् विवादों को सुलझाने में मदद करता है।
7. यह नागरिकों की संप्रभुता का ध्यान रखता है।

लेकतंत्र के नकारात्मक परिणाम

1. यह एक अस्थिर सरकार है।
2. लोकतंत्र राजनैतिक प्रतिद्वन्दिता को बढ़ाता है।
3. यह निर्णय लेने में देरी करती है।

4. चुने हुए नेता जनता की भलाई के कार्य नहीं करते।

5. यह भ्रष्टाचार को बढ़ावा देता है।

6. सबको एक समान मत का अधिकार प्राप्त है।

<u>बहुविकल्पीय प्रश्न</u>

प्र0 (1) डेमोक्रेसी किस ग्रीक शब्द से लिया गया है?

(क) डेमोक्रेसिया (ख) डेमोक्रेटिया (ग) डेमोस (घ) क्रेटिया

प्र0 (2) म्यांमार में किस तरह की सरकार है?

(क) लोगों के द्वारा चुनी गई सरकार

(ख) साम्यवादी सरकार

(ग) सैन्य शासन

(घ) राजशाही

प्र0 (3) नेपाल में सरकार का प्रमुख कौन है?

(क) राष्ट्रपति (ख) प्रधानमंत्री (ग) राजा (घ) उपराष्ट्रपति

प्र0 (4) पाकिस्तान में 1999 में सैनिक विद्रोह का नेतृत्व किसने किया?

(क) बेनजीर भुट्टो (ख) नवाज शरीफ (ग) परवेज मुशर्रफ (घ) कोई नहीं

प्र0 (5) किससे मुख्य शक्ति बाहरी देशों द्वारा नियंत्रित थी न कि स्थानीय चुने हुए लोगो ने?

(क) भारत का श्रीलंका में (ख) अमेरिका का इराक में

(ग) रूस का पोलैण्ड में (घ) ख और ग दोनो

प्र0 (6) 'एक व्यक्ति एक मत' का अर्थ है?

(क) एक व्यक्ति को सभी द्वारा मत देना।

(ख) एक व्यक्ति का एक मत एवम् सभी मत बराबर

(ग) जीवन में सिर्फ एक बार मत देना

(घ) 'क' और 'ग' दोनो।

प्र0 (7) पूरे चीन में नेशनल पीपुल्स कांग्रेस के लिए कितने सदस्य चुने जाते हैं:–

(क) 3050 (ख) 3000 (ग) 4000 (घ) 2000

प्र0 (8) चुनाव होने के बावजूद चीन की सरकार लोकतांत्रिक नहीं है क्योंकि:–

(क) चुनाव में सेना का हस्तक्षेप होता है।

(ख) सरकार जनता के प्रति जवाबदेह नहीं होती है।

(ग) चीन का कुछ हिस्सा, सभी के द्वारा प्रतिनिधित्व नहीं

(घ) सरकार हमेशा कम्यूनिस्ट पार्टी द्वारा बनायी जाती है।

प्र0 (9) 1930 से 2000 तक कौन सी पार्टी हमेशा चुनाव जीतती आ रही हैः–

(क) रेवोल्यूशनरी पार्टी

(ख) मैक्सीकन रेवोल्यूशनरी पार्टी

(ग) इस्टीट्यूशनल रेवोल्यूशनरी पार्टी

(घ) इस्टीट्यूशनल पार्टी

प्र0 (10) लोकतंत्र आधारित होता हैः–

(क) एक दलीय व्यवस्था (ख) स्वच्छ एवम् निष्पक्ष चुनाव

(ग) केवल सत्ताधारी पार्टी की इच्छा (घ) सभी

प्र0 (11) जिम्बांबे कब और किससे आजाद हुआ?

(क) 1970, ब्लैक माइनररिटी रूल

(ख) 1980, ब्हाइट माइनररिटी रूल

(ग) 1980, अमेरिका से

(घ) 1970, ब्हाइट मेजोरिटी रूल

प्र0 (12) आजादी के बाद से जिम्बाबवे ने किस दल का शासन है तथा शासक का नाम हैः–

(क) जानु पी. एफ. राबर्ट मुगावे

(ख) जानु पी. एफ. केनेथ काउण्डा

(ग) जिम्बांबे फ्रीडम पार्टी– नेलशन मंडेला

(घ) जिम्बांबे पार्टी – पी. जानसन

प्र0 (13) कौन सी विशेषता नागरिकों को मौलिक अधिकार देने के लिए आवश्यक हैः–

(क) लोगों को सोचने की स्वतंत्रता

(ख) संगठन बनाने की स्वतंत्रता

(ग) विरोध करने की स्वतंत्रता

(घ) सभी

प्र0 (14) सरकार का कौन सा अंग नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करता है?

(क) कार्यपालिका (ख) विधायिका

(ग) स्वतंत्र न्यायपालिका (घ) पुलिस

प्र0 (15) संवैधानिक कानून क्या है?

(क) संविधान के प्रावधान (ख) संविधान द्वारा निर्मित कानून

(ग) संवैधानिक विधान मंडल का गठन (घ) कोई नहीं

प्र0 (16) 'कानून के शासन' में क्या किया जा सकता है?

(क) संविधान से छेड़छाड

(ख) पुलिस को किसी की हत्या का अधिकार

(ग) महिलाओं को कम वेतन

(घ) राष्ट्रपति जबतक चाहे शासन कर सकता है।

प्र0 (17) लोकतंत्र की कमियाँ हैं?

(क) अस्थिरता एवम् देरी (ख) भ्रष्टाचार

(ग) राजनैतिक लोगों की आपसी लड़ाई (घ) सभी

प्र0 (18) किस परिस्थिति में लोकतंत्र पूर्ण हल नहीं देता हैः–

(क) गरीबी को पूर्ण रूप से हटाना (ख) सबको शिक्षित करना

(ग) सबको रोजगार देना (घ) सभी

प्र0 (19) किस समय चीन में भयंकर अकाल आया था?

(क) 1932–36 (ख) 1958–61

(ग) 2001–02 (घ) 2004–07

प्र0 (20) लोकतांत्रिक सरकार गैर लोकतांत्रिक से अच्छी है, क्योंकि :–

(क) यह जबाबदेह है

(ख) यह जनता की आवश्यकता को हमेशा पूर्ण करता है।

(ग) यह सबसे जबाबदेह सरकार है।

(घ) कोई नहीं।

प्र0 (21) लोकतंत्र निणर्य लेने की क्षमता को बेहतर बनाता है, क्योंकिः–

(क) निर्णय शिक्षित लोगों द्वारा लिए जाते हैं।

(ख) निर्णय बहस के बाद लिया जाता है।

(ग) निर्णय लंबे समय में लिया जाता है।

(घ) सभी निर्णय न्यायपालिका द्वारा प्रभावित होते हैं।

प्र0 (22) लोकतंत्र कैसे अपनी गलतियों को सुधारने का मौका देता हैः—

(क) गलतियाँ छिपी होती है तथा सुधर नहीं सकती।

(ख) सरकार का दोबारा चुनाव।

(ग) सरकार को बदलना।

(घ) कोई नहीं।

प्र0 (23) हमारे समय की सबसे आम लोकतंत्र है?

(क) सीमित लोकतंत्र (ख) प्रतिनिधि मूलक लोकतंत्र।

(ग) अधिकतम लोकतंत्र (घ) कोई नहीं।

प्र0 (24) भारतीय राजनैतिक तंत्र में प्रत्यक्ष लोकतंत्र का उदाहरण हैः—

(क) जिला परिषद् (ख) पंचायत समिति

(ग) ग्राम सभा (घ) विधान सभा

प्र0 (25) लोकतंत्र का उदाहरण हैः—

(क) अमेरिका (ख) ब्रिटेन (ग) भारत (घ) कोई नहीं

प्र0 (26) कौन सी विशेषता राजशाही, तानाशाही तथा एक दलीय व्यवस्था की नहीं है?

(क) प्रेस पर प्रतिबंध (ख) विपक्षी दल का न होना

(ग) नागरिकों का राजनीति में भाग न लेना (घ) एक व्यक्ति का शासन

<u>लघु उत्तरीय प्रश्न</u>

प्र0 1. सभी सरकार जो चुनाव के द्वारा चुनी जाती है, वह लोकतांत्रिक नहीं होती? कैसे?

उ. यह सत्य है कि सभी सरकार जो चुनाव द्वारा चुनी जाती है लोकतांत्रिक नहीं होती। वह सरकार राजशाही, तानाशाही तथा एकदलीय शासन हो सकती है। कुछ देश ऐसे हैं जहाँ संसद एवम् चुने हुए प्रतिनिधि हैं परन्तु वास्तविक शक्ति दूसरे लोगों के हाथों में है।

उदाहरण— पाकिस्तान

प्र0 2. चीन में हर पाँच साल बाद चुनाव होते हैं, परन्तु चीन एक लोकतंत्र नहीं है। कैसे?

उ. चीन में ही पाँच साल बाद चुनाव होते हैं परन्तु वहाँ लोकतंत्र नहीं है क्योंकि

– चीन में हर 5 साल पर संसद का चुनाव होता है।

– संसद राष्ट्रपति का चुनाव करती है।

– संसद के 3000 सदस्य हैं।

– कुछ सदस्य सेना द्वारा चुने जाते हैं।

– चुनाव में लड़ने के लिए चीनी कम्युनिष्ट पार्टी का समर्थन आवश्यक है।

– सरकार हमेशा कम्यूनिस्ट पार्टी की बनती है।

प्र0 3. सउदी अरब एवम् फीजी में मत का अधिकार नहीं है, क्यों?

उ. – अरब में महिलाओं को मत का अधिकार नहीं

– फिजी में फिजी मूल के लोगों के मत का मूल्य अधिक है जबकि भारतीय मूल के लोगों का कम।

– इन दोनो देशों में राजनैतिक समानता नहीं है।

प्र0 4. लोकतंत्र 'वाद–विवाद एवम् सुझाव' पर निर्भर है, कैसे?

उ. –सुझाव एवम् वाद–विवाद लोकतंत्र में मददगार हैं।

–लोकतंत्र में निर्णय में कई लोग शामिल होते हैं जो बहस एवम् बैठकों में लिए जाते हैं।

– यह गलतियों को कम करता है।

– इसलिए लोकतंत्र में निर्णय हमेशा सही होते हैं।

प्र0 5. क्या किसी देश के लिए 'सर्वोत्तम लोकतंत्र' बनना संभव है? कारण बताएँ।

उ. किसी भी देश में सर्वोत्तम लोकतंत्र नहीं है, क्योंकि सभी ऊँचे आदर्शों को छूने का प्रयत्न करते हैं।

प्र0 6. लोकतंत्र सर्वोत्तम शासन व्यवस्था है। तीन कारण बताएँ।

उ. 1. यह बेहतर निर्णय लेने की प्रक्रिया को बढ़ाता है।

2. यह नागरिकों की संप्रभुता की रक्षा करता है।

3. यह अपनी गलतियों को सुधारने का मौका देता है।

प्र0 7. नागरिकों का लोकतंत्र को बढ़ावा देने में क्या योगदान है?

उ. 1. नागरिक भी लोकतंत्र के निणर्य लेने की प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं।

2. सरकार को बदलने की शक्ति रखते हैं।

4. सरकार के कार्यों की जानकारी रख सकते हैं।

प्र0 8. लोकतांत्रिक एवम् गैरलोकतांत्रिक देशों में अंतर बताएँ?

लेकतांत्रिक	**गैर लोकतांत्रिक**
1. प्रत्येक वयस्क नागरिक को मत का अधिकार 2. स्वच्छ एवम् निष्पक्ष चुनाव कराए जाते हैं। 3. प्रत्येक मत का मूल्य बराबर होता है।	1. चुनाव का मौका नहीं मिलता। 2. शासक जनता द्वारा नहीं चुने जाते हैं। 3. शासक के पास अधिक अधिकार होते हैं।

प्र0 9. ''लोकतंत्र अपनी गलतियों को सुधारने का मौका देता है।'' इस कथन के समर्थन में तीन तर्क दें।

उ. 1. लोकतंत्र में सरकार द्वारा की गई गलती लंबे समय तक छुपी नहीं रहती है।

2. इन गलतियों पर जनता द्वारा बहस किया जा सकता है तथा इसे सुधारा जा सकता है।

3. या तो शासक अपने निर्णय बदलते है नहीं तो शासक को ही बदल दिया जाता है।

प्र0 10. भारत के पड़ोस में कुछ समय में हुए बड़े राजनैतिक बदलावों का वर्णन करें?

उ. 1. पाकिस्तान में सैनिक शासन

2. नेपाल में 2005 में नए राजा के जगह चुनी हुई सरकार

3. इराक–सद्दाम हुसैन के शासन का अंत।

<u>दीर्घ उत्तरीय प्रश्न</u>

प्र0 1. इस अध्याय में दिए गए उदाहरणों के आधार पर लोकतंत्र की चार विशेषता बताएँ?

उ. लोकतंत्र की चार विशेषताएँः–

1. शासन जनता द्वारा चुने जाते हैं जो महत्वपूर्ण निर्णय लेते हैं।
2. चुनाव जनता को सरकार बदलने का मौका देता है।
3. चुनाव में सबको समानता से मताधिकार का मौका मिलता है।
4. चुनी हुई सरकार संविधान के अनुसार शासन करती है।

प्र0 2. लोकतंत्र के विपक्ष में तर्क दें?

उ. 1. शासक हमेशा बदलते रहते हैं जो अस्थिरता को बढ़ावा देता है।

2. लोकतंत्र में राजनैतिक प्रतिद्वंदिता बढ़ती जाती है।

3. लोकतंत्र में निर्णय में देरी होती है।

4. चुने हुए लोग जनता की भलाई नहीं कर पाते ।

5. लोकतंत्र भ्रष्टाचार को बढ़ावा देता है।

प्र0 3. लोकतंत्र भेदभाव एवम् मतभेदों को कैसे सुलझाते थे?

उ. हर समाज में लोगों के अपने अलग विचार एवम् इच्छाएँ होती हैं। भारत में यह भेदभाव एवम् मतभेद और अधिक है। एक समूह का दूसरे समूह से हमेशा टकराव होता रहता है।

लोकतंत्र इसका शांतिपूर्ण हल देता है। सभी समूह के लोग एक साथ शांतिपूर्ण ढ़ंग से रह सकते हैं। लोकतंत्र के कारण ही भारत जैसा देश एक है।

प्र0 4. लोकतंत्र में कानून का शासन एवम् अधिकारों का सम्मान का क्या महत्व है? कोई चार बिन्दु बताएँ?

उ. 1. लोकतंत्र में सरकार वह सबकुछ नहीं कर सकती जो वह चाहती है।

2. वह मौलिक अधिकारों का सम्मान करती है।

3. अल्पसंख्यकों को कुछ अधिकार दिए जाते है।

4. सभी निर्णय विचार–विमर्श से लिए जाते हैं।

5. लोकतंत्र जनता के प्रति जबाबदेह होती है।

प्र0 5. लोकतांत्रिक देशों को संविधान की आवश्यकता क्यों होती है?

उ. 1. वह देश जो लोकतांत्रिक है, वहाँ संविधान होता है।

2. अमेरिका ने ग्रेट ब्रिटेन से आजादी के बाद अपना संविधान बनाया था।

3. फ्रांस की क्रांति के बाद वहाँ एक संविधान बनाया गया।

4. हर लोकतांत्रिक देश के पास अपना लिखित संविधान होता है।

प्र0 6. ''लोकतंत्र नागरिकों की संप्रभुता को बढ़ावा देता है'' इस कथन के पक्ष में तर्क दें।

उ. 1. लोकतंत्र राजनैतिक समानता के सिद्धान्त पर आधारित है।

2. यहाँ गरीब एवम् अनपढ़ को अमीर एवम् शिक्षित के बराबर अधिकार है।

3. जनता शासक के अधीन नहीं है।

4. जनता स्वयं शासक है।

5. अगर शासक कोई गलती करते हैं तो वे इसके लिए जिम्मेदार हैं।

प्र0 7. अपनी कमियों के बाबजूद लोकतंत्र सबसे अधिक पसन्द किया जाने वाली शासन व्यवस्था है। कैसे?

उ. 1. यह एक ज्यादा जबाबदेह सरकार है, यह जनता की आवश्यकताओं को पूर्ण करने में जिम्मेदार है।

2. निर्णय लेने की बेहतर क्षमता।

3. गलतियों की कम संभावना

4. नागरिकों की संप्रभुता को बढ़ावा देता है।

प्र0 8. लोकतांत्रिक सरकार क्यों एक बेहतर सरकार है। चार कारण बताएँ।

उ. 1. यह अच्छे निर्णय लेने वाली सरकार है।

2. यह जनता की इच्छाओं एवम् भावनाओं का सम्मान करती है।

3. अलग–अलग तरह के लोग एक साथ रहते हैं।

4. गलतियों को सुधारने का मौका देती है।

5. जनता उसे बदल सकती है।

उच्चस्तरीय कौशल प्रश्न

प्र0 1. भारत में आजतक चीन के (1958–61) जैसा अकाल नहीं पड़ाः क्यों?

उ. – चीन के 1958–61 के अकाल में लगभग 3 करोड़ लोग मारे गए थे। उस समय भारत की आर्थिक स्थिति चीन से अच्छी नहीं थी। परन्तु भारत में वैसा अकाल नहीं पड़ा, कारण यह कि दोनो देशों कि आर्थिक नीतियाँ अलग–अलग थी। भारत की लोकतांत्रिक सरकार अनाज की कमी पर जैसी कार्यवाही करती, चीन में सरकार ने वैसा नहीं किया।

प्र0 2. जनता प्रत्यक्ष रूप में शासन नहीं कर सकती जबकि चुने हुए प्रतिनिधियों के माध्यम से करती है, क्यों?

उ. क्योंकि– 1. आधुनिक लोकतंत्र में यह संभव नहीं हैं कि एक साथ इतने अधिक लोग बैठ सकें तथा सामूहिक निर्णय ले सकें।

2. जनता के पास इतना समय, इच्छाशक्ति एवम् कुशलता नहीं है जो निर्णय लेने की प्रक्रिया में भाग ले सके।

प्र0 3. लोकतंत्र को 'बहस' की सरकार क्यों कहते हैं?

उ. लोकतंत्र को 'बहस' की सरकार इसलिए कहते हैं क्योंकि लोकतंत्र पूर्णरूप से सुझाव एवम् वाद–विवाद पर आधारित है। लोकतंत्र में कोई भी निर्णय परामर्श, वाद–विवाद एवम् सुझाव के द्वारा लिए जाते हैं।

जब कई लोग एक साथ सोचते हैं तो गलतियों की संभावना कम होती है। इसमे समय अवश्य लगता है, परन्तु ज्यादा समय लगने का भी फायदा है, कि जल्दबाजी में निर्णय नहीं लिए जाते। किसी दबाब में निर्णय नहीं लिया जाता बल्कि शांतिपूर्ण ढ़ंग से निर्णय लिए जाते हैं।

प्र0 4. 'लोकतंत्र निर्णय लेने की गुणवत्ता को बढ़ाता है, कैसे?

उ. लोकतंत्र मतभेदों एवम् भेदभाव को सुलझाने की एक विधि देता है। हर समाज में बहुत तरह के सोच एवम् विचारों वाले लोग रहते हैं।

यह मतभेद एवम् विविधता किसी भी देश को मजबूती प्रदान करते हैं। भारत के विभिन्न क्षेत्रों में रहने वाले लोग अलग–अलग भाषाएँ बोलते हैं, अलग–अलग धर्म के मानने वाले हैं तथा विभिन्न जातियों के हैं। एक समूह की महत्वाकांक्षाऍ दूसरे समूह की महत्वाकांक्षाओं से टकराती रहती है। लोकतंत्र ऐसी स्थिति में शांतिपूर्ण समाधान प्रस्तुत करता है। लोकतंत्र में कोई स्थायी विजेता नहीं होता।

भारत जैसे देश में जहाँ बहुत विविधता है, लोकतंत्र सबको बांध कर रखता है।

उत्तर (बहुविकल्पीय प्रश्न)

1(ख) 2(ग) 3(क) 4(ग) 5(घ) 6(ख) 7(ख) 8(घ) 9(ग) 10(ख) 11(घ) 12(क)

13(घ) 14(ग) 15(क) 16(क) 17(घ) 18(घ) 19(ख) 20(ग) 21(ख) 22(ग) 23(ख) 24(ग)

25(घ) 26(ग)

पाठ–3

''संवैधानिक स्वरूप''

संविधानः– संविधान एक लिखित दस्तावेज है जिसमे नियम, कानून तथा प्रावधानों का वर्णन होता है जिससे देश की सरकार शासन चलाती है।

–क्या हमें संविधान की आवश्यकता होती है?

हाँ, हमें संविधान की आवश्यकता होती है क्योंकि संविधान नियमों, कानूनों एवम् प्रावधानों का लिखित दस्तावेज है।

- यह विश्वास एवम् भाईचारा को बढ़ाता है।
- यह बताता है कि सरकार का गठन कैसे होगा।
- यह सरकार पर नियंत्रण रखता है।
- यह लोगों को एक अच्छा समाज बनाने के लिए प्रेरित करती है।

भारतीय संविधान का निर्माण

- निर्माण की प्रक्रिया आजादी की लड़ाई के समय शुरू हुई थी।
- पहला स्वरूप 1928 में तथा दूसरा 1931 में बना। मोती लाल नेहरू एवम् 8 अन्य नेताओं ने संविधान स्वरूप में सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार, सामाजिक न्याय, स्वतंत्रता का अधिकार एवम् स्वायत्तता की मांग की।
- विधान मंडलों में आकर भारतीयों ने संविधान के निर्माण में मदद की।
- भारतीय नेता, फ्रांस की क्रांति, ब्रिटिश संसदीय प्रणाली तथा अमेरिका के अधिकारों के कानून से प्रेरित थे तथा उन्हें अब पता था कि ब्रिटिश सरकार भारतीयों को क्या देने से मना कर रही है।

संविधान सभाः–

- संविधान सभा के लिए चुनाव जुलाई 1946 में सम्पन्न हुए।
- डॉ भीमराव अम्बेदकर को संविधान सभा की प्रारूप समिति का अध्यक्ष बनाया गया।
- संविधान को 26 नवम्बर 1949 को अंगीकृत किया गया तथा 26 जनवरी 1950 से लागू किया गया तथा भारत उस समय से गणतंत्र बन गया।
- भारत के प्रवर बुद्धिजीवियों से संविधान का निर्माण हुआ था। इसके सदस्य छोटे भारत का प्रतिनिधित्व करते थे। यह संविधान सबसे बड़ा लिखित संविधान है।

भारत का संविधान लिखने के दौरान परेशानी

- भारत एक बहुत विशाल तथा विविधता वाला देश है। तथा ऐसे देश के लिए संविधान का निर्माण करना कठिन कार्य है।
- भारत धर्म के आधार पर कई भागों में बॅटा हुआ है।
- भारत के छोटे राज्यों (राजशाही) का आपस में मिलाना एक कठिन कार्य है।
- भारत का भविष्य पूर्ण रूप से सुरक्षित नहीं था।

''संविधान के प्रस्तावना का महत्व''

प्रस्तावना संविधान को नियमावली प्रदान करती है तथा इसे संविधान की कुंजी कहा जाता है।

प्रस्तावना की विशेषताः

संप्रभुता, समाजवादी, धर्म निरपेक्षता, लोकतांत्रिक, गणतंत्र, न्याय, स्वायत्तता, समानता एवम् बंधुत्व।

संविधान सभा के सदस्य

1. बल्लभ भाई पटेल
2. अबुल कलाम आजाद
3. टी. टी. कृष्णमाचारी
4. राजेन्द्र प्रसाद
5. एच. सी. मुखर्जी
6. जयपाल सिंह
7. जी. दुर्गाबाई देशमुख
8. बलदेव सिंह
9. के. एम. मुंशी
10. बी. आर. अम्बेदकर
11. श्यामा प्रसाद मुखर्जी
12. जवाहरलाल नेहरू
13. सरोजनी नायडू
14. सोमनाथ लाहिरी

दक्षिण अफ्रीका में लोकतांत्रिक संविधान

– दक्षिण अफ्रीका में अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस के नेता नेल्शन मंडेला ने नस्लवाद के खिलाफ लंबी लड़ाई लड़ी।

– 28 साल के कैद (1964–1992) के बाद वे अफ्रीकी गणतंत्र के प्रथम राष्ट्रपति बने।

– वहाँ के लोग कुछ सफेद शासकों द्वारा किए जा रहे भेदभाव से परेशान थे।

– अंततः 1994 में नस्लवाद की हार हुई तथा 1996 में नया संविधान बना।

– एक अच्छा संविधान जिसमें हर तरह की पुरानी बातों को भूलकर एक नया संविधान जिसमें समानता, लोकतांत्रिक मूल्य एवम् सामाजिक न्याय को आधार बनाया गया।

बहुविकल्पीय प्रश्न

प्रश्न 1. नेल्सन मंडेला पर आजीवन कारावास के लिए क्या आरोप लगाए गए?

(क) छेड़छाड़ (ख) कानूनों को तोड़ना

(ग) भ्रष्टाचार (घ) गैरकानूनी संपत्ति रखना

प्रश्न 2. नस्लभेद क्या है?

(क) जनसंख्या में अनुपात के आधार पर चुनाव

(ख) सरकारी नियम जिसमें कालों के साथ भेदभाव किया जाता है।

(ग) सबके साथ समानता

(घ) कोई नहीं

प्रश्न 3. किस तरह नस्लवाद अफ्रीका में भेदभाव को बढ़ाता है?

(क) अलग–अलग नस्ल के लोग नहीं मिल सकते

(ख) सरकारी सुविधाओं का बँटवारा

(ग) नस्ल आधारित रोजगार का सृजन

(घ) सभी

प्रश्न 4. दक्षिण अफ्रीका का वह संगठन जिसेने भेदभाव के खिलाफ लड़ाई लड़ीः–

(क) अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस

(ख) अफ्रीकन न्युट्रल कांग्रेस

(ग) अफ्रीका नेशनल कांग्रेस

(घ) सभी राष्ट्रीय दल

प्रश्न 5. गोरे शासकों ने अपने नियमों में बदलाव कैसे किया?

(क) विरोध एवं संघर्ष बढ़ने से

(ख) सरकार को लगा कि अब विरोध को दबाया नहीं जा सकता

(ग) सरकार में कालों के प्रति सहानुभूति बढ़ना

(घ) क और ख दोनो

प्रश्न 6. निम्न में कौन सी घटना दक्षिण अफ्रीका में सरकार के बदले हुए प्रवृत्ति को प्रदर्शित नहीं करती है?

(क) भेदभाव वाले कानून हटा दिए गए

(ख) राजनीतिक दलों और मीडिया पर से प्रतिबंध हटा दिए गए

(ग) नेल्शन मंडेला को रिहा किया जाना

(घ) ज्यादा भेदभाव वाले कानून बनाए गए।

प्रश्न 7. दक्षिण अफ्रीका कब एक लोकतांत्रिक देश बना?

(क) 26 अप्रैल 1995 (ख) 26 अप्रैल 1994

(ग) 24 मार्च 1994 (घ) 27 अप्रैल 1996

प्रश्न 8. नस्लवाद के अंत के बाद कौन दक्षिण अफ्रीकी गणतंत्र का प्रथम राष्ट्रपति बना?

(क) एफ. डब्लू डी क्लार्क (ख) पी. डब्लू बोथा

(ग) नेल्शन मंडेला (घ) कोई नहीं

प्रश्न 9. नेल्शन मंडेला की आत्मकथा हैः–

(क) द लौंग वाक ऑफ फ्रीडम

(ख) साउथ अफ्रीका विन्स फ्रीडम

(ग) वाक टू फ्रीडम

(घ) आवर फ्रीडम

प्रश्न 10. काले लोग नए संविधान में क्या चाहते थे?

(क) एक काला राष्ट्रपति

(ख) सामाजिक एवम् आर्थिक अधिकार

(ग) गोरे लोग देश के बाहर जाँए

(घ) गोरे लोगों के साथ नस्लवाद

प्रश्न 11. गोरे अल्पसंख्यक लोग संविधान में क्या चाहते थे?

(क) उनकी संपत्ति की रक्षा

(ख) उनके लिए एक अलग देश

(ग) विधायिका में आरक्षण

(घ) कुछ विशेष अधिकार

प्रश्न 12. संविधान निर्माण के दौरान विचार–विमर्श के समय गोरे लोग तैयार थेः–

(क) बहुमत के शासन के लिए

(ख) एक व्यक्ति एक मत

(ग) गरीब एवम् मजदूरों के लिए कुछ मौलिक अधिकार

(घ) सभी

प्रश्न 13. इनमें से कौन सा वाक्य सही है?

(क) वह देश जिसके पास संविधान है, वे लोकतांत्रिक है।

(ख) वह देश जो लोकतांत्रिक है उनके पास संविधान होता है।

(ग) 'क' और 'ख' दोनो (घ) कोई नहीं

प्रश्न 14. मोतीलाल नेहरू ने भारत के लिए संविधान का निर्माण कब किया?

(क) 1927 (ख) 1926 (ग) 1929 (घ) 1928

प्रश्न 15. कांग्रेस का 1937 का वार्षिक बैठक कहाँ संपन्न हुई?

(क) नागपुर (ख) कराँची (ग) कलकत्ता (घ) दिल्ली

प्रश्न 16. इसमें से कौन सी विचारधारा को भारत के सभी नेता पहली बैठक (संविधान सभा) के पहले ही मान चुके थे?

(क) सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार (ख) स्वतंत्रता का अधिकार

(ग) अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा (घ) सभी

प्रश्न 17. किस एक्ट के द्वारा भारत में 1937 में विधानमंडलों के लिए चुनाव कराए गए?

(क) भारत सरकार अधिनियम 1935

(ख) भारत सरकार अधिनियम 1919

(ग) भारत सरकार अधिनियम 1909

(घ) उपरोक्त सभी

प्रश्न 18. हमारे नेताओं को संविधान निर्माण के समय किससे प्रेरणा मिली?

(क) फ्रांस की क्रांति के विचारों से

(ख) ब्रिटेन की संसदीय प्रणाली से

(ग) अमेरिकी नागरिक अधिकार से

(घ) उपरोक्त सभी

प्रश्न 19. विश्व की किस क्रांति ने भारत में समाजवादी अर्थव्यवस्था स्थापित करने के लिए प्रेरित किया?

(क) फ्रांस की क्रांति (ख) टर्की की क्रांति

(ग) रूस की क्रांति (घ) अमेरिका का स्वतंत्रता संघर्ष

प्रश्न 20. वह संस्था जिसने भारत में संविधान का निर्माण किया?

(क) आम सभा (ख) संविधान सभा

(ग) नागरिक सभा (घ) कोई नहीं

प्रश्न 21. संविधान को कब अंगीकृत किया गया?

(क) 26 जनवरी 1949 (ख) 26 दिसम्बर 1949

(ग) 26 जनवरी 1950 (घ) 26 जनवरी 1949

प्रश्न 22. संविधान के प्रारूप समिति के अध्यक्ष कौन थे?

(क) डॉ राजेन्द्र प्रसाद (ख) जवाहर लाल नेहरू

(ग) बी. आर. अम्बेदकर (घ) सरोजनी नायडू

प्रश्न 23. संविधान को अंगीकृत करने से पूर्व कितने संशोधन किए गए?

(क) लगभग 500 (ख) लगभग 2000

(ग) लगभग 1550 (घ) लगभग 1000

प्रश्न 24. यह किसने कहाः– हम एक ऐसे भारत के लिए कार्य कर रहे हैं जिसमे सबसे गरीब व्यक्ति यह महसूस करे कि यह उसका देश है?

(क) महात्मा गाँधी (ख) जवाहरलाल नेहरू

(ग) बी. आर. अम्बेदकर (घ) सरोजनी नायडू

प्रश्न 25.निम्न में कौन नेता गाँधी का एक अच्छा आलोचक था?

(क) मौलाना अबुल कलाम आजाद (ख) सरोजनी नायडू

(ग) बी. आर. अम्बेदकर (घ) डॉ राजेन्द्र प्रसाद

प्रश्न 26. हमारे समय के महानतम व्यक्ति का यह उद्देश्य होना चाहिए कि वह भारत के हर आदमी की प्रत्येक आंसू को पी सके। यह जवाहरलाल नेहरू ने किसके लिए कहा था?

(क) अब्दुल गफ्फार खान (ख) महात्मा गाँधी

(ग) डॉ बी. आर. अम्बेदकर (घ) बल्लभ भाई पटेल

प्रश्न 27. संविधान शुरू होता है?

(क) भूमिका से (ख) प्रस्तावना से (ग) उद्बोधन से

(घ) अनुच्छेद से

प्रश्न 28. इनमें से कौन सा देश एक गणतंत्र है?

(क) अमेरिका (ख) भारत (ग) दक्षिण अफ्रीका (घ) सभी

प्रश्न 29. हमारे संविधान की प्रस्तावना कौन से न्याय की बात करता है?

(क) आर्थिक न्याय (ख) राजनैतिक न्याय (ग) सामाजिक न्याय (घ) सभी

प्रश्न 30. भारत की 'संप्रभु' स्थिति को कौन सी परिस्थिति प्रदर्शित करती है?

(क) अमेरिका भारत की विदेश नीति निर्धारित करे

(ख) रूस सी.पी.आई.(एम) को सरकार चलाने में मदद करे।

(ग) भारत सरकार खुद अपने आंतरिक एवम् वाह्य निर्णय लें।

(घ) पाकिस्तान भारत की सेना का नियंत्रण करे।

प्रश्न 31. संविधान सभा का अध्यक्ष कौन था?

(क) जवाहर लाल नेहरू (ख) डॉ राजेन्द्र प्रसाद

(ग) बी. आर. अम्बेदकर (घ) महात्मा गाँधी

प्रश्न 32. संविधान को लागू करने वाले दिन को हम किस दिवस के रूप में मनाते हैं?

(क) गणतंत्र दिवस (ख) स्वतंत्रता दिवस

(ग) गाँधी जयंती (घ) संविधान दिवस

प्रश्न 33. भारतीय संविधान लिया गया है?

(क) फ्रांस की क्रांति के सिद्धान्तों से (ख) ब्रिटेन का संविधान

(ग) अमेरिका के अधिकारों का प्रावधान (घ) इजरायल के संविधान

प्रश्न 34. संविधान सभा की बैठक कितने दिन हुई?

(क) 114 (ख) 280 (ग) 365 (घ) 150

प्रश्न 35. 1928 में भारत के संविधान का प्रारूप किसने बनाया?

(क) मोतीलाल नेहरू (ख) बी. आर. अम्बेदकर

(ग) डॉ राजेन्द्र प्रसाद (घ) जवाहरलाल नेहरू

लघु उत्तरीय प्रश्न (3 अंक)

प्रश्न 1. नस्लवाद कैसे एक दुर्भावपूर्ण व्यवस्था थी?

उ. यह व्यवस्था काले लोगों के लिए दुर्भावपूर्ण व्यवस्था थी। इनको गोरे लोगों के क्षेत्र में नहीं रहना था। वे गोरे लागों के क्षेत्र में तभी कार्य कर सकते थे जब उनके पास परमिट हो। सभी सार्वजनिक सुविधाए जैसे ट्रेन, बस, टैक्सी, होटल, अस्पताल, स्कूल, कालेज, स्वीमींग पूल सभी काले और गोरों के लिए अलग–अलग थे। वे चर्च में नहीं जा सकते थे जहाँ गोरे लोग पूजा–पाठ करते थे। वे कोई संगठन नहीं बना सकते थे न ही विरोध कर सकते थे।

प्रश्न 2. अफ्रीका में लोकतंत्र की स्थापना के बाद काले नेताओं ने अपने समर्थकों से क्या अपील की?

उ. 1. लोकतंत्र की स्थापना के बाद काले लोगों ने अपने समर्थकों से शांति की अपील की।

2. उनसे गोरे लोगों को माफ करने को कहा।

3. अफ्रीका में शांति, समानता, न्याय, मानवअधिकारों पर आधारित शासन की अपील की।

प्रश्न 3. 'संविधान' से आप क्या समझते हैं?

उ. 1. यह एक लिखित दस्तावेज है।

2. यह नियमों, कानून एवम् प्रावधान का संग्रह है।

3. यह सबसे बड़ा कानून है जो लोगों को आपसी संबंध तथा लोगों के सरकार के साथ संबंध को स्पष्ट करता है।

4. यह बताता है कि सरकार का गठन कैसे होगा तथा सरकार कैसे कार्य करेगी।

प्रश्न 4. भारतीय लोगों को 1937 में चुनाव में भाग लेने तथा विधानमंडल में आने से क्या लाभ हुआ?

उ. 1937 के चुनाव के द्वारा चुना गया विधानमंडल पूर्ण लोकतांत्रिक था। इससे लोगों को शासन तंत्र में काम करने का अनुभव हुआ तथा कैसे कार्य किया जाय, ये वे लोग सीख सकें।

प्रश्न 5. संविधान सभा के गठन पर चर्चा करें?

उ. 1. संविधान सभा के सदस्य मुख्यतः छोटे राज्यों के प्रतिनिधियों द्वारा चुने गए।

2. इससे भारत के हर भौगोलिक क्षेत्र के लोगों को प्रतिनिधित्व मिल सका।

3. कांग्रेस विधानमंडल की सबसे बड़ी पार्टी थी।

4. इसमें अलग–अलग भाषाओं, जाति, धर्म तथा व्यवसाय के लोग थे।

प्रश्न 6. दक्षिण अफ्रीका जैसे देश के लिए संविधान की आवश्यकता क्यों थी?

उ. दमन करने वाले तथा दमित अर्थात काले एवम् गोरे लोग एक साथ रहने के लिए तैयार थे। वे समानता का सिद्धान्त अपनाना चाहते थे। उनका एक दूसरे पर विश्वास करना जरूरी था। वे अपनी इच्छाओं की रक्षा करना चाहते थे। इसके लिए यह जरूरी था कि कुछ नियम लिखे जाएँ। यह संविधान के द्वारा ही संभव था।

प्रश्न 7. धर्म निरपेक्षता से आप क्या समझते हैं? भारत कैसे एक धर्मनिरपेक्ष देश है?

उ. भारत कई धर्मों का देश है तथा यहाँ सभी धर्मों का सम्मान होता है। किसी भी धर्म को राजधर्म का दर्जा नहीं प्राप्त है तथा सभी धर्मों को बराबर सम्मान दिया जाता है।

सभी लोगों को अपना धर्म चुनने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है।

प्रश्न 8. संविधान संशोधन क्या है? भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में इसका महत्व बताएँ।

उ. संविधान संशोधन, संविधान में होने वाले बदलाव है जो देश की सर्वोच्च विधायिका अर्थात संसद के द्वारा किया जाता है। भारत का संविधान बहुत विशाल एवम् विस्तृत दस्तावेज है। इसलिए इसमें संशोधन की आवश्यकता है जिससे ये समय के अनुरूप बदल सके।

प्रश्न 9. संविधान निर्माण के समय क्या–क्या समस्याएँ आयी?

उ. 1. यह बहुत कठिन समय में बनाया गया।

2. भारत जैसे देश के लिए संविधान का निर्माण एक आसान कार्य नहीं था।

3. देश विभाजन के बाद सामने आए थे।

4. छोटे राज्यों की समस्या बहुत बड़ी थी।

5. देश के भविष्य के विषय में सबको संशय था।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

प्रश्न 1. संविधान के निर्माण के दौरान काले और गोरे लोगों में क्या समझौता हुआ?

उ. 1. दक्षिण अफ्रीका के संविधान ने काले और गोरे लोगों को साथ लाने में मदद किया।

2. संविधान ने अपने नागरिकों को वे सारे अधिकार दिए जो दूसरे देशों में मिले हुए थे। काफी विचार विमर्श के बाद दोनो दल सहमत हुए।

3. गोरे लोग बहुसंख्यक के शासन के लिए तैयार हो गए तथा एक व्यक्ति एक मत के लिए तैयार हो गए। वे गरीबों और मजदूरों को कुछ अधिकार देने के लिए सहमत थे।

प्रश्न 2. संविधान किस देश को लोकतांत्रिक बनाने में कैसे मदद कर सकते थे?

उ. संविधान लोकतांत्रिक व्यवस्था को ला सकता हैः–

1. यह लोगों में विश्वास तथा भाईचारा पैदा करता है जिससे कई तरह के लोग एक साथ रह सकते है।
2. यह सरकार के गठन के बारे में बताती है तथा सरकार को शक्तियाँ देती है।
3. यह सरकार पर नियंत्रण करती है तथा सभी नागरिकों को अधिकार दिलाती है।
4. यह सभी लोगों को एक अच्छा समाज बनाने में मदद करती है।

प्रश्न 3. संविधान की 'प्रस्तावना' क्या है? 'हम भारत के लोग' तथा 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द का क्या महत्व है ?

उ. यह संविधान की भूमिका वाला भाग है। इसे संविधान की कुंजी कहा जाता है। 'हम भारत के लोग' अर्थात् संविधान का निर्माण एवम् वृद्धि जनता के प्रतिनिधियों के द्वारा हुई है। धर्मनिरपेक्ष अर्थात् सभी नागरिकों को धर्म के चुनने की स्वतंत्रता है। लेकिन कोई राजधर्म नहीं होता।

प्रश्न 4. भारतीय संविधान की तीन विशेषताएँ बताएँ?

उ. 1. यह भारत में संप्रभु, लोकतंत्र एवम् गणतंत्रात्मक सरकार स्थापित करता है।

2. यह भारत में धर्मनिरपेक्ष शासन की स्थापना करता है।

3. यह मौलिक कर्तव्य एवम् मौलिक अधिकार देता है।

4. संविधान की प्रस्तावना इसकी पूर्ण व्याख्या करता है।

5. भारतीय संविधान सामाजिक, आर्थिक एवम् राजनैतिक समानता देता है।

प्रश्न 5. भारतीय संविधान बहुत ही कठोर एवम् बहुत ही लचीला है। व्याख्या करें?

उ. 1. भारतीय संविधान न पूर्ण रूप से कठोर न ही पूर्ण रूप से लचीला संविधान है। यह आंशिक कठोर एवम् आंशिक लचीला है।

2. यह ब्रिटिश संविधान की तरह न तो बहुत लचीला है, न ही अमेरिकी संविधान की तरह बहुत कठोर।

3. संविधान के कुछ अनुच्छेद को संसद के सामान्य बहुमत से बदला जा सकता है, जैसे राज्य का नाम, राज्य की सीमा का निर्धारण, नागरिकों से संबंधी तथ्य।

4. संविधान के कुछ अनुच्छेदों को संसद के 2/3 बहुमत से परिवर्तित किया जा सकता है। जैसे – भारत के राष्ट्रपति का चुनाव।

5. संविधान के कुछ अनुच्छेदों को संसद के हर सदन के बहुमत से तथा राज्यों के विधान मंडल के बहुमत से परिवर्तित किया जा सकता है।

प्रश्न 6. भारत के संविधान निर्माण में महत्वपूर्ण वर्ष कौन–कौन से थे?

उ.

1. 1928 में मोतीलाल नेहरू एवम् 8 महत्वपूर्ण अन्य कांग्रेसी नेताओं ने भारत के लिए एक संविधान का निर्माण किया।

2. 1931 में कांग्रेस के कराची अधिवेशन में भारत के संविधान की आवश्यकताओं पर विचार किया।

3. भारत के लोगों के लिए यह आवश्यक है कि वे अनुभव प्राप्त करें।

5. भारत के 1935 के अधिनियम के द्वारा भारतीय संविधान से कई तथ्य लिए गए।

प्रश्न 7. 'समाजवादी राज्य' का क्या उद्देश्य है? यह कैसे प्राप्त किया जा सकता है।

उ. 1. हम सब समाज में पैदा हुए हैं तथा समाज में समानता को बढ़ावा देना है।

2. सरकार सभी भूमि एवम् उद्योग पर नियंत्रण रखे जिससे समानता लाया जा सके।

3. समाजिक असमानता कम होना चाहिए तथा सरकार को सबकी भलाई के लिए कार्य करना चाहिए।

प्रश्न 8. अफ्रीका की नस्लवाद की नीति क्या थी? इसको कैसे समाप्त किया गया?

उ. 1. नस्लवाद अफ्रीका में रंग के आधार पर भेद–भाव की एक प्रक्रिया थी।

2. यूरोप के गोरे लोगों ने इसे लागू किया था जबकि अफ्रीका के काले लोग वहाँ के मूल निवासी थे।

3. काले लोगों की संख्या 3/4 थी तथा उन्हें कोई अधिकार प्राप्त नहीं थे।

4. काले लोग गोरे लोगों के क्षेत्र में नहीं रह सकते थे। सभी सार्वजनिक सुविधाएँ काले एवम् गोरे लोगों के लिए अलग–अलग थी।

5. काले एवम् भारतीय वहाँ अपने अधिकारों की मांग के लिए संघर्ष कर रहे थे।

उच्च स्तरीय कौशल प्रश्न

प्रश्न 1. भारत के संविधान के निर्माण में संविधान सभा ने कैसे कार्य किया?

उ. संविधान सभा ने एक व्यवस्थित, खुले एवम् वैचारिक दृष्टिकोण से कार्य किया:–

1. कुछ मौलिक सिद्धान्त बनाकर उस पर सबकी सहमति मिल गई।
2. इसके बाद प्रारूप समिति ने संविधान का प्रारूप तैयार किया।
3. कई चरण में बैठकें, विचार–विमर्श किए गए तथा लगभग 2000 से ज्यादा संशोधन किए गए।
4. संविधान सभा के सदस्य 3 साल में 114 बार मिले। हर शब्द पर विचार कर उसे रिकार्ड किया गया।

प्रश्न 2. प्रस्तावना क्या है? प्रस्तावना के तीन निर्देशक सिद्धान्त क्या हैं?

उ. 1. प्रस्तावना मौलिक मूल्यों का एक छोटा सा वाक्य है इसे अमेरिकन संविधान से लिया गया है।

2. भारतीय संविधान की प्रस्तावना भारतीय लोकतंत्र का आधार एवम् आत्मा है।

3. प्रस्तावना के तीन तत्व हैं जिसपर पूरा संविधान आधारित है:–

(क) लोकतांत्रिक–सभी नागरिकों को समान अधिकार

(ख) समानता–सबको बराबरी से देखना

(ग) धर्मनिरपेक्षता– सभी धर्मो के महत्व को स्वीकार करना तथा राज्य का कोई धर्म न होना

प्रश्न 3. हमे संविधान की आवश्यकता क्यों हैं? चार बिन्दु बताएँ?

उ. हर देश में कई तरह के लोग रहते हैं। इनमें मतभेद होता है। इसलिए कुछ नियमों की आवश्यकता होती है। इन नियमों एवम् कानूनों को कही लिखा जाना चाहिए। इस तरह संविधान नियमों का लिखित दस्तावेज है, जिसे सभी ने स्वीकार किया है–

1. यह विश्वास एवम् सद्भाव पैदा करता है।
2. सरकार के गठन का तरीका बताता है।
3. सरकार की शक्तियों पर नियंत्रण करता है।
4. जनता की भावनाओं को प्रदर्शित करता है।

प्रश्न 4. भारत के संविधान निर्माण के प्रमुख चरण क्या थे?

उ. 1. भारत के संविधान का निर्माण एक सभा द्वारा किया गया जिसे संविधान सभा कहा जाता है।

2. संविधान सभा के सदस्यों का चुनाव जुलाई 1946 में संपन्न हुआ। इसकी पहली बैठक दिसम्बर 1946 में संपन्न हुई। इसमें 299 सदस्य थे।

3. संविधान को 26 नवम्बर 1949 को अंगीकृत किया गया तथा 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया।

प्रश्न 5. भारत के संविधान की प्रस्तावना एक छोटा सा मूल्यों का वाक्य है। किस देश की प्रेरणा से भारत के संविधान में प्रस्तावना को शामिल किया गया? प्रस्तावना की शुरूआत 'हम भारत के लोग' से क्यों होती है।

उ. अमेरिका की संवैधानिक व्यवस्था से प्रेरणा लेकर भारत जैसे बहुत सारे देश ने प्रस्तावना से संविधान की शुरूआत की।

'हम भारत के लोग' से तात्पर्य है कि भारत में जो भी व्यवस्था है वह हम सभी भारतीयों द्वारा अंगीकृत की गई है।

उत्तर– बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक)

1(ख)	2(ख)	3(घ)	4(ग)	5(घ)	6(घ)	7(ख)
8(ग)	9(क)	10(ख)	11(क)	12(घ)	13(ख)	14(घ)
15(ख)	16(घ)	17(क)	18(घ)	19(ग)	20(ख)	21(क)
22(ग)	23(ख)	24(क)	25(ग)	26(ख)	27(ख)	28(ख)
29(घ)	30(घ)	31(ग)	32(ख)	33(क)	34(ख)	35(क)

भाग –4

अर्थशास्त्र

पाठ-१ पालमपुर गाँव की कहानी

पालमपुर एक छोटा गाँव है जिसकी जनसँख्या लगभग ४५० परिवारों की है यह रायगंज से ३ कि.मी. दूर है | रायगंज एक बड़ा गाँव है शाहपुर, पालमपुर गाँव का सबसे निकटतम शहर है |

मुख्य उत्पादन क्रिया कलाप :- कृषि पालमपुर गाँव की मुख्य उत्पादन क्रिया है | अधिकतर लोग अपने जीविकोपार्जन के लिए कृषि पर निर्भर हैं | गैर कृषि कार्यकलाप जैसे कि डेयरी , छोटे पैमाने पर विनिर्माण कार्य (बुनकरों के क्रिया-कलाप और बर्तन निर्माण कार्य) परिवहन आदि सीमित पैमाने पर किये जाते है |

उत्पादन के साधन(वस्तुओं एवं सेवाओं के लिए उत्पादन की मांग): भूमि श्रम और पूंजी वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन के लिए उत्पादन के प्रमुख साधन हैं | भूमि के अंतर्गत प्रकृति प्रदत्त सभी मुफ्त उपहार जैसे मृदा , जल, वन, खनिज आदि शामिल है| श्रम से तात्पर्य मनुष्य के शारीरिक एवं मानसिक प्रयासों या श्रम से है | भौतिक पूर्ति उत्पादन के तृतीय प्रमुख साधन माने जाते है | भौतिक पूंजी के अंतर्गत स्थिर पूंजी जैसे- औजार, मशीन, भवन आदि शामिल है और कच्चे माल के रूप में किसानो के लिए बीज और बुनकरों के लिए धागे मुख्य हैं |

कृषि क्रियाकलापों मे महत्वपूर्ण परिवर्तन:- खेती में प्रयुक्त भूमि क्षेत्र वस्तुतः स्थिर होता है इसलिए भारत वर्ष में १९६० के पश्चात् कुछ बंजर या बेकार भूमि को कृषि योग्य भूमि में परिवर्तित कर दिया गया है | कुछ वर्षों में कृषि के तरीकों में भी महत्वपूर्ण बदलाव किये गए है जो हमारे किसानो को एक ही भूमि क्षेत्र से ज्यादा फसलों का उत्पादन करने के लिए प्रेरित किया है| इन परिवर्तनों के अंतर्गत :-

(अ) मिश्रित फसल कृषि

(ब) आधुनिक कृषि पद्धतियों का प्रयोग |

इन सब परिवर्तनों के कारण १९६० के दशक के अंत में भूमि की उत्पादकता समानुपातिक रूप से बढ़ी है जिसे हरित क्रांति के नाम से जाना जाता है पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानो ने कृषि के इस आधुनिक तरीकों का इस्तेमाल सर्वप्रथम किया |

श्रम : भूमि के बाद श्रम उत्पादन का प्रमुख साधन है | छोटे किसान अपने खेती में स्वयं काम करते है जबकि बड़े किसान श्रमिकों से अपने खेतों में काम करते हैं |

पूंजी : भूमि और श्रम के बाद पूंजी उत्पादन का एक महत्वपूर्ण साधन है | सभी प्रकार के किसानो को पूंजी की आवश्यकता होती है| छोटे किसान बड़े किसानो से, साहूकारो से तथा व्यापारियों से पूंजी उधार लेते हैं | आधुनिक कृषि के लिए बड़े पैमाने पर पूंजी की आवश्यकता पड़ती है|

अतिरिक्त कृषि उत्पादों की बिक्री : किसान अपने खेतों में उत्पादन के तीन साधनों भू मि, श्रम और पूंजी का इस्तेमाल कर उत्पादन करते है | उत्पादन का कुछ हिस्सा वे अपने उपयोग के लिए रख लेते है तथा शेष अतिरिक्त उत्पादन को वे बेच डालते है | उत्पादन का वह हिस्सा जिसे किसान बाजार में लेते है उसे विक्रय अतिरेक कहते है | छोटे किसानो को बहुत कम अतिरेक उत्पादन प्राप्त होता है| यही मझोले और बड़े किसानो द्वारा बाजार में अपने अतिरिक्त उत्पादन को बेचा जाता था |

M.C.Q (वस्तुनिष्ठ प्रश्न):

१. निम्लिखित में से कौन सी फसल वर्षा ऋतु में उगाई जाती है ?

(a) ज्वार -बाजरा (b) गेहूं (c) सोयाबीन (d) चावल

२. कौन सी फसल रबी फसल है :

(a) गेहूं (b) चावल (c) कपास (d) ज्वार-बाजरा

३. निम्न में कौन सा स्थायी पूंजी हैं?

(a) औजारों और मशीनें (b) उर्वरक और किटनाशक (c) मृदा (d) बीज

४. निम्न में से कौन भूमि माप की मुख्य इकाई है ?

(a)बीघा (b) हेक्टेयर (c) एकड़ (d)गुंथा

५. सरकार द्वारा एक कृषि श्रमिक के लिए न्यूनतम कितनी मजदूरी निर्धारित की गई है ?

(a)५० रु. (b) ६० रु. (c) ७० रु. (d) ८० रु.

६. हाथ में मुद्रा किसका उदहारण है ?

(a) मानव पूंजी (b) स्थिर पूंजी (c) कार्यशील पूंजी (d) भौतिक पूंजी

७. एच.वाई.वी बीजों से तात्पर्य है :

(a) भारी उत्पादन देने वाले बीजों की किस्म (b) अधिक उपज देने वालों बीजों की किस्म

(c) अर्ध उपज देने वाले बीजों की किस्म (d) कोई नहीं

८. पालमपुर गाँव में उत्पादन की मुख्य क्रिया क्या है ?

(a)कृषि (b) पशुपालन

(c) परिवहन (d) छोटे पैमाने के निर्माण

९. मिश्रित फसलों के उत्पादन का अर्थ हैं:

(a) केवल दो फसलें उगाना (b) केवल तीन फसलें उगाना

(c) चार फसलों तक (d) एक से अधिक फसल हेतु |

१०. भारत में वर्ष २००० में कृषि के अंतर्गत भूमि थी

(a) 120 M- हेक्टेयर (b) 130 M. हेक्टेयर (c) 140 M. हेक्टेयर (d) 150 हेक्टेयर

११. भारत के कौन से क्षेत्र में सिंचाई के स्तर निम्न है ?

(a) दक्कन का पठार (b) तटीय क्षेत्रों में

(c) नदियों के द्वार। निर्मित मैदान (d) (a) और (b) दोनों

१२. भारत में सर्वप्रथम आधुनिक कृषि विधियों का प्रारंभ हुआ

(a) पंजाब (b) प. उत्तर प्रदेश (c) हरियाणा (d) इनमे से सभी

१३. निम्न में से कौन आधुनिक कृषि विधि है ?

(a) मिश्रित फसल (b) उच्च किस्म के बीजों का प्रयोग

(c) रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग (d)) (b)एवं (c) दोनों

१४. भारत में वर्ष २०००-२००१ में दालों का उत्पादन मिलियन टन था |

(a) 10 (b) 11 (c) 14 (d) 12

१५. इनमे से कौन सा प्राकृतिक संसाधन है ?

(a) श्रम (b) कच्चामाल (c) खनिज (d) इनमे से कोई नहीं

१६. भारतीय किसानों को उत्तम किस्म के बीज निम्न के परिणाम स्वरुप उपलब्ध कराया गया

(a) श्वेत क्रांति (b) हरित क्रांति (c) आई.टी. क्रांति (d)इनमे से कोई नहीं

१७. निम्न में से किन खरीफ फसल का इस्तेमाल पशुओं के चारा के रूप में होता है :

(a) गन्ना (b) आलू (c) ज्वार-बाजरा (d)गेहूं

१८. छोटे विनिर्माण, परिवहन , दुकान दारी आदि क्रिया कलाप जाने जाते है

(a) गैर आर्थिक क्रियाएं (b) गैर कृषि क्रिया कलाप
(c) गैर पौराणिक क्रिया कलाप (d) गैर बाजार क्रिया कलाप

१९. उन्नत किस्म के बीज विकसित हुए :
(a) शोध संस्थान में (b) कारखानों में
(c) कृषक भारती समीति (d) इनमे से कोई नहीं

२०. श्वेत क्रांति का विचार जुड़ा है
(a) खाद्य फसलों (b) दूध (c) कपास (d) कीटनाशक

२१. वह कौन सा व्यक्ति है जो भूमि , श्रम और पूंजी को एक साथ उपयोग में लाता है ?
(a) साहूकार (b) साहसी (c) जमींदार (d) प्रबंधक

२२. एक हेक्टेयर भूमि के टुकड़े पर कार्य करने वाले कृषक को माना जाता है
(a) मझोले किसान (b)छोटे किसान (c) बड़े किसान (d) इनमे से कोई नहीं

२३. पालमपुर में कृषि कार्य के सिमित होने के कारण है ?
(a) भूमि का निश्चित होना (b)सिंचाई का अभाव (c) श्रम का आभाव (d) कोई नहीं

२४. पालमपुर में अतिरिक्त गेहूं का क्या किया जाता है ?
(a) बाजार में बिक्री (b) विनाश (c) स्वयं भण्डारण (d) दान में देना

२५. भारत के किस राज्य में सबसे अधिक रासायनिक उर्वरकों का उपयोग होता है ?
(a) पंजाब (b) हरियाणा (c) राजस्थान (d)हिमाचल प्रदेश

२६. पालमपुर गाँव के लोग दूध की बिक्री अपने नजदीक के किस गाँव में करते है
(a) प्रीतमपुरा (b) सिलीगुड़ी (c) साहपुर (d) रायगंज

२७. भारत में कुल कृषि भूमि क्षेत्रों में से आज कितने क्षेत्रों में सिंचाई होता है ?
(a) 40% से कम (b) 30 % से कम (c) 60% से कम (d) 70% से कम

२८. ऑपरेशन फ्लड जुड़ा है
(a) बाढ़ नियंत्रण (b) मछली उत्पादन (c) दुग्ध उत्पादन (d) अनाज उत्पादन

२९. हरित क्रांति जुड़ा है
(a) दुग्ध उत्पादन (b) अनाज उत्पादन (c) मछली उत्पादन (d)इनमे से कोई नहीं

३०. पालमपुर गाँव के अधिकांश छोटे किसान कहाँ से पूंजी उधार लेते है
(a)बैंक (b) सहकारी समीतियां (c) ग्रामीण साहूकारों से (d) मित्र एवं सम्बन्धी से

३१. निम्न में से कौन सा स्थिर पूंजी नहीं है
(a)मशीन (b) भवन (c) औजार (d)कच्चे माल

३२. पालमपुर के किसानो ने बहु फसलीय प्रणाली को क्यों चुना ?
(a) इस प्रणाली में पानी की खपत कम होती है
(b) इस प्राणी में कम से कम रासायनिक खाद का इस्तेमाल होता है
(c) इस प्रणाली से उपजाऊ मिट्टी की आवश्यकता नहीं पड़ती है
(d) उत्पादन बढ़ाने का यह सर्वोत्तम तरीका है

३३. निम्न में से किसने पालमपुर में सिचाई प्रणाली को बदल डाला ?
(a) नलकूप (b) परसियन व्हील (c) वर्षा जल संग्रहण (d) कोई नहीं

३४. पालमपुर गाँव में कितने परिवार रहते है
(a) 150 (b)250 (c)350 (d)450

३५. निम्न में कौन सा कार्य गैर कृषि कार्य है ?

(a)मिश्रित फसल (b) फसल चक्रण (c) दुग्ध व्यसाय (d) आधुनिक कृषि

३६. निम्न में से कौन सा आधुनिक कृषि का परिणाम नहीं है

(a) मृदा निम्नीकरण (b) वन उन्मूलन (c)भूमिगत जल की कमी (d) जल प्रदूषण

३७. सीमांत कृषक वे होते है

(a) जो आधुनिक कृषि पद्धति का इस्तेमाल करते है

(b) जो कृषि में फसल चक्र को अपनाते है

(c) जिनके पास कृषि के लिए उपयुक्त भूमि नहीं होती है

(d) जो आधुनिक सिंचाई के साधनों को अपनाते है

३८ कार्यशील पूंजी का तात्पर्य है .

(a) औजार- मशीन भवन (b) कच्चे माल और मुद्रा

(c) कुल अंश पूंजी (d) वित्तीय संस्थानों में स्थाई जमा

३९. निम्न में से कौन भारत के उत्पादन का मुख्य साधन है ?

(a)भूमि (b) पूंजी (c) श्रम (d) औजार और मशीन

४०. मिश्रित फसल से तात्पर्य है

(a) गेहूं और चावल का उत्पादन

(b) दो फसलों को एक ही भूमि में पंक्तिबद्ध लगाना

(c) एक ही भूमि पर एक से अधिक फसल लगाना

(d) एक ही भूमि पर फसल उत्पादन और पशुओं का पालन

संक्षिप्त उत्तर वाले प्रश्न(३ अंकों वाले प्रश्न)

१. पालमपुर गाँव में किसानों के ऊपर बिजली के आने का क्या प्रभाव पड़ा ?

उत्तर: (a) बिजली आने से सिंचाई प्रणाली में काफी सुधार हुआ और ज्यादा से ज्यादा खेतों को सक्रिय रूप से सिंचित किया जा सका |

(b) बिजली के आने से फसलों को तैयार करना आसान हो गया |

२. उत्पादन का मुख्य उद्देश्य क्या है ? उत्पादन के चार प्रमुख कारकों को लिखें |

उत्तर: उत्पादन का उद्देश्य हमारी आवश्यकताओं के अनुकूल वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन है | वस्तुओं और सेवायों के उत्पादन के चार करक निम्न हैं :

(a) श्रम

(b) भूमि, जल, खनिज और अन्य प्राकृतिक संसाधन

(c) उत्पादन के लिए आवश्यक श्रम उपलब्ध कराना

(d) भौतिक पूंजी

(e) ज्ञान और साहस

३. कार्यशील पूंजी से आप क्या समझते है ? यह किस प्रकार कृषि के दैनिक क्रियाकलापों को प्रभावित करता है ?

उत्तर : कच्चा माल और मुद्रा को कार्यशील पूंजी के नाम से जाना जाता है | मजदूरी भुगतान तथा अन्य उत्पादन कार्यों में सहायता के लिए मुद्रा की जरुरत पड़ती है | कार्यशील पूंजी कृषि के दैनिक क्रिया- कलापों से जुड़ा हुआ है | बीज, खाद, कीटनाशक, दवाओं को खरीदने हेतु कार्यशील पूंजी की आवश्यकता पड़ती है |

४. रबी और खरीफ फसल क्या है ? इन्हें कब लगाया जाता है और कब यह तैयार होता है

उत्तर: रबी फसल मुख्य रूप से शीत ऋतु विशेषकर अक्टूबर से दिसम्बर तक लगाया जाता है और यह फसल अप्रैल के मध्य से जून के मध्य तक तैयार हो जाता है जैसे आलू गेहूं सरसों , जौ, आदि | खरीफ फसल मुख्य रूप से वर्षा ऋतु जुलाई से सितम्बर तक लगाया जाता है और शरद ऋतु में यह तैयार हो जाता है जैसे ज्वार , बाजरा, गन्ना, कपास इत्यादि |

५. बहु फसल प्रणाली और आधुनिक कृषि प्रणाली में क्या अंतर है ?

उत्तर : एक वर्ष में एक निश्चित भूमि के टुकड़े पर एक से अधिक फसल उगाना बहु कृषि प्रणाली कहलाता है | कृषि के क्षेत्र में आधुनिक प्रोद्योगिकी उन्नत किस्म के बीज कीटनाशक दवा का प्रयोग कर कृषि पैदावार को बढ़ाना आधुनिक कृषि प्रणाली कहलाता है |

६. आधुनिक कृषि प्रणाली में किसानों को और अधिक पूंजी पहले की तुलना में निवेश करना पड़ता है क्यों ?

उत्तर : आधुनिक कृषि प्रणाली में कृषि पैदावार बढ़ाने हेतु उत्तम किस्म के बीज , उत्तम किस्म के रासायनिक खाद , कीटनाशक दवाएं, सिंचाई के आधुनिकतम साधनों आदि के लिए पहले की तुलना में और अधिक पूंजी निवेश की आवश्यकता होती है |

७. अधिक उपज देने वाले बीजों के इस्तेमाल से होने वाले हानियों का वर्णन करें .

उत्तर: (१) अधिक उपज देने वाले बीजों के प्रयोग के साथ- साथ अधिक मात्र में जल , रासायनिक खाद और कीटनाशक दवायों की जरुरत पड़ती है जिसे पूरा करना कठिन है

(२) अधिक उत्पादन देनेवाली बीज के प्रयोग मात्र से ही उत्पादन नहीं बढाया जा सकता बल्कि इसके सा थ-२ सिंचाई के समुचित साधनों उत्तम खादों और कीटनाशक दवा का प्रयोग करना पड़ता है |

(३) अधिक उपज देने वाले बीज के साथ-२ रासायनिक खादों से पर्यावरण को भारी क्षति पहुँचती है |

८. पालमपुर गाँव में विभिन्न कृषि कार्यों एवं गैर कृषि कार्यों का वर्णन करें ?

उत्तर : पालमपुर गाँव में कृषि मुख्य उत्पादन कार्य है |यहाँ लगभग ७५ % लोग कृषि पर आश्रित है | यहाँ कृषि पैदावार को बढ़ाने के लिए कृषि के आधुनिकतम तरोकों का इस्तेमाल किया जा रहा है|

पालमपुर गाँव के लोग कृषि कार्य के साथ-साथ गैर कृषि कार्यों में लगे हुए है जैसे मत्स्य पालन, दुग्ध व्यवसाय, छोटे पैमाने के विनिर्माण कार्य, दुकानदारी, परिवहन आदि में लगे हुए है |

९. आधुनिक कृषि पद्धति के सम्बन्ध में वैज्ञानिकों का रिपोर्ट क्या दर्शाता है |

उतर: १ हरितक्रांति के कारण अधिकाधिक रसायनों का प्रयोग हुआ जिससे मृदा की उर्वरा शक्ति घट गई |

२. सिंचाई के लिए जमीन के नीचे से पानी निकालने के कारण जलस्तर काफी नीचे चला गया |

१०. पालमपुर में सिंचाई के मुख्य श्रोत क्या हैं ?

उत्तर: पालमपुर में सिंचाई के लिए विकसित पद्धति उपलब्ध हैं | पालमपुर गाँव में बिजली के आ जाने से मशीन चालित ट्यूबबेल का इस्तेमाल काफी बढ़ गया है।

११. पालमपुर गाँव के तीन प्रकार के उत्पादन क्रियायें लिखें ।

उत्तर: (१) कृषि का कार्य (२) दुग्ध उत्पादन कार्य (३) छोटे पैमाने के निर्माण कार्य

१२. बहुफसल प्रणाली के तीन लाभों को लिखें ।

उत्तर: (१) भूमि का अत्यधिक प्रयोग

(२) उत्पादन में वृद्धि

(३) आय में वृद्धि

१३. हरित क्रांति क्या है ? हरित क्रांति के कारण किस फसल के उत्पादन में ज्यादा लाभ हुआ ?

उत्तर: हरित क्रांति उस क्रांति को कहा जाता है जिसके तहत आधुनिक प्राधोगिकी , उन्नत किस्म के बीजों, रासायनिक खादों और कीटनाशक दवाओं से कृषि पैदावार जैसे गेहूँ, चावल के पैदावार में भारी वृद्धि हुई ।

१४. कृषि श्रमिकों को किन प्रमुख समस्याओं का सामना करना पड़ता है ?

उत्तर: (१) अपर्याप्त श्रम का उपलब्ध होना

(२) रोजगार सुरक्षा में कमी

(३) अपर्याप्त मजदूरी

१५. कृषि के तीन आधुनिक तरीकों को लिखें ।

उत्तर: (१) आधिक उपज देने वाले बीजों का इस्तेमाल

(२) कृषि क्षेत्र में आधुनिकतम मशीनों का इस्तेमाल

(३) कृषि क्षेत्रों में प्राधोगिकी का इस्तेमाल

(४) कृषि क्षेत्रों में रासायनिक खादों एवं कीटनाशक दवाओं का इस्तेमाल

१६. कृषि श्रमिकों की आर्थिक दशा का वर्णन करें। (डाला और रामकली) की तरह।

उत्तर: (१) कृषि में आधुनिक प्रौधोगिकी का इस्तेमाल होने से कृषि श्रमिकों के समक्ष बेरोजगारी की समस्या उत्पन्न हो गई है । आधिकांश कृषि कार्य मशीनों से होने लगे जिसके कारण अधिकांश श्रमिक बेरोजगार हो गए ।

(२) कृषि श्रमिकों की पूर्ति आधिक होने से और उनकी मांग कम होने से कम मजदूरी पर कार्य करने को बाध्य थे ।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न :

प्रश्न १. एक ही भूमि पर उत्पादन बढ़ाने के विभिन्न तरीकों का वर्णन करें ।

उत्तर: कृषि कार्यों के लिए भूमि की मात्रा निश्चित है । अतः उस निश्चित भूमि की मात्रा कृषि पैदावार बढ़ाने हेतु निम्न तरीकों का इस्तेमाल किया गया: -

(१) **बहुफसल प्रणाली:** बहुफसल प्रणाली उत्पादन बढ़ाने का सबसे अच्छा तरीका माना जाता है। इस प्रणाली के अंतर्गत एक वर्ष में भूमि के टुकड़े पर एक से अधिक फसलें उगाई जाती हैं । अत: भारतीय किसानों को एक वर्ष में दो फसल उगाना चाहिए।

(२) **हरित क्रांति:** भारत में हरित क्रांति का दौर १९६० के अंतिम दशक में प्रारंभ हुआ। जिसके तहत कृषि पैदावार विशेषकर गेहूँ और चावल में वृद्धि हेतु उन्नत किस्म के बीजों , रासायनिक खादों, कीटनाशक दवाओं तथा सिंचाई के समुचित साधनों का इस्तेमाल किया गया।

(३) कृषि क्षेत्र में आधुनिक प्रौधोगिकी का प्रयोग किया गया ।

(४) कृषि पैदावार में बृद्धि हेतु रासायनिक खादों, कीटनाशक दवाओं का प्रयोग किया गया ।

प्रश्न २. पालमपुर में कृषि कार्य के लिए श्रमिक कौन उपलब्ध कराता है ?

उत्तर: जैसा हम जानते हैं भूमि के बाद श्रम उत्पादन का एक महत्वपूर्ण साधन है । छोटे किसान कृषि कार्य अपने परिवार के सभी सदस्यों के साथ मिल कर करते हैं । परन्तु मध्यम तथा बड़े किसान कृषि कार्य हेतु श्रमि क बाजार से लाते हैं। कृषक श्रमिक वो होते हैं जिनके पास अपना जमीन नहीं होता । उन्हें मजदूरी का भुगतान निम्न तरीके से होता है:

(१) उन्हें मजदूरी निम्न या वस्तुओं के रूप में की जाती है ।

(२) सरकार द्वारा निर्धारित मजदूरी ही दी जाती है ।

प्रश्न ३. उत्पादन के चार प्रमुख कारकों का वर्णन करें ।

उत्तर: उत्पादन के लिए (वस्तुओं और सेवाओं) चार प्रमुख आवश्यकता होती है जो निम्न हैं :-

(१) भूमि: जैसा की हम जानते हैं भूमि प्रकृति की नि :शुल्क देन है और यह उत्पादन का प्रमुख साधन है। भूमि के अंतर्गत जल, खनिज, वन, पर्वत आदि सभी आते हैं ।

(२) श्रम: भूमि के साथ-साथ उत्पादन कार्य हेतु श्रम की भी आवश्यकता होती है । देश की जनसंख्या श्रम शक्ति को उपलब्ध कराती है ।

(३) भौतिक पूँजी: उत्पादन कार्यों के लिए हर पल भौतिक पूँजी की आवश्यकता होती है । इन्हें हम दो वर्गों में बाँट सकते हैं (अ) स्थाई पूँजी और (ब) कार्यशील पूँजी ।

(४) उद्यमी या साहसी: उत्पादन कार्य के लिए साहस की जरुरत होती है जिसे मानव पूँजी कहा जाता है ।

प्रश्न ४. हरित क्रांति क्या है ? उसकी विशेषताओं को लिखें ।

उत्तर: हरित क्रांति उस क्रांति को कहते हैं जिसमें किसान कृषि पैदावार को बढ़ाने हेतु आधुनिक प्रोद्योगिकी का प्रयोग करते हैं । आधुनिक प्रोद्योगिकी के अंतर्गत उत्तम किस्म के बीज, रासायनिक खाद, तथा कीटनाशक दवाएं आती हैं । भारत में हरित क्रांति १८६० के दशक में प्रारंभ हुआ । हरित क्रांति के लिए प्रमुख उत्तरदायी कारण निम्न हैं:

(अ) कृषि पैदावार बढ़ाने के लिए उत्तम किस्म के बीज का प्रयोग

(ब) कृषि में आधुनिक प्राद्योगिकी का प्रयोग

(स) कृषि पैदावार बढ़ाने के लिए रासायनिक खाद, तथा कीटनाशक दवाओं का इस्तेमाल

प्रश्न ५: हरित क्रांति के सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों को लिखें ।

उत्तर: भारत में हरित क्रांति १८६० के दशक के अंतिम वर्षों में हुआ । यहाँ हरित क्रांति की शुरुआत कृषि पैदावार बढ़ाने के लिए हुई । हरित क्रांति के सकारात्मक प्रभाव निम्न रहे:

(अ) कृषि पैदावार विशेषकर गेहूँ और चावल के उत्पादन में काफी हुई ।

(ब) कृषि का आधुनिकीकरण हो पाया ।

हरित क्रांति के निम्न दुष्परिणाम हुए:

(अ) मृदा की उर्वरा शक्ति में कमी आ गई ।

(ब) जमीन के नीचे का जलस्तर और नीचे चला गया ।

प्रश्न ६: क्या पालमपुर एक विकसित गाँव है ? तर्कों के साथ व्याख्या करें ।

उत्तर: पालमपुर एक विकसित गाँव है यह निम्नलिखित तर्कों से स्पष्ट है:

(अ) यहाँ मिश्रित फसल उगाई जाती है । यहाँ किसान तीन प्रकार की फसल एक बार में उगाते हैं और कभी भी अपनी भूमि को बेकार नहीं छोड़ते।

(ब) यहाँ के किसान कृषि के आधुनिकतम सुविधाओं का उपयोग करते हैं ।

(स) यहाँ उत्पादों को बेचने के लिए बाजार उपलब्ध है तथा किसानों और उनके परिवारवालों की शिक्षा के लिए उत्तम व्यवस्था है ।

(द) परिवहन की अच्छी सुविधा उपलब्ध है ।

प्रश्न ७: कर्ज के कौन-कौन से विभिन्न तरीके हैं जिसके द्वारा रूपया उधार ले सकते हैं ? उनके गुण और दोषों को बतायें ।

उत्तर: गुण:

(क) अधिकतर किसान बड़े किसानों से या साहुकारों से रुपया उधार लेते हैं जिसके भुगतान में काफी लचीलापन पाया जाता है ।

(ख) कुछ किसान परिवार बैंक तथा सहकारी समितियों से भी रुपया उधार लेते हैं ।

(ग) किसानों से लिए गए ऋण पर कम ब्याज देना पड़ता है ।

दोष:

(क) साहूकार तथा व्यापारी वर्ग किसानों से ऊँची ब्याज वसूलते हैं जिसका उनके विकास पर बुरा असर पड़ता है ।

उच्च स्तरीय कौशल वाले प्रश्न :

प्रश्न १: स्थिर पूँजी और कार्यशील पूँजी में क्या अंतर है ?

उत्तर: स्थिर पूँजी में उत्पादन के स्थाई साधनों का प्रयोग कई वर्षों तक होता है । इसके अंतर्गत आधुनिकतम औजारों और मशीनों का प्रयोग होता है । इसके अंतर्गत औजार, मशीन और भवन आते है ।

कार्यशील पूँजी के अंतर्गत उत्पादन के विभिन्न साधन का प्रयोग होता है । इसमें मुद्रा और कच्चामाल भी उत्पादन के लिए जरुरी रूप से शामिल होता है ।

प्रश्न २: पालमपुर के कुछ गैर कृषि कार्यों को लिखें ।

उत्तर: पालमपुर गाँव के रहनेवाले अधिकांश लोग कृषि कार्यों में लगे हुए हैं । केवल २५% लोग गैर- कृषि कार्यों में लगे हुए हैं जो निम्न हैं :

(क) डेयरी (ख) छोटे इकाई की विनिर्माण कार्य (ग) दुकानदारी (घ) परिवहन (ङ) खनन

प्रश्न ३: हरित क्रांति क्या है ? इसका प्रभाव केवल गेहूँ और चावल के उत्पादन तक ही क्यों रह गया ?

उत्तर: भारत में हरित क्रांति १९६० के दशक के अंतिम वर्षों में हुआ इसका उद्देश्य गेहूँ और चावल के उत्पादन में भारी वृद्धि करना था । इस क्रांति का प्रभाव पंजाब, हरियाणा तथा पश्चिम उत्तर प्रदेश तक ही सीमित रह गया । इस दौरान रासायनिक खादों, उन्नत बीजों, कीटनाशक दवाओं तथा संयुक्त सिंचाई का सहारा लिया गया ।

प्रश्न ४: भूमि क्या है ? तीन प्रकार के तरीके बतायें जिससे भूमि को बचाए रखा जा सकता है ।

उत्तर: भूमि उत्पादन का एक प्रमुख साधन है । यह प्रकृति की नि :शुल्क देन है । सभी प्रकार की क्रियाएं भूमि पर ही संपन्न होती हैं । भूमि की आवश्यकताओं को हम निम्न आधारों पर बयाँ कर सकते हैं ।

रासायनिक खादों एवं कीटनाशक दवाओं का कम से कम इस्तेमाल करना वर्ना भूमि की उर्वरा शक्ति कम जाएगी ।

(क) फसल चक्र के द्वारा भी भूमि की उर्वरा शक्ति को बचाया जा सकता है ।

(ख) बचे हुए रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशक दवाओं को जल में नहीं फेंकना चाहिए नहीं तो इससे प्रदूषण काफी बढ़ जाता है ।

(ग) भूमिगत जल का उचित प्रयोग ।

अर्थशास्त्र

अध्याय — 2 संसाधन के रूप में लोग

<u>अवधारणाए□</u>

मानव विभिन्न तरह की कियाओं को करता है जिसे दो समूहों आर्थिक और गैर आर्थिक समूहों मे विभाजित किया जा सकता है।

<u>आर्थिक कियाकलाप</u> — आर्थिक कियाकलाप से तात्पर्य उन कियाकलापों से है जो किसी आर्थिक लाभार्जन के लिए किया जाता है कामगारों, कृषकों□दुकानदारों□विनिर्माणकों□चिकित्सकों□वकीलों□टैक्सी चालकों इत्यादि द्वारा किये जाने वाले कृत्य।

<u>गैर आर्थिक कियाकलाप</u> —गैर आर्थिक कियाकलापों से तात्पर्य उन कियाकलापो से है जो किसी आर्थिक लाभार्जन हेतु नहीं किये जाते हैं पूजा–पाठ□घर की देखरेख□गरीबो की सहायता इत्यादि।

<u>आर्थिक कियाओं का वर्गीकरण</u>— विभिन्न आर्थिक कियाकलापों को तीन प्रमुख क्षेत्रकों में वर्गीकृत किया जा सकता है जैसे प्राथमिक क्षेत्रक□द्वितीय क्षेत्रक एवं तृतीय क्षेत्रक।

प्राथमिक क्षेत्रक कियाकलापों में शामिल है —

कृषि, वानकी, पशुपालन, मत्स्योपालन, मुर्गीपालन तथा खनन। इस क्षेत्र के तहत वस्तुओं का उत्पादन प्रकृति का दोहन करके किया जाता है।

द्वितीयक क्षेत्रक— इसके तहत शामिल है विनिर्माण तथा निर्माण सम्बन्धी कार्य।

तृतीयक क्षेत्रक को सेवा क्षेत्रक भी कहा जाता है। तृतीयक क्षेत्रक विभिन्न प्रकार की सेवाएँ प्रदान करता है जैसे यातायात, परिवहन□ बैकिंग□शिक्षा□बीमा□स्वास्थ्य एवं पर्यटन इत्यादि।

→<u>बाजार कियाएँ और गैर बाजार कियाएँ</u> —बाजार कियाएँ वे कियाएँ हैं जो वेतन या लाभ के उद्देश्य से की जाती है जिसके लिए पारिश्रमिक का भुगतान किया जाता है।

गैर बाजार कियाओं से अभिप्राय स्व उपयोग के लिए उत्पादन से है इसमें प्राथमिक उत्पादों और प्रसंस्करण तथा अचल सम्पत्तियों का स्वलेखा उत्पादन आता है।

→<u>महिलाओं के कियाकलाप</u>— महिलाएँ सामान्य तौर पर घरेलू कार्यो यथा भोजन पकाना कपड़े धोना बर्तन धोना, एवं घर तथा बच्चों की देखभाल इत्यादि कृत्यों को करती है।

→<u>मानव पूँजी</u>— मानव पूंजी का तात्पर्य मानव में निहित कौशल एवं उत्पादन के ज्ञान का स्टॉक है। जब शिक्षा प्रशिक्षण और चिकित्सा सेंवाओं में निवेश किया जाता है तो वही जनसंख्या मानव पूँजी में बदल जाती है।

→<u>जनसंख्या की गुणवत्ता</u>—जनसंख्या की गुणवत्ता निर्भर करती है सक्षारता दर, जीवन प्रत्याशा तथा कौशल विकास जो किसी देश के द्वारा प्राप्त किया जाता है।

→<u>मानव पूँजी निर्माण</u>—जब विद्यमान मानव संसाधान को और अधिक शिक्षा तथा स्वास्थ्य द्वारा और विकसित किया जाता है तब हम इसे मानव पूँजी निर्माण कहते है।

→<u>शिक्षा की भूमिका</u>— मानव संसाधन विकास हेतु शिक्षा एक बहुत ही महत्वपूर्ण घटक है । समाज के विकास व वृद्धि में शिक्षा के योगदान को देखते हुए सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में शिक्षा पर सरकारी खर्च **1951- 52** के **0. 64** प्रतिशत से बढ़कर **2002- 03** में **3. 98** प्रतिशत हो गया है। यद्यपि हमारा राष्ट्रीय लक्ष्य इसे बढ़ाकर सकल घरेलू उत्पाद का **6** प्रतिशत तक बढ़ाना है।

→<u>स्वास्थ्य</u> — स्वास्थ्य एक अन्य प्रमुख घटक है मानव संसाधन विकास का। कामगारों को कार्यक्षमता व्यापक तौर पर उनके स्वास्थ्य पर निर्भर करता है। विगत कुछ दशकों में देश के स्वास्थ्य मानकों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है ।

जीवन प्रत्याशा जो **1951** में **37. 2** वर्ष था वह बढ़कर **2001** में **63. 9** वर्ष हो गया है इसी प्रकार शिशु मृत्यु दर भी इस समयावधि में **147** से गिरकर **70** प्रति **1000** हो गया हे।

→<u>बेरोजगारी</u> — बेरोजगारी उस समय विद्यमान कही जाती है जब प्रचलित मजदूरी की दर पर काम करने के लि्ए इच्छुक लोग रोजगार नहीं पा सकें। जब हम बेरोजगार लोगों की बात करते हैं तो हमारा आशय उस श्रम बल जनसंख्या से है जिनकी उम्र **15** वर्ष से **59** वर्ष के बीच है।

→<u>भारत में बेरोजगारी की प्रकृति</u> — भारत में ग्रामीण तथा नगरीय क्षेत्रो में बेरोजगारी की प्रकृति में अंतर है।

मौसमी बेरोजगारी तब होती है जब लोग वर्ष के कुछ महीनों में रोजगार प्राप्त नहीं कर पाते हैं ।कृषि पर आश्रित लोग आमतौर पर इस तरह की समस्या से जूझते है।

प्रच्छन्न बेरोजगारी के अन्तर्गत लोग नियोजित प्रतीत तो होते हैं किन्तु उनका वास्तविक योगदान लगभग नगण्य होता है । इस प्रकार की गरीबी प्रमुखत: ग्रामीण क्षेत्रो में देखने को मिलता है।

→बेरोजगारी के परिणाम—

(1) बेरोजगार मानव संसाधन के क्षय को आगे बढ़ाता है।

(2) बेरोजगारी कार्यशील जनसंख्या पर आर्थिक बोझ को बढ़ाता है।

(3) बेरोजगारी समाजिक अशांति एवं तनाव को बढ़ता है।

<u>बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक)</u>

प्र0 1) महिलाओं के बीच साक्षरता की दर निम्न क्यों है☐

(क) समान शैक्षिक अवसरों की कमी (ख) परिवहन सुविधाओं की कमी

(ग) अध: संरचना का अभाव (घ) आय का अभाव

प्र0 2) 2001 की जनगणना के अनुसार किस राज्य की साक्षरता दर सर्वाधिक है☐

(क) केरल (ख) मध्य प्रदेश (ग) बिहार (घ) उड़ीसा

प्र0 3) निम्नलिखित में से कौन सा महत्वपूर्ण कदम 6 से 14 वर्ष के आयु समूहों के बच्चों को आधारित शिक्षा प्रदान करने को सुनिश्चित करता है☐

(क) सर्व शिक्षा अभियान (ख) वयस्क शिक्षा कार्यक्रम

(ग) मघ्याह्ना भोजन (घ)इनमें से कोई नहीं

प्र0 4) बाजार कियाएँ............. के लिए उत्पादन को कहा जाता है☐

(क) विनिमय (ख) आय की प्राप्ति

(ग) लाभ की प्राप्ति (घ) उपरोक्त सभी

प्र0 5) जीवन की दीर्धता में वृद्धि सूचक है☐

(क) जीवन की अच्छी गुणवत्ता की (ख) स्वास्थ्य क्षेत्रक में प्रगति की

(ग) बेहतर मानव विकास सूचकांक (घ) उपरोक्त सभी

प्र0 6) स्वउपभोग कहलाता है☐

(क) गैर उत्पादन कियाकलाप (ख) गैर बाजार किया कलाप

(ग) गैर आर्थिक कियाकलाप (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

प्र0 7) निम्नलिखित में से कौन सा एक द्वितीयक क्षेत्रक कियाकलाप में शामिल है☐

(क) व्यापार (ख) विपणन (ग)विनिर्माण (घ)शिक्षा

प्र0 8) कोई एक व्यक्ति जो किसी भी एक भाषा में लिख पढ़ एवं समझ पाने मे सक्षम होता है कहा जाता है ☐

(क) विद्यार्थी (ख) वयस्क (ग) बच्चा (घ) साक्षर

प्र0 9) विश्व में वैज्ञानिक एवं तकनीकी मानव बल के रूप में भारत का कौन सा स्थान है☐

(क) प्रथम (ख) द्वितीयक (ग) तृतीयक (द्य) चतुर्थ

प्र0 10) निम्नलिखित में से किस पर व्यय मानव पूँजी में निवेश कहलाता है☐

(क) शिक्षा (ख) प्रशिक्षण (ग) चिकित्सीय देखरेख (द्य) उपरोक्त सभी

प्र0 11) ग्रामीण क्षेत्रों में कुशाग्र बुद्धि वाले बच्चों को शिक्षा प्रदान करने के लिए अवासीय विद्यालयों की स्थापना जिस योजना के तहत की गई उसे कहा जाता है ☐

(क) केन्द्रीय विद्यालय (ख) नवोदय विद्यालय

(ग) सर्वोदय विद्यालय (द्य) उपरोक्त में से कोई नही

प्र0 12) गृहणियों द्वारा प्रदत्त सेवाएँ शामिल है☐

(क) राष्ट्रीय आय में (ख) घरेलू आय में

(ग) पारिवरिक आय में (घ)उपरोक्त में से कोई नहीं

प्र0 १३) शिशु मृत्यु दर का तात्पर्य कितनी आयु तक के बच्चों की मृत्यु से है—

(क) 1 वर्ष (ख) 2 वर्ष (ग) 3 वर्ष (घ) 4 वर्ष

प्रश्न 14) गैर कियाकलापों को चुनें—

(क) विलास द्वारा गा□के बाजार में मछली बेचना।

(ख) विलास द्वारा अपने परिवार के लिए भोजन पकाना।

(ग) सकल का एक निजी फर्म में काम करना।

(घ) सकल द्वारा अपने छोटे भाई बहनों की देखरेख करना।

(1) क एवं ख (2) ग एवं घ (3) क एवं ग (4) ख एवं घ

प्रश्न 15 निम्नलिखित में से कौन सा एक प्राथमिक क्षेत्रक कियाकलाप है □

(क) वानिकी (ख) मुर्गीपालन (ग) पशुपालन (घ) विनिर्माण

(१)(क) (२) (क) (ख) (ग) (३) (ख) (ग) (घ) (४)उपरोक्त सभी

प्रश्न 16 तृतीयक क्षेत्रक प्रदान करता है—

(क) सेवाए□(ख) वस्तुए□(ग) वस्तुए□एवं सेवाए□दोनों (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

प्रश्न 17 जनसंख्या की गुणवत्ता निर्भर करती है □

(क) साक्षारता दर पर

(ख) स्वास्थ्य पर

(ग) कौशल पर

(घ) उपरोक्त सभी पर

प्रश्न 18 संसाधन के रूप में लोग से तात्पर्य है □

(क) शैक्षिक कौशल (ख) उत्पादकीय कौशल

(ग) स्वास्थ्य कौशल (घ) उपरोक्त में से कोई नही

प्रश्न 19 मौसमी बेरोजगारी कहा□पायी जाती है □

(क) शहरी क्षेत्रो मे

(ख) ग्रामीण क्षेत्रों में

(ग) दूरदराज के क्षेत्रो में

(घ) शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रो में

प्रश्न **20** अभिभावकों द्वारा घूस देना है एक ☐

(क) आर्थिक कियाकलाप (ख) बाजार कियाकलाप

(ग) गैर आर्थिक कियाकलाप (घ) उपरोक्त मे से कोई नहीं

प्रश्न **21** व्यक्ति जो अपनी इच्छानुसार काम नहीं कर रहा है शामिल है ☐

(क) मौसमी बेरोजगारी (ख) प्रच्छन्न बेरोजगारी

(ग) शैक्षिक बेरोजगारी (घ) उपरोक्त में से कोई नही

प्रश्न **22** प्रच्छन्न बेरोजगारी की स्थिति वह है जब एक खेत पर कार्य करने वाले लोगों की संख्या ☐

(क) आवश्यकतानुसार होती है (ख) आवश्यकता से अधिक होती है

(ग) आवश्यकता से कम होती है (घ) उपरोक्त में से कोई नही

प्रश्न **23** यदि एक व्यक्ति वर्ष के कुछ महीनों के दौरान काम नहीं पाता है तो इस तरह की बेरोजगारी को कहते है ☐

(क) संरचनात्मक बेरोजगारी (ख) चकीय बेरोजगारी

(ग) मौसमी बेरोजगारी (घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न **24 2011** की जनगणना के अनुसार भारत की सक्षारता दर है☐

(क) **60** प्रतिशत (ख) **62** प्रतिशत (ग) **74** प्रतिशत (घ) **70** प्रतिशत

प्रश्न **25 2011** की जनगणना के अनुसार भारत का लिंगानुपात क्या है ☐

(क) प्रति **1000** पुरूष पर **921** महिलाए☐

(ख) प्रति **1000** पुरूष पर **930** महिलाए☐

(ग) प्रति **1000** पुरूष पर **928** महिलाए☐

(घ) प्रति **1000** पुरूष पर **933** महिलाए☐

प्रश्न 26) वानिकी एवं डेयरी किससे सम्बन्धित है □

(क) प्राथिमिक क्षेत्रक (ख) द्वितीय क्षेत्रक

(ग) तृतीय क्षेत्रक (घ) उपरोक्त में से कोई नही

प्रश्न 27) पी॰ एच॰ सी॰ का विस्तृत रूप क्या है ?

(क) सार्वजनिक स्वास्थ्य क्लव (ख) निजी स्वास्थ्य क्लव

(ग) प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (घ) इनमें से कोई नही

प्रश्न 28) निम्नलिखित में से किस क्षेत्र में प्रच्छन्न बेरोजगारी पायी जाती है □

(क) उद्योग में ख) कृषि में

(ग) खनन में (घ) मत्स्योत्पादन

प्रश्न 29) सर्व शिक्षा अभियान का क्या उद्देश्य है □

(क) महिलाओं को प्रारम्भिक शिक्षा देना

(ख) ग्रामीण निर्धनों को प्रारम्भिक शिक्षा देना

(ग) 6–14 आयु समुह के सभी बच्चों को प्रारम्भिक शिक्षा प्रदान करना

(घ)शहरी निर्धनो को प्रारम्भिक शिक्षा देना

प्रश्न 30) निम्नलिखित में से कौन सा तृतीयक क्षेत्रक से सम्बन्धित है □

(क) कृषि (ख) वानकी (ग) मुर्गीपालन (घ) खनन

प्रश्न 31) निम्नलिखित में से कौन एक सर्वाधिक श्रम प्रधान क्षेत्रक है □

(क) कृषि (ख) मत्स्योपालन (ग) मुर्गीपालन (घ) खनन

प्रश्न 32) निम्नलिखित में से कौन सा एक आर्थिक कियाकलाप है □

(क) एक नर्स द्वारा अपने घर मे किये जाने वाले घरेलू कार्य

(ख) एक चिकित्सक द्वारा घर में किये जाने वाले घरेलू कार्य

(ग) विद्यालय में एक शिक्षक द्वारा किया जाने वाला कार्य

(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

प्रश्न 33) निम्नलिखित में से कौन सा एक अभिभावकों द्वारा 'सदगुणीय चक के निर्माण हेतू महत्वपूर्ण समझा जाता है □

(क) उनके द्वारा अपने बच्चो को विद्यालय भेजना

(ख) उनके द्वारा अपने बच्चों को अच्छा भोजन प्रदान करना

(ग) उनके द्वारा अपने बच्चों को नियमित विद्यालयों को भेजना

(घ)अपने बच्चों के स्वास्थ्य एवं शिक्षा की देखरेख करना

प्रश्न 34) 2001 की जनगणनानुसार शिशु मृत्यु दर थी □

(क) 85 (ख) 70 (ग) 75 (घ) 35

प्रश्न 35) 2001 की जनगणना के अनुसार भारत की जीवन प्रत्याशा है □

(क) 72 वर्ष (ख) 53 वर्ष (ग) 64 वर्ष (घ) 80 वर्ष

प्रश्न 36 10 वीं पंचवर्षीय योजना में किये गए प्रयासों के तहत उच्च शिक्षा में नामांकन को 6 से कितना प्रतिशत बढ़ाकर करने की बात कही गई है□

(क) 7 प्रतिशत (ख) 9 प्रतिशत (ग) 10 प्रतिशत (घ) 12 प्रतिशत

प्रश्न 37) किसी देश में शिशु मृत्यु दर में गिरावट है □

(क) जीवन प्रत्याशा में वृद्धि को

(ख) सकल राष्ट्रीय उत्पाद मे वृद्धि को

(ग) देश के आर्थिक विकास को

(घ) देश में महाविद्यालयों की संख्या में वृद्धि को

प्रश्न 38) जनसंख्या के सम्बन्ध में निम्नलिखित मे से कौन सा एक विषमांगी है □

(क) शिक्षा (ख) चिकित्सीय देखरेख

(ग) शिशु मृत्यु दर (घ) कम्प्यूटर

प्रश्न 39) प्रति 1000 पुरूषों पर महिलाओं की संख्या बताती है□

(क) लिंगानुपात (ख) साक्षरता दर

(ग) शिशु मृत्यु दर (घ) जन्म दर

लघु उत्तरीय प्रश्न (3 अंक वाले)

प्रश्न 1) गृहणियों द्वारा किये जाने वाले घरेलू कृत्यो को क्यों आर्थिक कियाकलापों में शामिल नहीं किया जाता है □

उत्तर □– समान्यतया भारत में गृहणियों द्वारा किये जाने कियाकलापों में शामिल है – भोजन पकाना□कपड़े धोना□बर्त्तन धोना तथा बच्चों की देखभाल करना इत्यादि। ये सभी कियाकलाप आर्थिक व उत्पादकीय कियाकलाप नही समझे जाते हैं□प्रमुखत□दो कारणो से-

1 ये सभी कियाकलाप प्यार व लगाव वश किये जाते है जिसका मूल्य निर्धारण संभव नहीं है।

2 यह वस्तुओं एवं सेवाओं के प्रवाह में किसी तरह का जुड़ाव नही करता ।

प्रश्न 2 क्या निम्नलिखित कियाकलाप आर्थिक अथवा गैर आर्थिक कियाकलाप है□कारण बताए□

(क) विलास द्वारा ग्रामीण बाजार में मछली बेचना ।

(ख)विलास द्वारा अपने परिवार के लिए घर में भोजन बनाना

(ग)सकल का एक निजी फर्म में काम करना

(घ) सकल द्वारा अपने छोटे भाई□बहनों की देखभाल करना।

उत्तर □– (क) यह एक आर्थिक कियाकलाप है□जिसके द्वारा पारिश्रमिक की प्राप्ति होती है।

(ख) यह एक गैर आर्थिक कियाकलाप है। यह एक घरेलू सेवा है।

(ग) यह एक आर्थिक कियाकलाप है क्योंकि यह आर्थिक लाभ की प्रत्याशा में किया जाता है।

(घ)यह एक गैर –आर्थिक कियाकलाप है जो प्यार व लगाव वश किया जाता है।

प्रश्न 3) बाजार कियाकलापों एवं गैर बाजार कियाकालापों के बीच अंतर स्पष्ट करें□

उत्तर □– बाजार कियाकलाप से तात्पर्य उन कियाकलापों से है जो किसी पारिश्रमिक की प्रत्याशा से किया जाता है। इसमें शामिल है वस्तुओं एवं सेवाओं का उत्पादन बाजार में बिकी हेतू।

गैर बजार कियाकलाप से तात्पर्य उन उत्पादकीय कियाओं से है जो स्वउपयोग हेतु संपादित किये जाते है । उदाहरणार्थ प्राथमिक वस्तुओं का प्रसंस्करण।

प्रश्न 4) ऐच्छिक एवं अनैच्छिक बेरोजगारी में अंतर स्पष्ट करें □

उत्तर □– एक व्यक्ति को तब बेरोजगार कहा जाता है जब उसे प्रचलित मजदूरी दर पर काम करने के लिए योग्य एवं इच्छुक होने पर भी काम नही मिल पाता है।इसे अनैच्छिक बेरोजगारी कहते है।

दूसरी तरफ यदि कोई व्यक्ति प्रचलित मजदूरी की दर पर काम करने के लिए इच्छुक न हो तो उसे ऐच्छिक बेरोजगारी कहेंगे। इस परिस्थिति मे उसे बेरोजगार नहीं कहा जा सकता है।

प्रश्न 5) भारत में जनसंख्या के वितरण के लिए उत्तरदायी कारकों की चर्चा करें□

उत्तर □– जनसंख्या के वितरण को प्रभावित करने वाले कारक निम्नलिखित है—

1 भूमि का उच्चावच

2 संसाधनों की उपलब्धता

3 जलवायु

4 मानवीय कारक – यथा शहरीकरण का स्तर□सुविधाओं का स्तर आदि।

प्रश्न 6) मानव संसाधन क्यों सर्वाधिक महत्वपूर्ण संसाधन है□मानव संसाधन की गुणवत्ता वृद्धि हेतू क्या कदम उठाए जा सकते है□मानव संसाधन की गुणवत्ता में वृद्धि किस तरह गुणात्मक चक की स्थापना में सहायता करता है□

उत्तर □– विद्यमान मानव संसाधन को अधिक शिक्षा एवं अच्छे स्वास्थ्य की उपलब्धता द्वारा अधिक विकसित किया जा सकता है जो भौतिक पूँजी□ निर्माण की तरह हीं देश की उत्पादकीय शक्ति में योगदान देता है।

मानव संसाधन की गुणवत्ता को अच्छी शिक्षा□भोजन तथा स्वास्थ्य सुविधाओं द्वारा उन्नत किया जा सकता है।जनसंख्या की गुणवत्ता को साक्षरता दर□जीवन प्रत्याशा एवं कौशल विकास द्वारा बढ़ाया जा सकता है।

गुणात्मक चक की स्थापना में मानव संसाधन की गुणवत्ता मे वृद्धि दो तरीके से भूमिका निभाती है –

1 यह देश की उत्पादकीय शक्ति में बहुत योगदान देता है।

2 उच्च आय की संभावनाओं में वृद्धि करती है।

प्रश्न 7 किस तरह किसी एक अर्थव्यवस्था की सम्पूर्ण वृद्धि पर बेरोजगारी का निर्णायक प्रभाव पड़ता है□

उत्तर □– बेरोजगारी की अवस्था में मानव शक्ति जो किसी अर्थव्यवस्था के लिए परिसम्पति होती है एक बोझ में परिवर्तित हो जाती है।

1 यह आर्थिक बोझ को बढ़ा देता है तथा

2 यह सामाजिक बर्बादी का कारण बनता है।

प्रश्न **8** बेरोजगारी क्या है□ग्रामीण बेरोजगारी के दो रूपों की व्यख्या करें□

उत्तर □– बेरोजगारी उस अवस्था को कहते है जब मजदूरी की प्रचलित दर पर काम करने के लिए योग्य एवं इच्छुक होने पर भी व्यक्ति को काम नहीं मिल पाता है।

ग्रामीण क्षेत्र में पायी जाने वाली दो तरह की बेरोजगारी है—आवश्यक्ता से अधिक व्यक्तियों का किसी एक कार्य मे संलग्न होने की अवस्था प्रच्छन्न बेरोजगारी कहलाती है। उदाहरणार्थ यदि किसी कृषि कार्य में आठ व्यक्ति लगे हुए है जबकि वह कार्य पांच व्यक्तियों के लिए ही पर्याप्त था तथा तीन अतिरिक्त व्यक्तियों को कार्य से हटा लेने पर भी उत्पादन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता तो उन तीन व्यक्तियों को प्रच्छन्न बेरोजागार कहेंगें जिनकी उत्पादकता लगभग शून्य है।

मौसमी बेरोजगारी वह अवस्था है जब व्यक्ति को साल के कुछ महीनों में काम नहीं मिल पाता।

प्रश्न **9** शिशु मृत्यु दर क्या है□शिशु मृत्यु दर में गिरावट क्यों आ रही है□

उत्तर □– शिशु मृत्यु दर से तात्तपर्य सामान्यत□एक निश्चित कालखंड (प्राय□एक वर्ष)में एक वर्ष व उससे कम आयु के कुल बच्चों की मृत्यु से है।शिशु मृत्यु दर मे गिरावट के निम्नलिखित कारण है—

1 चिकित्सीय सुविधाओं में वृद्धि के कारण जीवन प्रत्याशा में हुई वृद्धि।

2 मातृत्व एवं शिशु देखरेख के स्तर मे हुई वृद्धि तथा संकमण के खिलाफ सुरक्षा के स्तर में वृद्धि।

प्रश्न **10** बेरोजगारी की हानियों की विस्तृत व्याख्या करें□

उत्तर □– **1** यह मानव बल की बर्बादी का कारण बनता है।

2 यह देश की आर्थिक बोझ में वढ़ोत्तरी करता है।

3 यह किसी अर्थव्यवस्था के सम्पूर्ण विकास को प्रभावित करती है।

प्रश्न **11** भारत में सक्षारता की स्थिति के उन्नयन हेतु सरकार द्वारा लिए गए तीन प्रमुख उपायों को बताए□

उत्तर □– **1** नवोदय विद्यालय की स्थापना।

2 सर्व शिक्षा अभियान की शुरूआत

3 मध्यान्ह भोजन योजना की शुरूआत

प्रश्न **12** जनसंख्या बोझ को परिसम्पत्ति में परिवर्त्तित करने हेतु तीन उपायों को सुझाए□

उत्तर □– **1** साक्षरता दर में वृद्धि के प्रयास।

2 जन स्वास्थ्य की स्थिति में वढ़ोत्तरी।

3 कौशल विकास व निर्माण का प्रयास।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (5 अंक वाले)

प्रश्न 1) सम्पूर्ण समाज के लिए किस तरह मानव पूँजी में निवेश बहुत महत्वपूर्ण है ? किन्हीं चार लाभों को बताए?

उत्तर :- मानव पूँजी का तात्पर्य है मानव द्वारा अर्जित ज्ञान, योग्यता, कौशल तथा शारीरिक क्षमता जो उसे अधिक उत्पादन करने हेतु सक्षम बनाता है। मानव तभी एक संसाधन में तब्दील होता है जब उसकी गुणात्मक पहलुओं में विकास होता है। मानव पूँजी व्यक्तिगत तथा सामाजिक दोनों हीं स्तरों पर लाभदायक सिद्व होता है।

1 मानव पूँजी देश के सामाजिक विकास में योगदान करता है।

2 मानव पूँजी देश के आर्थिक विकास में योगदान करता है।

3 मानव पूँजी देश में मौजूद संसाधनों के बेहतर उपयोग को सुनिश्चित करता है।

4 मानव पूँजी अविकसित अवस्था से विकसित अवस्था की ओर दौड़ लगाने में मदद करती है।

प्रश्न 2) क्या जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण आवश्यक है?

उत्तर :- भारत की विशाल जनसंख्या देश की आर्थिक विकास में एक अवरोध के रूप में खड़ी दिखाई देती है तथा इस पर अविलम्ब नियंत्रण की आवश्यक्ता है क्योंकि

1 अत्यधिक जनसंख्या के कारण राष्ट्रीय आय में वृद्धि के बावजूद प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि नहीं हो पायी है।

2 तीव्र जनसंख्या वृद्धि ने बेरोजगारी की समस्या पैदा की है।

3 तीव्र जनसंख्या वृद्धि ने शहरों में भीड़-भाड़ को बढ़या है तथा आवश्यक सुविधाओं पर बोझ बढ़ा दिया है।

प्रशन 3) भारत मे बेरोजगारी की समस्या को सुलझाने हेतु सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की व्याख्या करें?

उत्तर :-1 गाँव में विद्यालयों की स्थापना।

2 लघु विनिर्माण इकाईयों की अधिकाधिक स्थापना।

3 आधुनिक कृषि पद्वतियों की शुरूआत।

4 प्रर्याप्त एवं उचित स्वास्थ्य सुविधाओं की उपल्ब्धता सुनिश्चित करना।

प्रश्न 4) बेरोजगारी को कम करने हेतु सरकार द्वारा उठाई गई रणनीतियाँ क्या है?

उत्तर :-बेरोजगारी को कम करने हेतु सरकार द्वारा उठाई गई रणनीतियाँ निम्नलिखित है :-

1 ग्रामीण रोजगार योजना - हमारी सरकार ने स्वरोजगार अवसरों को बढ़ाने हेतु विभिन्न योजनाएँ शुरू की है, यथा- स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना 1999।

2 श्रम–रोजगार योजनाएं– इसका मुख्य उद्देश्य है ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को मजदूरी प्राप्त करने का अवसर उपलब्ध कराना। **1999** अप्रैल में इस तरह की सभी योजनाओं को मिलाकर उन्हें जवाहर ग्राम समृद्धि योजना का नाम दिया गया।

3 शहरी क्षेत्रों में शिक्षित बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध कराने हेतु विविध योजनाएं– प्रधानमंत्री रोजगार योजना, स्वर्ण जयंती शहरी रोजगार योजना आदि सरकार के द्वारा प्रारम्भ किया गया है।

प्रश्न **5**)आर्थिक विकास में मानव संसाधन की भूमिका का संक्षेप में वर्णन करें?

उत्तर :–**1** यह उच्च्व उत्पादकता को सुनिश्चित करता है। मानव पूंजी में निवेश उच्च्व उत्पादकता को बढ़ाता है। हरित कांति एवं सूचना कांति मानव संसाधन विकास का ही उदाहरण है।

2 संसाधनों के बेहतर उपयोग को सुनिश्चित करता है।

3 मानव संसाधन विकास अर्थव्यवस्था में मांग को पैदा करता है जो विकास को गति देता है।

प्रश्न **6**) वे कौन से कारक है जो ग्रामीण लोगों को शहरों की और प्रवास करने को बाध्य करता है?

उत्तर :–**1** बेहतर शैक्षिक सुविधाओं की उपलब्धता — शहरों में ज्यादा व्यस्थित एवं ज्यादा गुणवत्ता वाली शिक्षा व शैक्षिक सुविधाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होती है। रोजगारपरक शिक्षा एवं विशेषज्ञता वाले क्षेत्रो में शिक्षा उपलब्ध होती है।

2 बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता— शहरों मे जटिल से जटिल रोगों के ईलाज की सुविधाएं उपलब्ध होती हैं। जांच–पड़ताल की भी उच्च्व गुणवत्ता वाली सुविधाएं उपलब्ध होती है। फलतः गांव से लोग शहरों की तरफ प्रवास करते हैं।

3 रोजगार सुविधाओं की उपलब्धता— रोजगार के अवसर शहरों में ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना काफी ज्यादा होता है। साथ–ही–साथ रोजगार सालो भर उपलब्ध होता है तथा पारिश्रमिक की दर भी कफी ज्यादा होती है। फलतः गांवों से लोग शहरो की तरफ प्रवास करते है।

प्रश्न **7**)आर्थिक कियाकलाप क्या है? प्राथिमिक, द्वितीयक एवं तृतीयक क्षेत्रकों में शामिल आर्थिक कियाकलाप क्या–क्या है?

उत्तर :–वैसे सारे कियाकलाप जो हमारी आर्थिक लाभार्जन में मदद करती है आर्थिक कियाकलाप कहलाते है। उदाहरणार्थ रिक्शा चलाना, सब्जियां बेचना, विद्यालयों, उद्योगों एवं बैंको में काम करना।

1 प्राथमिक क्षेत्रक आर्थिक कियाकलाप – प्रकृति प्रदत्त वस्तुओं का संग्रहण अथवा उपयोग यथा–कृषि, मत्स्योत्पादन, मुर्गीपालन एवं खनन इत्यादि।

2 द्वितीयक क्षेत्रक आर्थिक कियाकलाप — वैसे कियाकलाप जिसके द्वारा प्राथमिक उत्पादों अथवा प्रकृति प्रदत्त उत्पादों का प्रसंस्करण कर उसे अधिक मुल्यवान बना दिया जाता है जैसै विनिर्माण ।

3 तृतीयक क्षेत्रक आर्थिक कियाकलाप — वैसी कियाकलाप जो प्राथमिक एवं द्वितीयक क्षेत्रक कियाकलापों को अच्छी तरह संपादित होने में सहायता पहुंचाती है यथा परिवहन सेवा संचार सेवा, बैंकिंग, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं बीमा इत्यादि।

उच्च्व बौद्विक कौशल वाले प्रश्न ः

प्रश्न **1**) सर्व शिक्षा अभियान क्या है? इसके उद्वेश्य क्या हैं?

उत्तर :– सर्व शिक्षा अभियान देश मे **6 –14** वर्ष के आयु समुह के बच्चों को अनिवार्य प्रारम्भिक शिक्षा प्रदान करने की एक व्यापाक योजना है जो वर्ष **2010** में प्रारम्भ किया गया था। यह केन्द्र सरकार का एक समयवद्व प्रयास है जिसमें राज्यों, स्थानीय निकायों एवं वैसे समुदायों की सकिय

भागीदारी है जो प्रारम्भिक शिक्षा के सर्वभौमिकरण के लक्ष्य के लिए कार्य कर रहे हैं।इस योजना के तहत विधार्थियों के नामांकन में वृद्धि को सुनिश्चित करने के लिए मध्यान्ह भोजन की व्यवस्था विद्याालय में की गई है।

प्रश्न **2** मानव संसाधन को परिभाषित करें□मानव संसाधन कब मानव पूंजी बन जाती है□

उत्तर □ किसी देश की वह जनसंख्या जो उत्पादकीय कियाकलापों में संलग्न होती है मानव संसाधन कहलाती है। यह मानव संसाधन तब मानव पूंजी में परिवर्तित हो जाता है जब शिक्षा□प्रशिक्षण तथा स्वास्थ्य में निवेश कर उसकी कार्यक्षमता एवं कार्यकुशलता में बढ़ोत्तरी की जाती है। इस तरह विद्यमान मानव संसाधन को आगे और अधिक विकसित करने को मानव पूंजी निर्माण कहा जाता है। यह मानव पूंजी देश की उत्पादन शक्ति में बढ़ोत्तरी लाता है।

प्रश्न **3** श्रम बल एवं कार्य बल में अन्तर स्पष्ट करें□

उत्तर किसी देश के श्रम बल में वे सभी लोग शामिल है जिनकी आयु **15–60** वर्ष के बीच है तथा वे वास्तव में कार्यशील हैं अथवा काम करने के प्रति इच्छुक हैं।

दूसरी तरफ कार्यबल में वे लोग शामिल हैं जो वास्तव मे किसी उत्पादकीय कार्य में संलग्न हैं तथा उनसे भिन्न हैं जो प्रचलित मजदूरी दर पर काम करने के इच्छुक तो हैं किन्तु उन्हें काम नहीं मिल पाता है।इस तरह दोनों के बीच अन्तर प्रमुखत□लोगों की उस संख्या से है जो वास्तव में बेरोजगार है।

प्रश्न **4** भारत में पायी जाने वाली बेरोजगारी की प्रकृति क्या है□

उत्तर □ भारत में बेरोजगारी एक बड़ी ही व्यापक समस्या है। यह ग्रामीण एवं शहरी दोनों हीं क्षेत्रो मे पायी जाती है।ग्रामीण क्षेत्रों में मौसमी एवं प्रच्छन्न दोनो तरह की बेरोजगारी देखने को मिलती है जबकि शहरी क्षेत्रों में शैक्षिक बेरोजगारी एक गंभीर समस्या है।शहरी क्षेत्रों में स्नातकों एवं परास्नातकों के बीच बेरोजगारी की दर मैट्रिक पास लोगों के बीच बेरोजगारी की दर से कहीं ज्यादा है।

प्रश्न **5** "बेरोजगार एक आर्थिक एवं सामाजिक बुराई है।" इस कथन की व्याख्या करें?

उत्तर □ आज बेरोजगारी देश के सम्मुख खड़ी चुनौतियों में से सर्वाधिक विकराल चुनौती है।हमारा देश उन वस्तुओं एवं सेवाओं की उपलब्धता से वंचित है जो बेरोजगार व्यक्ति उत्पादित कर सकता था। शिक्षित लोगों के बीच मौजूद बेरोजगारी कही ज्यादा गंभीर समस्या है।बेरोजगारी न केवल एक आर्थिक समस्या है अपितु एक सामाजिक बुराई भी है जो सामाजिक अशांति एवं तनाव को जन्म देता है।

प्रश्न **6** दो प्रकार की आर्थिक गतिविधियां क्या हैं □दोनों की दो –दो विशेषताएं लिखें□

उत्तर □ आर्थिक कियाकलाप वे कियाकलाप हैं जो किसी देश के राष्ट्रीय आय में वृद्धि करता है।ये आर्थिक कियाकलाप दो तरह के होते है□

1 बाजार कियाकलाप एवं **2** गैर –बाजार कियाकलाप

बाजार आर्थिक कियाकलाप से तात्पर्य वैसे उत्पादकीय कार्यो से है जो बाजार के लिए संचालित की जाती है तथा उससे मौद्रिक आय की आशा होती है जैसे— कार्यालयों में कार्य करना□विद्यालय मे शिक्षण कार्य अथवा बाजार में विभिन्न प्रकार के सामानों को बेचना।

दूसरी तरफ गैर–बाजार आर्थिक कियाकलाप से तात्पर्य है उन उत्पादन कार्यो से जो स्व उपभोग के लिए संचालित की जाती है।जैसे घरेलू उपयोग के लिए सब्जियों या फसलों का उत्पादन।

समेकित मुल्यांकन द्वितीय

इतिहास

इकाई 1 – भारत और समकालीन विश्व 1– इतिहास

खण्ड 2 – जीविका, अर्थव्यवस्था एवं समाज (कोई एक)

4) आधुनिक विश्व में चरवाहे–

केस– दो चरवाहे समुदाय–एक अफ्रीका व एक भारत से (पाठ 5)

5) वन्य समाज एवं उपनिवेशवाद–

छो वन आंदोलन–एक औपनिवेशिक भारत (बस्तर) से तथा एक इण्डोनेशिया (पाठ 4)

6) किसान और काश्तकार –

ग्रामीण क्षेत्रों व विभिन्न ग्रामीण समाज में हुए बदलाव (अमेरिका में गेंहू व कपास की कृषि, ग्रामीण अर्थव्यवस्था व कृषि क्रांति इंग्लैंड में, औपनिवेशिक भारत में छोटे किसान के सन्दर्भ में अध्ययन (पाठ 6)

खण्ड 3 – रोजाना की जिन्दगी, संस्कृति और राजनीति

7) इतिहास और खेल : क्रिकेट की कहानी (पाठ 7)

8) पहनावे का सामाजिक इतिहास (पाठ 8)

इकाई 2 भारत– देश और निवासी 2

3)	जलवायु	(पाठ 4)
4)	प्राकृतिक वनस्पति	(पाठ 5)
5)	वन्य जीव	(पाठ 5)
6)	जनसंख्या	(पाठ 6)
7)	मानचित्र कार्य	(चार अंक)

इकाई –3 लोकतांत्रिक राजनीति – 1

4)	चुनावी राजनीति	(पाठ 4)
5)	संस्थाओं का कामकाज	(पाठ 5)
6)	लोकतांत्रिक अधिकार	(पाठ 6)

इकाई – 4 आर्थिक विकास की समझ –1

निर्धनता एक चुनौती (पाठ 3)

भारत में खाद्य सुरक्षा (पाठ 4)

पाठ–4

वन्य समाज और उपनिवेशवाद

वन– विनाश

वन विनाश का अर्थ है वनों का लुप्त होना औपनिवेशिक शासन के दौरान इसने कहीं अधिक व्यवस्थित और व्यापक रुप ग्रहण किया।

वन–विनाश क्यों?

1. उन्नीसवीं सदी के यूरोप में बढती शहरी आबादी का पेट भरने के लिए खद्यान्न और औधोगिक उत्पादन के लिए कच्चें माल की जरुरत थी।
2. अंग्रेजो ने व्यावसायिक फसलों जैसे पटसन, गन्ना, गेंहूँ व कपास के उत्पादन को प्रोत्साहित किया।
3. औपनिवेशिका सरकार ने जंगलो को अनुत्पादक समझा। उनके हिसाब से इस व्यर्थ के बियावान पर खेती करके उससे राजस्व और कृषि उत्पादों को पैदा किया जा सकता था।
4. उन्नीसवी सदी की शुरुआत तक इंग्लैण्ड से अनेक जंगल लुप्त होने लगे थे।
    1. नौसेना के लिए लकड़ी की आपूर्ति के लिए वन विनाश किया गया।
    2. रेल लाइनों के प्रसार से रेलवे स्लीपरों की मांग बढ़ी। एक मील लंबी रेल की पटरी के लिए 1760–2000 स्लीपरों की आवश्यकता पड़ती थी।
5. यूरोप मे चाय, काफी व रबड़ की बढती मांग को पूरा करने के लिए इन वस्तुओं के बागान बनें और प्राकृतिक वनों का एक भारी हिस्सा साफ कर दिया गया।

व्यावसायिक वानिकी की शुरुआत–

अंग्रेजो को इस बात की चिंता थी कि स्थानीय लोगो द्वारा जंगलों का उपयोग व व्यापारियों द्वारा पेड़ो की अंधाधुंध कटाई से जंगल नष्ट हो जाएँगे। इसलिए उन्होने डायट्रिच ब्रैंडिस नामक जर्मन विशेषज्ञ को बुलाया गया उसे देश का पहला वन महानिदेशक नियुक्त किया गया।

ब्रैंडिस ने 1864 में भारतीय वन सेवा की स्थापना की और 1865 के भारतीय वन अधिनियम को सूत्रबद्ध करने में सहयोग दिया।

इम्पीरियल फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट की स्थापना 1906 में देहरादून में हुई। यहॉ वैज्ञानिक वानिकी की शिक्षा दी जाती थी।

वैज्ञानिक वानिकी– विविध प्रजाति वाले प्राकृतिक वनों को काट डाला गया। इनकी जगह सीधी पंक्ति में एक ही किस्म के पेड़ो को लगा दिया जाता है। वन अधिकारियों ने जंगल का सर्वेक्षण किया व वन प्रबन्धन की योजना बनायी। उन्होने तय किया कि बागान का कितना क्षेत्र प्रतिवर्ष काटा जाएगा। कटाई के बाद खाली जमीन पर पुनः पेड लगाए जाते थे।

1878 वाले अधिनियम में जंगलो को तीन श्रेणियों में बॉटा गया–

(क) आरक्षित

(ख) सुरक्षित

(ग) ग्रामिण

लोगों का जीवन कैसे प्रभावित हुआ ?

लोगों द्वारा जंगलों से लकडी काटना, पशुओं का चराना, कंद मूल फल इक्ट्ठा करना आदि मना हो गया जिससे उनके पास लकड़ी चुराने के अलावा कोई चारा नहीं था। पकड़े जाने की स्थिति में उनसे घूस ऐठते थे।

वन नियम व कृषि– वन नियमों का सबसे गहरा प्रभाव झूम या धुमंतु खेती की प्रथा पर दिखायी पड़ता है। एशिया, अफ्रीका व दक्षिण अमेरिका के अनेक भागों में यह खेती का एक परम्परागत तरीका हैं।

यूरोपीय वन रक्षकों को झूम खेती, जंगलो के लिए नुकसानदेह था।

1. डनके अनुसार जंगल जलाते समय बाकि बेशकीमती पेड़ों के भी जलने का खतरा रहता है।
2. इस खेती के कारण, सरकार के लिए लगान का हिसाब रखना भी मुश्किल था।

शिकार की आजादी किसे थी ?

वन कानून ने जहॉ स्थानीय लोगों को शिकार करने से मना किया। शिकार करते हुए पकड़े जाने वालों को अवैध शिकार के लिए दंडित किया जाने लगा।

लेकिन दूसरी तरफ यह बड़े जानवरों का आखेट एक खेल बन गया। इसका प्रभाव यह हुआ कि कुछ जानवरों की प्रजाति लुप्त हो गई। अंग्रजो की नजर में बड़े जानवर बर्बर समाज के सूचक थे अतः खतरनाक जानवरों को मार कर वे हिन्दुस्तान को सभ्य बनायेंगे।

नए व्यापार, नए रोजगार और नई सेवाऍ जंगलो पर वन विभाग का नियन्त्रण स्थापित होने से कुछ लोगों को व्यापार के नए अवसरों का लाभ भी मिला।

ब्राजील ऐमेजान के मुनदुरुकु समुदाय के लोग जंगली रबड़ के बृक्षों से 'लेटेक्स' एकत्र करना प्रारम्भ किया।

भारत में अंग्रेजो के आने के बाद से व्यापार पूरी तरह सरकारी नियन्त्रण में चला गया। बड़े– बड़े व्यापारिक कंपनियों को वन उत्पादो के व्यापार की इजारेदारी दी गई। लेकिन काम के नए अवसर से हमेशा उनकी जीवन स्थिति में हमेशा सुधार हों। चाय के बागान में काम करने वाले लोगों का जीवन बहुत कष्टदायक था।

<u>वन – विद्रोह</u>

1910 में हुए बस्तर रियासत में हुआ विद्रोह बहुत चर्चित रहा।

वन आरक्षण ने वस्तर के लोगो की जिन्दगी को बहुत हद तक प्रभावित किया। बस्तर के लोगों को धुमंतु खेती को रोकने, शिकार व वन्य उत्पादों के संग्रह पर पाबंदी ने उन्हें परेशान कर दिया। काफी समय से गॉव वाले जमीन के बढ़े हुए लगान व बेगारी व्यवस्था से त्रस्त थे।

कांगेर वनों के धुरवा समुदाय के लोगों ने विद्रोह किया जिस पर नियन्त्रण पाने में अंग्रेजो को तीन माह लग गये।

विद्रोह से लाभ – आरक्षण का काम कुछ समय के लिए स्थगित कर दिया गया और आरक्षित क्षेत्र को भी 1910 से पहले की योजना से लगभग आधा कर दिया गया।

जावा के जंगलों में हुए बदलाव :–

कलांग समुदाय– जावा के कलांग समुदाय के लोग कुशल लकड़हारे और धुमंतू किसान थे इन्होने 1770 में डच किले पर हमला किया लेकिन इस विद्रोह को दबा दिया गया।

डच वैज्ञानिक वानिकी– उन्नीसवीं सदी में डचों ने जावा में वन कानून लागू किया जिसने ग्रामीणों की जंगल तक पहुॅच पर रोक लगा दी। जंगल की लकड़ियों का प्रयोग जहाज व रेल–लाइनों के निर्माण के लिए किया गया।

डचों ने पहले तो जंगल में खेतो की जमीन पर कर लगा दिया और बाद में कुछ लोगों को मुफ्त में काम करवाने के लिए इस लगान से मुक्त कर दिया।

सामिन की चुनौती

रान्दुब्लातुंग गांव के निवासी सुरोन्तिको सामिन ने जंगलों पर राजकीय मालिकाने पर सवाल खड़ा किया। जल्दी ही यह एक व्यापक आंदोलन में खड़ा हो गया। डच जब जमीन का सर्वेक्षण करने आए तो कुछ सामिनवादियों ने अपनी जमीन पर लेट कर इसका विरोध किया जबकी अन्य लोगों ने लगान या जुर्माना भरने व बेगारी करने से मना किया।

युद्ध और वन–विनाश

- पहले व द्वितीय विश्वयुद्ध का जंगल पर गहरा प्रभाव पड़ा।
- भारत में अंग्रेजों ने जंगी जरुरत को पुरा करने के लिए बेतहाशा पेड़ काटे।
- जावा में भी जापानियों के कब्जे से ठीक पहले डचों ने भस्म कर–भागो नीति अपनायी।
- जापानियों ने भी जावा के जंगलों का अपने युद्ध उद्योग के लिए जंगलों का निर्मम दोहन किया।

वानिकी में नए बदलाव–

अस्सी के दशक में एशिया और अफ्रीका की सरकारों का समझ में आने लगा कि वैज्ञानिक वानिकी व वन समुदायों को बाहर रखना, दोनों ही तनाव व टकराहट का कारण है। अतः वनों का संरक्षण ज्यादा महत्वपूर्ण लक्ष्य बन गया तथा इस कार्य हेतु स्थानीय वन प्रदेशों में रहने वाले लोगों की मदद लेनी होगी।

बहुविकल्पीय प्रश्न

प्रश्न 1. इण्डोनेशिया पर किसका शासन था?

(क) ब्रिटिश (ख) डच

(ग) फ्रांस (घ) पुर्तगाल

प्रश्न 2. इण्डोनेशिया का कौन–सी जगह चावल उत्पादन के लिए प्रसिद्ध हैं?

(क) जावा (ख) सुमात्रा

(ग) बोरनियो (घ) कालिर्मातान

प्रश्न 3. डचों ने वन प्रबन्धन इण्डोनेशिया के किस भाग में प्रारम्भ किया ?

(क) जावा (ख) सुमात्रा

(ग) बाली (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं।

प्रश्न 4. जावा के कलांग कौन थे?

(क) शासक वंश (ख) कुशल वनों के काटने वाले व झूम खेतिहर

(ग) सूदखोर (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं।

प्रश्न 5. कलांगो ने डचों पर हमला किया–

(क) 1700 (ख) 1750

(ग) 1770 (घ) 1800

प्रश्न 6. जावा में डचों द्वारा लागू वन कानूनो के अनुसार–

(क) जंगलों का प्रयोग गांव वालों द्वारा रोका गया।

(ख) लकड़ियों का प्रयोग केवल विशिष्ट कार्यो जैसे जहाज व घर बनाने के लिए किया जा सकता है।

(ग) मवेशियों को चराने पर ग्रामीणों को सजा दिया जाता था।

(घ) उपरोक्त सभी।

प्रश्न 7. 'ब्लैन्डॉगडिएन्स्टेन' व्यवस्था क्या है?

(क) शिक्षा की पद्धति

(ख) औधोगिकरण

(ग) पहले खेतीं की जमीन पर लगान लगाना व बाद में शर्त से मुक्त करना। (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं।

प्रश्न 8. रान्दुब्लातुंग गॉव के निवासी सुरोन्तिको सामिन ने किस प्रश्न को उठाया ?

(क) डचों की विदेशनीति (ख) जंगलो पर राजकीय मालिकाना हक।

(ग) डचों की निर्यात नीति (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं।

प्रश्न 9. प्रथम व द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान ब्रिटिशों ने भारत में जंगल के लिए क्या नीति अपनाई।

(क) वन विभाग द्वारा इंग्लैण्ड के युद्ध जरुरतों को पूरा करने के लिए पेड़ों की कटाई। (ख) पेड़ों की कटाई पर मनाही।

(ग) भारतीय को रोजगार देने के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाया जाना। (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं।

प्रश्न 10. 1980 के दशक में एशिया व अफ्रीका के सरकारों के समक्ष क्या लक्ष्य आया?

(क) वनों का संरक्षण (ख) लकड़ियों को एकत्रित करना

(ग) जंगलों में लोगो को बसाना (घ) पुराने जंगलों को नष्ट कर नए जंगल लगाना

प्रश्न 11. 1923 में 'द फॉरेस्ट्स ऑफ इंडिया' किताब किसने लिखा?

(क) डेविड स्पर (ख) ई0पी0 स्टेबिंग

(ग) वेरियर एल्वीन (घ) जान मिडिलटन

प्रश्न 12. निम्नलिखित में से कौन स्वीडन कृषि से सम्बन्धित नहीं हैं?

(क) करचा (ख) झूमा

(ग) बेवर (घ) पोडू

प्रश्न 13. ' भारतीय वन सेवा' की स्थापना कब हुई?

(क) 1865 (ख) 1864

(ग) 1854 (घ) 1884

प्रश्न 14. निम्नलिखित में से कौन जनजातिय समुदाय से संबंधित नहीं हैं?

(क) कराचा (ख) झूम

(ग) कोरवा (घ) येरुकुला

प्रश्न 15. 'वैज्ञानिक वानिकी' व्यवस्था हैं–

(क) स्थानीय किसानों द्वारा बागान के अनतर्गत स्थाई रुप से कृषि करना। (ख) पुराने पेड़ों को काटना व नए पेड़ों का लगाना।

(ग) जंगलों को तीन श्रेणियों में बांटना

(घ) वनों का लुप्त होना।

प्रश्न 16. किस वर्ष बस्तर विद्रोह हुआ–

(क) 1910 (ख) 1909

(ग) 1911 (घ) 1912

प्रश्न 17. दक्षिण–पूर्व एशिया में स्थानांतरित कृषि को क्या कहते है?

(क) चितमेन (ख) तावी

(ग) लादिंग (घ) मिलपा

प्रश्न 18. गोंड़ जनजातिय समुदाय सम्बन्धित है–

(क) छतीसगढ़ (ख) झारखंड

(ग) जम्मू और कशमीर (घ) गुजरात

प्रश्न 19. वन विभाग द्वारा किन जंगलो को प्राथमिकता दी गई–

(क) जंगल जिनका प्रयोग ईन्धन, चारा व पत्ते इक्ट्ठा करने के लिए हो (ख) मुलायम लकड़ी वाले जंगल

(ग) जंगल जिसमें जहाज व रेल स्लीपर्स बनाने योग्य लकड़ी उपलब्ध हो।

(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं।

प्रश्न 20. निम्नलिखित में से कौन सा समुदाय कुशल लकड़हारे थें?

(क) अफ्रीका के मसाई (ख) छोटानागपुर के मुण्डा

(ग) उड़ीसा के गोड़ (घ) जावा के कलांग

प्रश्न 21. निम्नलिखित में से कौन भारत में स्थानांतरित कृषि से संबंधित नहीं हैं?

(क) पेंदा (ख) बेवर

(ग) खदांद (घ) लादिंग

प्रश्न 22. ब्रिटिश सरकार ने धुमंतु खेती पर रोक क्यों लगवाया?

(क) जंगल के एक भाग को जलने से वेश्कीमती पेड़ो के नष्ट होने का खतरा था। (ख) रेलवे के लिए इमारती लकड़ी वाले पेड़ नहीं उगाये जा सकते थे।

(ग) सरकार के लिए लगान का हिसाब रखना (घ) उपरोक्त सभी।

प्रश्न 23. रेल की पटरियों को जोड़े रखने के लिए जिस चीज का प्रयोग किया जाता है उसे क्या कहते हैं?

(क) बीम (ख) स्लीपर्स

(ग) रेल को रफ्तार देने वाला(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं।

प्रश्न 24. निम्नलिखित में से कौन औपनिवेशिक व्यापार व वस्तुओं के आवागमन के लिए अनिवार्य था?

(क) सड़कमार्ग (ख) रेलमार्ग

(ग) वायुमार्ग (घ) नदी मार्ग

प्रश्न 25. निम्नलिखित में कौन व्यवसायिक फसल है?

(क) चावल (ख) गेंहूँ

(ग) कपास (घ) मक्का

वन्य–समाज और उपनिवेशवाद

लघु उत्तरीय प्रकार के प्रश्न (3 अंक)

प्रश्न 1. वन–विनाश से आप क्या समझते हैं? वन–विनाश को नुकसानदायक क्यों समझा जाता हैं?

उत्तर– 1. जंगलों के विलुप्त होने को वन–विनाश कहते है। जंगलो को विनाश औधोगिक कार्य, कृषि, चारागाह व जलावन की लकड़ी के लिए किया जाता है।

2. वन विनाश हमारे लिए नुकसानदायक है क्योंकि वे कई जानवरों व पक्षियों के घर होते है वन विनाश से उनके घर नष्ट हो जाता है।
3. वन हमारे पारिस्थतिकी तंत्र को सन्तुलित रखते है। वन–विनाश के कारण पारिस्थतिकी तन्त्र नष्ट होता हैं।
4. वनों के विनाश से मृदा अपरदन व मरुस्थलीकरण को बढ़ावा मिलता है।

प्रश्न 2. 'वैज्ञानिक वानिकी' की व्याख्या करें।

उत्तर– 1. वैज्ञानिक वानिकी के नाम पर विविध प्रजाति वाले प्राकृतिक वनों को काट डाला गया। इनकी जगह सीधी पंक्ति में एक ही किस्म के पेड़ लगा दिए गए, इसे बागान कहा जाता है।

2. वन विभाग के अधिकारियों ने जंगलों का सर्वेक्षण किया, विभिन्न किस्म के पेड़ो वाले क्षेत्र की नाप–जोख की और वन प्रबन्धन के लिए योजनाएँ बनायी ।
3. यह भी तय किया गया कि बागान का कितना क्षेत्रफल प्रतिवर्ष काटा जाएगा। खाली जमीन पर पुनः पेड़ लगाए जाने थे ताकि कुछ ही वर्षो में यह क्षेत्र पुनः कटाई के लिए तैयार हो जाए।

प्रश्न 3. वनों के विभिन्न लाभ बताइये?

उत्तर– वनों से हमें अनेक प्रकार के सामान जैसे घास, जलावन लकड़ी, पत्ते, कठोर लकड़ी वाले वृक्ष जहाज या रेल कार्य हेतु लकड़ी मिलता हैं। कई जंगल उत्पाद जैसे फल–फूल जड़ी–बूटियॉ इत्यादि मिलते है।

वनों से ही कागज, मेज–कुर्सियॉ, दरवाजे–खिड़की, मसाले, बीड़ियो के लिए तेंदू पत्ते, गोंद, शहद रबड़ इत्यादि प्राप्त होता है।

वन, वायुमण्डल में नमी बनाए रखते हैं।

प्रश्न 4. धुमन्तु कृषि क्या है? ब्रिटिशों द्वारा इसे क्यों नुकसानदायक बताया गया?

उत्तर– 1. झूम या धुमंतु खेती एशिया, अफ्रीका व दक्षिण अमेरिका के अनेक भागों में किया जाता है। हिन्दुस्तान मे इसे धया, पेंदा, बेवर, नेवड़ झूम पोडू, रवंदाद इत्यादि नामों से जाना जाता है।

2. जंगल के एक टुकड़े को काट कर साफ कर दिया जाता है व जलाया जाता है। मानसून की पहली बारिश के बाद इस राख में बीज बो दिया जाता है। फिर इन्हें एक या दो वर्ष खेती करने के पश्चात् 12 से 18 वर्ष तक परती छोड़ दिया जाता है।

3. ब्रिटिशो द्वारा खेती के इस तरीकों को नुकसानदेह इसलिए बताया गया क्योंकि उन्हें लगता था कि जंगल जलाते समय बेशकीमती पेड़ व कई प्रकार पेड़ो की प्रजातियॉ भी नष्ट हो जाती हैं।

प्रश्न 5. डचों ने 'भस्म–कर–भागो' की नीति युद्ध के समय क्यों अपनाई?

उत्तर– जंगलों को बहुत बड़े संसाधन के रुप में देखा जाता था। औपनिवेशिक सरकारो ने युद्ध संबंधो, जरुरतों को पूरा करने के लिए बेतहाशा पेड़ काटे गए। जावा पर जापानियों के कब्जे से ठीक पहले डचों ने भस्म कर भागों नीति अपनाई जिसके तहत सागौन के विशल लट्ठों के ढेर जला दिए गये ताकि जापानियों के हाथ न लग जाए।

प्रश्न 6. वन कानून किस प्रकार से कृषि को प्रभावित किये?

उत्तर– यूरोपीय औपनिवेशिक काल में सबसे ज्यादा प्रभाव झूम खेती करने वालों पर पड़ा। धुमन्तू या झूम कृषि के अन्तर्गत जंगल के कुछ भागों को बारी–बारी से काटा और जलाया जाता है।

वन कानून द्वारा धुमन्तू कृषि को रोक दिया गया इसका परिणाम यह हुआ कि अनेक समुदायों को जंगलों में उनके घरों से जबरन विस्थापित कर दिया गया। कुछ को अपना पेशा बदलना पड़ा तो कुछ को विद्रोह करना पड़ा।

प्रश्न 7. औपनिवेशिक शासन में कृषि के अन्तर्गत क्षेत्र का विस्तार बढ़ा हैं कैसे?

उत्तर– 1. ब्रिटिश शासन के अन्तर्गत उन्हाने वाणिज्य कृषि पर बल दिया, जूट, कपास, नील इत्यादि की फसलों पर हीं जोर दिया जाता था। साथ ही खाद्यान्न फसलों की भी आवश्यकता थी।

2. औपनिवेशिक सरकार ने सोचा कि वन अनुत्पादक थे। वनों की भूमि को व्यर्थ समझा जाता था ताकि उस भूमि में राजस्व और कृषि उत्पादों को पैदा किया जा सकता था। इससे आय में भी वृद्धि की जा सकती हैं।

प्रश्न 8. भारत में वनों में सुधार के लिए डायट्रिच ब्रांडिस ने क्या उपाय सुझाया?

उत्तर– डायट्रिच ब्रांडिस ने यह सुझाव दिया कि–

1. लोगों को संरक्षण विज्ञान में प्रशिक्षित करना और जंगल के प्रबन्धन के लिए एक व्यवस्थित तंत्र विकसित करना होगा।
2. वन सम्पदा के उपायोग संबंधी नियम तय करने पड़ेगें।
3. पेड़ो की कटाई और पशुओं को चराने जैसे गतिविधियों पर पाबंदी लगा कर ही जंगल को लकड़ी उत्पादन के लिए आरक्षित किया जा सकेगा।

प्रश्न 9. इम्पीरियल फारेस्ट रिसर्च इंस्टिट्यूट में क्या सिखाया जाता था?

उत्तर–

1. इम्पीरियल फारेस्ट रिसर्च इंस्टिट्यूट में वैज्ञानिक वानिकी सिखाया जाता था। इसके अन्तर्गत वन विभाग द्वारा पेड़ों की कटाई जिससे पुराने पेड़ काट कर उनकी जगह नए पेड़ लगाए जातें थे।

2. इसके अन्तर्गत विविध प्रजाति वाले प्राकृतिक वनों को काट डाला गया। इनकी जगह सीधी पंक्ति में एक ही प्रजाति के पेड़ लगा दिया गया।
3. यह भी तय किया गया कि बागान का कितना क्षेत्र प्रतिवर्ष काटा जाएगा। कटाई के बाद पुनः कितना पेड़ लगाए जाएंगें।

प्रश्न 10. वन अधिनियम के पारित होने के पश्चात् शिकार की परम्परागत प्रथा व शिकार एक खेल के रुप में क्या अन्तर आया?

उत्तर– वन कानून के पारित होने से पूर्व वन पर निर्भर लोग चिड़ियों तथा छोटे जानवरों का शिकार करते थे। वन कानून पारित होने के पश्चात् शिकार शौक की वस्तु बन गई। ब्रिटिश लोग बड़े जानवरों को खतरनाक समझते थे और उनका विश्वास था कि बाघ, भेड़िया किसानों के लिए खतरा थे। परिणामस्वरुप खतरनाक जंगली जानवरों के शिकार को प्रोत्साहित किया गया, जैसे बाघ और भेड़िया।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

प्रश्न 1. औपनिवेशिक सरकार के अधीन व्यवसायिक वानिकी के उदय की व्याख्या करें।

उत्तर–

1. ब्रिटिश शसन के अर्न्तगत व्यवसायिक वानिकी महत्वपूर्ण बन गया। उन्नीसवीं सदी की शुरुआत तक इंग्लैण्ड में बलूत के जंगल लुप्त होने लगे। इससे शाही नौसेना के लिए लकड़ी की आपूर्ति में मुशकिल होने लगी।
2. मजबूत और टिकाऊ लकड़ी की नियमित आपूर्ति के बिना अंग्रेजी जहाज नहीं बन सकते थे।
3. 1820 के दशक में खोजी दस्ते हिन्दुस्तान की वन संपदा का अन्वेषण करने के लिए भेजे गए।
4. एक दशक के अन्दर बड़े पैमाने पर पेड़ काटे जाने लगे और भारी मात्रा में लकड़ी का हिन्दुस्तान से निर्यात होने लगा।
5. 1850 के दशक में रेल–लाइनों के प्रसार ने लकड़ी के लिए नई तरह की मांग कर दी।

प्रश्न 2. 'अन्यन्त शोषणात्मक व दमनात्मक नीतियों की पहल आपदा का रुप लिया' इस कथन की समीक्षा बस्तर के संदर्भ में करें?

(क) वे नीतियॉ क्या थी?

(ख) उन नीतियों के परिणाम क्या हुए?

उत्तर–

(क) नीतियाँ– औपनिवेशिक सरकार ने 1905 में जब जंगल के दो–तिहाई हिस्से को आरक्षित करने, धुमंतु खेती को रोकने और शिकार व अन्य उत्पादों के संग्रह पर पाबंदी लगाने जैसे प्रस्ताव रखे। इससे बस्तर के लोग परेशान हो गए। कुछ गाँव को आरक्षित वनों में इस शर्त पर रहने दिया कि वे वन–विभाग के लिए पेड़ो की कटाई और ढलाई का काम मुफ्त करेंगें और जंगल को आग से बचायेंगें। बाकि गाँवों के लोग बगैर किसी सूचना या मुआवजे के हटा दिए गए।

(ख) इन नीतियों का परिणाम बस्तर के लोगों द्वारा विद्रोह के रुप में सामने आया।

वन नीतियों का विरोध करने के लिए काँगेर वनों के धुरवा समुदाय के लोग विरोध करने की इस मुहिम में सबसे आगें थे क्योंकि आरक्षण सबसे पहले यहीं लागू हुआ था।

(1) 1910 में आम की टहनियाँ, मिट्टी के ढेले, मिर्च और तीर, गाँव–गाँव चक्कर काटने लगें।

(2) प्रत्येक गाँव ने इस बगावत के खर्चे में कुछ न कुछ मदद की।

(3) बाजार लूटे गए, अधिकारियों व व्यापारियों के घरों, स्कुलों और पुलिस थानों को लूटा व जलाया गया तथा अनाज का पुनर्वितरण किया गया।

(4) विद्रोह को कुचलने का प्रयास किया गया जिसमें तीन महीने लग गये। आदिवासी नेताओं ने बातचीत करना चाहा लेकिन अंग्रेज फौज उनके तंबुओं को घेर उन पर गोलियाँ चलाने लगी। बगावत में शामिल लोगों पर कोड़े बरसाते और उन्हें सजा देते सैनिक गाँव–गाँव घूमाने लगे।

(5) विद्रोह का परिणाम यह हुआ कि आरक्षण का काम कुछ समय के लिए स्थगित कर दिया गया और आरक्षित क्षेत्र को भी 1910 से पहले की योजना से लगभग आधा कर दिया गया।

प्रश्न 3. 1880 से 1920 के मध्य वनों के विनाश में निम्नलिखित बिन्दुओं पर चर्चा करें।

उत्तर– रेलवें व जहाज निर्माण– 1850 के दशक में रेल लाइनों के प्रसार ने लकड़ी के लिए एक नई तरह की मांग पैदा कर दी । शाही सेना के आवागमन और औपनिवेशिक व्यापार के लिए रेल लाइनें अनिवार्य थी। इंजनों को चलाने के लिए ईंधन के तौर पर और रेल की पटरियों को जाड़े रखने के लिए 'स्लीपरों' के रुप में लकड़ी की भारी जरुरत थी।

जहाज निर्माण– ब्रिटेन का बहुत बाड़ा साम्राज्य था, 19 वीं सदी की शुरुआत तक इंग्लैण्ड में बलूत के जंगल लुप्त होने लगे इसके कारण शाही नौसेना के लिए लकड़ी की आपूर्ति में मुश्किल आ गई, इसका हल, भारत से बड़े पैमाने पर पेड़ काटे जाने लगे और भारी मात्रा में लकड़ी का हिन्दुस्तान से निर्यात होने लगा।

व्यावसायिक कृषि– रोपण कृषि के लिए जंगल के बड़े भाग को काट कर साफ किया गया। जूट, चाय, कॉफी, रबड़, तम्बाकू जैसे जरुरतों को पूरा करने के लिए ब्रिटिश सरकार ने पहाड़ी क्षेत्रों के बड़े भाग को काट कर साफ किया गया।

प्रश्न 4. बस्तर और जावा के औपनिवेशिक वन प्रबंधन में क्या समानताएँ हैं?

उत्तर– बस्तर में वन प्रबंधन अंग्रेजों के हाथों में और जावा में डचों के हाथों में था किन्तु दोनों सरकारों का उद्देश्य एक ही था।

1. दोनों सरकारें अपनी जरुरतों के लिए लकड़ी चाहती थी और उन्होनें अपने एकाधिकार के लिए काम किया।
2. दोनों ने ही ग्रामीणों को धुमंतु खेती करने से रोका।
3. औपनिवेशिक सरकारों ने स्थानीय समुदायों को विस्थापित करके वन्य उत्पादों का पूर्ण उपयोग कर उनकों पारंपरिक आजीविका कमाने से रोका।
4. बस्तर के लोगों को आरक्षित वनों में इस शर्त पर रहने दिया गया कि वे लकड़ी का काम करने वाली कंपनियों के लिए काम मुक्त में किया करेंगें इसी प्रकार के काम की मांग जावा में ब्लैन्डॉग डिएन्स्टेन प्रणाली के अन्तर्गत पेड़ काटने और लकड़ी ढोने के लिए ग्रामीणों से की गई।
5. दोनों ही स्थानों पर जंगली समुदायों को अपनी जमीन छोड़ने पड़ी तो विद्रोह हुआ अंततः इस विद्रोह को कुचल दिया गया।

प्रश्न 5. वर्तमान में वानिकी में क्या नए बदलाव व विकास हुआ हैं?

उत्तर–

1. अस्सी के दशक से वैज्ञानिक वानिकी और वन समुदायों को जंगलों से बाहर रखने की अपेक्षा जंगलों का संरक्षण अधिक महत्वपूर्ण लक्ष्य बन गया है।
2. सरकार ने यह भी मान लिया कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए वन प्रदेशों में रहने वालों को शामिल करना होगा।
3. मिजोरम से लेकर केरल तक हिन्दुस्तान में हर जगह घने जंगल केवल इसलिए बच पाए क्योंकि ग्रामीणों ने पवित्र बगीचा समझ कर इसकी रक्षा की।
4. वन विभाग के अधिकारियों ने जंगलों का सर्वेक्षण किया, विभिन्न किस्म के पेड़ों वाले क्षेत्रों का आंकलन किया और वन प्रबंधन के लिए योजनाएँ बनायीं।

प्रश्न 6. बस्तर कहाँ स्थित है? इस क्षेत्र के इतिहास व लोगों के बारे में लिखें।

उत्तर–

1. बस्तर, छतीसगढ के सबसे दक्षिणी छोर पर स्थित है। यह आन्ध्रप्रदेश, उड़ीसा व महाराष्ट्र की सीमाओं से लगा हुआ क्षेत्र हैं। इसका केन्द्रीय भाग पठारी है। इस पठार के उत्तर में छतीसगढ का मैदान और दक्षिण में गोदावरी का मैदान है।
2. बस्तर के लोग मानते है कि हरेक गाँव को उसकी जमीन 'धरती मॉ से मिली है और बदले में वे प्रत्येक खेतिहर त्यौहार पर धरती को चढावा चढाते हैं।
3. हर गाँव अपने सीमाओं के भीतर समस्त प्राकृतिक संपदाओं की देखभाल करते है। कुछ गाँव अपने जंगलो की हिफाजत के लिए चौकीदार रखते हैं।?
4. यदि एक गाँव के लोग दूसरे गाँव के जंगल से थोड़ी लकड़ी लेना चाहते है तो इसके बदले में वे एक छोटा शुल्क आदा करते है जिसे देवसारी दांड या मान कहते है।
5. बस्तर में हर वर्ष एक बड़ी सभा का आयोजन होता है जहॉ एक परगने (गाँव का समूह) के गाँवों के मुखिया जुटते है और जंगल सहित तमाम अहम मुद्दों पर चर्चा करते है।

प्रश्न 7. 1980 के दशकों में वानिकी में क्या नए बदलाव आए?

उत्तर–

1. 1980 के दशकों में एशिया व अफ्रिका की सरकारों को यह समझ में आने लगा कि वैज्ञानिक वानिकी और वन समुदायों को जंगलों से बाहर रखने की नीतियों के चलते बार–बार टकराव होते हैं। अतः जंगलों का संरक्षण करना महत्वपूर्ण लक्ष्य बन गया।
2. सरकार ने यह भी मान लिया है कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए वन प्रदेशों में रहने वालों की मदद लेनी होगी।
3. सरकार ने यह भी माना कि मिजोरम से लेकर केरल तक हिंदुस्तान में हर कहीं घने जंगल सिर्फ इसलिए बच पाए कि ग्रामीणों ने जरना, देवराकुडु, कान, राई इत्यादि नामों से पवित्र बगीचा समझ कर इनकी रक्षा की।
4. कुछ गाँव अपने जंगलों की चौकसी स्वंय करते है।
5. स्थानीय वन समुदाय और पर्यावरणविद् अब वन–प्रबंधन के वैकल्पिक तरीकों के बारे में सोचने लगें हैं।

प्रश्न 8. व्याख्या करें – बस्तर के लोगों ने ब्रिटिशों के खिलाफ विद्रोह क्यों किया?

उत्तर–

1. 1905 में औपनिवेशिक सरकार ने जंगल के दो–तिहाई हिस्से को आरक्षित करने, धुमंतू खेती को रोकने और शिकार व वन्य उत्पादों के संग्रह पर पाबंदी लगाने जैसे प्रस्ताव रखे जिससे बस्तर के लोग बहुत परेशान हो गए।
2. गाँव के लोगों को बगैर किसी सूचना या मुआवजे के हटा दिए गए।
3. बस्तर के लोग जमीन के बढ़े हुए लगान तथा औपनिवेशिक अफसरों के हाथों बेगार और निरन्तर मांगों से त्रस्त थे।
4. 1899– 1900 और 1902–1908 में पड़े अकाल ने स्थिति को और भी दयनीय बना दिया।
5. अंत में, काँगेर वनों के धुरवा समुदाय के लोग इस मुहिम में आगे आए क्योंकि आरक्षण सबसे पहले यहीं लागू हुआ था।

HOTS

प्रश्न 1. बस्तर के स्थानीय लोग अपने क्षेत्र के जंगलो की रक्षा किस प्रकार करते थें?

उत्तर–

1. बस्तर के लोग मानते है कि हरेक गाँव को उसकी जमीन 'धरती माँ से मिली है और बदले में वे प्रत्येक खेतिहर त्यौहार पर धरती को चढावा चढाते हैं।
2. धरती के अलावा वे नदी, जंगल व पहाड़ो की आत्मा को भी उतना ही मानते हैं।
3. अपनी चौहद्दी के भीतर ये लोग इन समस्त प्राकृतिक संपदाओं की देखभाल करते है।
4. एक गाँव के लोग दूसरे गाँव के जंगलो से थोड़ी लकड़ी लेना चाहते है तो इसके बदले में वे एक छोटा शुल्क अदा करते है जिसे देवसारी, दांड या मान कहा जाता है।
5. गाँव अपने जंगलों की हिफाजत के लिए चौकीदार रखते है जिन्हे वेतन के रुप में हर घर से थोड़ा–थोड़ा अनाज दिया जाता है।

प्रश्न 2. नए वन कानून ने वनवासियों को कैसे प्रभावित किया?

उत्तर–

1. वन अधिकारियों व गाँवों वालों दोनो के दृष्टिकोण जंगल के सन्दर्भ में अलग–अलग थे। जंगल जहाँ गाँव वालो की जरुरतों जैसे ईंधन के लिए लकड़ी, चारागाह, खाद्धय बस्तुएँ इत्यादि के लिए निर्भर हो वहीं वन अधिकारियों के लिए जंगल जहाज बनाने व रेलवें के लिए उपयुक्त लकड़ी के स्त्रोत के रुप में देखते थे। वन अधिकारी चाहते थे कि लकड़ियॉ सीधी व लम्बी मिले अतः खास तरह के लकड़ीयाँ जैसे टीक तथा साल के पेड़ लगाये जाए। नए वन कानून, जंगल उत्पाद पर निर्भर रहने वाले लोगों के लिए कठिन परिस्थितियाँ पैदा कर दी।
2. वन अधिनियम पारित व लागू हाने के पश्चात् ग्रामीणों की परेशानियाँ बढ गई। उन्हें घर के लिए लकड़ी काटना, पशुओं को चराना, कंद मूल–फल इकट्ठा करना आदि रोजमर्रा की गतिविधियाँ गैर कानूनी बन गई। अब उनके पास लकड़ी चुराने के अलावा कोई चारा नहीं बचा और पकड़े जाने की स्थिति में वे वन रक्षकों की दया होते थे। जलावन लकड़ी इक्ट्ठा करने वाली औरतें विशेष तौर पर परेशान रहने लगी।

प्रश्न 3. औपनिवेशिक काल के वन प्रबन्धन नीति के बदलाव ने निम्नलिखित को इस प्रकार प्रभावित किया,

(क) चरवाहें समुदाय (ख) धुमन्तू कृषक

उत्तर–

1. जहाज और रेल की पटरियाँ बिछाने के लिए अंग्रेजो का जंगलों की जरुरत थी। अंग्रेजो का चिंता थी कि स्थानीय लोगों द्वारा जंगलो का उपयोग व व्यापारियों द्वारा पेड़ों की अन्धाधुंध कटाई से जंगल नष्ट हो जाएँगे। इसलिए उन्होने डायट्रिय ब्रैडिंस नामक जर्मन विशेषज्ञ को बुलाया गया और उसे पहला वन महानिदेशक नियुक्त किया गया।
2. ब्रैंडिस ने महसूस किया कि लोगों को संरक्षण विज्ञान से प्रशिक्षित करना और जंगलों के प्रबंधन के लिए एक व्यवस्थित तंत्र विकसित करना होगा।

3. पेड़ों की कटाई और पशुओं को चराने जैसी गतिविधियाँ पर पाबंदी लगा कर ही जंगलों को लकड़ी उत्पादन के लिए आरक्षित किया जा सकेगा।

औपनिवेशिक शासन में वन प्रबन्धन के नियमों ने चरवाहे समुदाय व झूम(धुमन्तू) कृषकों के जीवन को प्रभावित किया।

(क) चरवाहे समुदाय– वन प्रबंधन के नियमों के लागू होने से पूर्व चरवाहे हिरन का शिकार, व अन्य छोटे जानवरों के शिकार पर निर्भर थे। उन्हे शिकार करने से मना कर दिया गया। चरवाहे किसी जंगल में ज्यादा समय तक नहीं रह सकते थे। उन्हे शक की नजरों से देखा जाने लगा। 1871 में औपनिवेशिक सरकार ने अपराधी जनजाति अधिनियम पारित किया व बहुत से चरवाहे समुदाय को अपराधी समुदायों की सूची में रखा।

(ख) धुमंतू कृषक– वन प्रबंधन के नियमों के अनुसार धुमंतू कृषि नुकसानदेह थी, इससे सरकार को हिसाब रखने में मुश्किल होती थी। जंगल जलाते समय बाकी बेशकीमती पेड़ो के भी फैलती लपटों की चपेट में आ जाने का खतरा बना रहता है।

उपरोक्त कारणों से सरकार ने धुमंतू खेती पर रोक लगाने का फैसला किया। इसके कारण अनेक समुदायों को जंगल में उनके घरों से जबरन विस्थापित कर दिया गया। कुछ को अपना पेशा बदलना पड़ा।

प्रश्न 4. वन अधिनियम 1878 के किन्ही चार प्रावधानों का उल्लेख करें–

उत्तर–

1. इस अधिनियम में जंगलों को तीन श्रेणियों में बाँटा गया।
   (क) आरक्षित (ख) सुरक्षित (ग) ग्रामीण
2. सबसे अच्छे वन को आरक्षित वन कहा गया ।
3. गाँव वाले इन जंगलों से अपने उपयोग के लिए कुछ भी नहीं ले सकते थे।
4. वे घर बनानें या ईंधन के लिए केवल सुरक्षित या ग्रामीण वनों से ही लकड़ी ले जा सकते थे।

मूल्यपरक आधारित प्रश्नः–

1. औपनिवेशिक शासन के दौरान कृषि भूमि में विस्तार क्यों हुआ?
2. धुमंतू कृषि क्या हैं? ब्रिटिश द्वारा इसे नुकसानदेह क्यों माना गया?
3. बस्तर कहाँ स्थित है? वहाँ के लोगों का इतिहास व लोगों के बारे में बताए।

बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तरः–

(1) ख	**(2) क**	**(3) क**	**(4) ख**	**(5) ग**
(6) घ	**(7) ग**	**(8) ख**	**(9) क**	**(10) क**
(11) ख	**(12) क**	**(13) ख**	**(14) ख**	**(15) ख**
(16) क	**(17) ग**	**(18) क**	**(19) ग**	**(20) घ**
(21) घ	**(22) घ**	**(23) ख**	**(24) ख**	**(25) ग**

पाठ–5

आधुनिक विश्व में चरवाहें

1. धुमंतू चरवाहें और उनकी आवाजाही:

जम्मू कशमीर के गुज्जर बकरवाल– जम्मू कश्मीर के गुज्जर बकरवाल समुदाय के लोग भेंड़–बकरियों के बड़े–बड़े रेवड़ रखते हैं। ये सर्दी–गर्मी के हिसाब से अलग–अलग चरागाहों में जाने लगे। जाड़े में जब ऊँची पहाड़ियाँ बर्फ से ढक सी जाती है तो वे शिवालिक की निचली पहाड़ियों में आकर डेरा डाल लेते। अप्रैल के अंत तक वे उत्तर दिशा में जाने लगते हैं– ग्रर्मियों के चारागाहों के लिए इस सफर में कई परिवार काफिला बना कर साथ–साथ चलाते थे। जैसे ही गर्मियाँ शुरु होती चारों तरफ हरियाली छा जाती है जो मवेशियों का पेट भरने में सहायक होती है। सितम्बर तक पुनः अपने जाड़ो वाले ठिकानों की ओर चलने की तैयारी करने लगते है।

हिमाचल के गद्दी– हिमाचल प्रदेश में चरवाहों का समुदाय– गद्दी रहते है ये लोग भी मौसमी उतार चढाव का सामना करने के लिए सर्दी, गर्मी के हिसाब से अपनी जगह बदलते रहते है।

जाड़े में शिवालिक की निचली पहाड़ियों में अपने मवेशियों को झाड़ियों में चराते हुए जाड़ा बिताते थे। अप्रैल में और पूरी गर्मी लाहौल व स्पीति में बिता देते।

गढवाल और कुमाऊ के गुज्जर– ये लोग सर्दियों में भाबर के सूखे जंगलों की तरफ और गर्मियों में ऊपरी घास के मैदानों बुग्याल की तरफ चले जाते थे।

अन्य चरवाहे– हिमाचल के पर्वतों में रहने वाले बहुत सारे चरवाहा समुदायों में भोटिया, शेरपा और किन्नौरी के लोग भी थे। ये लोग भी सर्दी–गर्मी के हिसाब से चरागाह बदलते रहते थे। ये मौसमी बदलावों के हिसाब से खुद को ढालते थे और अलग–अलग इलाकों में पडने वाले चरागाहों को बेहतरीन इस्तेमाल करते थे।

पठारों, मैदानों और रेगिस्तानों में

महाराष्ट्र के धंगर चरवाहा समुदाय– यह गड़रिये या चरवाहे थे, कुछ लोग कम्बल व चादरें भी बनाते थे, कुछ भैंस पालते थे।

धंगर बरसात के दिनों में महाराष्ट्र के मध्य पठारो में रहते थे। यह एक अर्ध–शुष्क इलाका था जहाँ बारिश बहुत कम होती थी। ये लोग अक्टूबर में कोंकण के इलाके में जाकर डेरा डालते थे। कोंकणी किसान को इनके आने से फायदा होता था। धंगरों के मवेशी खरीफ की कटाई के बाद खेतों में बची ठुँठो को खाते थे और उनके गोबर से खेतों को खाद मिल जाती थी। मानसून की बारिश शुरु होते ही धंगर कोंकण और तटीय इलाके छोड़कर सूखे पठारों की तरफ लौट जाते थे क्योंकि भेड़े गीली मॉनसूनी हालत बर्दाशत नहीं कर पातीं।

गोल्ला समुदाय– गोल्ला समुदाय के लोग गाय–भैंस पालते थे जबकी कुरुमा और कुरुबा समुदाय भेड़–बकरियाँ पालते थे और हाथ के बुने कम्बल बेचते थे। ये लोग बरसात और सूखे मौसम के हिसाब सें अपनी जगह बदलते थे। सूखे महीनों में वे तटीय इलाकों की तरफ चले जाते थे जबकी बरसात शुरु होने पर वापस चल देते थे।

बंजारे—ये उत्तर प्रदेश, पंजाब, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के कई इलाकों में रहते थे। ये लोग बहुत दूर–दूर तक चले जाते थे। रास्ते में अनाज और चारे के बदले गाँव वालों को खेत जोतने वाले जानवर और दूसरी चीजे बेचते थे।

राइका— राजस्थान के राइका समुदाय खेती के साथ चरवाही का भी काम करते थे। बरसात में ये अपने गाँव में ही रहते थे जबकी अक्टूबर आते आते ये चरागाहों की तलाश में देसरे इलाकों की तरफ निकल जाते थे राइका का एक तबका भेड़–बकरियाँ पालते थे तो कुछ ऊँट पालते थे। उन्हे इस बात का हमेशा ख्याल रखना पड़ता था कि उनके भेड़ एक इलाके में कितने दिन तक रह सकते है उन्हे कहाँ पानी और चारागाह मिल सकते है। सफर के दौरान उन्हें रास्ते में पड़ने वाले गाँवों के किसानो से भी अच्छे संबंध बनाने पड़ते थे ताकि उनके जानवर किसानों के खेतों से घास चर सके और उनको उपजाऊ बनाते चलें।

औपनिवेशिक शासन और चरवाहों का जीवनः

औपनिवेशिक शासन के दौरान चरवाहों की जिन्दगी में गहरे बदलाव आए। उनके चरागाह सिमट गए, इधर–उधर आने–जाने पर बंदिशे लगने लगी और उनसे जो लगान वसूल किया जाता था उसमें भी वृद्धि हुई। खेती में उनका हिस्सा घटने लगा।

बदलाव से चरवाहों की जिन्दगी कैसे प्रभावित हुई?

(क) कुछ ने अपने जानवरों की संख्या कम कर दी।

(ख) कुछ चरवाहे नए चारागाह ढूंढे।

अफ्रीका में चरवाहा जीवनः—

मासाई पशुपालक मोटे तौर पर पूर्वी अफ्रीका के निवासी है। नए कानूनों और बंदिशो ने न केवल इनकी जमीन उनसे छीन ली बल्कि उनकी आवाजाही पर ही बहुत सारी पाबंदियाँ थोप दी हैं।

उन्नीसवी सदी के आखिर में यूरोप की साम्राज्यवादी ताकतों ने अफ्रीका में कब्जे के लिए मारकाट शुरु कर दी। 1885 में ब्रिटिश कीनिया और जर्मन तांगन्यिका के बीच एक अंतर्राष्ट्रीय सीमा खींचकर मासाईलैण्ड को दो बराबर भागों में बांट दिया गया।

प्रभाव—

1. मासाइयों को दक्षिणी कीनिया और उत्तरी तेजानिया के छोटे से इलाके में समेट दिया गया।
2. स्थानीय किसानों द्वारा अपनी खेती के क्षेत्रफल को ज्यादा से ज्यादा फैलाने के लिए प्रोत्साहित करने लगी।
3. ब्हुत सारे चरागाहों को शिकारगाह बना दिया गया।
4. मसाईयों की स्थिति अत्यन्त चिन्ताजनक हो गई क्योंकि छोटे से इलाके में लगातार चरायी का नतीजा यह हुआ कि चरागाहों का स्तर गिरने लगा।

सरहदें बन्द हो गई—

उन्नीसवी सदी में चरवाहे चरागाहों की खोज में बहुत दूर–दूर तक चले जाते थे। जब एक चरागाह सूख जाता था तो वे अपने रेवड़ी लेकर किसी और जगह चले जाते थे। लेकिन औपनिवेशिक सरकार ने उन पर तरह–तरह की पाबंदियाँ लगा दी। वे विशेष परमिट लिए बिना अपने जानवरों को लेकर बाहर नहीं जा सकते थे।

चरवाहों को गोरो के इलाके में पडने वाले बजारों में दाखिल होने से भी रोक दिया गया। नई पाबंदियों और बाधाओं की आड़ में उन्हें प्रताड़ित किया जाने लगा। वे एक निश्चित इलाकें में कैद को कर रह गए जिससे वे बेहतरीन चरागाहों से महरुम हो गए।

कुछ लोग जमीन खरीद स्थाई जीवन जीने लगे। कुछ गरीब लोग कर्ज लिये, वे अपने मवेशी, वे भेड़े खो दिये और मजदूर बन गये। उनके चरवाही व व्यापारिक, दोनों तरह ही गतिविधियाँ पर बुरा असर पड़ा।

चरवाही क्यों–चरवाहें एक स्थान से दूसरे स्थान पर आते–जाते रहते है इसी धुमंतूपने की वजह से वे बुरे वक्त का सामना कर पाते हैं और संकट से बच निकलते है।

मसाई समाज– औपनिवेशिक सरकार द्वारा नियुक्त किए गए मुखिया माल इकट्ठा करने लगे। ये मुखिया धनी होते थे और स्थायी जीवन जीने लगे। क्योंकि उन्हें चरवाही और गैर–चरवाही, दोनो तरह की आमदनी होती थी। गरीब चरवाहे की स्थिति दयनीय थी। बुरे वक्त का सामना करने के लिए अकसर साधन नहीं होते थे। उन्हे अन्य प्रकार का का करना पड़ता था।

मसाई समाज में दो स्तर पर परिवर्तन हुआ–

(क) वरिष्ठ जनों और योद्धाओं के बीच उम्र पर आधारित परंपरागत फर्क बुरी तरह से अस्त–व्यस्त जरुर हो गया।

(ख) अमीर और गरीब चरवाहों के बीच नया भेदभव पैदा हुआ।

चरवाहे समाज में बदलाव– आधुनिक विश्व में आए बदलावों से दुनिया के अलग–अलग चरवाहा समुदायों पर अलग–अलग तरह के असर पड़े।

चरवाहे बदलते वक्त के हिसाब से खुद को ढालते है। वे अपनी सालाना आवाजाही का रास्ता बदल लेते है, जानवरों की संख्या कम कर देते है, नए इलाके में दाखिल होने के लिए हर संभव लेन–देन करते है और राहत, रियायत व मदद के लिए सरकार पर राजनीतिक दबाव डालते है।

पर्यावरणवादी और अर्थशास्त्री की जीवनशैली दुनिया के बहुत सारे पहाड़ी और सूखे इलाकों में जीवनयापन के लिए सबसे ज्यादा उपयुक्त है।

बहुवैकल्पिक प्रश्न (1 अंक)

1. क्यों कुछ वनों को संरक्षित वन के रुप में वर्गीकृत किया गया है?
   (क) इसमें कुछ प्रतिबंधो के साथ पशुपालकों को पशु चराने की अनुमति दी गई है।
   (ख) औपनिवेशिक अधिकारियों का विश्वास था कि चराई पौधों के अंकुर एवं कोपलों को नष्ट कर देता है जो वनों में उगतें है।
   (ग) क और ख दोनों
   (घ) इनमें से कोई नहीं
2. जम्मु कश्मीर के गुर्जर बकरवाल का जीवन किस तरह से हिमाचल प्रदेश के गद्दी शेफर्ड के समान है?
   (क) दोनों का कृत्विक गति–चक्र समान है।
   (ख)दोनों अपना शीतकाल शिवालिक के निम्न पहाड़ियों पर पशुओं को चराते हुए बिताते है।
   (ग) अप्रैल में वे पुनः ग्रीष्मकालीन चरागाह के लिए उपर की यात्रा प्रारंभ करते हैं।
   (घ) उपरोक्त सभी।
3. इनमें से कौन पहाडो के चरवाहे समुदाय हैं?
   (क) गुज्जर
   (ख) गद्दी
   (ग) भोटिया एवं शेरपा
   (घ) उपरोक्त सभी।
4. मसाई समुदाय में सामाजिक परिवर्तन है।
   (क) बड़ो एवं योद्धाओं के बीच उम्र पर आधरित परंपरागत अंतर बाधित हुए हैं।
   (ख) धनी एवं गरीब चरवाहों के बीच नई विशिष्टता उत्पन्न हुआ।
   (ग) क और ख दोनों
   (घ) इनमें से कोई नहीं
5. धांगर एक महत्वपुर्ण चरवाहे समुदाय है–
   (क) गुजरात
   (ख) महाराष्ट्र
   (ग) उत्तर प्रदेश
   (घ) असाम
6. अक्टूबर में धंगर बाजरे को काट कर पश्चिम की ओर चले जाते है। कोकणी किसानों द्वारा इनका स्वागत क्यों किया जाता है?
   (क) वे एक–दूसरे समुदाय में बच्चों का विवाह करते है।
   (ख) धांगर उनके लिए बाजरा लाते थे।
   (ग) धांगर के मवेशी खरीफ की कटाई के बाद खेतों में बची रह गई ठूठों को खाते थे और उनके गोबर से खेतों को खाद मिल जाती थी।
   (घ) उपरोक्त में सें कोई नहीं।
7. बंजारे कहाँ पाए जाते है?

(क) उत्तर प्रदेश

(ख) पंजाब, राजस्थान

(ग) मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र

(घ) उपरोक्त में सभी।

8. औपनिवेशिक सरकार क्यों सभी चारागाहों को खेती भूमि में क्यों बदलना चाहती थी?

(क) जमीन से मिलने वाला लगान उनकी आमदनी का एक बड़ा स्त्रोत था।

(ख) इससे जूट (पटसन), कपास, गेहूँ और अन्य खेतिहर चीजों के उत्पादन में भी इजाफा हो जाता जिनकी इंग्लैण्ड में कुछ ज्यादा मांग थी।

(ग) क और ख दोनों

(घ) इनमें से कोई नहीं

9. 'परती भूमि विकास नियम' के अनुसार–

(क) गैर–खेतिहर जमीन को अपने बब्जे में लेकर कुछ खास लोगों को सौपने लगीं।

(ख) इन लोगो को कई तरह की रियायतें दी गई।

(ग) कुछ लागों को गाँव का मुखिया बना दिया गया।

(घ) उपरोक्त सभी।

10. वन अधिनियम ने चरवाहों का जीवन कैसे प्रभावित किया?

(क) चरवाहों की आवजाही पर पाबंदी लगा दिया गया।

(ख) उन्हें विशेष परमिट लिए बिना जाना माना था।

(ग) उनके आने व जाने के समय तय कर दिया गया।

(घ) उपरोक्त सभी।

11. निम्नलिखित में से कौन सा कथन धुमंतू चरवाहों के लिए सटिक हैं–

(क) वे ग्रामीण जो एक स्थान से दूसरे स्थान आते जाते हैं।

(ख) वे लोग जिनके पास स्थाई स्थान नहीं है रहने के लिए।

(ग) वे पशुचारक जो एक स्थान से दूसरे स्थान अपने चारागाह की तलाश में अपने पशुओं द्वारा आते–जाते हैं।

(घ) वे लोग जो मनोरंजन के लिए स्थान बदलते हैं।

12. चरवाहों को कर देना पड़ता था–

(क) सभी जानवरों के लिए जो वो चराते थे।

(ख) घर पर कर

(ग) जानवरों की संख्या के आधार पर

(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं।

13. चरवाहों के धुमन्तूपन पर रोक के कारण अति चराई से क्या परिणाम निकला–

(क) चारागाह की गुणक्ता में ह्यास

(ख) मवेशी की संख्या में लगातार गिरावट आई

(ग) सूखे व चारा की कमी से मवेशी बड़ी संख्या में मरने लगे।

(घ) उपरोक्त सभी।

14. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही हैं?

(क) कुछ धनी पशुचारकों ने भूमी खरीदना प्रारम्भ किया व स्थाई जीवन जीने लगे।
(ख) कुछ स्थाई कृषक बन गयें
(ग) गरीब चरवाहों, मजदूर बन गये और खेतों या छाटे शहरों में काम करने लगे।
(घ) उपरोक्त सभी।

15. निम्नलिखित में से कौन अफ्रीका के चरवाहे समुदाय से संबंधित हैं।
(क) बेदुईन्स,बरबेंर्स
(ख) मसाई, सोमाली
(ग) बोरान, तुर्काना
(घ) उपरोक्त सभी।

16. 1885 में मसाईलैण्ड़ को दो बराबर भागों मे किनके बीच बांटा गया–
(क) कीनिया व तांगान्यिका
(ख) कीनिया व इथोपिया
(ग) कांगो और अंगोला
(घ) अंगोला व बोन्सावना।

17. निम्नलिखित में कौन सा कथन सही है?
(क) चारागाह भूमि को शिकारगाह रिजर्व में परिवर्तित कर दिया गया।
(ख) चरवाहों को इन आरक्षित जंगलो में जाना माना हो गया।
(ग) सेरेन्गेटी नैशनल पार्क का निर्माण 14,760 वर्ग किलोमीटर में बनाया गया।
(घ) उपरोक्त सभी।

18. मासाई में कब भयंकर सूखा पड़ा जिससे आधे से ज्यादा मवेशी मर गये?
(क) 1900
(ख) 1933 व 1934
(ग) 1945
(घ) 1946 व 1947

19. मासाई मामलें की देखभाल के लिए अंग्रेजी सरकार द्वारा लिये गए फैसले किस प्रकार से वरिष्ठ जनों व योद्धाओं को प्रभावित किया–
(क) कई मासाई उपसमूहों के मुखिया तय कर दिये।
(ख) इन मुखियों को अपने–अपने कबीले के सारे मामलों की जिम्मेदारी सौप दी गई।
(ग) इनके हमलों व लड़ाइयों पर पाबंदी लगा दी।
(घ) उपरोक्त सभी।

20. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है?
(क) पशुचारक या चरवाहे अब अतीत बन गये है।
(ख) चरवाहे समय अनुसार अपने को ढाल लिये हैं।
(ग) उन्होने अपने सालाना आवाजाही का रास्ता बदल लेते है।
(घ) वे जंगलो के रखरखाव और प्रबंधन में अपना हिस्सा मांगते हैं।

21. महाराष्ट्र के धांगरों को कौन सा मौसमी बदलाव प्रभावित करता है?
(क) ठंढा व बर्फीला मौसम

(ख) जलवायु विक्षोभ

(ग) सूखा व बाढ

(घ) मानसून व सूखा मानसून

22. गद्दी एक प्रमुख चरवाहे समुदाय है–

(क) गुजरात के

(ख) महाराष्ट्र के

(ग) हिमाचल प्रदेश

(घ) छोटानागपुर के पठार के।

23. चरवाहे जनजाति एक स्थान से दूसरे स्थान पर घुमते थे।

(क) मौसमी बदलाव के कारण

(ख) चारागाह की खोज में

(ग) पारिस्थितिकी तन्त्र बनाए रखने के लिए

(घ) उपरोक्त सभी।

24. 'मसाई' शब्द का अर्थ है–

(क) मेरे लोग

(ख) चारागाह

(ग) धुमन्तू कृषि

(घ) बेकार भूमि

25. राइका चरवाहों का समुदाय सम्बन्धित हैं–

(क) हिमाचल प्रदेश

(ख) राजस्थान

(ग) जम्मू और कशमीर

(घ) महाराष्ट्र

लघुउत्तरीय प्रश्न (3 अंक)

प्रश्न 1. महाराष्ट्र के धंगरो के जीवन की व्याख्या करें?

उत्तर–

1. धंगर गड़रियों या चरवाहे है जो महाराष्ट्र के उध्य पठारों में बरसात के दिनों में रहते है। अक्टूबर के आसपास धंगर बाजरे की कटाई करते थे और चारागाह की तलाश में पश्चिम की ओर निकल पड़ते है। वे कोंकणी किसानों द्वारा स्वागत किये जाते है क्योकिं धंगरो के मवेशी खरीफ की कटाई के बाद खेतों में बची रह गई ठूंठों को खाते थे और उनके गोबर से खेतों को खाद मिल जाती थी।
2. कोकणीं किसानो द्वारा उन्हे चावल दिया जाता था। मानसून की बारिश शुरु होते ही धंगर कोंकण और तटीय इलाके छोड़कर सूखे पठारों की तरफ लौट जाते थे।

प्रश्न 2. औपनिवेशिक शासनकाल में चरवाहों की जिन्दगी में क्या परिवर्तन आया?

उत्तर– औपनिवेशिक शासन काल में चरवाहों की जिंदगी में गहरे बदलाव आए–

1. चारागाह सिमटने लगे और चरवाहों के लिए समस्याएँ पैदा को गई।
2. वन कानूनों की आड़ में जंगलो में चरवाहों के घुसने पर पाबंदी लगा दी गई।
3. अंग्रजी सरकार ने अपनी आमदनी बढाने के लिए मवेशियों पर भी टैक्स वसूलने लगे।
4. घुमन्तूओं को अपराधी घोषित कर दिया गया जिससे वे घूम–घूम कर अपना सामान बेच नहीं सकते थे।

प्रश्न 3. राइका समुदाय के जिनीयोलोजिस्ट क्यों अपने समुदाय के इतिहास को याद करना चाहते है?

उत्तर– राइका समुदाय का व्यक्ति जो 60 वर्ष का है कहता है कि उसने अपनी जिन्दगी में बहुत बदलाव देखे है। नये कानून व वाड़ाबन्दी ने हमारे गतिविधियों को, हमारे जीवन को कई प्रकार से प्रभावित किया है। नए चारागाह की खोज करना बहुत कठिन हो गया है।

नए समय के साथ हमनें कई परिवर्तनों के अनुसार अपने आप को बदल दिया है। जानवरों की संख्या कम कर दी है। नए इलाकों में दाखिल हाने के लिए हर सम्भव लेन–देन करते है और राहत रियायत व मदद के लिए सरकार पर राजनीतिक दबाव डालते हैं।

प्रश्न 4. वन कानूनों ने किस प्रकार चरवाहों की जिन्दगी को प्रभावित किया?

उत्तर–

1. वन कानून जंगलों को लकड़ी उत्पादन के लिए सुरक्षित रखने के लिए पारित किया गया। जिसके कारण चरवाहो की जिन्दगी में काफी परिवर्तन आया।
2. चरवाहों को कई जंगलों में प्रवेश की मनाही हो गई जिससे उनके मवेशीयों को चारा की कमी का सामना करना पड़ा।
3. जिन क्षेत्रों में उन्हे प्रवेश की छूट दी गई वहाँ उन पर कड़ी नजर रखी जाती थी। जंगलों में दाखिल होनें के लिए उन्हें परमिट लेना पड़ता था। जंगल में उनके प्रवेश और वापसी की तारिख पहले से तय होती थी और वह जंगल में बहुत कम समय बीता सकते थे।

प्रश्न 5. चरवाहों ने बदलते नियमों का सामना किस प्रकार किया?

उत्तर–

1. कुछ चरवाहों ने अपने खेड़ो में जानवरों की संख्या कम कर दी, क्योंकि अधिक जानवरों के लिए पर्याप्त चरागाहें नहीं बची थी।
2. कुछ चरवाहों ने नए चरागाह खोज लिए। जैसे कि राइका लोग जो कि अपनी भेड़ चराने के लिए सिंधु नदी के किनारे स्थित सिंध में नहीं जा सकते थे क्योंकि पाकिस्तान और भारत का विभाजन हो गया था।
3. कुछ गरीब चरवाहे जिंदा रहने के लिए सूदखोरों से ब्याज पर कर्ज लेकर दिन काटने लगे। कई बार ये अपने मवेशियों को बेच कर मजदूर बन गये।
4. कुछ घनी चरवाहे ने अपने घुमंतू जीवन को छोड़ते हुए जमीने खरीद कर एक स्थान पर रहना शुरु कर दिये।

प्रश्न 6. औपनिवेशिक शासन काल में अफ्रीका व भारत के चरवाहों के जीवन की तुलना करें?

उत्तर– भारत और पूर्वी अफ्रीका दोनों ही यूरोपीय साम्राज्यवादी ताकतों के अधीन थे, इसलिए उनके शोषण के तरीका भी एक जैसा ही था–

1. सभी अकृषि (जिस भूमी पर कृषि नहीं किया जाता) को परती भूमी समझा गया।
2. उससे न तो लगान मिलता था और न ही उपज। अंग्रेज ऐसी जमीन को 'बेकार' मानते थे। इसलिए सरकार ने गैर–खेतिहर जमीन को कब्जे में ले कर कुछ खास लोगों को सौपने लगी। इस तरह खेती के फैलाव से चारागाह सिमटने लगे।
3. 19 वी सदी के मध्य तक आते आते वन कानूनों ने चरवाहों को जंगल में घुसने पर पाबंदी लगा दी। उन्हे जंगलों में दाखिल लेने के लिए परमिट लेना पड़ता था।

प्रश्न 7. 'बाकी स्थानों की तरह मासाई लैण्ड़ में भी आए बदलावों से सारे चरवाहों पर एक जैसा असर नहीं पड़ा'। इस तथ्य की व्याख्या करें–

उत्तर– उपनिवेश बनने से पहले मासाई समाज दो सामाजिक श्रेणियों में बटाँ हुआ था।

(क) वरिष्ठ जन और (ख) योद्धा।

1. मसाइयों के मामले की देखभाल करने के लिए अंग्रेज सरकार ने कई फैसले लिए जिनसे आने वाले सालों में बहुत गहरे असर पड़े। उन्होने कई मासाई उपसमूहों के मुखिया तय कर दिये और अपने–अपने कबीले के सारे मामलों की जिम्मेदारी उन्हें सौप दी।
2. मुखिया माल इक्ठा करने लगे। उनके पास नियमित आमदनी थी जिससे वे जानवर, साजो–सामान और जमीन खरीद सकते थे।
3. वे अपने गरीब पड़ोसियों को लगान चुकाने के लिए कर्ज पर पैसा देते थे। उनमें से ज्यादातर बाद में शहरों में जाकर बस गए और व्यापार करने लगे।
4. जो चरवाहे सिर्फ अपने जानवरों के सहारे जिंदगी बसर करते थे उनकी हालत अलग थी। बुरे वक्त का सामना करने के लिए अक्सर साधन नहीं होते थे। उन्हे अन्य काम करना जैसे सड़क, भवन निर्माण इत्यादि।

प्रश्न 8. औपनिवेशिक शासन से पूर्व व बाद में मसाई समाज में क्या बदलाव आए?

उत्तर– औपनिवेशिक शासन से पूर्व मासाई समाज

मासाई समाज दो भागों में बटाँ हुआ था–

1. वरिष्ठजन शासन चलाते थे। योद्धाओं में ज्यादातर नौजवान होते थे जिन्हें मुख्य रुप से लड़ाई लड़ने और कबीले की हिफाजत करने के लिए तैयार किया जाता था।
2. योद्धा दूसरे कबीलों के मवेशी छीन कर लाते थे। जानवर छीन लेना एक महत्वपुर्ण काम होता था।

औपनिवेशिक शासन के दौरान मसाई समाज–

1. वरिष्ठजनों और योद्धाओं के बीच उम्र पर आधारित पंरपरागत फर्क पुरी तरह से अस्त व्यस्त हो गया।
2. अमीर और गरीब चरवाहों के बीच नया भेदभाव पैदा हुआ।
3. मासाई 60 प्रतिशत भूमि खो चुके। उनके चारागाह को कृषि भूमि में परिवर्तित कर दिया गया। उनके चारागाह खत्म हो गए।

प्रश्न 9. घुमन्तू लोगों के बारे में ब्रिटिश अधिकारियों का क्या नजरिया था? अपराधी जनजाति अधिनियम के दो प्रावधान लिखें।

उत्तर– अंग्रेज अफसर घुमंतू किस्म के लोगों को शक की नजर से देखते थे। वे गाँव–गाँव जाकर अपनी चीजें बेचने वाले कारीगरों व व्यापारियों और अपने खेड़ के लिए हर साल नए–नए चरागाहों की तलाश में रहने वाले, हर मौसम में अपनी रिहाइश बदल लेने वाले चरवाहों पर यकीन नहीं कर पाते थे। घुमंतुओं को अपराधी माना जाता था। अपराधी जनजाति अधिनियम (1871) के दो प्रावधान–

(क) दस्तकारों, व्यापारियों और चरवाहों के बहुत सारे समुदायों को अपराधी समुदायों की सूची में रख दिया गया।

(ख) उन्हे कुदरती और जन्मजात अपराधी घोषित कर दिया गया।

प्रश्न 10. भारत के पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले चरवाहों के जीवन की व्याख्या करें?
उत्तर–

1. गुर्जर बकरवाल (जम्मू कश्मीर), हिमाचल प्रदेश के गद्दी, गढवाल और कुमाऊँ के गुज्जर, हिमालय के पर्वतों पर रहने वाले भोटिया, शेरपा और किन्नौरी समुदाय के लोग मौसमी बदलावों के हिसाब से अपनी जाना, जाना (स्थान परिवर्तन) करते है व खुद को ढालते है।
2. ये चरवाहें समुदाय मौसमी बदलावों के हिसाब से खुद को ढालते थे और अलग–अलग इलाकों में पडने वाले चारागाहों का बेहतरीन इस्तेमाल करते थे। जब एक चारागाह की हरियाली खत्म हो जाती थी या इस्तेमाल के काबिल नहीं रह जाती थी वे किसी और चरागाह की तरफ चले जाते थे।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

प्रश्न 1. चरवाही के मुख्य विशेषता बताइये।

उत्तर–

1. चरवाहे (घुमंतू) ऐसे लोग होते है जो किसी एक जगह टिक कर नहीं रहते बल्कि रोजी–रोटी के जुगाड़ में यहाँ से वहाँ घूमते रहते है। चरवाहों की किसी टोली के पास भेड़–बकरियों का खेड़ या झुंड होता है तो किसी के पास ऊँट या अन्य मवेशी रहते है।
2. कुछ चरवाहे समुदाय कई प्रकार के क्रियाएँकरते हैं– कृषि, व्यापार, पशुपालन इत्यादी।
3. चरवाहों की आवाजाही पर्यावरण के लिए लाभदायक है।
4. घुमन्तु चरवाही कुछ विशेष क्षेत्रों जैसे पहाड़ी शुष्क क्षेत्रों के लिए उपयुक्त है। इस प्रकार की आवाजाही की गतिविधियाँ प्राकृतिक वनस्पतियों की वृद्धि के लिए आवश्यक है।
5. बेहतर चारागाह की तलाश में ये चरवाहें लम्बी दूरी तय करते है व हल, मवेशी व अन्य सामान कम्बल, चादरे इत्यादी चारे व भोजन के बदले बेचते है।

प्रश्न 2. महाराष्ट्र के धंगरों के मौसमी की व्याख्या करे।

उत्तर–

1. धंगर गड़रिये बरसात के दिनों में महाराष्ट्र क मध्य पठारों में रहते थे। मॉनसून में यह पट्टी धंगरो के जानवरों के लिए एक विशाल चरागाह बन जाती है। यहाँ बाजरे जैसी सूखी फसलों के अलावा यहाँ और कुछ नहीं उगता था। अक्टूबर के आसपास धंगर बाजरे की कटाई करते थे और चारागाहों की तलाश में पश्चिम की तरफ चल पड़ते थे। ये अपनी खेड़ो के साथ कोंकण के इलाके में जाकर डेरा डालते थे।
2. कोंकणी किसानों द्वारा इनका दिल खोल कर स्वागत किया जाता था क्योंकि इनके मवेशी खेतों में बची ठूठों को खाते थे और उनके गोबर से खेतों को खाद मिल जाती थी। मॉनसून की बारिश शुरु होते ही धंगर कोंकण और अटीय इलाके छोड़कर सूखे पठारों की तरफ लौट जाते थे क्योंकि भेडें गीले मॉनसूनी हालात को बर्दाशत नहीं कर पातीं।

प्रश्न 3. अफ्रीका में चरवाही पर एक संक्षिप्त नोट लिखिए।

उत्तर–

1. अफ्रीका में दुनिया की आधी से ज्यादा चरवाहा आबादी रहती है। इनमें बेदुईन्स, बरबेर्स, मासाई, सोमाली, बोरान और तुकीना जैसे जाने माने समुदाय शामिल है। इनमें से अधिकतर अब अर्ध–शुष्क घास के मैदानों या सूखे रेगिस्तानों में रहते है। जहाँ वर्षा आधारित खेती करना कठिन है।
2. कुछ चरवाहे व्यापार और यातायात संबंधी काम भी करते है।
3. कुछ लोग आमदनी बढाने के लिए चरवाहों के साथ–साथ खेती भी करते है।
4. अफ्रीका चरवाहों का जीवन औपनिवेशिक काल एवं उत्तर औपनिवेशिक काल में बहुत अधिक बदल गया है। उन्नीसवी सदी के अंतिम सालों से ब्रिटिश औपनिवेशिक सरकार पूर्वी अफ्रीका में भी स्थानीय किसानों को अपनी खेती के क्षेत्रफल को अधिक से अधिक फैलने के लिए प्रोत्साहित करने लगी। धीरे–धीरे खेती का प्रसार हुआ वैसे–वैसे चरगाह खेतों में तब्दील होने लगे।

प्रश्न 4. औपनिवेशिक सरकार ने अपराधी जनजाति अधिनियम क्यों पारित किया व चराई कर क्यों लगाया?

उत्तर–

1. अंग्रजी सरकार या औपनिवेशिक सरकार खाराबदोश लोगों को संदेह की दृष्टि से देखती थी और उनके घुमक्कड़पन के कारण उनका अनादर करती थी। वे गाँव–गाँव जाकर बेचने वाले कारीगरों व व्यापारियों और अपने भेड़ के लिए हर साल नए–नए चरागाहों की तलाश में रहने वाले, हर मौसम में अपनी रिहाइश बदल लेने वाले चरवाहों पर यकीन नहीं कर पाते थे।
2. औपनिवेशिक सरकार स्थाई जनसंख्या पर शासन करना चाहते थे। वे चाहते थे कि ग्रामीण जनता गाँवों में रहे, उनकी रिहाइश और खेतो पर उनके अधिकार तय हो। इस प्रकार की आबादी की पहचान करना और उसको नियंत्रित करना आसान था।
3. जो लोगों को शांतिप्रिय और कानून का पालन करने वाला माना जाता था। धुमंतुओं को अपराधी माना जाताथा। इसलिए औपनिवेशिक सरकार ने अपराधी जनजाती अधिनियम पारित किया।
4. अपनी आमदनी बढाने के लिए अंग्रजों ने लगान वसूलने का हर संभव रास्ता अपनाया। उन्होने जमीन, नहरों के पानी, नमक, खरीद–फरोख्त की चीजों और यहाँ तक कि मवेशियों पर भी टैक्स वसूलने का एलान कर दिया। चरवाहों से चरागाहों में चरने वाले एक–एक जानवर पर टैक्स वसूल

किया जाने लगा। देश के ज्यादातर चरवाही इलाकों में 19 वीं सदी के मध्य से ही चरवाही टैक्स लागू कर दिया।

प्रश्न 5. औपनिवेशिक सरकार द्वारा लागू किये गये कोई चार कानून के बारे में लिखे जिन्होने पशुचारकों कि जिन्दगी को प्रभावित किया।

उत्तर–

1. उन्नीसवीं सदी के मध्य में परती भूमि नियमावली देश के विभिन्न भागों में लागू किया गया। इस नियम के अनुसार सरकार ने गैर खेतिहर जमीन को अपने कब्जे में लेकर कुछ खास लोगों को सौपने लगीं।
2. उन्नीसवी सदी के मध्य तक देश के विभिन्न प्रांतो में वन अधिनियम भी पारित किए गये इस कानूनों की आड़ में सरकार ने ऐसे कई जंगलों को आरक्षित वन घोषित कर दिया जहाँ देवदार या साल जैसी कीमती लकड़ी पैदा होती थी। कई जंगलों को संरक्षित घोषित किया गया।
3. 1871 में औपनिवेशिक सरकार ने अपराधी जनजाति अधिनियम पारित किया और इस कानून के तहत दस्तकारों, व्यापारियों और चरवाहों के बहुत सारे समुदायों को अपराधी समुदाय की सूची में रख दिया गया।
4. चरवाही कर– अपनी आमदनी बढाने के लिए अंग्रेजो ने लगान वसूलने का हर सम्भव उपाय किया उन्होने जमीन, नहरो का पानी, नमक मवेशीयों पर साथ ही चराई कर भी लेना शुरु कर दिया।

प्रश्न 6. गुज्जर बकरवाल व गद्दी कौन है? उनके मध्य क्या समानताएँ है?

उत्तर–

1. गुज्जर बकरवाल जम्मू–कश्मीर के चरवाहे समुदाय है जबकी गद्दी हिमाचल प्रदेश के चरवाहे समुदाय है।
2. दोनो ही चरवाहे समुदाय मौसमी बदलाव के अनुसार गतिविधि करते है। दोनो समुदाय जाड़े में शिवालिक पहाड़ी के निचले भाग में आ जाते हैं। यही ये अपने पशुओं को चराते है।
3. अप्रैल के अंत में वे उत्तर दिशा में जाने लगते है गर्मियों के चरागाहों के लिए। गुज्जर बकरवाल पीर पंजल को पार करते हुए कश्मीर की घाटी में पहुँच जाते है वही गद्दी गर्मियों में ऊपरी घास के मैदानों–बुग्याल की तरफ चले जाते थे।
4. सितम्बर में गद्दी दोबारा लाहौल व स्पीति के गाँवों में एक बार फिर कुछ समय के लिए रुकते। इस बीच वे गर्मियों की फसलें काटते और सर्दियों की फसलों की बुवाई करके आगे बढ जाते है। अप्रैल में भेड़–बकरियाँ को लेकर वे दोबारा गर्मियों के चरागाहों की तरफ खाना हो जाते है।

प्रश्न 7. पशुचारकों के जीवन जिन कारको पर निर्भर करते है उनकी व्याख्या करे–

उत्तर– पशुचारक छोटे गाँव में रहते, पठारी भागो, रेगिस्तानों में पाये जाते है। वे छोटे भूमि के पास पर खेती करते है, कुछ जानवर पालते है, भेड़ का झुण्ड, बकरीयाँ, ऊँट इत्यादी। वे गर्मी तथा जाड़े के अनुसार अपने मवेशीयों के झुण्ड़ो के साथ चारागाह के लिए आवाजाही करते है। ये लोग रास्ते में अनाज और चारे के बदले गाँव वालों को खेत जातने वाले जानवर और दूसरी चीजें बेचते जाते थे।

पशुचारको की जिन्दगी कई बातों पर निर्भर करती है–

1. एक स्थान पर कितनी देर या समय तक रहते है।
2. अपने जानवरों के लिए चारा व पानी की उपलब्धता।
3. अपने आवाजाही के समय पर ध्यान देना।
4. किसानों के साथ सामंजस्य स्थापित करने की क्षमता।

प्रश्न 8. किन्ही दो उदाहरण द्वारा समझाइये कि घुमन्तू पशुचारक अपने मौसमी बदलाव के साथ कैसे सामंजस्य बैठाते है तथा उपलब्ध चारागाह का समुचित उपयोग करते है।

उत्तर–

1. हिमाचल प्रदेश के गद्दी चरवाहे मौसमी उतार चढाव का सामना करने के लिए गर्मी–सर्दी के हिसाब से अपनी जगह बदलते रहते है। वे अपनी सर्दीयों शिवालिक की निचली पहाड़ियों में बिताते है। उनके मवेशी झाड़ियों में चरते हुए समय बिताते है।
2. गर्मी प्रारम्भ होते ही यानि अप्रैल में वे उत्तर में लाहौल व स्पीति की ओर चल पड़ते है। यहाँ वे अपने मवेशी के साथ रहते है। जब बर्फ पिघलती और ऊँचे दर्रे खुल जाते तो उनमें से बहुत सारे ऊपरी पहाड़ों में स्थित घास के मैदानों में पहुँच जाते है। सितम्बर त कवे दोबारा वापस शिवालिक के नीचले भाग में पहुँच जाते है।
3. जम्मू–कश्मीर के गुज्जर बकरवाल भी मौसमी उतार चढाव के अनुसार स्थान परिवर्तन करते है।
   सर्दियों में वे शिवालिक की निचली पहाड़ियों में आकर डेरा डाल देते है। सूखी झाड़ियाँ ही उनके जानवरों के लिए चारा बन जाती है।
4. अप्रैल के अंत त कवे उत्तर दिशा में जाने लगते है गर्मियों के चारागाहों के लिए। जैसी ही गर्मियाँ शुरु होने लगती बर्फ की मोटी चादर पिघलने लगती व घास उगने लगती है जो इनलोगो के मवेशी के लिए चारा का काम करती है।
5. सितम्बर के अंत तक बकरवाल एक बार फिर अपना बोरिया–बिस्तर समेटने लगते और शिवालिक के नीचले भागों की तरफ चले जाते है।

HOTS

प्रश्न 1. व्याख्या करे– ब्रिटिश द्वारा पशुचारकों पर उन्नीसवी सदी के मध्य में चराई कर कैसं लागू किया गया?

उत्तर–

1. देश के विभिन्न भागों में उन्नसवी सदी के मध्य तक चरवाही टैक्स लागू कर दिया गया था।
   ब्रिटिश अपनी आमदनी बढाने के लिए हर संभव प्रयास किया। उन्हाने जमीन, नहरों के पानी, नमक यहाँ तक कि मवेशियों पर भी टैक्स वसूलने का एलान किया। चरवाहों से चरागाहों में चरने वाले एक–एक जानवर पर टैक्स वसूल किया जाने लगा।
2. प्रति मवेशी टैक्स की दर तेजी से बढती चली गई और टैक्स वसूली की व्यवस्था दिनोंदिन मजबूत होती गई।

3. 1850 से 1880 के दशकों के बीच टैक्स वसूली का काम बाकायदा बोली लगा कर ठेकेदारों को सौंपा जाता था। ठेकेदार सरकार को दिये जाने वाले टैक्स से ज्यादा रकम वसूलते थे।
4. 1880 के दशक तक आते–जाते सरकार ने सीधे चरवाहों से ही कर वसूलना शुरु कर दिया। हरेक चरवाहे को एक 'पास' जारी कर दिया गया। किसी भी चरागाह में दाखिल हाने के लिए चरवाहों को पास दिखाकर पहले टैक्स अदा करना पड़ता था।

प्रश्न 2. धंगर के वार्षिक आवाजाही को प्रभावित करने वाले कारकों को लिखिए।

उत्तर–

1. धंगर महाराष्ट्र का एक जाना–माना चरवाहा समुदाय है जो मुख्यतः गड़रिये हैं, कुछ लोग कम्बल बनाते थे, जबकि कुछ लोग भैंस पालते थे।
2. धंगर गड़रिये बरसात के दिनों में महाराष्ट्र के मध्य पठारी में रहते थे। यह एक अर्थ–शुष्क इलाका था जहाँ वारिश बहुत कम होती थी और मिट्टी भी खास उपजाऊ नहीं थी। धंगरो द्वारा यहाँ बाजरा उगाया जाता था।
3. अक्टूबर के आसपास धंगर बाजरे की कटाई करते थे व चारागाह की तलाश में पश्चिम की ओर कोंकण के इलाके में जाकर डेरा डाल देते थे। कोंकणी किसानों द्वारा इनका स्वागत किया जाता था।
4. जिस समय धंगर, कोंकणी पहुँचते थे उस समय कोंकण के किसानों को खरीफ की फसल काट कर अपने खेतों को रबी की फसल के लिए दोबारा उपजाऊ बनाना होता था। ये मवेशी खरीफ की कटाई के बाद खेतों में बची रह गई ठुठों को खाते थे और उनके गोबर से खेतों को खाद मिल जाती थी।
5. कोंकणी किसानों द्वारा धंगरो को चावल भी दिया जाता था। मॉनसून की बारिश शुरु होते ही धंगर कोंकण व तटीय इलाके छोड़कर सूखे पठारों की तरफ लौट जाते थे।

प्रश्न 3. अफ्रीका के धनी व गरीब पशुचारकों के मध्य तुलना करें।

उत्तर– अफ्रीका के बाकी स्थानों की तरह मासाईलैण्ड में आए बदलावों से सारे चरवाहों पर एक जैसा असर नहीं पड़ा। अंग्रजी सरकार ने मुख्यिा नियुक्त किये। ये मुखिया माल इक्ट्ठा करने लगे। उनके पास नियमित आमदनी थी जिससे वे जानवर, साजो–सामान और जमीन खरीद सकते थे। ये अपने गरीब पड़ोसियों को लगान चुकाने के लिए कर्ज पर पैसा देते थे। उन्हे चरवाही व गैर चरवाही, दोनों तरह की आमदनी होती थी।

जो चरवाहे सिर्फ अपने जानवरों के सहारे जिंदगी बसर करते थे उनकी हालत अलग थी। उनके पास बुरे वक्त का सामना करने के लिए अक्सर साधन नहीं होते थे। युद्ध और अकाल के दौरान उनका सब कुछ खत्म हो जाता था। उन्हे काम की तलाश में शहरों में शरण लेनी पड़ती थी। कोई कच्चा कोयला जलाने का काम करने लगता था तो कोई सड़क या भवन निर्माण कार्यो में लग जाता था।

प्रश्न 4.

उत्तर–

1. <u>वनवासी के अनुसार</u>– लकड़ियों को बचाने के लिए वनों के प्रयोग से संबंधित नियम कानून बनने चाहिए, पेड़ों की अन्धाधुन कटाई रोकना चाहिए, पशुचाराई पर भी नियन्त्रण रखना चाहिए।
2. पेड़ों की आवश्यकता जहाज व रेलवे में होती है इसके लिए टीक व साल बृक्ष चाहिए। ये तभी सम्भव है जब ग्रामीणों या पशुचारकों को वनों में घुसने से मनाही किया जाए।

   पशुचारकों के अनुसार– हमें चारा, ईंधन, पत्ते चाहिए। दवा बनाने के लिए, खेती का सामान बनाने के लिए, घेरने के लिए बांस चाहिए। छाता व टोकरियाँ बनाने के लिए भी बांस चाहिए।

   वन कानून तथा वनों में प्रवेश की पाबंदी ने हमें परेशानियों में डाल दिया है। हम अपने मवेशी नहीं चरा सकते। हम शिकार कर अपना भोजन नहीं प्राप्त कर सकते। हम अपने घर (जंगल) से बेघर कर दिये गये है।

मुल्यपरक आधारित प्रश्न–

प्रश्न 1. राइका समुदाय का जिनीयोलौजिस्ट अपने समुदाय के इतिहास को क्यों याद करना चाहता है?

प्रश्न 2. ब्रिटिश अधिकारियों घुमन्तू पशुचारकों के प्रति क्या नजरियां रखते थे? अपराधी जनजाति अधिनियम के दो प्रावधानों को लिखें।

प्रश्न 3. औपनिवेशिक काल में उत्पादनों में हुए बदलाव को पशुचारक कैसे स्वयं को ढाले?

प्रश्न 4. अफ्रीका के धनी व गरीब पशुचारकों के जीवन की तुलना करें?

बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तरः–

(1) ग	**(2) घ**	**(3) घ**	**(4) ग**	**(5) ख**
(6) ग	**(7) घ**	**(8) ग**	**(9) घ**	**(10) घ**
(11) ग	**(12) ग**	**(13) घ**	**(14) घ**	**(15) घ**
(16) क	**(17) घ**	**(18) ख**	**(19) घ**	**(20) क**
(21) घ	**(22) ग**	**(23) घ**	**(24) क**	**(25) ख**

पाठ–6

किसान और काश्तकार

खुले खेतों और कॉमन्स का दौरः–

किसान अपने गाँव के आसपास की जमीन पर फसल उगाते थे। जमीन के ये टुकड़े समान रूप से उपजाऊ नहीं होते थे और कई जगह बिखरे होते थे। कोशिश यह होती थी कि हर किसान को अच्छी और खराब, दोनो तरह की जमीन मिले। खेती की इस जमीन के परे साझा जमीन होती थी। कॉमन्स की इस साझा जमीन पर सारे ग्रामीणों का हक होता था, यहाँ वे अपने मवेशी और भेड़–बकरियाँ चराते थे, जलावन की लकड़ियाँ बीनते थे और खाने के लिए कंद–मूल–फल इकट्ठा करते थे। इस बदलाव की शुरूआत 16वीं शताब्दी से हुई। ऊन महत्वपूर्ण हो गया। किसानों ने भेड़ों की नस्ल सुधारने और बेहतर चारागाहों के लिए साझा जमीन को घेरना शुरू कर दिया। इसने इंग्लैंड के भूदृश्य को आमूल बदलकर रख दिया।

अनाज की बढ़ती मांगः– अठारहवीं शताब्दी के मध्य बाड़ाबन्दी का उद्देश्य अलग हो गया। अब वे लोग अनाज उगाते थे। इंग्लैंड की आबादी तेजी से बढ़ी और इंग्लैंड का औद्योगीकरण हो रहा था। खाद्यानों की मांग बढ़ने लगी। बहुत सारे लोग रहने और काम करने के लिए शहरों का रूख करने लगे। बचे लोग ज्यादा अनाज उत्पादन करने लगे। खाद्यान्नों का बाजार भी फैला और खाद्यान्नों के दाम भी बढ़ने लगे। इससे उत्साहित होकर भूस्वामी अपनी बाड़ाबंद जमीन में बड़े पैमाने पर अनाज उगाने लगे।

बाड़ाबंदी का युगः– जनसंख्या के बढ़ने के साथ–साथ खाद्यानों का उत्पादन बढ़ा। जनसंख्या वृद्धि की तेजी रफ्तार के बावजूद 80 प्रतिशत इंग्लैंड खुद खाद्यान पैदा कर रहा था। खाद्यान्न उत्पादन में वृद्धि हुई। नई तकनीक के द्वारा तथा फसलों को बदलकर उगाने की पद्धति द्वारा। बाड़ाबंदी से अमीर भूस्वामियों को अपनी जोत (खेत) बढ़ाने और बाजार के लिए ज्यादा उत्पादन बढ़ाने में मदद मिली।

किसान–गरीबः– गरीबों को जमीन से बेदखल कर दिया गया। उनके अधिकार खत्म हो गए। अपने अधिकार से वंचित और जमीन से बेदखल होकर वे नए रोजगार की तलाश में दर–दर भटकने लगे। काम अनियमित, असुरक्षित, और अस्थिर हो गया।

मशीन पर निर्भरताः– थ्रेशरः– नेपोलियन युद्ध के दौरान थ्रेशिंग मशीन का आगमन हुआ, मजदूरों पर निर्भरता कम करने और उत्पादन में वृद्धि करने के लिए। नेपोलियन युद्ध के समाप्त होने के बाद बहुत सारे सैनिक अपने गाँव लौटे लेकिन उनके पास काम नहीं था लेकिन उसी समय यूरोप से अनाज का आयात बढ़ने लगा, उसके दाम कम हो गए और कृषि मंदी छा गई और मजदूर बेरोजगार हो गए।

'रोटी की टोकरी' और रेतीला बंजरः– इंग्लैंड में साझा जमीन का बाड़ाबंद करने के समय अमेरिका में, श्वेत अमेरिकन बसावट पूर्वी तट की एक संकीर्ण पट्टी तक सीमित थे। बीसवीं सदी के आते–आते ये अमेरिकन पश्चिम की और फैल गए। वहाँ की जमीन को कृषि योग्य बना दिया। अमेरिकन इंडियन को उनकी जमीन छोड़ने को विवश किया गया और वे पश्चिम की ओर मुड़ गए। श्वेत अमेरिकन पश्चिम की ओर मुड़े और भूमि साफ किया तथा गेहूँ उगाने लगे।

गेहूँ के लिए माँगः– उन्नसवीं सदी के उत्तरार्द्ध में जनसंख्या में वृद्धि हुई और अमेरिका के गेहूँ उत्पादन में जबरदस्त वृद्धि हुई और निर्यात बाजार भी दिनोंदिन फैलता जा रहा था। गेहूँ की माँग बढ़ी। रूसी गेहूँ की आपूर्ति बंद हो गई। प्रथम विश्वयुद्ध के समय गेहूँ के विश्व बाजार में भारी उछाल आया।

अनुसंधानों से परिचयः– नई तकनीक का आगमन हुआ, जिसका उद्येश्य उत्पादन को बढ़ाना था। ट्रैक्टर, डिस्क हलों, हँसिये, कम्बाइन्ड हार्वेस्टर्स इत्यादि का इस्तेमाल शुरू हुआ।

भारतीय किसान और अफीम की खेतीः–

चीन के साथ व्यापारः– भारत में अफीम का उत्पादन का इतिहास चीन और इंग्लैंड के पारस्परिक व्यापार से गहरे रूप से जुड़ा है। पश्चिम के व्यापारी चीन के साथ व्यापार को संतुलित करना चाहते थे वे एक ऐसी वस्तु की तलाश में थे जिसे चीन के बाजार में बेचा जा सके। इंग्लैंड में, अंग्रेज चाय चीन से लाया करते थे और चीन अफीम उनसे लाते थे।

अफीमः– स्रोत–भारतः– भारतीय किसानों को अफीम उपजाने के लिए विवश किया जाता था। ब्रिटिश सरकार उनसे बहुत साधारण मूल्य में अफीम खरीदती थी।

अनैच्छिक उत्पादकः– उत्पादक कई कारणों से अफीम उत्पादन करने के लिए इच्छुक नहीं थे।

- अफीम के लिए उपजाऊ भूमि की आवश्ययक्ता थी।
- ब्रिटिश के द्वारा बहुत कम मूल्य मिलता था
- बहुत देखभाल की जरूरत थी।

अंग्रेज सरकार ने पाया कि उनके क्षेत्र में अफीम का उत्पादन घटने लगा है जबकि गैर–ब्रिटिश इलाकों में अफीम की खेती खूब फल–फूल रही थी। व्यापारी चीन को प्रत्यक्ष रूप से अफीम बेचते थे। सरकार अफीम पर अपना आधिपत्य बनाए रखना चाहती थी।

गरीबः– गरीब किसानों के लिए मशीनें बर्बादी बनकर आई। इनमें से बहुतों ने कर्ज लेकर मशीन खरीदा जिसे बाद में वे चुका नहीं पाए। नौकरी मिलना कठिन हो गया। उत्पादन बढ़ा और जल्द ही बहुत अधिक हो गया। गेहूँ का मूल्य गिरा और निर्यात बाजार प्रभावित हुआ। 1930 में अमेरिका में मंदी आया और किसानों की हालत दयनीय हो गई।

रेत के कटोरेः– 1930 के दशक में दक्षिण के मैदान में रेतीले तुफान आने शुरू हुए। पशुओं की भारी संख्या में मृत्यु हुई और भूमि नष्ट हो गए। किसानों ने हर संभव हिस्से से घास साफ कर डाली थी तथा ट्रैक्टरों की सहायता से इस जमीन को खेती के लिए तैयार किया। यह सारा क्षेत्र रेत के एक विशालकाय कटोरे में बदल गया।

बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर (1 अंक)

1. चारागाह समुदायों की लगातार आवाजाही ने मदद की –

(क) चारागाह में पुनः सुधार होना (ख) अत्यधिक प्रयोग से बचाव

(ग) मकानों की माँग में कमी (घ) क अथवा ख

2. 1800 में कौन सी प्रथा के खत्म होने पर, कर्मचारियों के जीवन में बहुत परिवर्तन आया?

(क) 1800 में कर्मचारी जमीदार के साथ रहते थे और पूरे साल उनके कार्य में उनकी सहायता करते थे।

(ख) फसल तैयार हो जाने पर उन्हें वेतन दी जाती थी।

(ग) मुनाफा में वृद्धि पाने हेतु वो कर्मचारी को कम वेतन देते थे।

(घ) उपर्युक्त सभी

3. गोरे उपनिवासी, भारतीय अमरिकी को उनकी भूमि से बेदखल क्यों करना चाहते थे?

(क) भारतीयों के अधिकार की भूमि को जुताई योग्य भूमि में परिवर्तित किया जा सकता था।

(ख) जंगल की लकड़ी को निर्यात किया जा सकता था, जानवरों के चमड़े के लिए उनका शिकार और पहाड़ों को सोने एवं अन्य खनिज पदार्थों के लिए खोदा जा सकता था

(ग) क एवं ख दोनों

(घ) यह अमरिकी सरकार की स्वीकृति नीति की युक्ति थी।

4. (कप्तान) कैंन्टन स्विंग कौन थे?

(क) किसान (ख) काल्पनिक नाम

(ग) कर्मचारी (घ) जमींदार

5. 20वीं सदी के परिदृश्य में किस वजह से मौलिक परिवर्तन आया था?

(क) गोर अमरिकी का पश्चिम की ओर हटना

(ख) स्थानीय दल का विस्थापन

(ग) अमरिकी परिदृश्य को भिन्न कृषि संबंधी क्षेत्र में परिवर्तित होना।

(घ) उपर्युक्त सभी।

6. धूल भरी आँधी किस कारण से आई थी?

(क) 1930 के पूर्व सुखाड़ग्रस्त वर्ष था (ख) हवा काफी तूफानी गति से चल रही थी

(ग) सारे जमीन की जुताई हो चुकी थी और सभी घास को उखाड़ दिया गया था।

(घ) उपर्युक्त सभी।

7. उन्नीसवीं सदी में, भारत ने कौन सी दो मुख्य वाणिज्यिक फसल अंतर्राष्ट्रीय बाजार के लिए उत्पादन की थी?

(क) नील (ख) अफीम (ग) मक्का (घ) क एवम् ख

8. चीन के कॉनफ्यूजियस शासक, मंचू को विदेशी व्यापारी पर संदेह क्यों था?

(क) अंग्रेज बहुत कम मूल्य पर चाय की खरीदारी करते थे

(ख) उन्हे डर था कि अंग्रेज उनकी स्थानीय राजनीति में हस्तक्षेप करेंगे और उनके अधिकारी सत्ता को बिगाड़ देगें।

(ग) चीन आत्मनिर्भर था और किसी भी देश के साथ व्यापार नहीं करना चाहता था।

(घ) उपर्युक्त सभी।

9. कौन से अमरिकी राष्ट्रपति ने इस कथन को कहा था– ''खूब गेहूँ उपजाओ, गेहूँ ही हमें जंग जितवाएगा।''

(क) राष्ट्रपति रूजवेन्ट (ख) राष्ट्रपति बूश

(ग) राष्ट्रपति क्लिंटन (घ) राष्ट्रपति विल्सन

10. गेहूँ उत्पादन के क्षेत्रफल में उस समय कितनी अमरिकी भूमि थी

(क) 1000–2000 एकड़ भूमि (ख) 3000–4000 एकड़ भूमि

(ग) 2000–3000 एकड़ भूमि (घ) 4000–5000 एकड़ भूमि

11. 1832 में सायरस मैक्कॉमिक ने हॅसिया का काम करने वाले पहले औजार का आविष्कार किया था। इसका महत्व क्या था?

(क) 50 एकड़ गेहूँ की कटाई की जा सकती थी

(ख) 500 एकड़ गेहूँ की कटाई दो सप्ताह में किया जा सकता था।

(ग) यह विशाल मैदान में घास काट सकता था।

(घ) इससे भूमि को उत्पादन के लिए तैयार किया जा सकता था।

12. इनमें से कौन सा विकल्प महा एग्रेरियन विवाद (कृषि विवाद) का कारण नहीं था?

(क) उत्पादन में एकाएक घटाव (ख) गोदाम धान से भर गया था

(ग) बहुत से गेहूँ एवं अनाज को जानवर के चारा बना दिया था।

(घ) गेहूँ का दाम घट गया और निर्यात् बाजार गिर गया।

13. 1930 में ग्रेट प्लेन के उपनिवासी को किस बात का यर्थाथ हुआ?

(क) उपज के लिए पुरानी विधि, आधुनिक मशीनों से ज्यादा अच्छी थी

(ख) अन्य देशों से प्रतियोगिता स्वस्थ नहीं थी

(ग) प्राकृतिक परिस्थिति की इज्जत करनी चाहिए।

(घ) कोई भी विकल्प नहीं।

14. चीनी शासक ने अफीम के प्रयोग के सम्बन्ध में कौन सी आदेश दी थी।

(क) अंग्रेजों को चीन में अफीम बेचने की अनुमति

(ख) चीनी शासक अपने लोगों को ज्यादा से ज्यादा अफीम उगाने को कहा

(ग) शासक ने अफीम का उत्पादन एवं बिक्री चिकित्सकीय कार्य के अलावा अन्य कार्य के लिए रोक दिया

(घ) उपर्युक्त में कोई नहीं

15. 1839 में अफीम के व्यापार को रोकने के लिए कैंटन के शासक के द्वारा विशेष आयुक्त बनाकर किसे भेजा गया?

(क) आई–सींग (ख) लिन जे–शू

(ग) लाय–सूँ (घ) उपर्युक्त में कोई नहीं

16. अफीम युद्ध (1837–42) का परिणाम क्या था?

(क) चीन को जबरदस्ती संधि की अपमानजनक शर्तें माननी पड़ी

(ख) उन्हें अफीम का व्यापार कानूनी बनाना पड़ा

(ग) उन्हें चीन में विदेशी व्यापारों की अनुमति देनी पड़ी।

(घ) उपर्युक्त सभी

17. बाड़ाबन्दी क्या दर्शाता है?

(क) इसका अर्थ हरा मैदान (ख) जमीन के टुकड़े पर चारो ओर से बाड़ लगाना

(ग) इसका अर्थ खुला मैदान (घ) दलदली भूमि का विस्तृत क्षेत्र

18. 1930 का महान कृषि मंदी का कारण था?

(क) गेहूँ का अत्यधिक उत्पादन (ख) गेहूँ उत्पादन का गिरना

(ग) गेहूँ का मूल्य का बढ़ना (घ) चावल का अत्यधिक उत्पादन

19. अफीम को भारत से निर्यात किया गया था–

(क) चीन (ख) रोम

(ग) यू0 के0 (घ) पुर्त्तगाल

20. मंचू शासक थे–

(क) चीनी शासक (ख) रोमन शासक

(ग) भारतीय शासक (घ) पुर्त्तगाल शासक

लघुउत्तरीय प्रकार के प्रश्न (3 अंक)

प्रश्न 1ः इंग्लैंड के गरीब थ्रेसिंग मशीन के विरूद्ध क्यों थे? कैप्टन स्विंग आन्दोलन क्या था?

उत्तरः गरीब किसानों ने यह महसूस किया कि थ्रेसिंग मशीन लोगों को काम से निकाल देगा, उनके जीविका के साधन छीन जायेंगे और बेरोजगार हो जाएंगे। कैप्टन स्विंग एक मिथकिय नाम था तथा किसानों को धमकी भरे पत्र मिलने लगे कि वे इन मशीनों का इस्तेमाल बन्द कर दें क्योंकि इनके कारण मेहनतकशों की रोजी छिन गई है।

प्रश्न 2ः निम्नलिखित को परिभाषित करेंः–

(क) कृषि (ख) बाड़ाबन्दी (ग) कॉमन्स

उत्तरः कृषिः फसलों को उगाने का विज्ञान है, फसलों को उगाने के लिए खेती योग्य भूमि, जानवर रखना या पशुपालन।

बाड़ाबन्दीः अपनी भूमि को दूसरे की भूमि से अलग कर के जमीन पर निजी बाड़ लगाने की प्रक्रिया। इसके कारण गरीब लोग भूमि का इस्तेमाल नहीं कर सकते थे।

कॉमन्सः खेती की इस जमीन से अलग साझा जमीन होती थी। कॉमन्स की इस साझा जमीन पर सारे ग्रामीणों का हक होता था। यहाँ वे अपने मवेशी और भेड़–बकरियाँ चराते थे, जलावन की लकड़ियाँ बीनते थे, खाने के लिए कंदमूल फल इकट्ठा करते थे। जंगल में वे शिकार करते और नदियों, ताल–तलैयों में मछली पकड़ते।

प्रश्न 3ः ''अठारहवीं'' सदी के अंतिम वर्षों और उन्नसवीं सदी के शुरूआती दौर में इंग्लैंड के देहाती इलाकों में नाटकीय बदलाव हुए। व्याख्या करें।

उत्तरः अठारहवीं सदी के अंतिम वर्षों और उन्नीसवीं सदी के शुरूआती दौर में इंग्लैंड के देहाती इलाकों में नाटकीय बदलाव आएः–

(1) पहले इंग्लैंड का ग्रामीण क्षेत्र काफी खुला–खुला हुआ करता था। न तो जमीन भूस्वामियों की निजी संपत्ति थी और न ही उसकी बाड़ाबन्दी की गई थी। यह खुला और कॉमन्स भूमि होती थी।

(2) अठारहवीं शताब्दी के मध्य तक बाड़ाबन्दी आन्दोलन की रफ्तार पूरे देहात में फैल गई और इसने इंग्लैंड के भूदृश्य को बदलकर रख दिया। 1750 से 1850 के बीच 60 लाख एकड़ जमीन पर बाड़े लगाई गई।

प्रश्न 4: मंचू शासक चीन में विदेशी वस्तुओं के प्रवेश के पक्ष में क्यों नहीं थे?

उत्तर: चीन का मंचू शासक विदेशी व्यापारियों को संदेह की दृष्टि से देखता था। शासकों को भय था कि ये व्यापारी स्थानीय राजनीति में हस्तक्षेप किया करेंगे और शासकों को उनके शासन में बाधा पहुँचाऐंगे।

प्रश्न 5: अठारहवीं शताब्दी के मध्य इंग्लैंड में बाड़ाबन्दी आन्दोलन के तीन कारकों का व्याख्या करें।

उत्तर: वे कारक जो इंग्लैंड में बाड़ाबन्दी आन्दोलन के लिए उत्तरदायी थेः–

(1) इंग्लैंड की आबादी का तेजी से बढ़ना, जो 7 लाख 1750 से बढ़कर 21 लाख 1850 में और 30 लाख 1900 में थी।

(2) बढ़ती आबादी के लिए खाद्यानों की मांग।

(3) फ्रांस और इंग्लैंड के बीच युद्ध के कारण यूरोपीय खाद्यानों के आयात सहित व्यापार बाधित हुआ। इसका नतीजा हुआ कि इंग्लैंड में खाद्यानों के दाम आसमान छूने लगे। इससे उत्साहित होकर भूस्वामी अपनी बाड़ाबंद जमीन में बड़े पैमाने पर अनाज उगाने लगे। उनकी तिजोरियाँ भरने लगी और उन्होंने बाड़ाबंदी कानून पारित करने के लिए संसद पर दबाब डालना शुरू कर दिया।

प्रश्न 6: ब्रिटिश संसद द्वारा बाड़ाबन्दी कानून पास होने के क्या कारण थे?

उत्तर: 1. अठारहवीं शताब्दी के मध्य तक बाड़ाबन्दी आंदोलन की रफ्तार काफी धीमी रही। शुरू में गिने–चुने भूस्वामियों ने अपनी पहल पर ही बाड़ाबन्दी की थी।

2. उन्हें राज्य या चर्च का साथ नहीं मिला था। लेकिन अठारहवीं सदी के दूसरे हिस्से में बाड़ाबन्दी आन्दोलन इंग्लैंड के पूरे देहात में फैल गया और इसने इंग्लैंड के भूदृश्य को बदलकर रख दिया। 1750 से 1850 के बीच 36 लाख एकड़ जमीन पर बाड़े लगाई गई। ब्रिटेन की संसद ने सक्रिय भूमिका निभाते हुए इन बाड़ों को वैधता प्रदान करने के लिए 4000 कानून पारित किया।

प्रश्न 7: इंग्लैंड के भूस्वामियों पर बाड़ाबन्दी आन्दोलन का क्या प्रभाव पड़ा था?

उत्तर: बाड़ाबन्दी आन्दोलन ने अमीर भूस्वामियों को और अमीर बनाने में औजार का काम किया। इसके कारण भूस्वामियों के द्वारा कृषि पद्धति और तकनीक में विभिन्न परिवर्तन लाए गए। अमीर किसान अनाज उत्पादन में वृद्धि किया और विश्व बाजार में खाद्यान को बेचा तथा मुनाफा कमाया और

शक्तिशाली बन गए। गरीब किसान, अमीर किसान को अपने छोटे भूमि के टुकड़ों को बेचा और वे लोग गाँव छोड़ दिए।

प्रश्न 8: बाड़ाबन्दी ने भूस्वामियों के जेब भरा। क्या हुआ जब गरीब लोग अपने आजीविका के लिए कॉमन्स पर निर्भर थे?

उत्तर: बाड़ाबन्दी ने अमीर भूस्वामियों की तिजोरियाँ भर दी। बाड़ लगने से बाड़े के भीतर की जमीन भूस्वामी की निजी संपत्ति बन जाती थी। गरीब अब न तो जंगल से जलावन की लकड़ी बटोर सकते थे और न ही साझा जमीन पर अपने पशु चरा सकते थे। वे न तो सेब या कंद–मूल बीन सकते थे और न ही गोश्त के लिए शिकार कर सकते थे।

अब उनके पास फसल कटाई के बाद बची ठूंठों को बटोराने का विकल्प भी नहीं रह गया था। हर चीज पर जमींदारों का कब्जा हो गया, हर चीज बिकने लगी और वह भी ऐसी कीमतों पर कि जिन्हें अदा करने की सामर्थ्य गरीबों के पास नहीं थी। गरीब भूमि पर से विस्थापित कर दिए गए। वे नए रोजगार की तलाश में दर–दर भटकने लगे। मध्यवर्ती क्षेत्रों से वे दक्षिणी प्रांतों की ओर जाने लगे।

प्रश्न 9: इंग्लैंड के ग्रामीण क्षेत्रों में ''कैप्टन स्विंग'' दंगों के किन्हीं तीन कारणों का उल्लेख करें।

उत्तर: 1. इंग्लैंड में आधुनिक कृषिः ''थ्रेशिंग मशीन'' का उपयोग ने मजदूरों को उनके रोजगार से वंचित कर दिया।

2. बाड़ाबन्दीः कॉमन्स की इस साझा जमीन पर सारे ग्रामीणों का हक होता था। गरीब के लिए यह साझा जमीन जिंदा रहने का बुनियादी साधन थी। इसी जमीन के बल पर वे लोग अपनी आय में कमी को पूरा करते और अपने जानवरों को पालते।

3. यहाँ वे अपने मवेशी और भेंड़–बकरियाँ चराते थे, जलावन की लकडियाँ बीनते और खाने के लिए कंद मूल–फल इकट्ठा करते थे।

इन्हीं कारणों के कारण गरीबों ने कैप्टन स्विंग दंगों की शुरूआत की।

प्रश्न 10: इंग्लैंड के ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न वर्गों के लोगों पर कृषि क्रांति के प्रभाव का वर्णन करो।

उत्तर: 1. आधुनिक कृषि के आगमन से इंग्लैंड में विभिन्न प्रकार के परिवर्तन आए। भूस्वामियों ने मुक्त खेतों, सार्वजनिक जंगलों, दलदली जमीन और चारागाहों को काट–छाँट कर बड़े–बड़े खेत बना लिए थे। अर्थात् मुक्त खेत समाप्त हो गए और किसानों के पारंपरिक अधिकार भी जाते रहे।

2. अमीर किसानों ने पैदावार में वृद्धि और अनाज को बाजार में बेच कर मोटा मुनाफा कमाया और ताकतवर हो गए।

3. गाँव के गरीब बड़ी संख्या में शहरों की ओर पलायन करने लगे। कुछ लोग मध्यवर्ती क्षेत्रों को छोड़कर दक्षिणी प्रांतों का रूख करने लगे जहाँ रोजगार की संभावना बेहतर थी तो कुछ अन्य शहरों की ओर चल पड़े। मजदूरों की आय का ठिकाना नहीं रहा, रोजगार असुरक्षित और आजीविका के स्रोत अस्थिर हो गए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

प्रश्न 1: कृषि मंदी के प्रमुख कारकों का वर्णन करें। इस मंदी के क्या परिणाम थे?

उत्तरः 1. नेपोलियन युद्ध के समाप्त होने के बाद बहुत सारे सैनिक अपने गाँव और खेत खलिहान में वापस लौट आए। उन्हें नए रोजगार की जरूरत थी।

2. लेकिन उसी समय यूरोप से अनाज का आयात बढ़ने लगा, उसके दाम कम हो गए और कृषि मंदी छा गई। बैचेन होकर भूस्वामियों ने खेती की जमीन को कम करना शुरू किया और मांग करने लगे कि अनाज का आयात रोका जाए।

3. उन्होंने मजदूरों की दिहाड़ी और संख्या कम करनी शुरू कर दी। गरीब और बेरोजगार लोग काम की तलाश में गाँव–गाँव भटकते थे और जिन के पास अस्थायी सा कोई काम नहीं था, उन्हें भी आजीविका खो जाने की आशंका रहती थी।

4. यही वह दौर था जब देहात में कैप्टन स्विंग वाले दंगे फैले। गरीबों की नजर में थ्रेशिंग मशीन बुरे वक्त की निशानी बन कर आई।

प्रश्न 2: नेपोलियन युद्ध के समय किसानों ने खेती में मशीनीकरण की शुरूआत को क्यों आवश्यक महसूस किया?

उत्तरः 1. जिन दिनों नेपोलियन इंग्लैंड के विरूद्ध युद्ध छेड़े हुए था, उन दिनों खाद्यान के भाव काफी उँचे थे और काश्तकारों ने जमकर अपना उत्पादन बढ़ाया।

2. मजदूरों की कमी के डर से उन्होंने बाजारों में नई–नई आई थ्रेसिंग मशीनों को खरीदना शुरू कर दिया।

3. काश्तकार अक्सर मजदूरों के आलस, शराबखोरी और मेहनत से जी चुराने की शिकायत किया करते थे उन्हें लगा कि मशीनों से मजदूरों पर उनकी निर्भरता कम हो जाएगी।

प्रश्न 3: श्वेत अमेरिकी का पश्चिमी विस्तार का वर्णन करें।

उत्तरः अमेरिका में कृषि विस्तार का संबंध श्वेतों के पश्चिमी क्षेत्र में जाकर बसने से गहरे रूप से जुड़ा है। 1775 से 1783 तक चले अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम और संयुक्त राज्य अमेरिका के गठन के बाद श्वेत अमेरिकी पश्चिमी इलाकों की तरफ बढ़ने लगे। टॉमस जेफसेन के 1800 में अमेरिका का राष्ट्रपति बनने तक लगभग 700,000 श्वेत, दर्रो के रास्ते अपलेशियन पठारी क्षेत्र में जाकर बस चुके थे।

प्रश्न 4: अमेरिका में गेहूँ के विस्तार के साथ जुड़ी समस्याएें क्या थीं?

उत्तरः 1. उन्नीसवीं सदी के आखिरी सालों में अमेरिका के गेहूँ उत्पादन में जबर्दस्त वृद्धि हुई, इसी दौरान अमेरिका की शहरी आबादी बढ़ी। यह विस्तार नई तकनीक के कारण संभव हो पाया।

2. उन्होंने नई फसलों के मुताबिक अपनी तकनीक में बदलाव किए। अब किसान खेती के लिए जमीन को ट्रैक्टर और डिस्क हलों की मदद से साफ किया।

3. फसल पकने के बाद उसकी कटाई का नंबर आता था। बीसवीं सदी के शुरू होते–होते किसान फसल काटने के लिए कम्बाइन्ड हार्वेस्टर्स का इस्तेमाल करने लगे।

4. इन मशीनों से जमीन के बड़े टुकड़ों पर फसल काटने, ठूँठ निकलने, घास हटाने और जमीन को दोबारा खेती के लिए तैयार करने का काम बहुत आसान हो गया लेकिन यहाँ एक समस्या थी। गरीब किसान के लिए कर चुकाना कठिन हो गया। ये मशीन नहीं खरीद सके। इन किसानों को बैंक आसानी से ऋण देते थे लेकिन इनके लिए ऋण चुकाना मुश्किल होता था।

इनमें से कई अपनी जमीन को छोड़ दिए और रोजगार की तलाश करने लगे। इस समय मैदानों में रेतीले तूफान आने शुरू हो गए, सबकुछ अंधकारमय हो गया, पशु भारी संख्या में मरने लगे, मैदान, नदियाँ, और मशीनें रेत के ढ़ेर में फंसकर बेकार हो गए।

इसका कारण पूरा क्षेत्र लगातार खेती के कारण जमीन की उपरी परत काफी हद तक टूट गई थी उसपर घास का नामोनिशान नहीं बचा था। यह सारा क्षेत्र रेत के विशालकाय कटोरे में बदल गया।

प्रश्न 5: किस प्रणाली के द्वारा अनैच्छिक उत्पादकों को अफीम उत्पादन के लिए अंग्रेजों ने तैयार किया? यह प्रणाली कैसे काम किया?

उत्तरः 1. किसानों के लिए, भूस्वामी का कर चुकाने या अपने लिए भोजन और वस्त्र का प्रबंध करना हमेशा मुश्किल रहता था।

2. अफीम के सरकारी एजेंटों के जरिए गाँव के प्रधान को अग्रिम रकम दी जाती थी।

3. ऋण की सुविधा के चलते किसान न केवल अपनी तात्कालिक जरूरतों को पूरा कर पाते थे बल्कि पहले से लिए कर्ज को भी अदा करने के हालत में आ जाते थे। यह ऋण गाँव के प्रधान को दिए जाते थे और गाँव के प्रधान इन किसानों को ऋण देते थे।

4. इस व्यवस्था के तहत किसानों को एक निश्चित क्षेत्रफल में अफीम बोनी पड़ती थी, फसल अफीम के एजेंटों द्वारा काटी जाती थी।

5. फसल के दाम एजेंटों द्वारा तय की जाती थी और ये दाम हमेशा कम होते थे।

(हाट्स)

प्रश्न 1: भारत में अफीम उत्पादन का इतिहास, चीन के व्यापार के साथ ब्रिटिश की कहानी किस प्रकार जुड़ा था?

उत्तरः 1. भारत में अफीम उत्पादन का इतिहास, चीन और इंग्लैंड के व्यापार की कहानी के साथ जुड़ा था। ईस्ट इंडिया कंपनी चीन से चाय और रेशम खरीदकर इंग्लैंड में बेचा करती थी। चाय की लोकप्रियता बढ़ने के साथ चाय का व्यापार दिनोंदिन महत्वपूर्ण होता गया। इस प्रकार से एक समस्या उत्पन्न हो गई।

2. इंग्लैंड में इस समय ऐसी किसी वस्तु का उत्पादन नहीं किया जाता था जिसे चीन के बाजार में आसानी से बेचा जा सके। चाय के व्यापार को कैसे जारी रख सकते थे। वे एक ऐसी वस्तु के तलाश में थे जिसे चीन के बाजार में बेचा जा सके। चीन में अफीम की शुरूआत सोलहवीं सदी में पुर्तगालियों ने की।

3. पश्चिम के व्यापारी ने चीन में अफीम का अवैध व्यापार करना शुरू कर दिया। जहाँ इंग्लैंड में चीन से आयात की गई चाय का लोगों को लत लग गई चीन की जनता अफीम की लत का शिकार होने लगी।

प्रश्न 2: अफीम युद्ध (1837–42) के कारणों की व्याख्या करें।

उत्तर: 1. 1839 में चीन के शासक ने लिन–जे–शू को कैंटन का विशेष आयुक्त नियुक्त किया, जिनको अफीम का व्यापार रोकने की जिम्मेदारी दी गई थी।

2. वह 1839 के वसंत में कैंटन पहुँचा। जे–शू ने पद संभालते ही अफीम के व्यापार में लगे 1600 लोगों को गिरफ्तार करने का आदेश दिए और 11,000 पौंड अफीम जब्त कर ली।

3. इसके बाद लिन जे–शू ने विदेशी फैक्ट्रियों को अफीम का स्टॉक खाली करने की हिदायत दी। इस कार्रवाई के तहत अफीम के 20000 क्रेट नष्ट किए गए।

4. जे–शू के कैंटन में विदेशी व्यापार पर रोक लगाने से इंग्लैंड ने चीन के खिलाफ युद्ध की घोषणा कर दी। अफीम युद्ध (1837–42) में चीन को मुँह की खानी पड़ी और उसे एक अपमानजनक संधि स्वीकार करनी पड़ी।

5. संधि के शर्तों के अनुसार अफीम के व्यापार को कानूनी मान्यता दे दी गई और चीन के दरवाजे विदेशी व्यापारियों के लिए खोल दिए गए।

प्रश्न 3: ''जबतक अफीम का उत्पादन जारी रहा तब तक ब्रिटिश सरकार, किसान और स्थानीय व्यापारियों के बीच यह टकराव चलता रहा।'' व्याख्या करें।

उत्तर: 1. 1773 तक बंगाल सरकार ने अफीम के व्यापार पर आधिपत्य जमा लिया। सरकार के अलावा कोई बाहरी व्यक्ति यह व्यापार नहीं कर सकता था।

2. 1820 के दशक में अंग्रेज सरकार ने पाया कि उनके क्षेत्र में अफीम का उत्पादन घटने लगा है। जबकि गैर–ब्रिटिश इलाकों में अफीम की खेती खूब फल–फूल रही थी। मध्य भारत और राजस्थान जैसे गैर–ब्रिटिश क्षेत्रों में अफीम का उत्पादन बदस्तूर जारी था।

3. सरकार अफीम पर अपना आधिपत्य बनाए रखना चाहती थी, इसलिए उसने रियासतों में तैनात अपने एजेंटों को इन व्यापारियों की अफीम जब्त करने और फसलों को नष्ट करने के आदेश दिए।

जबतक अफीम का उत्पादन जारी रहा तबतक ब्रिटिश सरकार, किसान और स्थानीय व्यापारियों के बीच यह टकराव चलता रहा।

मूल्य आधारित प्रश्नः

प्रश्न 1: अमेरिकी श्वेतों का पश्चिमी प्रसार का वर्णन करें।

प्रश्न 2: बंगाल के किसानों ने अपने खेतों पर अफीम की खेती करने से इन्कार क्यों किया?

प्रश्न 3: इंग्लैंड के गरीबों ने थ्रेशिंग मशीन का विरोध क्यों किया?

बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तरः

1. (घ)	2. (घ)	3 (ख)	4 (ख)	5 (घ)	6 (घ)
7 (घ)	8 (ख)	9 (घ)	10(ख)	11(ख)	12(क)
13 (ग)	14 (ग)	15(घ)	16(घ)	17(ख)	18(क)
19 (क)	20 (क)				

पाठ–7

इतिहास और खेल □क्रिकेट की कहानी

क्रिकेट इंगलैंड में डंडे एवं गेंद के खेल से पैदा हुआ। सत्रहवीं सदी में यह खेल एक आम पहचान बन चुकी थी। यह इतना लोकप्रिय हो चुका था कि रविवार चर्च न जाकर मैच खेलने के लिए इसके दिवानों पर जुर्माना लगाया जाता था।

यह क्रिकेट मैच पा□ दिनों तक चल सकता है या फिर इस मैच का कोई नतीजा न निकले।

क्रिकेट के पिच की लंबाई तो तय – **22** गज होती है पर मैदान का आकार – प्रकार एक – सा नहीं होता ।

क्रिकेट के नियम औद्योगिक क्रांति के बाद बने जब जीवन धीमी रफ्तार से बढ़ रही थी।

क्रिकेट मूलत□ कामन्स में खेला जाता था। हरेक कामन्स का आकार हरेक गा□ में अलग – अलग होता था। इसलिए न तो बाउंड्री तय थी और न ही चौके।

अंपायर दोनों कप्तानों से सलाह कर के इलाके की सीमा तय करेगा।

गेंद का वजन **3** से **6** औंस के बीच होगा और स्टंप के बीच की दूरी **22** गज होगी।

दुनिया का पहला क्रिकेट क्लब हैम्बल्डन में **1760** के दशक में बना था।

मेरिलिबोन क्रिकेट क्लब (एम0सी0सी0) की स्थापना **1787** में हुई। इसके अगले साल ही एम सी सी ने क्रिकेट के नियमों में सुधार किए और उनका अभिभावक बन बैठा। एम सी सी के सुधारों से खेल परिवर्तन हुए□जिन्हें **18**वीं सदी के दूसरे हिस्से में लागू किया गया।

गेंद जमीन पर लुढ़काने की जगह गेंद को हवा में लहराकर आगे पटकने का चलन को गया।

मुड़े हुए बल्ले की जगह सीधे बल्ले ने ली।

गेंद का वजन अब साढ़े पा□ से पौने छ□ औंस तक हो गया ।

बल्ले की चौड़ाई चार इंच कर दी गई। लगभग उसी समय तीसरे स्टंप का चलन भी हुआ।

1780 तक बड़े मैचों की अवधि तीन दिन की हो गई थी। इसी साल छ□ सीवन वाली क्रिकेट बॉल भी अस्तित्व मे आई।

इंग्लैंड में क्रिकेट के आयोजन पर अंग्रेजी समाज की साफ छाप है।

इस खेल के खिलाड़ियों को दो हिस्से में बा□ गया □

शौकिया खिलाड़ी – ये वो खिलाड़ी होते थे जो अमीर होते थे तथा मजे क लिए के लिए क्रिकेट खेलते थे।

पेशेवर खिलाड़ी – ये वो खिलाड़ी होते जो अपनी रोजी – रोटी के लिए खेलते थे तथा गरीब होते थे।

क्रिकेट के नियम बनाने में 'जेंटल मेन' को तरजीह दी गई। ये जेंटलमेन अधिकतर बल्लेबाजी करते थे। चाहे क्लब की या राष्ट्रीय टीम हो तो कप्तान बल्लेबाज होता था। अकसर कहा जाता है कि 'वाटरलू' का युद्ध ईटन के खेल के मैदान में जीता गया।

क्रिकेट का प्रसार –

क्रिकेट एक औपनिवेशिक खेल बना रहा। यह उन्हीं देशों में जड़े जमायीं यहा□अंग्रेजों ने कब्जा जमाकर शासन किया। क्रिकेट इसलिए लोकप्रिय खेल बन पाया क्योंकि गोरे बाशिंदो ने इसे अपनाया जहा□स्थानीय अभिजात वर्ग ने अपने औपनिवेशिक मालिकों की आदतों की नकल करने की कोशिश की।

भारतीय प्रथम श्रेणी क्रिकेट के शुरूआती इतिहास में टीमों को भौगोलिक आधारों पर नहीं बा□ा जाता था। **1932** के पहले किसी टीम को टेस्ट मैच में राष्ट्रीय नुमाइंदगी का अधिकार नहीं मिला था।

भारत मे **क्रिकेट** का पहला सबूता हमें **1721** से मिला है□पहला भारतीय क्लब□कलकत्ता क्लब□**1792** में बना। भारत का पहला समुदाय जिसने सबसे पहले क्रिकेट खेला वे पारसी थे। पारसियों ने **1848** में पहले क्रिकेट क्लब की स्थापना बम्बई मे की जिसका नाम था ओरिएंटल क्रिकेट क्लब।

क्रिकेट टूर्नामेंट खेलनेवाली टीमें क्षेत्रा आधार पर नहीं बनती थी। इस टूर्नामेंट को शुरू मे क्वाड्रैग्युलर या चतुष्कोणीय कहा गया।

इसमें चार टीमें – यूरोपीय□पारसी□हिन्दु व मुसलमान खेलती थी। बाद में यह पेंटोग्युलर या पा□कोणिय हो गया और पा□वीं टीम थी टेस्ट।

1930 – 1940 के दशक मे अनेक व्यक्ति तथा भारत के लोकप्रिय राजनेता महात्मा गा□धी ने पेंटाग्युलर को समुदाय के आधार पर बा□नेवाला बताकर इसकी निंदा की।

आधुनिक क्रिकेट में टेस्ट और एकदिवसीय इंटरनेशनल का वर्चस्व है जिन्हें राष्ट्रीय टीमों के बीच खेला जाता है।

यूरोपीय साम्राज्यों से आजादी हासिल कर स्वतन्त्र राष्ट्रो के बनने की प्रकिया को वि–औपनिवेशीकरण कहा जाता है।

पिछली सदी के **50** व **60** के दशक में विश्व क्रिकेट के मिजाज का पता इस बात से मिलता है कि इग्लैंड तथा कॉमनवेल्थ के दूसरे देशों ऑस्ट्रेलिया व न्यूजीलैंड ने दक्षिण – अफ्रीका जैसे देश के साथ क्रिकेट खेलना जारी रखा।

जब एशिया व अफ्रीका में उपनिवेशवाद से नए आजाद हुए देशों ने और साथ में ब्रिटेन की उदारवादी हवा ने अंग्रेजी क्रिकेट अधिकारियों पर दबाव डालकर **1970** में ब्रिटेन के दक्षिण अफ्रीका दौरे को रद्द करवाने में कामयाबी पायी।

क्रिकेट **1970** के दशक में काफी बदल गया यह ऐसा दौर था जिसमें इस पारंपरिक अफ्रीका को क्रिकेट से बहिष्कृत किया गया। **1971** को इसलिए याद किया जाएगा चू□कि इस साल इंग्लैड व ऑस्ट्रेलिया के बीच सबसे पहला एकदिवसीय मैच मेलवर्न में खेला गया।

क्रिकेट का यह छोटा संस्करण इतना लोकप्रिय हुआ कि **1975** में पहला विश्व कप खेला गया और सफल रहा।

1977 में जब क्रिकेट टेस्ट मैचों की सौवीं जयंती मना रहा था तो खेल हमेशा के लिए बदल गया। इसमें एक व्यवसायी का हाथ था।

केरी पैकर नामक ऑस्टेलियाई टेलिविजन मुगल ने क्रिकेट के प्रसारण की बाजारी संभावनाओं को भाँपकर दुनिया के **51** बेहतरीन खिड़ाड़ियों को उनके बोर्ड की मर्जी के खिलाफ अनुबंध पर ले लिया।

निरंतर टीवी कवरेज के बाद क्रिकेटर सेलिब्रिटी बन गए और उन्हें अपने क्रिकेट बोर्ड से तो ज्यादा वेतन मिलेना ही लगा।

उपग्रह (सैटेलाइट) टीवी की तकनीक और बहु–राष्ट्रीय कंपनियों की दुनिया की पहुँच के चलते क्रिकेट का वैश्विक बाजार बन गया।

भारत में खेल के सबसे ज्यादा दर्शक थे और यह क्रिकेट खेलने वाला देशों में सबसे बड़ा बाजार था। इसलिए खेल का गुरूत्वकेन्द्र दक्षिण एशिया हो गया। प्रतीकात्मक तौर पर आईसीसी मुख्यालय का लंदन से टैक्स – फ्री दुबई में आना स्वाभाविक लगता है।

अंग्रेजी– ऑस्ट्रेलियाई धुरी से गुरूत्व केन्द्र के खिसकने की एक और निशानी ये है कि हाल के वर्षो में क्रिकेट के नए तकनीकी प्रयोग भारतीय उपमहाद्वीप के खिलाड़ियों ने शुरू किए है।

पकिस्तान नें गेंदबाजी को 'दूसरा' व 'रिवर्सस्विंग' नाम के दो अहम हथियार दिए। ये दोनों ईजाद महाद्वीपीय स्थितियों की उपज है।

'दूसरा' इसलिए कि भारी बल्लों से आक्रामक बल्लेबाजी करनेवाले खिलाड़ी, उँगलियों की स्पिन को बेकार साबित कर दे रहे थे।

बहुविकल्पी प्रश्न

प्रश्न **1 1770** से लेकर **1780** के बीच में क्रिकेट के नियमों में सुधार किए गए वो थे□

(क) गेंद की वजन एवं बल्ले की चौड़ई के नियम बनाई गई।

(ख) पहली 'पगबधा' नियम **1774** में प्रकाशित हुआ।

(ग) तीसरे स्टंप का चलन हुआ एवं पहली छ□सीवन वाली क्रिकेट बॉल अस्तिव में आई।

(घ) उपर दिए गए सभी।

प्रश्न **2** जब वेस्टइंडिज ने **1950** में इंग्लैड को हराया तब उसकी दो विडंबनाएँ क्या थी

(क) इस जीत को उनकी राष्ट्रीय उपलब्धी मानी गई□की एक तरीका जो दिखाता था कि वेस्टइंडिज के लोग इंग्लैड के लोग के बराबर थे।

(ख) वेस्टइंडिज का कप्तान एक अंग्रेज था।

(ग) वेस्टइंडिज न की एक टीम था बल्कि तमाम उन देशों का प्रतिनिधित्व कर रहा था

(घ) दोनों ख एवं ग।

प्रश्न 3 बॉम्बे जिमखाना एवं पारसी जिमखाना के बीच में लड़ाई था क्योंकि

(क) पारसीयों ने यह शिकायत की थी कि जनता की पार्क क्रिकेट के लिए ठीक नहीं क्योंकि जिमखाना क्लब ने उसकी सतह को खोद दिया था।

(ख) औपनिवेशिक अधिकारीयों ने पक्ष – पात किया और वो अपने देशवासियों का पक्ष लिया।

(ग) क्रिकेट खेलने वाले गोरे प्रभुवर्ग ने उत्साही पारसियों की कोई मदद नहीं की।

(घ) उपर दिए गए सभी।

प्रश्न 4 कब 'क्रिकेट के कानून' को सबसे पहले लिखित रूप से अपनाया गया?

(क) **1703** (ख) **1744** (ग) **1750** (घ) **1760**

प्रश्न 5 'मेरिलिबोन क्रिकेट क्लब' की स्थापना कब हुई □

(क) **1760** (ख) **1787** (ग) **1788** (घ) **1895**

प्रश्न 6 इनमे से कौन सी क्रिकेट की विशेषताए□**1770** से **1780** के बीच बनी□

(क) पहली 'पगबाधा' नियम प्रकाशित हुई।

(ख) तीसरे स्टंप का चलन शुरू हो गया।

(ग) पहली छ□सीवन वाली किकेट गेंद का बनना।

(घ) उपर दिए गए सभी।

प्रश्न **7** किकेट का जन्म गाँ□ से होने के कारण □

(क) किकेट मैचों में समय सीमा का न होना।

(ख) किकेट के मैदान की विशालता।

(ग) किकेट के जरूरी उपकारण प्रकति में उपलब्ध पूर्व औद्योगिक सामाग्री से बने थे।

(घ) उपर दिए गए सभी।

प्रश्न **8** वो लोग जो मजे के लिए किकेट खेलते थे उन्हें क्या कहा जाता था □

(क) शौकिया (ख) पेशेवर

(ग) कॉमन्स (घ) दोनों 'क' एवं 'ख'

प्रश्न **9** वे लोग जो अपनी रोजी – रोटी के लिए खेलते थे उन्हें क्या कहते थे□

(क) जरूरतमंद (ख) मनोरंजन करने वाले

(ग) पेशेवर (घ) कॉमन्स

प्रश्न **10** टॉम ब्राउन्स स्कूलडेज के उपन्यासकार कौन थे□

(क) थॉमस आरनोल्ड (ख) किम हवूज

(ग) थामस ह्यज (घ) जॉन मिडिल्टन

प्रश्न **11** इनमे से कौन सी देश में किकेट एक चर्चित खेल के रूप मे स्थापित हुआ□

(क) दक्षिण अफीका□जिम्बाब□

(ख) ऑस्ट्रेलिया□न्यूजीलैंड।

(ग) वेस्टइंडिज□केन्या।

(घ) उपर के सभी।

प्रश्न **12** कब और सबसे पहले अश्वेत क्लब स्थापित हुआ□

(क) **18** वीं शताब्दी के अन्त में□भारत

(ख) **19** वीं शताब्दी के अन्त में□वेस्टइंडिज

(ग) **19** वीं शताब्दी के मध्य में□दक्षिण अफ्रिका

(घ) **19** वीं शताब्दी के शुरूआत में□जिम्बावे

प्रश्न **13** शब्द टूर्नमिंट का अर्थ क्या है□

(क) त्रिाकोणीय (ख) चतुष्कोणीय

(ग) कोणीय (घ) पा□कोणिय

प्रश्न **14** 'कैरी पार्कर' कौन थे?

(क) ब्रिटिश (ख)ऑस्ट्रेलिया टेलिविजन मुगला

(ग) श्रीलंकाई (घ) इनमे से कोई नहीं

प्रश्न **15** 'क्रिकेट बोर्ड अमीर कैसे हो गए□

(क) अधिक से अधिक मैचों का होना।

(ख) बड़े–बड़े उद्योगपतियों के कारण।

(ग) टेलिविजन अधिकार को टेलिविजन कंपनियों को बेचने के कारण।

(घ) इनमें से कोई नहीं।

प्रश्न **16** आईसीसी हेडक्वार्टर को लंदन से कहा□स्थापित किया गया □

(क) सिडनी (ख) भारत

(ग) दुबई (घ) सिंगापुर

प्रश्न 17 प्रथम विश्वकप कब हुआ था □

(क) **1972** (ख) **1973** (ग) **1974** (घ) **1975**

प्रश्न 18 पोलो एक खेल किनके द्वारा विकसित किया गया□

(क) फा□सियो द्वारा (ख) डचों द्वारा

(ग) भारत के औपनिवेशिकों द्वारा (घ) जर्मनी के लोगों के द्वारा

प्रश्न 19 भारत में प्रथम 'हॉकी क्लब' काहाँ शुरू हुआ?

(क) बाम्बे (ख) मद्रास (ग) बंगलौर (घ) कलकत्ता

प्रश्न 20 कितने बार भारत ने हॉकी में ओलंपिक पदक जीते□

(क) पा□ (ख) छह (ग) आठ (घ) नौ

लघुउत्तरीय प्रकार के प्रश्न (**3** अंक)

प्रश्न 1 राष्ट्रीय आंदोलन ने भारत में किकेट को कैसे प्रभावित किया□

उत्तर□ **1** गा□ी जी के डांडी यात्रा और सविनय अवज्ञा आंदोलन के कारण एमसीसी का निर्धारित दौरा रद्द कर दिया गया।

2 प्रथम भारतीय टीम ने **1932** में इंग्लैड का दौरा किया। **1939** में द्वितीय विश्व षुद्ध के कारण कई टूर्नामेंट प्रभावित हुए।

3 1940 में बंबई के ब्रवॉन स्टेडियम में पा□कोणीय स्पर्धा का आयोजन किया घया।सीटों का आवंटन साम्प्रदायिक आधार पर किया गया– **2000** हिन्दुओं का□ **1250** मुस्लिमों और पारसियों को।

प्रश्न 2 'अठारहवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध मे एमसीसी नियमों के सुधार के कारण खेल में

ढेर सारे परिवर्त्तन हुए' नियमों में परिवर्त्तन का विवेचना कीजिए□

उत्तर□1 एमसीसी के नियमों में सुधार के कारण अठारहवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध मे खेल में परिवर्त्तनों की श्रृंखला शुरू हुई।

2 1760 और 1770 में हवा मे गेंद को पिच कराना सामान्य हो गया। जमीन पर गेंद को लुढ़काने के तुलना में।

3 इस बदलाव से गेंदबाजों कों गेंद की लंबाई का विकल्प तो मिला ही वे अब हवा मे चकमा भी दे सकते थे और पहले से कहीं तेज गेंद फेंक सकते थे। इससे स्पिन और स्विंग के लिए नए दरवाजे खुले। जबाब मे बल्लेबाजों को अपनी टाइमिंग व शॉट चयन पर महारत हासिल करनी थी।

प्रश्न 3 1930 के दशक तक क्रिकेट क्यों औपनिवेशिक खेल बना रहा□

उत्तर□1 क्रिकेट एक औपनिवेशिक खेल बना रहा। क्रिकेट की पूर्व – औद्योगिक विचित्राता के कारण इसका निर्यात होना मुश्किल था।

2 इसने उन्हीं देशों मे जड़े जमायीं जहा□अंग्रेजों ने कब्जा जमाकर शासन किया। हालॉकि ब्रिटिश शाही अफसर उपनिवेशों में यह खेल लेकर जरूर आए पर इसके प्रसार के लिए उन्होने शायद ही कोई प्रयास किया।

3 अफ्रीकी – कैरिबियाई आबादी को क्लब क्रिकेट खेलने के लिए हमेशा हतोत्साहित किया गया।

प्रश्न 4 टेलिविजन प्रसारण ने क्रिकेट को कैसे बदल दिया□

उत्तर□1 टेलिविजन कवरेज से क्रिकेटर सेलेब्रिटी बन गए। इसके जरिए क्रिकेट की पहुच□ छोटे शहरों व गा□ के दर्शकों तक हो गई। इस कारण दर्शकों की संख्या बढ़ ग गई।

2 बच्चे बड़े प्रशंसक बन गए। लोग अब मैच देखकर क्रिकेट सीख सकते थे और अपने नायकों का अनुकरण कर सकते थे।

प्रश्न 5 क्रिकेट के खेल में 19वीं शताब्दी में क्या परिवर्त्तन आए□

उत्तर□ उन्नीसवीं शताब्दी मे कई महत्वपूर्ण परिवर्तन आए

1 वाइड बॉल का नियम लागू हुआ।

2 गेंद का सटीक व्यास तय किया गया।

3 चोट से बचाने के लिए पैड व दस्ताने जैसे हिफाजती उपकरण उपलब्ध हुए।

4 बाउंड्री की शुरूआत हुई जबकि पहले हरेक रन दौड़ कर लेना पड़ता था।

5 ओवरआर्म बोलिंग कानूनी ठहरायी गई।

प्रश्न 6 महात्मा गांधी ने पांचकोणीय टूर्नामेंट की निंदा क्यों की?

उत्तर:- पांचकोणिय टूनामेंट धार्मिक समुदायों पर आधारित था। पांच टीमें थी- यूरोपीय,

पारसी, हिन्दू, मुसलमान और टेस्ट। भारत के सबसे लोकप्रिय और सम्मानित

राजनेता, महात्मा गांधी ने पेंटाग्युलर को समुदाय के आधार पर बांटने वाला

बताकर इसकी निंदा की। उनका कहना था ऐसे समय में जब राष्ट्रवादी

हिन्दुस्तानी अवाम को एकजुट करना चाह रहे थे, यह टूर्नामेंट राष्ट्रीय आंदोलन

पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता था।

प्रश्न 7 अंग्रेजी – ऑस्ट्रेलियाई धुरी से क्रिकेट के गुरूत्व केन्द्र कैसे खिसक गया? समझाए।

उत्तर:-

1 उपग्रह टीवी की तकनीक और बहु-राष्ट्रीय कंपनियों की दुनिया भर की पहुंच के चलते क्रिकेट का वैश्विक बाजार बन गया।
2 यह मामूली बात वैश्वीकरण में अपने तार्किक अंजाम तक पहुंची। चूंकि भारत में खेल के सबसे ज्यादा दर्शक थे और यह क्रिकेट खेलने वाले देशो मे सबसे बड़ा बजार था। इसलिए खेल का गुरूत्व केन्द्र दक्षिण एशिया हो गया।
3 प्रतीकात्मक तौर पर आईसीसी मुख्यालय का लंदन से टैक्स – फ्री दुबई मे आना स्वाभाविक लगता है।

प्रश्न 8 शौकिया और पेशेवर खिलाड़ियो मे तीन मुख्य अंतरों को बताए?

उत्तर:-

1 अमीरो को जो मजे के लिए क्रिकेट खेलते थे शौकिया खिलाड़ी कहा गया और अपनी रोजी- रोटी के लिए खेलने वाले गरीबों को पेशेवर कहा गया।
2 पेशेवर खिलाड़ियों का मेहनताना वजीफा, चंदे या गेट पर इकट्ठा किए गए पैसे से दिया जाता था जबकि शैकिया खिलाड़ियों को कोई पारिश्रमिक नहीं दिया जता था।
3 शौकीन जहां बल्लेबाज हुआ करते थे पेशेवर गेंदबाज होते थे।

दीर्घउत्तरीय प्रकार के प्रश्न

प्रश्न 1 भारत में क्रिकेट के विकास में धर्म और राजनीति की क्या भूमिका थी?

उत्तर–

1 हिंदुस्तानी किकेट की शुरूआत का श्रेय बंबई के जरतुश्तिया यानी पारसियों के छोटे से समुदाय को जाता है। अन्य धार्मिक समुदायों शीध्र ही उनका अनुकरण किया।

2 **1890** के दशक मे हिंदू व इस्लाम जिमखाना के लिए पैसे इकट्ठा करते दिखाई दिए। ब्रिटिश औपनिवेशिक भारत को राष्ट्र नहीं मानते थे उनके लिए यह जातियों नस्लो व धर्मो का एक समुच्चय था।

3 जिमखाना किकेट के इतिहास ने प्रथम श्रेणी के किकेट को साप्रदायिक व नस्ली आधारों पर संगठित करने की रिवायत डाली।

4 किकेट की टीमें क्षेत्रों के आधार पर नहीं बनती थीं (जैसा आजकल रणजी ट्रॉफ में होता है) बल्कि धार्मिक समुदायों की बनती थी।

5 इस टूर्नामेंट को शुरू– शुरू में क्वड्रैंग्युलर या चतुष्कोणीय कहा गया क्योंकि इसमें चार टीमें – यूरोपीय पारसी हिंदू व मुसमान खेलती थी। बाद में यह पेटांग्युलर या पाँचकोणीय हो गया और 'द रेस्ट' नाम की नई टीम में भारतीय ईसाई जैसे बचे खुचे समुदायों को नुमाइंदगी दी गई।

प्रश्न **2** वर्त्तमान किकेट में राष्ट्रवाद की क्या भूमिका है

उत्तर–

1 राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय स्तर पर खेले जाने किकेट में खिलाड़ी अब क्षेत्राीय और राष्ट्रीयता के आधार पर भाग लेते है। उदाहरण के लिए रणजी ट्राफी मे अब नश्ल के आधार पर नहीं खेलते है। पाचकोणीय टूर्नामेंट जो औपनिवेशिक काल मे खेला जाता था बाद मे राष्ट्रीय किकेट चैम्पियनशीप के रूप मे जाना गया।

2 रणजी ट्राफी किकेट के प्रशंसक किसी एक पक्ष का समर्थन करते हुए मैच देखना पसन्द करते है। जब दिल्ली और मुबंई मे रणजी ट्राफी मैच खेला जाता जाता है तब मैच देखने वालों की निष्ठा इस बात पर निर्भर करती है कि वे किस शहर से आए है।

3 भौगोलिक सिद्धान्तों के आधार पर टीमों का गठन नहीं होता था। **1932** तक भारत के राष्ट्रीय टीम को टेस्ट मैच मे प्रतिनिधित्व करने का मौका नहीं मिला।

प्रश्न **3** विश्व और विशेष रूप से भारत में किकेट की लोकप्रियता कारणों का उल्लेख कीजिए

उत्तर–

1 टेलिविजन कॉवरेज ने किकेट को बदल दिया। इसने छोटे शहरों और गावों में किकेट के दर्शकों की संख्या को बढ़ा दिया। इसने किकेटरों के सामाजिक आधार को भी बढ़ा दिया।

2 उपग्रह टीवी की तकनीक और बहु–राष्ट्रीय कंपनियों की दुनिया भर की पहुच के चलते किकेट का वैश्विक बाजार बन गया।

3 भारत में किकेट खेल के सबसे ज्यादा दर्शक थे और यह किकेट खेलने वाले देशों मे सबसे बड़ा बाजार था□इसलिए खेल का गुरूत्व केन्द्र दक्षिण एशिया हो गया। प्रतीकात्मक तौर पर आईसीसी मुख्यालय का लंदन से टैक्स ्फी आईसीसी दुबई में आना स्वाभाविक लगता है।

4 हाल के वर्षो में किकेट के नए तकनीकी प्रयोग भारतीय उपमहाद्वीप के खिलाड़ियों ने शुरू किए है उदाहरण के लिए पाकिस्तान और श्रीलंका। पकिस्तान ने गेंदबाजी को 'दूसरा' व 'रिवर्स स्विंग' नाम के दो अहम हथियार दिए।

प्रश्न 4 अकसर कहा जाता है कि वाटरलू का युद्ध ईटन के खेल के मैदान में जीता गया □व्याख्या कीजिए।

उत्तर□

1 इसका अर्थ यह है कि ब्रिटेन की सैनिक सफलता का राज उसके पब्लिक स्कूल के बच्चों को सिखाए गए मूल्यों में था।ई टन इन स्कूलों में सबसे प्रसिद्ध था।

2 इन विद्यालयों मे अंग्रेज लड़कों को शाही इंग्लैंड के तीन अहम संस्थाओं □सेना□प्रशानिक सेवा व चर्च में कैरियर के लिए प्रशिक्षित किया जाता था।

3 सच्ची बात तो यह है कि नपोलियन के खिलाफ लड़ाई इसलिए जीती जा सकी कि स्कॉटलैंड व वेल्स के लौह उद्योग लंकाशायर की मिलों व सिटी ऑफ लंदन के वित्तीय घरानों से भरपूर सहयोग मिला।

प्रश्न 5 वेस्टइंडिज में अभिजात गोरा विशिष्टतावादी नीतियों के बावजूद कैरिबियाई द्वीप समूह में किकेट महालोकप्रिय हो गया। कैसे और क्यों □समझाए।

उत्तर□

1 वेस्टइंडिज में अभिजात गोरों की विशिष्टतावादी नीतियों के बावजूद कैरिबियाई द्वीप समूह मेम किकेट में कामयाबी का मतलब नस्ली समानता व राजनीतिक प्रगति हो गया।

2 अपनी आजादी के समय□फोर्ब्स बर्नहैम व एटिक आत्मसम्मान और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा की संभावनाए□देखी।

3 जब वेस्टइंडीज ने 1950 के दशक में इंग्लैंड के खिलाफ अपनी पहली टेस्ट श्रृंखला जीती तो राष्ट्रीय उत्सव मनाया गया। मानो वेस्ट इंडियनों ने दिखा दिया हो कि वे गोरे अंग्रेजों से कम नहीं है।

<u>उच्च चिंतन स्तर के प्रश्न</u>

प्रश्न 1 हमारे उपमहाद्वीप वेस्टइंडीज और अफीका में खेला जाने वाला किकेट इंग्लैड में खेले जाने वाले किकेट से कैसे अलग है□

उत्तर□

1 हमारे उपमहाद्वीप (भारत□पाकिस्तान□श्रीलंका□और बांग्लादेश) वेस्टइंडिज और दक्षिण अफ्रीका में खेला जाने वाला क्रिकेट इंग्लैड में खेले जाने वाले क्रिकेट से बड़े पैमाने पर पृथक है।

2 इन सभी देशों मे जो इंग्लैड के उपनिवेश थे क्रिकेट औपनिवेशिक मालिकों ने फैलाया। इन देशों में खेल काफी लोकप्रिय हो गया है और अति उत्साह से खेला जाता है जैसा कि विश्व मे कहीं नहीं देखा जाता है।

3 इन देशो में क्रिकेट राष्ट्रवाद और देशप्रेम का पर्याय है। चूंकि ये देश उपनिवेशवाद के शिकार थे वहा□क्रिकेट का खेल राष्ट्रीय सर्वोच्चता को प्रदर्शित करने का जरिया बन गया है।

4 इन देशों की आक्रमकता इंग्लैड के खेल में नही दिखाई देता है□वहा□के खेल में पेशेवर की भावना और अन्तरहीनता झलकती है।

प्रश्न **2** क्रिकेट के ग्रामीण स्वरूप का प्रभाव टेस्ट मैच की लंबाई और मैदान के आकार की अनिमियता से कैसे सम्बद्ध है□वर्णन कीजिए।

उत्तर□

1 क्रिकेट की ग्रामीण जड़ों की पुष्टि टेस्ट मैच की अवधि से हो जाती है। शुरू में क्रिकेट मैच की समय – सीमा नहीं होती थी।
2 खेल तब तक चलता था जबतक एक टीम दूसरी को दोबारा पूरा आउट न खर दे। ग्रामीण जिंदगी की रफ्तार धीमी थी और क्रिकेट के नियम औद्योगिक क्रांति से पहले बनाए गए थे।
3 उसी तरह क्रिकेट में मैदान के आकार का अस्पष्ट होना उसकी ग्रामीण शुरूआत का सबूत है। क्रिकेट मूलत□गाँव□के कॉमन्स में खेला जाता था। कॉमन्स ऐसे सार्वजनिक और खुले मैदान थे जिनपर पूरे समुदाय का साझा हक था।
4 कॉमन्स का आकार हरेक गाँव□मे अलग – अलग होता था। इसलिए न तो बाउंड्री तय थी और नहीं चौके।जब गेंद भीड़ में घुस जाती तो लोग क्षेत्रारक्षक या फील्डर के लिए रास्ता बना देते थे। ताकि वह आकर गेंद वापस ले जाए।

प्रश्न **3** अकसर कहा जाता है कि वटरलू का युद्ध ईटन के खेल के मैदान में जीता गया □व्याख्या कीजिए।

उत्तर□

1 यह कथन इस तर्क पर आधारित है कि पब्लिक स्कूल के बच्चों को सिखाए गए मूल्यों के कारण ही ब्रिटेन को सैनिक सफलता मिलीं।
2 ईटन इन स्कूलों में सबसे प्रसिद्ध था। इन विद्यालयों में अंग्रेज लड़को को शाही इंग्लैड के तीन अहम संस्थाओं – सेना□ प्रशासनिक सेवा व चर्च में करियर के लिए प्रशिक्षित किया जाता था।

<u>मूल्य परक प्रश्नः</u>

प्रश्न 1: किस प्रकार से राष्ट्रीय आंदोलन ने भारत में क्रिकेट को प्रभावित किया?

प्रश्न 2: क्रिकेट की विशेषताओं पर प्रकाश डालिये।

प्रश्न 3: वर्तमान में राष्ट्रीयता की भावना क्रिकेट में क्या भूमिका रही।

बहुविकल्पी प्रश्नों के उत्तरः

1. (घ)	**2. (घ)**	**3. (घ)**	**4.ख**	**5.ख**	**6.घ**	**7.(घ)**
8. (क)	**9. (ग)**	**10.(ग)**	**11. (घ)**	**12. (ख)**	**13.(ख)**	**14.(ख)**
15.(ग)	**16.(ग)**	**17.(घ)**	**18.(ग)**	**19.(घ)**	**20.(ग)**	

पाठ–8

पहनावे का सामाजिक इतिहास

लोकतांत्रिक आंदोलन से पहले अधिक से अधिक लोग वैसे कपड़े पहनते जो उनके धर्म के द्वारा निर्धारित होते थे।

पहनावे का तरीका उस समय में लोगों की जाती–पाती, लिंग समाज में उनका स्थान क्या था उसके अनुसार उनका पहनावा होता था।

फ्रांस की क्रांति से पहले फ्रांस के लोग कुछ नियमों का पालन करते थे। इन कानूनों का मकसद था समाज के निचले तबकों के व्यवहार का नियंत्रण– उन्हे खास–खास कपड़े पहनने, खास व्यंजन खाने और शराब पीने की मनाही थी। राजनीतिक प्रतीक भी कपड़ों का अंश बन गया था। अब तो यह धारणा सी बन गई है कि लोगों के पहनावे के द्वारा उनकी आर्थिक स्थिति का अंदाजा लगाया जाता है।

19वीं सदी में महिलाएँ अपने पहनावे के बदलाव के लिए दबाव देने लगे।

पुरुष मानते थे कि वे मजबुत, स्वतंत्र माकुल प्रवृति के थे वहीं महिलाएँ मानती थी कि वे कमजोर, परतंत्र तथा सहम कर रहती थी।

उनके कपड़े उनके स्वभाव के तरह ही बने थे। महिलाओं के कपड़े वे होते थे जिसकी कमर पतली होती थी। उन्हें कॉर्सेट पहनना पड़ता था ताकि वो अपनी पतली कमर दीखा सके।

इन आंदोलन के द्वारा यह कहा गया की अगर महिलाओं ने ढीले–ढाले तथा आरामदायक कपड़े पहनने लगीं तो वे स्वतंत्रता के साथ काम करने लगेंगी।

सत्रहवीं सदी के पहले ज्यादातर ब्रिटिश महिलाओं के पास आमतौर पर फलेक्स लिनेन या ऊन के कपड़े बहुत कम होते थे। इन्हे साफ करना भी मुश्किल होता था।

फिर औद्योगिक क्रांति हुई जिसके दौरान उन्नीसवीं सदी में ब्रिटेन ने सूती कपड़ो का थोक उत्पादन और भारत सहित कई देशों में निर्यात करना शुरु किया।

बीसवीं सदी की शुरुआत तक कृत्रिम देशों से बने कपड़ों पर ज्यादा सस्ते तथा साफ कर पहनने में आसान हो गए।

महिला परिधान में कई बदलाव तो विश्व युद्धों के कारण हुए।

पहनावा जीवन–शैली गंभीरता और प्रोफेशनल अंदाज का पर्याय हो गई। उसी तरह काम हेतु बाहर जाने के लिए उन्हे आरामदेह और सुविधाजनक कपड़ों की जरुरत थी।

औपनिवेशिक समय में भारत मे अनेक प्रकार के बदलाव पहनावे मे दीखा।

बहुत से लोग, पश्चात्य पहनावे की कुछ चुनिंदा चीजों को अपनाने लगे।

कुछ लोगों का निश्चित मत था कि पश्चिमी संस्कृति से पारंपरिक सांस्कृतिक अस्मिता का नाश हो जाएगा।

भारतीय किसानों को नील जैसी फसलें उगाने के लिए मजबूर किया जा सकता था।

नतीजा यह हुआ की भारतीय बुनकर बड़ी तादाद में बेरोजगार हो गए और मुर्शिदाबाद, मछली पट्टनम और सूरत जैसे सूती वस्त्र के केन्द्रों को पतन हो गया।

ब्रिटिश राज के खिलाफ बढते विरोध को काबू में करने के लिए लार्ड कर्जन ने 1905 में बंगाल को विभाजित करने का फैसला किया।

भारतीय ने ब्रिटिश उत्पाद को खत्म करना चाहा एवं उसे भारत से भगाया।

ब्रिटिश राज के खिलाफ प्रतीकात्मक लड़ाई में कपड़े की कितनी महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।

महात्मा गाँधी ने खादी को एक प्रभावपूर्ण हथियार बनाकर ब्रिटिश का विरोध किया।

उन्होने 20वी सदी के शुरुआत में लुँगी एवं कुर्ता को अपना पहनावा तय किया।

उनके द्वारा धोती 1921 में अपनाया गया। पर सभी खादी नहीं पहन सकते थे।

अतः इस प्रकार हम कह सकते हैं कि पहनावे में बदलाव यह दिखलाता है कि समाज में सामाजिक राजनीतिक एवं आर्थिक बदलाव हो रहा था।

कुछ पुरुषों ने इस दुविधा का हल ऐसे ढूंढा कि बगैर अपनी भारतीय पोशाक छोड़े पश्चिमी कपड़े पहनने शुरु कर दिए।

हालाँकी भारत में यूरोपीय किस्म के सैम्पच्युरी कानून नहीं थे लेकिन यहाँ खान–पान, वेशभूषा, रहन–सहन की अपनी सख्त सामाजिक संहिताएँ थी।

यह जाति प्रथा की हिन्दुओं को क्या पहनना चाहिए, क्या खाना चाहिए, कैसे व्यवहार करना चाहिए। अगर कोई इस नियम को तोड़ता तो उसे सजा दी जाती।

अलग–अलग संस्कृतियों में किसी भी परिधान के अकसर भिन्न–भिन्न अर्थ लगाए जाते हैं। इससे कई मौको पर गलतफहमी पैदा होती है, टकराव होते हैं।

जरा पगड़ी और टोप(हैट) को हीं ले। जब शुरु–शुरु में यूरोपीय व्यापारी भारत आने लगे तो उनकी पहचान हैटवालों की थी।

यह माना जाने लगा था की हैट की 'प्रमुखता' पद से हटाया जाए पर 'पगड़ी' वैसे ही पहना जाए। ठीक उसी प्रकार की समस्या जुतों में भी थी।

भारतीय एक ऐसा पोशाक बनाना चाहते थे जो उनकी राष्ट्रीय एकता को दिखा सके। पर यह पुरी तरह से सफल नहीं हुआ।

हिन्दुस्तान पर राजनीतिक हुकूमत से ब्रिटेन को दो फायदे हुए है।

बहुविकल्पीय प्रश्न

प्रश्न 1. युरोप का पहनावा इनमें से किनके आने के बाद बदला गया?

(क) अमेरिकन क्रांति (ख) फ्रांस की क्रांति

(ग) रुसी क्रांति (घ) प्रथम विश्वयुद्ध

प्रश्न 2. इनमें से कौन सी सबसे अधिक एवं सही अर्थ है सैम्पच्युरी कानून कां?

(क) करो का कानून जो सरकार द्वारा बनाया गया हो।

(ख) कानून जो ऊँचे तबके के लोगों की मद्द करता हो।

(ग) कानून जिसने पुरोहितों के शासन को महत्व दिया।

(घ) उपर दिए गए सभी।

प्रश्न 3. पहनावा (सौ 'कुलॉत') का मतलब था इन्हें बताना कि—

(क) आम आदमियों के बीच की गरीबी।

(ख) कपड़ों के उद्योग की समृद्धि

(ग) समानता की विचार

(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं।

प्रश्न 4. इंग्लैण्ड ने एक कानून पारित किया जो सभी व्यक्ति जो भी 6 वर्ष की आयु से उपर हों उन्हे छोड़कर जो ऊँचे पद पर है। उन्हें ऊनी टोपी जो इंग्लैण्ड में बनी उसे रविवार तथा सभी छुट्टियों के दिन पहनना होगा इसका मतलब क्या है?

(क) सभी कानून (सैम्पच्युरी) का मतलब पुरोहितों के शासन को बढावा देना।

(ख) कुछ सैम्पच्युरी कानून घर के उत्पाद को बाहर भेजने से बचाने के लिए पारित किया गया।

(ग) कुछ सैम्पच्युरी कानून धर्म को बढावा देने के लिए बने।

(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं।

प्रश्न 5. इंग्लैण्ड में महिलाओं ने अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए विरोध करना कब से शुरु किया?

(क) 1820 (ख) 1830

(ग) 1840 (घ) 1850

प्रश्न 6. किन बातों के लिए स्त्रियों के कपड़ो का विरोध यू0एस0ए0 में हुआ?

(क) लंबे स्कर्ट जमीन में सट जाते तथा बीमार करते।

(ख) स्कर्ट रखने में भारी दिक्कत होने लगी।

(ग) उन्होने महिलाओं का विरोध किया उन्हे आंदोलन तथा काम करने से रोका।

(घ) उपरोक्त सभी।

प्रश्न 7. वो पहला व्यक्ति कौन था जिसने लूस टयूनिक्स को प्रदर्शित किया?

(क) श्रीमती अमेलिय ब्लूमर

(ख) भरथा सोमखाइल

(ग) रानी विक्टोरिया

(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं।

प्रश्न 8. उदारवादी बदलाव महिलाओं के पहनावे में आए किस कारण से ?

(क) रुसी क्रांति

(ख) प्रथम विश्वयुद्ध

(ग) द्वितीय विश्वयुद्ध

(घ) दोनों क एवं ख

प्रश्न 9. इनमें से कौन सी घटना जिसमें महिलाओं कि पहनावे के ढंग में फर्क पड़ा हो?

(क) महलाएँ जो उद्योगों में काम करती थी प्रथम तथा द्वितीय विश्वयुद्ध में।

(ख) जिमनास्टिक एवं खेल स्कूल में आए सिर्फ महिलाओं के लिए।

(ग) वाटरलू की युद्ध

(घ) दोनों क एवं ख

प्रश्न 10. इनमें से कौन ऐसा बदलाव है जो सिर्फ महिलाओं के लिए लाया गया?

(क) पैजामा पश्चिम दिशा की पहनावा का एक अहम हिस्सा बन चुका था। (ख) महिलाएँ अपने सुविधा के लिए अपने बाल छोटे करवानी लगी।

(ग) महिलाओं ने खेल एवं जिमनास्टिक में हिस्सा लिया तथा वो कपड़े पहने जो हैम्पर आंदोलन नहीं था।

(घ) उपरोक्त सभी।

प्रश्न 11. कुछ भारतीयों के लिए पश्चिमी पहनावा एक निशान थी?

(क) प्रगति

(ख) आधुनिकीकरण

(ग) गरीबी से स्वतंत्रता

(घ) दोनों क एवं ख

प्रश्न 12. शनार महिलाओं पर नामरर्स के द्वारा हमला हुआ था 1922 मई क्यों?

(क) टेलर द्वारा सिए गए ब्लाउज

(ख) कपड़े महिलाओं द्वारा शरीर अंग में पहनने के कारण।

(ग) सोने के गहने पहनने के कारण।

(घ) छतरिओं के इस्तेमाल करने के कारण।

प्रश्न 13. वो कौन सी दो चीजों के पहनने के ब्रिटिश एवं भारतीय में जो लड़ाई होती थी?

(क) पगड़ी एवं जूतों को पहनने।

(ख) छतरी एवं सोने के जेवरात।

(ग) साड़ी एवं धोती पहनना।

(घ) गाउन एवं लम्बी स्कर्ट पहनना।

प्रश्न 14. मनोकजी कोवासनी एंटी कौन थे?

(क) करदाता

(ख) कर संग्रहकर्ता

(ग) एसैअर

(घ) टैक्नोक्रैट

प्रश्न 15. 'रविन्द्रनाथ टैगोर' द्वारा बताए गए राष्ट्रीय पहनावा को क्या था?

(क) हिन्दु एवं मुस्लिम पहनावा का मिल जाना

(ख) भारतीय एवं युरोपीयन पहनावा का मिल जाना

(ग) सिर्फ हिन्दु पहनावा।

(घ) हिन्दु एवं पारसी पहनावा का मिल जाना।

प्रश्न 16. ज्ञानदानंदिनी देवी के पहनावे का साड़ी जो कि ब्रह्म समाज की महिलाओं को कहा गया–

(क) ब्रहमिका साड़ी

(ख) ब्रह्ममों साड़ी

(ग) समाजी साड़ी

(घ) भूमिका साड़ी

प्रश्न 17. स्वदेशी आंदोलन किसके कारण हुआ था?

(क) बँगाल की विभाजन 1905

(ख) सूरत का फैलाव 1907

(ग) प्रथम विश्वयुद्ध की शुरुआत 1914

(घ) मॉनतेस्कयु–चेलम्सफर्ाड का सुधार 1919

प्रश्न 18. गाँधी जी के द्वारा कौन सी प्रकार का पहनावा ज्यादा राजनितीक प्रभाव पड़ेगा?

(क) पश्चिमी पहनावा

(ख) भारतीय पहनावा

(ग) सही ढंग का पहनावा

(घ) सही ढंग का पहनावा किसी पर्व के लिए।

प्रश्न 19. गाँधी जी ने किस वर्ष में 'धोती' को अपनाया था?

(क) 1913

(ख) 1915

(ग) 1921

(घ) 1928

प्रश्न 20. महात्मा गाँधी ने क्यों लोईन कपड़ा एवं चद्दरों को अपने वस्त्र के रुप में क्यों अपनाया थां?

(क) यह पहनने में आसान था।

(ख) यह आसान नहीं था पहनना।

(ग) वो सोचते थे कि गरीब उतना ज्यादा खरीद न पाते।

(घ) यह एक राजनितीक ब्यान था उनके आत्मसम्मान के लिए।

प्र0 1. पोशाक के बारे में अधिकांश जानकारी क्यों अनुमानित है?

उ0– 1. पोशाक के बारे में हमारी अधिकांश जानकारी अनुमानित है क्योंकि पोशाक सीधे किसी भी चीज को प्रकट नहीं करते।

2. पोशाक अप्रत्यक्ष तरीके से पहननेवाले के प्रवृत्ति, व्यक्तित्व और सामाजिक–आर्थिक हैसियत को प्रकट करते हैं।

3. जो भी हो, जिन्होनें भूतकाल में विभिन्न प्रकार के वस्त्र पहने, हम उनकी प्रवृत्ति, शैली, व्यक्तित्व और सामाजिक–आर्थिक स्थिति के बारे में केवल अनुमान लगा सकते हैं।

प्र0 2. किस प्रकार पोशाक संदेश देते हैं?

उ0– 1. पोशाक संदेश भी देते हैं जैसा कि सौं कुलॉत के पोशाक ने दिया। ये बिना घुटने वाले लोग कुलीनों से अलग थे जो घुटना की लंबाई तक पहनते थे।

2. उनके पोशाक ढ़ीले और आरामदायक और नीले, सफेद और लाल फ्रांसीसी रंग के साथ थे जो कि देशभक्त नागरिकों की पहचान थे।

3. गांधी ने सामान्य खादी को राष्ट्रीय भावना का प्रतीक बनाया और उनकी छोटी धोती वाली पोशाक शैली निर्धन तक भारतीयों के साथ पहचान स्थापित करने के उनके तरीके थे। खादी पवित्रता, सरलता और निर्धनता का प्रतीक बन गया।

प्र0 3. फ्रांसिसी क्रांति के बाद देशभक्त फ्रांसिसी नागरिक फ्रांस में क्या पहनते थे?

उ0– देशभक्त फ्रांसिसी नागरिक फ्रांस में ढ़ीले और आरामदायक वस्त्र पहनने शुरू किये। नीले, सफेद और लाल फ्रांसीसी रंग देशभक्त नागरिकों के प्रतीक के रूप में लोकप्रिय हुए।

2. दूसरे राजनीतिक प्रतीक भी पोशाक के हिस्से बने– स्वतंत्रता की लाल टोपी, लंबी पतलून और हैट पर पिन से लगा क्रांतिकारी कॉकेड।

3. पहनावे की सादगी से समानता का भाव प्रकट होता था।

प्र0 4. व्याख्या करें किस प्रकार यूरोपीय पोशाक नियमावली भारतीय पोशाक नियमावली से भिन्न थी?

उ0– 1. विभिन्न संस्कृतियों में विशिष्ट प्रकार के विपरीत अर्थों को बतलाते हैं।

2. ये गलत समझ और संघर्ष को पैदा करते हैं। जरा पगड़ी और टोप (हैट) को लें। सिर पर धारण की जानेवाली ये दो चीजें न केवल देखने में भिन्न थीं, बल्कि उनके अर्थ भी अलग–अलग थे।

3. भारत में पगड़ी गर्मी से तो बचाव करती ही थी, सम्मान का प्रतीक थी जिसे जब चाहे उतारा नहीं जा सकता था। पश्चिमी रिवाज तो यह था कि जिन्हें आदर देना हो, सिर्फ उनके सामने हैट उतारा जाए।

प्र0 5. पोशाक के बारे में महात्मा गांधी के मजेदार उत्तर की विवेचना करें। इसका क्या अर्थ निकलता था?

उ0– 1. 1931 में जब महात्मा गांधी गोल मेज सम्मेलन में गए, तो उन्होंने एक छोटी धोती बिना शर्ट के पहनी।

2. इन्होंने समझौता करने से इंकार किया और इसे बकिंधम पैलेस में सम्राट जार्ज पंचम के सामने भी पहना।

3. जब पत्रकारों ने उनसे कहा कि सम्राट के हुजूर में जाने के लिए उन्होंने पर्याप्त कपड़े नहीं पहन रखे हैं, तो उन्होंने मजाक–मजाक में जवाब दिया कि सम्राट ने हम दोनों के हिस्से के कपड़े पहन तो रखे हैं। अपने पोशाक के बारे में गांधी जी की मजेदार टिप्पणी के पीछे यही कारण था।

प्र0 6. इंग्लैंड में विक्टोरिया के युग में किस प्रकार पोशाक शैली पुरूष और स्त्रियों के बीच भेद–भाव पर जोर देती थी?

उ0– इस समय महिलाओं को बचपन से ही आज्ञाकारी, खिदमती, सुशील और दब्बू होने की शिक्षा दी जाती थी। मर्दों से बलवान, धीर–गंभीर, आजाद और आक्रामक होने की उम्मीद की जाती थी।

2. पहनावे के रस्मों–रिवाज में भी यह अंतर झलकता था, लड़कियों को सख्त फीतों से बंधे कपडे कमर से कसकर बांधा जाता था।

3. वे बदन से चिपके कॉर्सेट भी पहनती थी।

4. इस तरह के पोशाक उनकी वृद्धि को रोकती थी और उनके गठन को छोटा और सुकुमार बनाती थी। छरहरा और पतली कमर वाली महिलाओं की तारीफ की जाती थी। लड़कों और पुरूषों के मामले में ऐसा नहीं था।

प्र0 7. सम्पचुआरी लॉ द्वारा लादी गई सभी भेदभावों को फ्रांसीसी क्रांति ने कैसे समाप्त कर दिया?

उ0– 1. फ्रांसीसी क्रांति के बाद वर्ग नहीं आय एक व्यक्ति के पोशाक का निर्णय लेती थी। पुरूष और स्त्रियाँ ढ़ीले और आरामदायक पोशाक पहनने लगीं।

2. देशभक्त नागरिकों के प्रतीक के रूप में फ्रांसीसी रंग लोकप्रिय हुए।

3. स्वाधीनता की लाल टोपी, लंबे पतलून और हैट पर पिन के साथ लगे क्रांतिकारी कॉकेड फैशन बन गए। ये राजनीतिक प्रतीक थे। पोशाक की सादगी का अर्थ समानता के विचार को व्यक्त करना था।

प्र0 8. उदाहरण की मदद से दिखलाएँ की पोशाक की सांस्कृतिक विभिन्नता कैसे गलतफहमी को पैदा करती है?

उ0– 1. पगड़ी और हैट के उदाहरण को लें। दोनो अलग–अलग चीजों को प्रकट करती हैं। पगड़ियाँ केवल धूप से बचाव के लिए नहीं पहनी जाती। बल्कि सम्मान का प्रतीक हैं।

2. यह अपनी इच्छा से नहीं उतारी जा सकती। हैट सुरक्षा के लिए है। यह अपने से वरिष्ठ और ऊँचे लोगों के समक्ष हटायी जाती हैं। यह पगड़ियाँ/हैट पहननेवालों के बीच का अंतर अर्थात् भारतीय पगड़ियाँ पहननेवालों और अंग्रेज हैट पहननेवालों के बीच गलतफहमियाँ पैदा करती थीं।

3. जब भारतीय अंग्रेज कंपनी के सामने जाते थे, वे अपनी पगड़ियाँ नहीं हटाते थे क्योंकि वे चाहते थे कि इसे उनके राष्ट्रीय और क्षेत्रीय पहचान के रूप में माना जाए। यह उस समय अंग्रेजों को बुरी लगती थी।

प्र0 9. दो विश्व युद्धों के परिणामस्वरूप और पोशाक में क्या बदलाव आए?

उ0– 1. यूरोप में ढ़ेर सारी औरतों ने जेवर बेशकीमती कपड़े पहनने छोड़ दिए। उच्च वर्ग की महिलाएँ अन्य तबकों की नागरिकों से घुलने–मिलने लगीं, जिससे सामाजिक सीमाएँ टूटीं और महिलाएँ एक–सी दिखने लगीं।

2. पहले विश्वयुद्ध (1914–1918) के दौरान कपड़ों के छोटे होने के निहायत व्यावहारिक कारण थे। करीब 7 लाख औरतें हथियार की फैक्ट्रियों में काम कर रही थी। वे ब्लाउज व पैंट की कामकाजी वर्दी पर ऊपर से स्कार्फ डाल लेती थी। बाद में इस वर्दी ने ओवरऑल के साथ टोपी का रूप ले लिया। चटख रंग गायब होने लगे, हल्के रंग पहने जाने लगे यानी कपड़े सादे और सरल हो गये। स्कर्ट तो छोटे हुए, ट्राउजर महिला की पोशाक का अहम हिस्सा बन गया। औरतों ने बाल भी छोटे रखने शुरू कर दिये।

3. कठोर और सादगी भरी जीवनशैली गंभीरता और व्यवसायिक अंदाज का पयार्य हो गई। जब जिमनास्टिक और खेलों का प्रवेश स्कूली पाठ्यक्रम में हुआ, औरतों ने जाति को बाधित न करने वाले पोशाकों को पहनना शुरू किया।

प्र0 10. अपने जीवनकाल में पोशाकों के साथ महात्मा गांधी के प्रयोगों का वर्णन करें।

उ0– 1. बालक के रूप में वे साधारणतः कमीज के साथ धोती या पायजामा और कभी–कभी कोट पहनते थे। जब वे 1888 में 19 वर्ष के बालक के रूप में कानून पढ़ने लंदन गए तो उन्होंने अपनी चोटी कटवा ली और पश्चिमी सूट पहना।

2. वापसी पर उन्होंने पश्चिमी सूट के साथ टोपी पहनना जारी रखा। दक्षिण अफ्रीका में 1890 के दशक में वकालत करते हुए उनका पहनावा पश्चिमी ही रहा।

3. 1913 में डर्बन में, गांधीजी सर्वप्रथम कोयला–खदान मजदूरों को गोली मारे जाने के खिलाफ लुंगी–कुरता पहनकर और सिर मुड़ाकर शोक संतप्तके रूप में सामने आए।

4. 1915 में भारत में वापसी पर उन्होंने काठियावाडी किसान के पोशाक को पहनने का निश्चय किया। 1921 में असहयोग आंदोलन के दौरान उन्होंने छोटी धोती या छोटी चादर के साथ अपनाया। यह पोशाक उन्होंने मृत्यु तक पहनना जारी रखा।

लंबे उत्तर वाले प्रश्न (5 अंक)

प्र0 1. सम्पचुअरी कानून क्या थे? इन कानूनों ने फ्रांस के समाज को किस प्रकार प्रभावित किया?

उ0– 1. सम्पचुअरी कानून वे कानून थे जो कि समाज के विभिन्न तबकों पर विशिष्ट विवरणों के साथ व्यवहार संहिताएँ के साथ लादी जाती थीं।

2. इन कानूनों के द्वारा उनके व्यवहार को नियंत्रित करने का प्रयास किया गया जो समाज में पिछड़े समझे जाते थे। कुछ खास कपड़े पहनने, कुछ खास खाद्य तथा पेय (सामान्यतः शराब) लेने तथा कुछ खास क्षेत्रों में शिकार करने से रोका गया था।

3. मध्यकाल में फ्रांस में सिर्फ आय के आधार पर ही नहीं वरन् सामाजिक क्रम के आधार पर भी कपड़े खरीदने को नियंत्रित किया गया था।

4. पहनने के कपड़े भी कानूनी रूप से निर्धारित किए गए थे।

5. सिर्फ राज घराने के लोग ही एरमाइन, फर, रेशम, वेल्वेट तथा ब्रोकेड जैसे महँगे कपड़े पहन सकते थे। अन्य लोग राजशाही के लिए निर्धारित कपड़े नहीं पहन सकते थे।

प्र0 2. मताधिकार आंदोलन क्या था? इसने पहनावे में सुधार कैसे लाया?

उ0– 1. महिलाओं का मताधिकार आंदोलन राजनैतिक चुनावों तथा लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए एक आंदोलन था।

2. जैसे–जैसे आंदोलन बढता गया लोगों ने पहनावे में सुधार का प्रचार करना शुरु कर दिया।

3. महिलाओं की पत्रिकाओं में इस बात का वर्णन होने लगा कि कैसे हल्के कपड़े तथा कोर्सेट से छोटी लड़कियों के शारीरिक बनावट में गड़बड़ी तथा बीमारी पैदा होती है। ऐसे कपड़ों से शारीरिक विकास बाधित होता है तथा रक्त संचार अव्यवस्थित हो जाता है।

4. मांसपेशियाँ अल्पविकसित रह जाती हैं तथा रीढ की हड्डी झुक जाती है। डाक्टरों ने रिपार्ट दिया किया कि बहुत सारी औरतों में बराबर कमजोरी, चक्कर आना बेहोश होने की शिकायतें आती हैं।

5. 19वीं सदी के अंत तक सुधार दिखने लगे, पहनावे सरल होने, छोटे स्कर्ट पहनने तथा कार्सेट के त्याग की वकालत होने लगी।

प्र0 3. उदाहरण के आधार पर स्पष्ट करों कि अलग–अलग सभ्यताओं में कपड़े (पहनावे) से कैसे अलग–अलग अर्थ स्पष्ट होता है तथा कैसे ये व्याख्याएँ समझ में मतभेद पैदा कर सकती है।

उ0– अलग–2 सभ्यताओं में पहनावे प्रायः केन्द्रीय अर्थ स्पष्ट करते हैं। यह बार–2 समझ में मतभेद तथा झंझट भी पैदा करते हैं।

2. उदाहरण के तौर पर पगड़ी और टोपी (हैट) को लिया जा सकता है। भारत में पगड़ी न सिर्फ धूप से बचाती है वरन् सम्मान की सूचक भी है और किसी की इच्छा से इसे हटाया नहीं जा सकता।

3. पाश्चात्य सभ्यता में सामाजिक रूप से अपने से बड़ों के सम्मान में टोपी (हैट) हटाने का नियम है।

4. सभ्यता का यह अंतर समझ में अंतर पैदा करता है। अंग्रेज पदाधिकारियों से मिलते वक्त भारतीय अगर अपनी पगड़ी नहीं हटाते थे तो वे खफा हो जाते थे।

प्र0 4. समस्त भारतीयों के खादी पहनने के महात्मा गाँधी के सपने ने कैसे भारत के कुछ वर्गों को ही आकर्षित किया?

उ0– 1. महात्मा गाँधी ने पूरे भारतीयों के खादी पहनने का सपना देखा था। उन्होंने सोचा था कि खादी धर्मों और वर्गों के अंतर को पाटने का माध्यम बनेगी। लेकिन दूसरों के लिए उनके रास्ते पर चलना आसान नहीं था। लोग गाँधी जी की तरह सिर्फ एक ही सूती कपड़ा नहीं पहन सके। वास्तव में लोग ऐसा करना नहीं चाहते थे।

2. मोतीलाल नेहरू जो कि इलाहाबाद के एक सफल वकील तथा राष्ट्रवादी थे ने अपने मंहगे विदेशी कपड़ों को त्यागकर भारतीय धोती–कुर्ता अपनाया लेकिन ये खादी के मोटे कपड़े से नहीं बने थे। जो सदियों से जातिवाद के कारण वंचित थे, उन्होंने पाश्चात्य कपड़ों का परित्याग नहीं किया।

3. अतः महात्मा गाँधी के विपरीत बाबा साहेब अम्बेदकर जैसे अन्य राष्ट्रवादियों ने कभी भी पाश्चात्य कपड़ों का परित्याग नहीं किया।

4. 20वीं सदी के शुरूआती दशक में बहुत सारे दलितों ने आत्मसम्मान की राजनैतिक अभिव्यक्ति के प्रतीक के रूप में सार्वजनिक मौकों पर सूट, जूते तथा मोजे पहना। एक महिला ने गाँधीजी को लिखा, ''मैंने आपको खादी पहनने की प्रबल आवश्यकता पर बोलते हुए सुना, लेकिन खादी बहुत ही महंगा है तथा हम लोग गरीब हैं''।

5. सरोजिनी नायडू और कमला नेहरू जैसी अन्य औरतों ने मोटे, उजले तथा गृह–निर्मित खादी की जगह डिजाइन वाली रंगीन साडियां पहनी।

प्र0 5. भारत में जाति प्रथा ने वही प्रभाव डाला जैसा कि यूरोप में सैनच्युरी कानून ने। तर्क दो।

उ0— 1. भारत में बहुत ही सख्त भोजन तथा कपड़े (पहनावे) का नियम है। जाति–प्रथा के आधार पर ही यह तय होता है कि किस जाति को कौन सा कपड़ा पहनना है, क्या खाना है, क्या लेना है तथा क्या छोड़ना है। ये नियम कानून की तरह बिल्कुल सख्त हैं। अगर इन नियमों में कोई बदलाव हुआ तो प्रायः हिंसक प्रतिक्रिया होती थी।

2. उदाहरण स्वरूप त्रावणकोर की एक जाति शानार है। वे इस इलाके में नैयर जमींदारों के लिए काम करने आए थे। शानार एक पिछड़ी जाति थे जिन्हें परम्परानुसार कुछ विशेष नियमों का पालन करना होता था।

3. उन्हें चप्पल पहनने, छाते प्रयोग करने तथा कमर के ऊपर वस्त्र पहनने की मनाहीं थी।

4. जब मिशनरियाँ आईं, तब उन्होंने इन्हें इसाई धर्म में धर्मांतरित करा दिया।

उच्च क्षमता चिंतन योग्यता के प्रश्न

प्र0 1. पूरी दुनिया में 18वीं सदी की तुलना में 19वीं सदी के वस्त्र कैसे अलग थे?

उ0— 1. फ्रांस में 18वीं सदी में वस्त्र सैम्चुअरी कानून के द्वारा निर्धारित होते थे। फ्रांस की क्रांति के बाद वस्त्र लोगों की आय तथा गरीबों और अमीरों के बीच अंतर द्वारा निर्धारित होने लगे।

2. इंग्लैंड, अमेरिका तथा अन्य यूरोपीय देशों में बचपन से ही चूस्त वस्त्र पहनती थी। औरतें शरीर से सटे हुए कोर्सेट तथा जमीन से सटने की लंबाई तक गाउन पहनती थीं।

3. 19वीं सदी में वस्त्रों का सरलीकरण हुआ। वस्त्र छोटे हो गए तथा कोर्सेट पर प्रतिबंध लग गया एवं वस्त्र हल्के हो गए। दो विश्वयुद्धों के बाद औरतों ने पतलून तथा ब्लाउज पहनना शुरू किया जिससे उनको चलने फिरने में आराम होता था।

4. स्कर्ट छोटे तथा बिना फ्रिल वाले हो गए। बाल इतने छोटे रखे जाने लगे जिससे उनको दुरूस्त रखना आसान हो।

5. भारत में 19वीं सदी में पश्चिम के कपड़े आए, धनी पारसी लोगों ने इन्हें सबसे पहले अपनाया। दलित भी इसके प्रति आकर्षित हुए। पर अभी भी भारत में जातीय आधार पर वस्त्र पहनने का नियम था। स्वदेशी आंदोलन तथा राष्ट्रवाद की भावना ने भी भारतीयों के लिए वस्त्र के स्थापित किए।

प्र0 2. समाज और वस्त्र एक दूसरे से जुड़े हुए हैं, कैसे? इसकी व्याख्या करें।

उ0— वस्त्रों का इतिहास समाज के बड़े इतिहास से जुड़ा हुआ है। वस्त्र प्रभावशाली सभ्यता के रूझान तथा सुन्दरता के आदर्श के द्वारा परिभाषित होते हैं।

2. समय के साथ इन नियमों में भी बदलाव होता रहता है। वस्त्र में बदलाव तकनीकी में बदलाव, अर्थव्यवस्था तथा बदलते समय के दबाव के कारण हुआ है। महिलाओं के वस्त्रों में बदलाव दो विश्वयुद्धों के कारण हुए हैं।

3. महिलाओं ने गहने तथा मंहगे कपड़े पहनने बंद कर दिए। अब समाज के सभी वर्गों की महिलाएँ एक तरह की दिखने लगीं। स्वाभाविक आवश्यकताओं के कारण वस्त्र छोटे तथा बिना फ्रिल वाले हो गए।

4. महिलाओं ने गोला–बारूद के कारखानों में काम करना बंद कर दिया। इस कारण उन्हे पतलून, कमीज तथा स्कार्फ पहनने को मजबूर होना पड़ा। इस प्रकार कमीज–पतलून वाले गणवेश ने खाकी वस्त्र तथा टोपी का स्थान लिया। लड़ाई जारी रहने के कारण हल्के रंग के कपड़ों को तरजीह दी गई।

5. कपड़े सरल तथा अधिक प्रयोगधर्मी हो गए। पतलून कमीज औरतों द्वारा पहने जाने वाला एक सामान्य वस्त्र बन गया। वस्त्र सरल तथा व्यावसायिक बन गए।

प्र0 3. स्वदेशी आंदोलन कैसे वस्त्रों की राजनीति से जुड़ा हुआ था? वर्णन करो।

उ0– 1. स्वदेशी आंदोलन मूल रूप से वस्त्रों की राजनीति से जुड़ा हुआ था। अंग्रेजी हुकूमत के विरोध पर लगाम लगाने के लिए लार्ड कर्जन ने 1905 में बंगाल के विभाजन का निर्णय लिया।

2. स्वदेशी आंदोलन इस कदम के प्रतिक्रिया में आगे बढ़ा।

3. भारतीय से यह अपील किया गया कि वे सभी विदेशी वस्तुओं का त्याग करें तथा सामान उत्पादन के लिए अपना उद्योग लगाएँ, जैसे–सिगरेट तथा माचिस।

4. अंग्रेजी हुकूमत को हटाने के लिए सामूहिक विरोध हुए।

5. खादी का प्रयोग राष्ट्रभक्ति का कर्त्तव्य बनाया गया। महिलाओं से आग्रह किया गया कि रेशमी कपड़ों तथा कॉच की चूड़ियों का परित्याग करें और साधारण शंख वाली चूड़िया पहनें। घर में बने मोटे वस्त्रों को गीतों तथा कविताओं में गौरवान्वित किया गया ताकि ये लोकप्रिय हों।

मूल्य आधारित प्रश्न

1. सभी भारतीयों को खादी वस्त्रों में देखने का गाँधीजी का सपना पूरा नहीं हुआ, क्यों?
2. Sans culottes का क्या अर्थ है? यह किस बात के महत्व को बताता है?
3. विक्टोरिया काल में महिला होने के आदर्श ने महिलाओं के कपड़ों को प्रभावित किया। ये आदर्श क्या थे तथा किस प्रकार इन आदर्शों ने उस समय महिलाओं के कपड़ों को प्रभावित किया?

बहुविकल्पी प्रश्नों के उत्तरः

2. क 2.ख 3.ग 4.ख 5.ख 6.घ 7.क 8.घ 9.घ 10.घ

11. घ 12.ख 13.क 14.ग 15.क 16.क 17.क 18.ग 19.ग 20.ग

अध्याय-4

झलवायु

जलवायु :- एक विशाल क्षेत्र में लंबे समयावधि (30 वर्ष से अधिक)में मौसम की अवस्थाओं तथा विविधताओं का कुल योग ही जलवायु है।मौसम एक विशेष समय में एक क्षेत्र के वायुमंडल की अवस्था को बताता है।मौसम तथा जलवायु के तत्व जैसे :- तापमान, वायुमंडलीय दाब, आर्द्रता तथा वर्षण एक ही होते हैं।

भारत की जलवायु को मानसूनी जलवायु कहा जाता है। एशिया में इस प्रकार की जलवायु मुख्यत: दक्षिण तथा दक्षिण - पूर्व में पाई जाती है।

भारत की जलवायु को प्रभावित करने वाले कारक :-

1 अक्षांश 2 ऊचाई 3 वायुदाब एवं पवन तंत्र 4 समुद्र से दूरी 5 महासागरीय धाराएँ

6 उच्चावच लक्षण

भारतीय जलवायु

भारत की जलवायु मानसूनी पवनों से बहुत अधिक प्रभावित है।ऐतिहासिक काल में भारत आने बाले नाविकों ने सबसे पहले मानसून परिघटना पर ध्यान दिया था।पवन तंत्र की दिशा उलट जाने के कारण उन्हें लाभ हुआ।चूँकि उनके जहाज पवन के प्रवाह की दिशा पर निर्भर थे। अरबवासी जो व्यापारियों की तरह भारत आये थे उन लोगों ने पवन तंत्र के इस मौसमी उत्क्रमण को मानसून का नाम दिया ।

मानसून का प्रभाव उष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों में लगभग 20 उत्तर एवं 20 दक्षिण के बीच रहता है।मानसून की प्रक्रिया को समझने के लिए निम्नलिखित तथ्य महत्वपूर्ण हैं :-

1 स्थल तथा जल के गर्म एवं ठंडे होने की विभेदी प्रक्रिया के कारण भारत के स्थल भाग पर निम्न दाब का क्षेत्र उत्पन होता है, जबकि इसके आस -पास के समुद्रों के उपर उच्च दाब का क्षेत्र बनता है।

2 ग्रीष्म ऋतु के दिनों में अंत: उष्ण कटिबधीय अभिसरण क्षेत्र की स्थिति गंगा के मैदान की ओर खिसक जाती है। यह विषुबतीय गर्त है,जो प्राय: विषुवत वृत से 5 उत्तर मे स्थित होता है, जिसे मानसून ऋतु में मानसून गर्त के नाम से भी जाना जाता है।

3 हिंदमहासागर में मेडागास्फर के पूर्व लगभग 20 दक्षिण अक्षांश के ऊपर उच्च दाब बाला क्षेत्र होता है।इस उच्च दाब वाले क्षेत्र की स्थिति एवं तीव्रता भारतीय मानसून को प्रभावित करती है।

4 ग्रीष्म ऋृतु में, तिब्बत का पठार बहुत अधिक गर्म हो जाता है, जिसके परिणामस्वरूप पठार के उपर समुद्रतल से लगभग 9 कि0 मी0 की ऊँचाई पर तीव्र उर्ध्वाधर वायु धराओं एवं उच्च दाब का निर्माण होता है।

5 ग्रीष्म ऋृतु में हिमालय के उत्तर-पश्चिम जेट धाराओं का तथा भारतीय प्रायद्वीप के ऊपर ऊष्ण कटिबंधीय पूर्वी जेट धाराओं का प्रभाव होता है।

वर्षा का वितरण :-

- पश्चिम तट के भागों एवं उत्तरी-पूर्वी भारत में लगभग 400 से0 मी0 वार्षिक् वर्षा होती है।
- पश्चिम राजस्थान एवं इससे सटे पंजाब,हरियाणा एवं गुजरात के भागों में 60 से0 मी0 से भी कम वर्षा होती है।
- दक्षिण पठार के आंतरिक भागों एवं सहयाद्री के पूर्व में भी वर्षा की मात्रा समान रूप से कम होता है।
- जम्मू-कश्मीर के लेह में भी बर्षण की मात्रा काफी कम होती है।
- हिमपात हिमालय क्षत्रों तक ही सीमित होता है।
- एक वर्ष से दूसरे वर्ष होने वाले वार्षिक वर्षा की मात्रा में भिन्नता होती है।
- वर्षा की विषमता राजस्थान, गुजरात के कुछ भाग तथा पश्चिमी घाटों के वृष्टिछाया प्रदेशों मे अधिक पाई जाती है।
- अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में बाढ़े अधिक आती है जबकि निम्न वर्षा वाले क्षेत्रों मे सूखे की आशंका बनी रहती है।

बहुविकल्प प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न 1 सही पद चुने: किसी एक समय में किसी एक क्षेत्र के वायुमण्डल प्रभाव को

प्रदर्शित करता है :-

(अ) जलवायु (ब) आर्द्रता (स) मौसम (द) वर्षा

प्रश्न 2 भारत में किस प्रकार की जलवायु इनमें से पाई जाती है :-

(अ)भूमध्यसागरीय (ब) चाइना-प्रकार (स) विषुवतीय (द) मानसूनी

प्रश्न 3 इनमें से कौन सा राज्य अक्टूबर और नबम्बर महिने मे अधिक वर्षा प्राप्त

करती है :-

(अ)राजस्थान (ब) तमिलनाडू (स) पंजाब (द) केरल

प्रश्न 4 इनमे से कौन सी अक्षांश रेखा देश के बीचों बीच से गुजरती है :-

(अ)कर्क रेखा (ब) मकर रेखा (स) विषुवत रेखा (द) आर्कटिक वृत

प्रश्न 5 मध्य एशिया के तुलना में भारतीय उपमहाद्वीप में शीत ऋतु मृदुल होने का कारण .... है।

(अ) हिमालय (ब) मिजोरम (स) उत्तरी मैदान (द) थार मरूस्थल

प्रश्न 6 इनमें से कौन सी हवाएँ भारत में वर्षा की प्रचुरता के लिए उत्तरदायी है :-

(अ) दक्षिण –पश्चिम मानसून (ब) उत्तर–पूर्व मानसून

(स) दक्षिण–उत्तरी मानसून (द) पश्चिमी विक्षोभ

प्रश्न 7 ITCZ(आई0टी0सी0जेड0) क्या है :-

(अ) अतः उष्ण परिवर्त्तन क्षेत्र (ब) अतः ऊष्ण अभिसरण क्षेत्र

(स) भारतीय ऊष्ण परिवर्त्तन क्षेत्र (द) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 8 इनमें से कौन से महिने में मानसून लौटता है :-

(अ) अगस्त (ब) सितंबर (स) अक्टूबर (द) नवम्बर

प्रश्न 9 इनमें से कौन सी जलवायु दशा भारत के शीत ऋतु के लिए नहीं है :-

(अ) उच्च वर्षा (ब) साफ वर्षा (स) निम्न तापमान (द) निम्न आर्द्रता

प्रश्न 10 शीत ऋतु चक्रवात से इनमें से कौन सी फसल को लाभ मिलता है :-

(अ) रबी फसल (ब) खरीफ फसल (ब)जायद फसल (ब) इनमें से कोई नही

प्रश्न 11 'लू' क्या है ?

(अ) ये चक्रवात है (ब)ये ठंढ़ी हवाएँ है

(स) ये, धूल भरी गर्म एवं शुष्क पवनें होती है,जो कि दिन के समय भारत के उत्तर एवं उत्तर–पश्चिमी क्षेत्रों में चलती है

(द) ये शीत ऋतु की विविध हवाएँ हैं

प्रश्न 12 इनमें से दो राज्य कौन है जो पूर्व मानसून वर्षा से प्रभावित होती है :-

(अ) केरल,पंजाब (ब) पंजाब,हरियाणा (स) केरल,कर्नाटक (द) हरियाणा,राजस्थान

प्रश्न 13 इनमें से सबसे अधिक वर्षा का नगर भारत में है :-

(अ) चेरापूँजी (ब) मॉसीनराम (स) वाड़मेर (द) लद्दाख

प्रश्न 14 इनमें से कौन सी पहाड़ियों में मॉसिनराम स्थित है :-

(अ)खासी पहाड़ी (ब)अरावली पहाड़ी (स)नीलगीरी पहाड़ी (द)अन्नामलाई पहाड़ी

प्रश्न 15 कोरोमंडल तट में वर्षा की प्रचुरता के लिए इनमें से कौन से कारक उत्तरदायी है :-

(अ)द0-प0 मनसून(ब) उ0-पू0 मनसून(स)पश्चिमी विक्षोह(द)निम्नदाब एवं चक्रवात

प्रश्न 16 इनमें से कौन सा स्थान संसार में सबसे अधिक वर्षा प्राप्त करती है ?

(अ)सीलचर (ब)चेरापूँजी (स)मॉसीनराम (द) गुवाहाटी

प्रश्न 17 उत्तरी मैदान मे गर्मी मे चलने वाली हवाएँ को ....के नाम से जानते हैं?

(अ) काल वैशाखी (ब) व्यवसायी पवनें (स) लू (द) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 18 भारत के उत्तरी – पश्चिमी भाग में इनमें से किसके कारण शीतऋतु में वर्षा होती है :-

(अ)चक्रवातीय निम्नदाब (ब)लौटते मानसून(स)पश्चिमी विक्षोह(द)द0-प0 मानसून

प्रश्न 19 भारत में मानसून लगभग किस महिने मे आती है?

(अ) मई के प्रारम्भ में (ब) जून के प्रारम्भ में

(स) जूलाई के प्रारम्भ में (द)अगस्त के पूर्व में

प्रश्न 20 भारत मे शीतऋतु के लिए इनमें से कौन से कारक है?

(अ) गर्म दिन और गर्म रात (ब) गर्म दिन और रातें ठंढ़ी

(स) ठंढा दिन और ठंढी रातें (द) ठंढी दिन और गर्म रातें

लधुउत्तरीय प्रश्न उत्तर 3 अंक

प्रश्न 1 जलवायु को परिभाषित करें? जलवायु के तत्व क्या है?

उत्तर :- 1 एक विशाल क्षेत्र में लंबे समयावधि (30 वर्ष से अधिक) में मौसम की अवस्थाओं तथा विविधताओं का कुल योग ही जलवायु है।

2 मौसम तथा जलवायु का तत्व एक समान है। जैसे :- तापमान,वायुमंडलीय दाब, पवन ,आर्द्रता तथा वर्षण।

प्रश्न 2 भारत की जलवायु को नियंत्रित करने वाले कारक क्या है?

उत्तर :-भारत की जलवायु को अक्षांश, ऊँचाई, वायुदाब एवं पवनतंत्र, समुद्र से दूरी, महासागरीय धाराएँ तथा उच्चावच आदि कारक नियंत्रित करतें है।

प्रश्न 3 भारतीय मानसून एक सूत्र में बाँधने की प्रक्रिया का वर्णन करें?

उत्तर :-स्थिति एवं भूमि उच्चावच में अंतर होने के कारण भारत के जलवायु में विभिन्नता पाई जाती है लेकिन इस विषमता को मानसून के द्वारा कम किया जाता है जो कि पूरे भारत में बहता है।मानसून के आगमन पर पूरे भारत के लोग स्वागत करते हैं।

1 अधिकांश त्योहार भारत में मानसून ऋतु में मनाया जाता है।

2 मानसूनी वर्षा कृषि कार्य के लिए जल उपलब्ध कराती है।

3 मानसून हमें गर्मी से छूटकारा दिलाती है।भारतीय लोगों का जीवन मानसून के इर्द—गिर्द घूमता है।

प्रश्न 4 मौसम और जलवायु मे अंतर स्पष्ट करें?

उत्तर :-

मौसम	जलवायु
1 मौसम किसी राज्य के एक ही स्थान एवं समय के वायुमंडलीय को दर्शाता है।	1 एक विशाल क्षेत्र के लंबे समयावधि में मौसम की अवस्थाओं एवं विविधताओं का कुल योग को दर्शाता है।
2 मौसम की अवस्था प्राय: एक दिन में ही कई बार बदलती है।	2 जलवायु में यह बदलाब नहीं होता है।
3 मौसम का डाटा निश्चित समय के लिए मापा जाता है।	3 जलवायु में मौसम के औसत तत्वों को लंबे समय के लिए मापा जाता है। (30 वर्षो से अधिक)

प्रश्न 5 भारत में मानसूनी वर्षा के तीन विशेषता लिखे ?

उत्तर :- 1 मौसम के प्रारंभ में पश्चिम घाट के पवनमुखी भागों में भारी वर्षा होती है।

(लगभग 250 से0मी0 से अधिक)

2 दक्कन का पठार एवं मध्य प्रदेश के कुछ भाग में भी वर्षा होती है, ये क्षेत्र वृष्टिछाया में आते हैं।

3 उष्ण कटिबंधीय निम्नदाब की तीव्रता एवं आवृति भी मानसूनी वर्षा की मात्रा एवं समय को निर्धारित करती है।

प्रश्न 6 पश्चिमी विक्षोभ क्या है?

उत्तर :- ये विक्षोभ पूर्वी रोम सागरीय खण्ड के क्षेत्र में उत्पन होते हैं और पूर्व की ओर बढ़ते हुए ईरान तथा पाकिस्तान के उपर से होते हुए भारत के उतर-पश्चिमी

भागों में पहुँच जाती हैं।इनके द्वारा पश्चिमी भारत के क्षेत्रों विशेषकर पंजाब, हरियाणा और उतर-पश्चिमी उत्तर प्रदेश में वर्षा होती है।

प्रश्न 7 एलनीनो क्या है ? कोई दो प्रभाव को लिखे ?

उत्तर :- ठंढी पेरू जलधारा के स्थान पर अस्थायी तौर पर गर्म जलधारा के विकास को एलनीनो का नाम दिया जाता है। एलनीनो स्पैनीश शब्द है जिसका अर्थ होता है बच्चा तथा जो कि बेबीक्राइस्ट को व्यक्त करता है। यह दिसबंर के महिने में बहता है।

1 समुद्र की सतह के तापमान को बढ़ा देता है।

2 उस क्षेत्र के व्यापारिक पवनों को शिथिल कर देता है।

प्रश्न 8 भारत के जलवायु को नियंत्रण करने वाले छः कारक क्या हैं?

उत्तर :- भारत के जलवायु को नियंत्रण करने वाले छः कारक निम्न हैं :-

1 अक्षांश 2 ऊँचाई 3 वायुदाब एवं पवन तंत्र 4 समुद्र से दूरी 5 महासागरीय धाराएँ 6 उच्चावच लक्षण 7 समुद्री जलधाराएँ 8 पर्वत की दिशाएँ

प्रश्न 9 मानसून क्या है ?

उत्तर :-मानसून शब्द की व्युत्पति अरबी शब्द 'मौसिम' से हुई है जिसका शाब्दिक अर्थ है- मौसम मानसून का अर्थ, एक वर्ष के दौरान वायु की दिशा में ऋतु के अनुसार परिवर्तन है।

प्रश्न 10 मानसून विस्फोट (फटना) शब्द से आप क्या समझते है ? भारतीय मानसून के दो शाखाओं को लिखे ।

उत्तर :- मानसून के आगमन के समय अचानक वृद्धि हो जाती है तथा लागातार कई दिनों तक यह जारी रहती है। इसे मानसून विस्फोट (फटना) कहते हैं।

मानसून के दो शाखा :-

1 अरब सागर शाखा

2 बंगाल की खाड़ी शाखा

प्रश्न 11 अंतः उष्ण कटिबंधीय अभिसरण क्षेत्र क्या है? दो विशेषता को लिखें?

उत्तर :- ये विषुवतीय अक्षांशो में विस्तृत गर्त एवं निम्न दाब का क्षेत्र है। यही पर उत्तर - पूर्वी व्यापारिक पवनें आपस में मिलती हैं।

1 अभिसरण क्षेत्र विषुवत वृत के लगभग सामानांतर होता है।

2 सूर्य की अभासी गति के साथ-साथ यह उत्तर या दक्षिण की ओर खिसकता है।

प्रश्न 12 एक स्थान के जलवायु को प्रभावित करने वाले कोई तीन कारक को लिखें?

उत्तर :- अक्षांश :- पृथ्वी की गोलाई के कारण, इसे प्राप्त सौर उर्जा की मात्रा अक्षांशो के अनुसार अलग - अलग होती है। इसके परिणामस्वरूप तापमान विषुवत वृत से ध्रुवों की और सामान्यत: घटता जाता है।

ऊँचाई:- जब कोई व्यक्ति पृथ्वी की सतह से ऊँचाई की ओर जाता है, तो वायुमंडल की सघनता कम हो जाती है तथा तापमान घट जाता है। इसलिए पहाड़ियाँ गर्मी के मौसम में भी ठंडी होती है।

वायुदाब एवं पवन तंत्र :- किसी भी क्षेत्र का वायुदाब एवं पवन तंत्र उस स्थान के अक्षांश तथा ऊँचाई पर निर्भर करती है। इस प्रकार यह तापमान एवं वर्षा के वितरण को प्रभावित करता है।

प्रश्न 13 पश्चिम चक्रवातीय विक्षोभ के तीन विशेषताएँ लिखें?

उत्तर :- 1 सर्दी के महीनों में उत्पन होने वाला पश्चिमी चक्रवातीय विक्षोभ भूमध्यसागरीय क्षेत्र से आने वाले पश्चिमी प्रवाह के कारण होता है।

2 भारत के उत्तर एवं उत्तर-पश्चिम क्षेत्रो को प्रभावित करते हैं।

3 उष्ण कटिबंधीय चक्रवात मानसूनी महीनों के साथ-साथ अक्टूबर एवं नवंबर के महीनों में आते है तथा ये पूर्वी प्रवाह के एक भाग होते है एवं देश के तटीय क्षेत्रों को प्रभावित करते हैं।

लंबे प्रश्न -उत्तर (5 अंक)

प्रश्न 1 मानसून अभिक्रिया की व्याख्या करें?

उत्तर :- 1 स्थल तथा जल के गर्म एवं ठंडे होने की विभ्रेदी प्रक्रिया के कारण भारत के स्थल भाग पर निम्नदाब का क्षेत्र उत्पन होता है। जबकि इसके आस-पास के समुद्रों के उपर उच्च दाब का क्षेत्र बनता है।

2 ग्रीष्म ऋतु के दिनों में अंत: उष्ण कटिबंधीय अभिसरण क्षेत्र की स्थिति गंगा के मैदान की ओर खिसक जाती है। यह विषुवतीय गर्त है, जो प्राय: विषुवत वृत से 5 डिग्री उत्तर में स्थित होता है, जिसे मानसून ऋतु मे मानसून गर्त के नाम से जाना जाता है।

3 हिंद महासागर में मेडागास्कर के पूर्व लगभग 20 डिग्री दक्षिण अक्षांश के उपर उच्च दाब वाला क्षेत्र होता है। इस उच्च दाब वाले क्षेत्र की स्थिति एवं तीव्रता भारतीय मानसून को प्रभावित करती है।

4 ग्रीष्म ऋतु मे तिब्बत पठार के उपर समुद्र तल से लगभग 9 कि0मी0 की ऊँचाई पर तीव्र उध्वार्धर वायु धाराओं एवं उच्च दाब का निर्माण होता है।

5 दक्षिण ऋतु में हिमालय के उत्तर-पश्चिमी जेट धराओं का तथा भारतीय प्रायद्वीप के उपर उष्णकटिबंधीय पूर्वी जेट धराओं का प्रभाव होता है।

प्रश्न 2 दक्षिण - पश्चिमी मानसून एवं उत्तर-पूर्वी मानसून में अंतर स्पष्ट करें?

उत्तर :-

द0-प0 मानसून	उ0-पू0 मानसून
1 जून से सितम्बर	1 दिसबंर से फरवरी
2 लगातार वर्षा नहीं होती है।इस ऋतु मे वर्षा अंतराल में होती है।	2 इसमें वर्षा का अंतराल नही होता है।
3 इसके दो शाखा है :- अरब सागर और बंगाल की खाड़ी शाखा।	3 इसका कोई शाखा नही है।
4 इस ऋतु में वार्षिक वर्षा का औसत अधिक होता है।	4 इसमे वर्षा का वार्षिक औसत कम है।
5 समुद्रतटीय क्षेत्र मे आर्द्रता रहती है।	5 प्रायद्वीप के आंतरिक भाग में कम आर्द्रता रहती है।
6 चेन्नई,कोचिन,मुबई	6 दिल्ली, कानपुर, भोपाल

Hots :-

1 राजस्थान के घरों में दिवाल पतला एवं छतें चौड़े होते है ? क्यो ?

2 तराई क्षेत्र एवं गोवा मे मकान की छतें ढालू होते है, क्यो ?

3 आसाम में घर लकड़ी के होते है,क्यो ?

4 उच्चावच और स्थिति भारत की जलवायु के महत्वपूर्ण कारक हैं कैसे ?

मानचित्र कार्य

भारत के मानचित्र पर निम्नलिखित को दिखावें :-

1 तमिलनाडु की राजधानी   2 प0बंगाल की राजधानी 3 भारत की राजधानी 4 ठंडा मरूस्थल

उत्तर :- छात्र स्वयं करें।

बहुविकल्पीय प्रश्न का उत्तर

1 (स) 2 (द)3 (ब) 4 (अ) 5 (अ) 6 (अ) 7 (ब) 8 (स) 9 (अ) 10 (अ) 11 (स) 12 (ब) 13 (ब) 14 (अ) 15 (द) 16 (स) 17 (स) 18 (स) 19 (ब) 20 (ब)

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

हमारा देश भारत विश्व के मुख्य 12 जैव विविधता वाले देशों में से एक है।लगभग 47000 विभिन्न जातियों के पौधे पाये जाने के कारण यह देश विश्व में दशवें स्थान पर और एशिया के देशों में चौथे स्थान पर है। भारत में लगभग 15000 फूलो के पौधे है जो कि विश्व में फूलों के पौधों का 6 प्रतिशत है। इस देश मे बहुत से बिना फूलों के पौधे है जैसे कि फर्न, शैवाल तथा कवक भी पाये जाते है भारत मे लगभग 90,000 जातियों के जानवर तथा विभिन्न प्रकार की मछलियाँ ताजे तथा समुद्री पानी मे पाई जाती है।

वनस्पति तथा वन्य प्राणियों में इतनी विविधता निम्नलिखित कारणों से है:-

धरातल :- भूभाग, मृदा।

जलवायु :- तापमान, सूर्य का प्रकाश, वर्षण।

वनस्पति के प्रकार:-

1• उष्ण कटिबंधीय वर्षावन 2• उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वन

3• कंटीले वन तथा झाड़ियाँ 4• पर्वतीय वन 5• मैंग्रोव वन

वन्य प्राणी

भारत विभिन्न प्रकार की प्राणी संपति मे धनी है। यहाँ जीवों की 90,000 प्रजातियाँ मिलती है। देश में 1200 से अधिक पक्षियों की प्राजातियाँ पाई जाती है।यह कुल विश्व का 13 प्रतिशत है। यहाँ मछलियों की 2500 प्रजातियाँ है जो विश्व की लगभग 12 प्रतिशत है। भारत में विश्व के 5 से 8 प्रतिशत तक उभयचरी, सरीसृप तथा स्तनधारी जानवर भी पाए जाते हैं।स्तनधारी जानवरों में हाथी सबसे अधिक महत्वपूर्ण है।ये असम कर्नाटक और केरल के उष्ण तथा आर्द्र वनों में पाए जाते हैं।

एक सींग वाले गैंडे अन्य जानवर हैं जो पश्चिमी बंगाल तथा असम के दलदली क्षेत्रों मे रहते हैं।कच्छ के रन तथा थार मरूस्थल में क्रमश जंगली गधे तथा ऊँट रहते हैं।भारतीय भैंसा, नील गाय, चौसिंघा, छोटा मृग तथा विभिन्न प्रजातियों वाले हिरण आदि कुछ अन्य जानवर हैं जो भारत मे पाए जाते हैं।

भारत विश्व का अकेला देश है जहाँ शेर तथा बाघ दोनों पाए जाते हैं।भारतीय शेरों का प्राकृतिक वास स्थल गुजरात में गिर जंगल है।बाघ मध्य प्रदेश तथा झारखंड के वनों ,पश्चिमी बंगाल के सुंदरवन तथा हिमालयी क्षेत्रों मे पाए जाते है।बिल्ली जाति के सदस्यों मे तेंदुआ भी है। यह शिकारी जानवरो में मुख्य है।

नदियों,झीलों तथा समुद्री क्षेत्रों में कछुए, मगरमच्छ और घड़ियाल पाये जाते हैं।घड़ियाल, मगरमच्छ की प्रजाति का एक ऐसा प्रतिनिधि है जो विश्व में केवल भारत में पाया जाता है।

भारत में अनेक रंग-बिरंगे पक्षी पाए जाते है। मोर बत्तख, तोता, मैना, सारस, तथा कबूतर आदि कुछ पक्षी प्रजातियाँ हैं जो देश के वनों तथा आर्द्र क्षेत्रों में रहती हैं।

अपने देश की पादप और जीव संपत्ति के सुरक्षा के लिए सरकार ने कई कदम उठाए हैं:-

1• देश में चौदह मंडल निचय (आरक्षित) क्षेत्र हैं।

2• 1992 से सरकार द्वारा पादप उद्यानों को वित्तीय तथा तकनीकी सहायता देने की योजना बनाई है।

3• शेर संरक्षण,गैंडा संरक्षण,भारतीय भैसा संरक्षण तथा पारिस्थितिक तंत्र के संतुलन के लिए कई योजनाएँ बनाई हैं।

4• 89 नेशनल पार्क,49 वन्य प्राणी अभयवन और कई चिड़ियाघर राष्ट्र की पादप और जीव संपत्ति की रक्षा के लिए बनाए गए हैं।

चौदह जीव मंडल निचय (आरक्षित क्षेत्र)

सुंदरवन	सिमलीपाल
मन्नार की खाड़ी	दिहांग दिबांग
नीलगिरी	डिब्रु साइकवोवा
नंदादेवी	अगस्त्यमलाई
नाकरेक	कंचनजुंगा
ग्रेटनिकोवार	पंचमढ़ी
मानस	अचनकमर - अमरकंटक

बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक)

प्र0 1• किसी विशेष क्षेत्र के पौधों के लिए इसमें से कौन प्रयोग किया जाता है:-

(अ) फ्लोरा (ब) फौना (स) प्राकृतिक वनस्पति (द) वनस्पति

प्र0 2• किसी एक विशेष क्षेत्र के पशुओं के लिए इनमें से कौन सा शब्द प्रयोग किया जाता है:-

(अ)फ्लोरा (ब)फौना (स)प्राकृतिक वनस्पति (द)वनस्पति

प्र0 3• मैंग्रोव वन कहाँ पाये जाते हैं :-

(अ)मरूस्थल (ब)डक्कन का पठार (स) हिमालय (द) तटीय क्षेत्र

प्र0 4• एक विशाल भूखण्ड पर एक व्यापक परिस्थितिकि तंत्र जिसमें विभिन्न प्रकार की वनस्पतियाँ एवं जीवजंतु पाये जाते हैं :-

(अ) पारिस्थितिकि (ब) फ्लौरा और फौना (स) जीबेम (द) वनस्पति

प्र0 5• इनमें से कौन से वनस्पति भारत में नहीं पाया जाता है :-

(अ)उष्ण कटिबंधीय सदाबहार (ब) उष्ण कटिबंधीय पर्णवाति वन

(स) मैंग्रोव वन (द)भूमध्य सागरीय वन

प्र0 6• भारत के किस क्षेत्र में उष्ण कटिबंधीय सदाबहार वन पाये जाते हैं :-

(अ)पश्चिम घाट,असम के ऊपरीभाग (ब) देश के उत्तरपश्चिम भाग

(स) गंगा एवं महानदी का डेल्टा (द) पर्वतीय क्षेत्र

प्र0 7• इनमें से किस राज्य के वन में एक सिंग वाले गैंडे पाया जाता है :-

(1)मध्यप्रदेश (2)आसाम (3)गुजरात (4) केरल

प्र0 8• इनमें से कौन सा वृक्ष उष्ण कटिबंधीय सदाबहार वन का नहीं है :-

(अ)अकासिया (ब)रोजवुड (स) एबोनी (द) रबर

प्र0 9• इनमें से कौन सा वनस्पति का विस्तार भारत में सबसे ज्यादा हैं :-

(अ)उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन (ब) उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वन

(स)मैंग्रोव वन (द) भूमध्यसागरीय पठार

प्र0 10• इनमे से कौन सा पशु पर्वतीय वन में नहीं पाया जाता है :-

(अ)काश्मीर स्टैग (ब) तेंदुआ (स)एक सिंग वाला गैंडा (द)याक

प्र0 11• इनमें कौन सा पशु मैंग्रोव वन में प्रसिद्व है :-

(अ)रॉयल बंगाल टाइगर (ब) तेंदुआ (स)बंदर (द)शेर

प्र0 12• इनमें से किस राज्य में क्षेत्र में जंगली गधा पाया जाता है :-

(अ)आसाम (ब) कच्छ का रन (स) तमिलनाडु (द) मणिपुर

प्र0 13•जैव आरक्षितों वैश्विक संजाल में इनमे से कौन शामिल नहीं है :-

(अ)सुंदरवन (ब) मानस (स) नंदादेवी (द) नीलगिरी

प्र0 14• इनमें से कौन से राज्य में सिमली पाल जैव आरक्षित स्थित है :-

(अ) प0 बंगाल (ब) आंध्र प्रदेश (स) महाराष्ट्र (द)ओड़ीसा

प्र0 15• इनमे से कौन सही मेल नहीं खाता है :-

(अ)दुधवा - राजस्थान (ब) मानस - आसाम

(स) डाचीगाम-जम्मु-कश्मीर (द) गिर-गुजरात

प्र0 16• इनमें से कौन से वनस्पति में रबर पाई जाती है :-

(अ)टुड्रा (ब) हिमालय (स) ज्वारीय (द) उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन

प्र0 17• सीनकोना पेड़ .... वर्षा वाले क्षेत्र में पाया जाता है :-

(अ) 100 से0मी0 (ब) 70 से0मी0 (स) 50 से0मी0 (द) 50 से0मी0 से कम

प्र0 18• इनमें से कौन से राज्य में सुन्दरवन जैव आरक्षित पाया जाता है :-

(अ) पंजाब (ब) देल्ली (स) ओड़िसा (द) प0बंगाल

प्र0 19• इनमें से कौन भारत का जैव आरक्षित विश्व जैवआरक्षित जाल में नहीं जुड़ा है :-

(अ)मानस (ब) मन्नार की खाड़ी (स) नीलगीरी (द)नंदादेवी

लघुउत्तरीय प्रश्न उत्तर

प्र0 1• नाकरेक जैव आरक्षित के तीन विशेषता लिखें?

उत्तर :- 1 नाकरेक जैव आरक्षित राष्ट्रीय पार्क भारत के नागालैंड के गारो पहाड़ी में तुश पीक से 2 कि0मी0 पर स्थित है।

2 2009 में यूनेस्को ने इसे राष्ट्रीय जैव आरक्षित घोषित किया ।

3 इस पार्क में बहुत बड़े क्षेत्र में पौधे और जीव पाये जाते हैं।इस पार्क में सीजू केव को जोड़ा गया है।

प्र0 2• भारत में प्राकृतिक वनस्पति के वितरण में उच्चावच और वर्षा कैसे प्रभावित करता है ?

उत्तर :- किसी स्थल का प्राकृतिक वनस्पति वहाँ के उच्चावच और वर्षा पर निर्भर करता है।इस कथन के निम्नलिखित कारण हैं :-

1 पश्चिमी ढ़ाल एवं पश्चिमी घाट में 200 वर्षा होती है। जिसके कारण इस क्षेत्र में उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन बड़े पैमाने पर पाया जाता है।

2 विभिन्न प्रकार के पर्वतीय क्षेत्र में भिन्न प्रकार के वनस्पति पाये जाते है।जैसे 1500 से 3000 की ऊचाई वाले क्षेत्र में कोणधारी वृक्ष पाये जाते है। 1000 से 2000 में आर्द्रशीतोष्ण वन पाये जाते है।

3 70 से0मी0 से 100 से0मी0 वर्षा वाले क्षेत्र और अर्द्धशुष्क क्षेत्र में अकालियाऔर ताड़ पाये जाते हैं।

प्र0 3• जीवोम (वायोम) क्या है जीवोमों की संख्या बताइए जिनमें देश का पारिस्थिकी तंत्र विभाजित है।

उत्तर :- धरातल पर एक विशिष्ट प्रकार की वनस्पति या प्राणी जीवन वाले विशाल पारिस्थितिक तंत्र को 'जीवोम' कहते हैं।जीवोम की पहचान पादप पर आधारित होती हैं।

जीवोम को निम्नलिखित पारिस्थितिक तंत्र में विभाजित किया गया है :-

1 वन :- इसमे सदाबहार वन, पर्णपाती वन और कोणधारी वन।

2 घास क्षेत्र :- सवाना घास भूमि

3 अल्पाइन टुंट्रा वनस्पति

4 मरूस्थलीय वनस्पति

प्र0 4 वनस्पति जगत और प्राणी जगत में अन्तर स्पष्ट करें।

उत्तर :-

वनस्पति जगत	प्राणी जगत
1 किसी विशेष क्षेत्र के प्राकृतिक वनस्पति को वनस्पति जगत कहते हैं।	1 सभी जीव जंतु को प्राणी जगत में रखा गया है।
2 यह अपना भोजन सूर्य के प्रकाश से प्राप्त करता है।	2 यह अपने से भोजन प्राप्त नहीं करते है बल्कि दूसरे पर आश्रित होते हैं।
3 यह पृथ्वी पर बहुत पहले से है जबसे पृथ्वी का इतिहास है।	3 यह वनस्पति जगत के विकाश के बाद आया है।

प्र0 5 भारत वनस्पति जगत और प्राणी जगत की धरोहर में धनी है क्यों? यह कैसे कहते है कि भारत जैब विविधता में धनी हैं?

उत्तर :- इसका कारण है तापमान, सूर्य का प्रकाश, वर्षण, मृदा, और धरातल ये सभी भारत में जीव जंतु एवं पेड़-पौधों के विकाश में मदद करता है।किसी भी जैव

विविधता के विकाश में पाँच कारक महत्वपूर्ण है।

हमारा देश भारत विश्व के मुख्य 12 जैव विविधता वाले देशों में से एक है।

लगभग 47000 विभिन्न जातियों के पौधे पाये जाते है।

प्र0 6 काँटेदार वन एवं मैंग्रोव वन में अन्तर स्पष्त करें :-

उत्तर :-

काँटेदार	मैंग्रोव वन
1 वर्षा - इस प्रकार के वन 70 से0मी0 और इससे कम वर्षा वाले क्षेत्र	1 वर्षा - यह डेल्टाई क्षेत्र में पाया जाता है। इसमें वर्षा की आवश्यकता नही है।
2 वनस्पति- बबुल,कीफर,ताड़,कैकटस, अकासीया महत्वपूर्ण वृक्ष।	2 वनस्पति- सुंदरी महत्वपूर्ण वृक्ष है। दूसरे एगर और केवड़ा।
3 स्थिति- अर्धशुष्क क्षेत्र,गुजरात,राजस्थान, हरियाणा,उत्तरप्रदेश।	3 स्थिति- यहाँ गंगा के डेल्टाई भाग,महानदी,कावेरी,कृष्णा और गोदावरी।

प्र0 7 भारत सचमुच विभिन्न प्रकार के जंगली प्राणी जगत में धनी है? इस कथन को स्पष्ट करें।

उत्तर :- 1 भारत प्राणी संपति में धनी है क्योंकि भारत में उच्च क्षमता के धरातल, वर्षा,तापमान पाया जाता है जो प्राणी संपत्ति को विकाश मे सहायता पहुँचाता है।

2 हमारे देश में विभिन्न प्रकार के वनस्पति जगत पाया जाता है जैसे- पर्वत, पठार, मरूस्थल, नदी और झील आदि पाये जाते है।

3 हमारे देश में मैमल(स्तनधारी)- 390 प्रकार, मछली- 2546 प्रकार, 1232 प्रकार के पक्षी पाये जाते है।

प्र0 8 पेड़–पौधें एवं जीव जंतुओं में बहुत बड़ी अंतर पाया जाता है इसे तीन उत्तरदायी कारकों को लिखे।

उत्तर :- 1 धरातल :- धरातल का प्राकृतिक वनस्पति का गहरा प्रभाव पड़ता है।पर्वत, पठार, और मैदानी भागों में भिन्न प्रकार के वृक्ष एवं जीव जंतु पाये जाते हैं।

2 मृदा :- प्राकृतिक वनस्पति के विकास में मृदा का काफी योगदान होता है। जैसे :-बलुई एवं मरूस्थलीय मृदा में काँटेदार झड़ियाँ एवं फनी होते है।वही आर्द्र एवं डेल्टाई क्षेत्र में मैंग्राव वनस्पति पाया जाता है।

3 तापमान :- वनस्पति की विविधता तथा विशेषताएँ तापमान और वायु की नमी पर भी निर्भर करती है।हिमालय पर्वत की ढ़लानों तथा प्रायद्वीप के पहाड़ियों पर 915 मी0 की ऊँचाई से ऊपर तापमान में गिरावट वनस्पति के पनपने और बढ़ने को प्रभावित करती है और उसे उष्ण कटिबंधीय से उपोष्ण, शीतोष्ण तथा अल्पाइन वनस्पतियों में परिवर्तित करती है।

प्र0 9 वनों का हमारे जीवन में क्या महत्त्व है? छः कारण दें।

उत्तर :- 1 स्थानीय जलवायु पर रोक

2 मृदा अपरदन पर रोक

3 विभिन्न प्रकार के उद्योगो का समर्थन

4 विभिन्न समुदायों का सहयोग

5 हवा और तापमान का रूकाबट और वर्षा

6 मृदा में आर्द्रता और जंगली जीवों का शरण ।

प्र0 10 पर्वतीय वन एवं मैग्रोव वन में अन्तर स्पष्ट करें?

उत्तर :-

पर्वतीय वन	मैंग्रोव वन
1 पर्वतीय क्षेत्रों में तापमान की कमी तथा ऊँचाई के साथ-साथ प्राकृतिक वनस्पति में भी अंतर दिखाई देता है।	1 यह वनस्पति तटवर्ती क्षेत्रों में जहाँ ज्वार-भाटा आते है की सबसे महत्वपूर्ण वनस्पति है।
2 यह वन प्राय: हिमालय की दक्षिणी	2 गंगा, ब्रह्मपुत्र, महानदी, गोदावरी,

ढ़लानों,दक्षिण और उत्तर-पूर्व भारत के अधिक ऊँचाई वालें भागों में पाए जाते है।	कृष्णा तथा कावेरी नदियों के डेल्टा भाग में यह वनस्पति मिलती है।
3 इसमें चौड़ी पत्तीवाले ओक तथा चेस्टनट जैसे वृक्षों की प्रधानता होती है।	**3** गंगा - ब्रह्मपुत्र डेल्टा में सुंदरी वृक्ष पाए जाते है जिनसे मजबूत लकड़ी प्राप्त होती है।

प्र0 **11** जीव आरक्षित क्षेत्र क्या है ? भारत के चार जीव आरक्षित क्षेत्रों के नाम लिखें साथ ही विश्व जीव आरक्षित क्षेत्र से जुड़े हुए का नाम बताएँ।

उत्तर :- जीव-आरक्षित क्षेत्र एक विशाल जंगली भूमि को कहते हैं जिसमें विभिन्न जीव - जन्तुओं एवं वनस्पति को अनके प्राकृतिक रूप में रखा जाता है।

1 सुंदरवन - पश्चिम बंगाल

2 नंदादेवी - उतरांचल

3 मन्नार की खाड़ी - तमिलनाडू

4 निलगिरी - केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु

मानचित्र

भारत के मानचित्र पर निम्नलिखित को दिखाने का प्रयास करें :-

1 दो दक्षिण भारत पक्षी अभ्यारण्य

2 वर्षा वन क्षेत्र

3 जीमकार्वेट राष्ट्रीय पार्क

4 मानस राष्ट्रीय पार्क

बहुविकल्पीय प्रश्न का उत्तर

1 (अ) 2 (ब) 3 (द) 4 (स) 5 (द) 6 (अ) 7 (ब) 8 (अ) 9 (ब) 10 (स) 11 (अ)

12 (ब) 13 (ब) 14 (द) 15 (अ) 16 (द) 17 (अ) 18 (द) 19 (अ)

जनसंख्या

परिचय :- समाज और अर्थव्यवस्था के विकास में मानव का महत्वपूर्ण योगदान है।मानव संसाधनों का निर्माण एवम् उपयोग तो करते ही हैं, वे स्वयं भी विभिन्न गुणों वाले संसाधन होते हैं।संसाधन , आपदा एवम् विनाश का अर्थ केवल मानव के लिए महत्वपूर्ण है।उनकी संख्या, वितरण, वृद्धि और विशेषताएँ या गुण पर्यावरण के सभी स्वरूपों को समझने तथा उनकी विवेवचना करने के लिए मूल पृष्ठभूमि प्रदान करते है।मानव पृथ्वी के संसाधनों का उत्पादन एवं उपयोग करता है। इसलिए यह जानना आवश्यक है कि एक देश मे कितने लोग निवास करते हैं, वे कहाँ एवं कैसे रहते है, उनकी संख्याओं में वृद्धि क्यों हो रही है तथा उनकी कौन-कौन सी विशेषताएँ है।

जनसख्या का आकार एवं वितरण :-

जनसंख्या वृद्धि एवं जनसंख्या परिवर्तन की प्रक्रिया

- जनसंख्या वृद्धि:- जनसंख्या वृद्धि का अर्थ समय के एक विशिष्ट अवधि मे एक देश, क्षेत्र के निवासियों की संख्या में हुए परिवर्तन से है।
- जनसंख्या परिवर्तन,वृद्धि की प्रक्रिया :-
  1। एक वर्ष मे प्रति हजार व्यक्तियों में जितने जीवित बच्चों का जन्म होता है,उसे जन्म दर कहते हैं।यह वृद्धि का एक प्रमुख घटक है क्योंकि भारत में हमेशा जन्म दर, मृत्यु दर से अधिक रहा है
  2। एक वर्ष मे प्रति हजार व्यक्तियों में मरनेवालों की संख्या को मृत्यु दर कहा जाता है।मृत्यु दर मे तेज गिरावट भारत की जनसंख्या में वृद्धि की दर का मुख्य कारण है।
  3। लोगों का एक क्षेत्र और भूभाग से दूसरे क्षेत्र और भूभाग मे चले जाने को प्रवास कहते है।प्रवास आंतरिक (देश के भीतर) या

  अतर्राष्ट्रीय (देशों के बीच) हो सकता है।

- आयु संरचना:- किसी देश में, जनसंख्या की आयु संरचना वहाँ के विभिन्न आयु समूहों को लोगों की संख्या को बताता है।यह जनसंख्या की मूल बिशेषताओं में से एक है।किसी राष्ट्र की आबादी को सामान्यत: तीन वर्गो में बाँटा जाता है:-
  1। बच्चे (सामान्यत: 15 वर्ष से कम)- ये अधिक रूप से उत्पादनशील नहीं होते है तथा इनको भोजन, वस्त्र, शिक्षा एवम् स्वास्थ्य सम्बधी सुविधाएँ उपलब्ध कराने की आवश्यता होती है।
  2। वयस्क (15-59 वर्ष) ये आर्थिक रूप से उत्पादनशील तथा जैविक रूप से प्रजननशील होते है।यह जनसंख्या का कार्यशील वर्ग है।
  3। वृद्ध (59 वर्ष से अधिक) ये आर्थिक रूप से उत्पादनशील या अवकाश प्राप्त हो सकते है।ये स्वैच्छिक रूप से कार्य कर सकते है, लेकिन भर्ती प्रक्रिया के द्वारा इनकी नियुक्ति नहीं होती है।

- लिंग अनुपात – प्रति 1000 पुरूषों पर महिलाओं की संख्या को लिंग अनुपात कहा जाता है। यह जानकारी किसी दिए गए समय में, समाज में पुरूषों एवं महिलाओं के बीच समानता की सीमा मापने के लिए एक महत्वपूर्ण सामाजिक सूचक है।
- साक्षरता दर – साक्षरता किसी जनसंख्या का बहुत ही महत्वपूर्ण गुण है। स्पष्टत: केवल एक शिक्षित और जागरूक नागरिक ही बुद्धिमत्तापूर्ण निर्णय ले सकता है तथा शोध एवं विकास के कार्य कर सकता है। साक्षरता स्तर में कमी आर्थिक प्रगति में एक गंभीर बाधा है।
- व्यावसायिक संरचना – आर्थिक रूप से क्रियाशील जनसंख्या का प्रतिशत विकास का एक महत्वपूर्ण सूचक होता है। विभिन्न प्रकार के व्यवसायों के अनुसार किए गए जनसंख्या के वितरण को व्यावसायिक संरचना कहा जाता है।

प्राथमिक क्रिया मे कृषि, पशुपालन, वृक्षारोपण, मछली पालन, खनन इत्यादि क्रियाएँ शामिल है।

द्वितीयक क्रियाकलापों में उत्पादन करनेवाले उद्योग, भवन एवं निर्माण कार्य आते हैं।

तृतीयक क्रियाकलापों मे परिवहन, संचार, वाणिज्य, प्रशासन और अन्य सेवाएँ शामिल है।

- स्वास्थ्य :- स्वास्थ्य जनसंख्या की संरचना का एक महत्वपूर्ण घटक है जो कि विकास की प्रक्रिया को प्रभावित करता है। सरकारी कार्यक्रमों के निरंतर प्रयास के द्वारा भारत की जनसंख्या के स्वास्थ्य स्तर में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है।
- किशोर जनसंख्या :- भारत की जनसंख्या का सबसे महत्वपूर्ण लक्षण इसकी किशोर जनसंख्या का आकार प्राय: 10 से 19 वर्ष की आयु वर्ग के होते हैं। ये भविष्य के सबसे महत्वपूर्ण मानव संसाधन है।
- राष्ट्रीय जनसंख्या नीति :- परिवार के आकार को सीमित रखकर एवं व्यक्ति के स्वास्थ्य एवं कल्याण को सुधारा जा सकता है, इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने 1952 मे एक व्यापक परिवार नियोजन कार्यक्रम को प्रारंभ किया। परिवार कल्याण कार्यक्रम स्वैच्छिक आधार पर जिम्मेदार तथा सुनियोजित पितृत्व को बढ़ावा देने के लिए कार्यरत है।
- राष्ट्रीय जनसंख्या नीति 2000 और किशोर :- राष्ट्रीय जनसंख्या नीति 2000 ने किशोर, किशोरियों की पहचान जनसंख्या के उस प्रमुख भाग के रूप में की, जिस पर बहुत ध्यान देने की आवश्यता है। पौषणिक आवश्यकताओं के अतिरिक्त इस नीति में अवांछित गर्भधारण और यौन-सम्बन्धों से प्रसारित बीमारियों से किशोर, किशोरियों की सुरक्षा जैसी अन्य महत्वपूर्ण आवश्यकताओं पर भी जोर दिया गया है। इसके द्वारा ऐसे कार्यक्रम चलाये गए जिनका उद्येश्य देर से विवाह और देर से संतानोत्पत्ति को प्रोत्साहित करना , किशोर, किशोरियों को, असुरक्षित यौन सम्बंध के कुप्रभावों को बारे में शिक्षित करना, गर्भ – निरोधक सेवाओं को पहुँच और खरीद के भीतर बनाना, खाद्य संपूरक और पौषणिक सेवाएँ उपलब्ध करवाना और बाल – विवाह को रोकने के लिए कानूनों को सुदृढ़ करना है।

बहुविकल्पीय प्रश्न

प्रश्न 1 निम्नलिखित में से कौन हमें हमारे देश की जनसंख्या के सन्बन्ध में सूचना प्रदान करता है?

(अ) भारत की जनगणना (ब) भारत सरकार

(स) केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन (द) भारतीय रिजर्व बैंक

प्रश्न 2 भारत का सर्वाधिक जनसंख्या वाला राज्य कौन सा है?

(अ) मध्य प्रदेश (ब) उत्तरप्रदेश (स) हरियाणा (द) पश्चिम बंगाल

प्रश्न 3 भारत का सबसे कम जनसंख्या वाला राज्य कौन सा है

(अ) नागालैंड (ब) गोवा (स) मणिपुर (द) सिक्किम

प्रश्न 4 भारत का सबसे बड़ा राज्य कौन सा है?

(अ) मध्य प्रदेश (ब) उत्तरप्रदेश (स) राजस्थान (द) कर्नाटक

प्रश्न 5 कौन सा राज्य उच्चतम जनसंख्या घनत्व वाला है?

(अ) अरूणाचल प्रदेश (ब) पश्चिम बंगाल (स) उत्तर प्रदेश (द) हरियाणा

प्रश्न 6 निम्नलिखित में से कौन - सा जनसंख्या को गतिशील घटना बनाने के लिए उत्तरदायी नहीं है?

(अ) शिक्षा (ब) प्रवास (स) जन्म दर (द) मृत्यु दर

प्रश्न 7 सही शब्द चुनें- समय के एक विशिष्ट अवधि में एक देश, क्षेत्र के निवासियों की संख्या में परिवर्तन

(अ) जन्म दर (ब) मृत्यु दर (स) प्रवास (द) जनसंख्या बृद्धि

प्रश्न 8 प्रवास क्या है?

(अ) क्षेत्र और भूभाग को पार करनेवाला यह लोगों का संचलन है।

(ब) यह लोगों, वस्तुओं और सेवाओं का संचलन है।

(स) यह जनसंख्या की बनाबट है।

(द) उपरोक्त में से कोई नहीं।

प्रश्न 9 निम्नलिखित में से कौन - से आयु - समूह मे निर्भरता अनुपात उच्चतम होगा ?

(अ) 15 वर्ष से नीचे (ब) 15 से 59 वर्षो को बीच

(स) 60 वर्ष के उपर (द) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 10 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में लिंगानुपात क्या है?

(अ) 915 (ब) 940 (स) 980 (द) 1025

प्रश्न 11 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में पुरूष साक्षारता दर क्या है

(अ) 65.46 (ब) 74.05 (स) 82.14 (द) 85.12

प्रश्न 12 निम्नलिखित में से कौन सी प्राथमिक क्रिया नहीं है?

(अ) पशुपालन (ब) वन (स) संचार (द) मछली पकड़ना

प्रश्न 13 विलंब से शादी और गर्भधारण, किशोर - शिक्षा को प्रोत्साहन देना निम्नलिखित में से किस कार्य क्रम का लक्ष्य है?

(अ) राष्ट्रीय जनसंख्या नीति (ब) के0 पी0 पी0

(स) एम0 पी0 पी0 (द) एल0 पी0 पी0

प्रश्न 14 जनसंख्या में बच्चों के विशाल अनुपात का उत्तरदायी निम्नलिखित में से क्या है?

(अ) उच्च जन्म दर (ब) उच्च मृत्यु दर

(स) उच्च जीवन प्रत्याशा (द) अधिक विवाहित जोड़े

प्रश्न 15 विश्व का सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश कौन – सा है?

(अ) संयुक्त राज्य अमेरिका (ब) भारत (स) चीन (द) पाकिस्तान

प्रश्न 16 प्रवास जनसंख्या की संख्या, वितरण और बनाबट में .... परिवर्तन लाता है?

(अ) प्रस्थान के क्षेत्र में (ब) आगमन के क्षेत्र में

(स) आगमन और प्रस्थान दोनों क्षेत्रों में (द) उत्तर में से कोई नहीं

प्रश्न 17 जनसंख्या में बच्चों का विशाल अनुपात परिणाम है?

(अ) उच्च जन्म दर (ब) उच्च मृत्युदर का

(स) उच्च जीवन प्रत्याशा का (द) अधिक विवाहित जोड़ों का

प्रश्न 18 जनसंख्या वृद्धि के आकार का अर्थ है?

(अ) एक क्षेत्र की कुल आबादी (ब) प्रतिवर्ष जुड़नेवाले लोगों की संख्या

(स) वह दर जिसके अनुसार जनसंख्या बढ़ती है(द) प्रति हजार पुरूषो पर स्त्रियों की संख्या

प्रश्न 19 2001 की जनगणना के अनुसार साक्षर व्यक्ति वह है जो

(अ) अपना नाम पढ़ और लिख सकता /सकती है।

(ब) किसी भाषा को पढ़ - लिख सकता है।

(स) 7 वर्ष का है तथा समझ के साथ किसी भाषा को पढ़ लिख सकता है।

(द) पढ़ना, लिखना तथा अंक गणित जानता है।

लघुउत्तरीय प्रश्न :-

प्रश्न 1 जनसंख्या वृद्धि का पर्यावरणीय प्रतिरोध क्या है?

उत्तर:- जनसंख्या वृद्धि के पर्यावरणीय प्रतिरोध हैं:-

1 भोजन तथा आवास का अभाव।

2 प्राकृतिक आपदा जैसे-सूखा, बाढ़ आदि।

3 जैव तत्व जैसे परजीवी, रोगकारक, परभक्षक आदि को पर्यावरणीय प्रतिरोध कहते हैं।

प्रश्न 2 कुल जनसंख्या तथा जनसंख्या के औसत घनत्व में अंतर स्पष्ट करें?

उत्तर :- कुल जनसंख्या

1 यह किसी इलाके में वास्तविक रूप में रहने वालों की संख्या है

2 इसे मापने की इकाई लोगों की संख्या है।

3 इसकी संख्या लोगों की संख्या पर ही निर्भर करती है।

जनसंख्या का औसत घनत्व

1 यह कुल जनसंख्या को बराबर बाँटने के बाद किसी इलाके में लोगों की संख्या है।

2 इसे मापने की इकाई प्रति इकाई इलाके में लोगों की संख्या है।

3 कुल जनसंख्या तथा सभी इलाके दोनों पर इसका मान निर्भर करता है।

प्रश्न 3 जनसंख्या की प्राकृतिक वृद्धि दर से क्या समझते हो? किसी देश की जनसंख्या में परिवर्तन किस बात का इशारा करती है?

उत्तर:- किसी विशेष क्षेत्र में दो समय अंतरालों के बीच जनसंख्या वृद्धि जनसंख्या की प्राकृतिक वृद्धि दर कहलाती है। इसकी गणना जन्म तथा मृत्यु के आधार पर की जाती है। किसी देश की जनसंख्या में परिवर्तन आर्थिक विकास, सामाजिक उन्नति, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को दर्शाता है।

प्रश्न 4 बड़ी आबादी की किसी तीन हानियों की चर्चा करो?

उत्तर:- 1 प्रति व्यक्ति आय कम हो जाती है क्योंकि राष्ट्रीय आय का वितरण अधिक लोगों में होता है।

2 बढ़ती हुई आबादी से भूमि पर अधिक दबाब पड़ता है जिससे कृषि की उत्पादकता कम होती है।

3 दिन – प्रतिदिन गरीबी तथा बेरोजगारी बढ़ता है।

प्रश्न 5 भारत के मानव संसाधन की तीन प्रमुख विशेषताएँ क्या है?

उत्तर:- 1 भारत का मानव संसाधन बहुत बड़ा है।

2 इसका वितरण असमान है।

3 यह बहुत तेजी से बढ़ रहा है।

प्रश्न 6 जनसंख्या के बारे में तीन प्रमुख प्रश्न क्या है?

उत्तर:- 1 जनसंख्या का आकार और वितरण - कितनी आबादी है और वह कहाँ - कहाँ रह रही है।

2 जनसंख्या वृद्धि तथा जनसंख्या परिवर्तन की प्रकिया - समय के साथ जनसंख्या कैसे बढ़ी है तथा बदली है?

3 जनसंख्या के लक्षण और विशेषताएँ - उनकी उम्र, लिंग अनुपात, साक्षरता दर, स्वास्थ्य - स्थिति तथा व्यावसायिक संरचना क्या है।

प्रश्न 7 सामजिक विज्ञान में जनसंख्या केन्द्रीय तत्व है।अपने उत्तर की पुष्टि में तीन तर्क दो?

उत्तर:- 1 यह अध्ययन का ऐसा बिन्दु है जिसके आधार पर अन्य सभी बिन्दुओं का अध्ययन, महत्त्व तथा अर्थ निकाला जाता है।

2 मानव के सम्बन्ध में ही संसाधनों, आपदाओं तथा दुर्घटनाओं का अर्थ निकाला जाता है।

3 इसकी संख्या वितरण, वृद्धि और विशेषताओं तथा गुणों के आधार पर पर्यावरण के आधारभूत तत्वों की समझ होती है।

प्रश्न 8 जनसंख्या घनत्व क्या है? कैसे कह सकते हो कि भारत में सर्वत्र जनसंख्या घनत्व एक नही है?

उत्तर:- प्रति इकाई क्षेत्र में व्यक्तियों की कुल संख्या को जनसंख्या घनत्व कहते है।यह पूरे भारत में एक नहीं है।

1 भारत का जनसंख्या घनत्व पश्चिम बंगाल में 904 व्यक्तियों से अरूणाचल प्रदेश में प्रति वर्ग कि0 मी0 13 व्यक्तियों के बीच है।

2 उत्तर का मैदान तथा केरल में जनसंख्या घनत्व अधिक है क्योंकि यहाँ

समतल उपजाऊ भूमि तथा पर्याप्त वर्षा है।

प्रश्न 9 जनसंख्या वृद्धि क्या है? 1981 से जनसंख्या वृद्धि दर मे ह्रास के दो मुख्य कारण क्या है?

उत्तर:- जनसंख्या के प्राकृतिक वृद्धि में दूसरे जगह से आये लोगों की शुद्ध संख्या के योग को जनसंख्या वृद्धि कहते हैं।1981 से जनसंख्या वृद्धि दर में ह्रास के दो मुख्य कारण है,

1 स्वास्थ्य सविधाओं में वृद्धि तथा

2 साक्षरता दर में वृद्धि ।

प्रश्न 10 प्राथमिक, द्वितीयक तथा तृतीयक गतिविधियाँ क्या है?

उत्तर:- प्रकृति से कच्चे माल की प्राप्ति को प्राथमिक क्रियाएँ कहते है। इनमें कृषि, पशुपालन, वानिकी, मछली पालन, तथा खनन शामिल है।

उद्योगों के माध्यम से कच्चे माल को तैयार माल में बदलने की प्रक्रिया को द्वितीयक क्रियाएँ कहते है।इसमें विनिर्माण उद्योग,भवन तथा निर्माण आदि आते है।परिवहन, संचार, व्यापार, प्रशासन आदि सेवाओं की तृतीयक क्रियाएँ कहते हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

प्रश्न 1 वृद्धि दर तथा जन्म दर में अंतर स्पष्ट करो?

उत्तर:-वृद्धि दर :

1 यह एक विशेष कालवधि में एक विशेष क्षेत्र में जनसंख्या के बढ़ने का दर है।

2 यह एक खास समय में जन्म दर तथा मृत्युदर में अंतर है।

3 हमारे देश में उच्च वृद्धि दर उत्पादक आयु वर्ग में अधिक संख्या, निरोधक उपायों में कमी, उच्च बाल मृत्यु दर के कारण अधिक बच्चे की चाह है।

जन्म दर :

1 किसी विशेष क्षेत्र में एक खास समय अंतराल में जन्म लिये बच्चों की संख्या है।

2 यह संख्या जन्म - मृत्यु कार्यालयों से सीधे प्राप्त की जाती है।

3 2010 में प्रकाशित विश्व बैंक की रपट के अनुसार यह 2008 में 22.80 में तथा 2009 में 22.50 थी।

प्रश्न 2 भारत में जनसंख्या वितरण पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखो?

उत्तर:- भारत विभिन्न प्रकार के उच्चावच्च, मिट्टी तथा जलवायु वाला एक विशाल देश है।फलत: यहाँ जनसंख्या का असमान वितरण स्वाभाविक है।

1 **<u>जलवायु</u>**:- सरल जलवायु वाले स्थान पर अधिक तथा कठिन जलवायु वाले स्थान पर कम जनसंख्या है।

2 **<u>मिट्टी के प्रकार</u>**:- उत्तर के मैदान में बहुत उपजाऊ जलोढ़ मिट्टी है, जिस कारण यहाँ अधिक जनसंख्या है। पहाड़ी क्षेत्रों तथा मरूभूमि में कम जनसंख्या है।

3 **<u>रोजगार के अवसर</u>**:- अधिक रोजगार अवसरों के कारण शहरी क्षेत्रों में अधिक जनसंख्या है।

4 **<u>धार्मिक तथा ऐतिहासिक स्थल</u>**:- इलाहाबाद, वाराणसी, रामेश्वरम् तथा आगरा जैसे शहरों की आबादी अधिक है।

प्रश्न 3 अधिक जनसंख्या के आर्थिक लाभ तथा हानियों का संक्षिप्त वर्णन करें?

उत्तर:- लाभ: अधिक जनसंख्या आर्थिक वृद्धि दर सकारात्मक प्रभाव डालती है, क्योंकि बड़ी उत्पादक जनसंख्या प्राथमिक, द्वितीयक तथा तृतीयक गतिविधियों में अपना योगदान देती है।

हानियाँ :-

1 राष्ट्रीय आय के बड़ी जनसंख्या में वितरण के कारण प्रति-व्यक्ति आय कम हो जाता है।

2 अधिक उपभोग के कारण बचत कम होती है।

3 अधिक जनसंख्या का भूमि पर अधिक दबाब पड़ता है, फलत: उत्पादकता घटती है।

4 गरीब और बेरोजगारी दिन- प्रतिदिन घटती है।

प्रश्न 4 भारत की जनसंख्या पर प्रभाव डालने वाले मौलिक कारणों की व्याख्या करो।

उत्तर:- भारत की जनसंख्या पर प्रभाव डालने वाले मौलिक तत्व -

1 जन्म दर:- यह प्रति वर्ष 1000 की जनसंख्या पर जन्म लेने वाले बच्चों की संख्या है। यह जनसंख्या के आकार तथा घनत्व दोनो को बढ़ाती है।

2 मृत्यु दर :- यह प्रति वर्ष 1000 को जनसंख्या पर मरने वाले बच्चों की संख्या है। यह जनसंख्या के आकार तथा घनत्व दोनों को घटाता है।

3 प्रवास :- यह किसी विशेष क्षेत्र में बाहर से आकर वसने वालों की संख्या है, क्योंकि वहाँ सकारात्मक परिस्थितियाँ होती है।

प्रश्न:- भारतीय राष्ट्रीय जनसंख्या नीति, 2000 के अन्तर्गत अपनाई गई मूल्य शिक्षा

की अवधारणा क्या है? इसके घटकों का उल्लेख करें?

उत्तर:- मूलत: मूल्य शिक्षा की अवधारणा व्यक्ति मे नैतिक, पर्यावरणीय, शैक्षिक, लोकतांत्रिक और साहित्यिक मूल्यों को बैठाना है। यह व्यक्ति के प्रगति के साथ-साथ समाज, राष्ट्र और विश्व के प्रगति के लिए पूर्ण रूप में है।

मूल्य शिक्षा के घटक है-

1 नैतिक शिक्षा 2 पर्यावरणीय शिक्षा 3 जनसंख्या शिक्षा

4 मानव अधिकार और कर्त्तव्य 5 स्वास्थ्य शिक्षा

6 भारतीय सांस्कृतिक शिक्षा 7 शारीरिक शिक्षा

8 योग शिक्षा 9 भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का इतिहास।

मानचित्र प्रश्न

प्रश्न 1 दिए गए भारत के राजनीतिक रेखा मानचित्र में 1 से 4 तक चार विशेषताएँ दी गई हैं।निम्नलिखित सूचनाओं की मदद से इन विशेषताओं की पहचान करें और इनके सही नाम अपनी उत्तर - पुस्तिका में लिखे-

1 उच्चतम जनसंख्या घनत्व वाला राज्य

2 निम्नतम लिंग अनुपात वाला राज्य

3 भारत का सर्वाधिक जनसंख्या वाला राज्य

4 निम्नतम जनसंख्या घनत्व वाला राज्य

प्रश्न 2 दिए गए भारत के रेखा मानचित्र पर निम्नलिखित को नाम के साथ चिन्हित करे

1 सर्वाधिक लिंग अनुपात वाला राज्य

2 सबसे कम जनसंख्या घनत्व वाला राज्य

3 भारत का सबसे कम आबादी वाला राज्य 4 सबसे कम लिंग अनुपात वाला राज्य

प्रश्न 3 दिए गए भारत के रेखा मानचित्र पर नाम सहित निम्नलिखित को चिन्हित करें?

1 उच्चतम लिंग अनुपात वाला राज्य

2 उच्चतम जनसंख्या घनत्व वाला राज्य

3 भारत का सबसे कम आबादी वाला राज्य

4 सबसे कम लिंग अनुपात वाला राज्य

उच्च कौशल वाले प्रश्न

प्रश्न 1 राष्ट्रीय जनसंख्या नीति 2000 की महत्वपूर्ण विशेषताएँ क्या है?

प्रश्न 2 जनसंख्या - अध्ययन महत्वपूर्ण है, क्यों?

प्रश्न 3 आप कैसे कह सकते है कि भारत में शहरी क्षेत्र की जनसंख्या बढ़ी है? शहरी क्षेत्रों में जनसंख्या तेजी से क्यों बढ़ रही है?

प्रश्न 4 शहरी क्षेत्रों की बढ़ती जनसंख्या देश के विकास को प्रभावित करती है,क्यों?

प्रश्न 5 आप कैसे कह सकते है कि शहरी क्षेत्रों की जनसंख्या भारत में बढ़ी है?

बहुविकल्पीय प्रश्न का उत्तर

1 (अ) 2 (ब) 3 (द) 4 (स) 5 (ब) 6 (अ) 7 (स) 8 (अ) 9 (अ) 10 (ब) 11 (ब)

12 (स) 13 (अ) 14 (अ) 15 (स) 16 (स) 17 (अ) 18 (ब) 19 (स)

अध्याय : – 4

चुनावी राजनीति **कक्षा :– नवम्**

चुनाव की आवश्यकता

चुनाव प्रतिनिधियों के चुनने का लोकतांत्रिक मार्ग है। ये आश्वस्त करते हैं कि प्रतिनिधित्यात्मक शासन जनता की इच्छा के अनुसार है।

चुनाव मतदाताओं को प्रतिनिधियों को चुनने मे सहायता करती है जो उनके लिए कानून बनाएँगे सरकार का निर्माण करेंगे और बड़े निर्णय लेंगे।

मतदाता एक दल को भी चुन सकते है जिसकी नीतियाँ सरकार तथा विधि निर्माण को निर्देशित करेंगी ।

इस प्रकार चुनाव एक पद्धति है जिसके द्वारा जनता अपने प्रतिनिधियों को नियमित अंतराल पर चुन सकती है और यदि इच्छा हुई तो बदल सकती है।

क्या चुनाव लोकतांत्रिक बनाती है ?

प्रत्येक नागरिक चुनने योग्य होना चाहिए अर्थात् प्रत्येक के पास एक मत होना चाहिए और प्रत्येक मत का समान मूल्य होना चाहिए।सर्वभौमिक वयस्क मताधिकार – चुनने लड़ने की स्वतंत्रता होनी चाहिए और लोगों के लिए विस्तृत पसंद होने चाहिए।नियमित अंतराल पर चुनाव अवश्य होने चाहिए।

जनता द्वारा पसंद किये गए प्रत्याशी निर्वाचित होने चाहिए।चुनाव के लोकतांत्रिक होने के लिए उन्हें निष्पक्ष तथा स्वतंत्र वातावरण मे आयोजित होने चाहिए।

राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अवगुण

विभेद तथा दलीय राजनीति की भावना पैदा करती है।दलीय स्तर पर एक दूसरे के विरूद्ध अरोप गंदे चालाकियों के साथ चुनाव जीतने के लिए लगाया जाना।

लंबी अवधि की नीतियों का निर्माण नहीं हो सकता

अच्छे लोग राजनीति में प्रवेश नहीं करते।

गुण :-

निर्वाचन अच्छे होते है क्योंकि ये सत्तारूढ़ दल को प्रदर्शन करने के लिए बाध्य करते हैं।सरकार भी अवगत होती है कि यदि जनता की इच्छानुसार प्रदार्शन नहीं करती तो मतदान द्वारा सत्ता से बाहर कर दी जाएगी। यह दलों और नेताओं को काम करने प्रदर्शन करने के लिए बाध्य करती है इसलिए प्रतिस्पर्धा अच्छी होती है।

हमारी निर्वाचन प्रणाली

प्रथमत मतदाता सूची बनाई जाती है।

तब चुनाव की तिथियाँ घोषित की जाती है।

चुनावो के उद्येश्य से समूचे देश को निर्वाचन क्षेत्रों मे बाँट दिया जाता है प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा (543 निर्वाचन क्षेत्र लोकसभा के हैं) के लिए एक प्रतिनिधि को मतदाताओं को चुनना होता है जिन्हे संसद सदस्य कहा जाता है ये निर्वाचन क्षेत्र जनसंख्या के अधार पर बनते है।

इसी तरह प्रत्येक राज्य को निर्वाचन क्षेत्रों में बाँटा जाता है और एक विशिष्ट संख्या मे सदस्य जिन्हें एम0 एल0 ए0 कहा जाता है चुने जाते है।

प्रत्येक दल अपना चुनावी घोषणा – पत्र जारी करता है और उम्मीदवारों की सूची तैयार करता है।इनके पीछे जनता होती है लेकिन गैर – लोकतांत्रिक देशों मे चुनाव स्वतंत्र तथा निष्पक्ष नहीं होते या सभी लोगो को मत देने का अधिकार नहीं होता ।चीन में आपको मत देने के लिए चीनी साम्यवादी दल का सदस्य होना ही है।

बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न 1 'न्याय युद्ध' का नेतृत्व किसने किया ?

(1) चौधरी चरण सिंह

(2) चौधरी देवी लाल

(3) अजीत सिंह

(4) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 2 किसानों और छोटे व्यापारियों के साथ देवीलाल ने क्या वादा किय था ?

(1) वे किसानो और छोटे व्यापारियों का कर्ज माफ कर देगें

(2) उनके कर्ज पर ब्याज दर को कम कर देंगें

(3) वे खेती को आधुनिक बनायगें

(4) वे नि:शुल्क बीज और कीटनाशक उपलब्ध कराएगें

प्रश्न 3 इनमें से कौन लोकतंत्र की विशेषता नहीं है ?

(1) विश्व मे भारत के पास बड़ी संख्या मे मतदाता हैं

(2) भारत का निर्वाचन आयोग बड़ा शक्तिशाली है

(3) भारत मे 18 वर्ष से उपर प्रत्येक व्यक्ति को मत देने का अधिकार है

(4) भारत मे हारी हुई पटियाँ जनादेश को स्वीकार करने से इंकार करती है

प्रश्न 4 इनमे से कौन लोकतांत्रिक चुनाव का एक शर्त नहीं है?

(1) प्रत्येक को वोट देने की अनुमति दी गई है

(2) चुनाव लड़ने के लिए राजनीतिक दल है

(3) जनता द्वारा पसंद नहीं किए गए उम्मीदवार निर्वाचित हो जाते है

(4) चुनाव नियमित अंतराल पर होते है

प्रश्न 5 'निर्वाचन क्षेत्र' से क्या अभिप्राय है?

(अ) वह जगह जहाँ संविधान की प्रति रखी गई

(ब) एक विशिष्ट क्षेत्र जिससे मतदाता लोकसभा /विधानसभा के लिए प्रतिनिधियों को चुनते हैं

(स) मतदाताओं का निकाय

(द) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 6 निम्नलिखित में से कौन स विकल्प चुनावी प्रतिस्पर्धा का एक अवगुण है ?

(अ) समूहबंदी की भावना विकसित करना

(ब) दलों द्वारा गंदी चालाकियाँ चुनाव जीतने के लिए प्रयोग करना

(स) दलों द्वारा एक दूसरे का सम्मान करना

(द) दोनों (अ) और (ब)

प्रश्न 7 भारत में इनमें से किन निकायों का चुनाव प्रत्येक पाँच वर्षो के बाद होता है?

(अ) राज्यसभा (ब) लोकसभा और विधानसभा

(स) विधान परिषद (द) केवल लोकसभा

प्रश्न 8 लोकसभा का चुनाव जो पाँच वर्ष के बाद होता है कहा जाता है ?

(अ) मध्यावधि चुनाव (ब) सामान्य चुनाव

(स) उप-चुनाव (द) विशिष्ट चुनाव

प्रश्न 9 किसी के मृत्यु या त्याग पत्र के कारण केवल एक निर्वाचन क्षेत्र को भरने के लिए जो चुनाव कराए जाते है कहलाते है

(अ) उप -चुनाव (ब) मध्यावधि चुनाव

(स) सामान्य चुनाव (द) इनमें से कोई नही

प्रश्न 10 लोकसभा चुनाव के लिए देश कितने निर्वाचन क्षेत्रों में विभाजित है ?

(अ) 544 (ब) 543 (स) 560 (द) 535

प्रश्न 11 किस चुनाव के लिए चुनाव क्षेत्र को 'वार्ड' कहा जाता है?

(अ) संसद (ब) राज्य विधानसभा

(स) राज्य विधान परिषद (द) पंचायत और नगर निकाय

प्रश्न 12 अनूसूचित जनजाति के लिए लोकसभा में कितने सीटें आरक्षित है ?

(अ) 40 (ब) 41 (स) 51 (द) 71

प्रश्न 13 इनमें से कौन जिला और स्थानीय स्तर के निकाय का अंग नहीं है?

(अ) पंचायत (ब) नगरपालिकाएँ

(स) नगर–निगम (द) लोकसभा

प्रश्न 14 इनमें सें कौ सा विकल्प सर्वभौमिक वयस्क मताधिकार के लिए मान्य है ?

(अ) केवल धनी और शिक्षित व्यक्ति वोट दे सकते है

(ब) केवल पुरूष वोट दे सकते है

(स) सभी नागरिक जो 18 या उससे अधिक उम्र के हैं वोट दे सकते है

(द) केवल नौकरीपेशा लोग वोट दे सकते हैं

प्रश्न 15 मत देने के लिए मतदाता को इनमें से कौन प्रमाण पत्र दिखाना है?

(अ) राशन कार्ड (ब) ड्राइविंग लइसेंस

(स) चुनाव फोटो पहचान पत्र (द) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 16 लोकासभा का चुनाव लड़ने के लिए कम से कम कितनी आयु का होना आवश्यक है?

(अ) 20 वर्ष (ब) 18 वर्ष (स) 25 वर्ष (द) 30 वर्ष

प्रश्न 17 चुनाव लड़ने के पहले प्रत्याशियों को कौन से विवरण कनूनी घोषणा मे देनी पड़ती है?

(अ) उसके विरूद्ध लंबित गंभीर आपराधिक मुकदमें

(ब) प्रत्याशियों के अपने परिवार की संपत्ति और देयता का विवरण

(स) प्रत्याशी की शैक्षिण योग्यता

(द) उपरोक्त सभी

प्रश्न 18 उन व्यवहारों और दिशा निर्देशों का संकलन क्या है जिन्हे चुनाव की अवधि के दौरान राजनैतिक दलों और चुनाव लड़नेवाले प्रत्याशी को पालन करना होता है

(अ) अनुशासन क्रम (ब) अचार संहिता

(स) आचरण नियम (द) दोनो (अ) और (ब)

प्रश्न 19 भारत में निर्वाचन संचालित करनेवाले निकाय का नाम बताएँ ?

(अ) सर्वोच्च न्यायलय (ब) मंत्रिमंडल

(स) संसद (द) चुनाव आयोग

प्रश्न 20 किस प्रकार मुख्य- निर्वाचन आयुक्त चुना जाता है ?

(अ) राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त (ब) जनता द्वारा निर्वाचित

(स) सांसदों द्वारा निर्वाचित(द) सांसदों और विधानसभा सदस्यों द्वारा निर्वाचित

प्रश्न 21 चुनाव के दौरान सरकारी कार्मचारी किसके नियंत्रण में काम करते है ?

(अ) केंद्रीय सरकार (ब) चुनाव आयोग

(स) जिलाधीश (द) जिला न्यायालय

प्रश्न 22 भारत में बड़े अनुपात में चुनावों में कौन मत देता है ?

(अ) गरीब और अशिक्षित (ब) धनी और सुविधा संपन्न

(स) शिक्षित लोग (द) स्त्रियाँ

प्रश्न 23 'इनकमबेन्ट' शब्द का क्या तात्पर्य है?

(अ) राजनैतिक कार्यालय

(ब) चुनाव लड़नेवला प्रत्याशी

(स) भंग किए गए सदन के सदस्य

(द) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 24 एक निर्वाचन कदाचार जिसमें गैर – कानूनी उद्येश्यों के लिए एक व्यक्ति दूसरे के पहचान को ले लेता है ?

(अ) इनकमबेन्ट (ब) रीगिंग (स) छद्‌मरूपधारण (द) टरनेक्ट

प्रश्न 25 निर्वाचन अयोग है:-

(अ) एक निर्वाचित निकाय (ब) एक नियुक्त की गई निकाय

(स) एक स्वतंत्र निकाय (द) दोनों (अ) और (ब)

प्रश्न 26 चुनाव अभियान को संचालित करते समय निम्नलिखित में से किसे अनुमति नहीं दी जाती है?

(अ) प्रत्याशियों को मत देने के लिए मतदाताओं को पैसा देना

(ब) टी वी चैनलों का प्रयोग

(स) दरवाजा – दरवाजा प्रचार करना

(द) फोन पर मतदाताओं से संपर्क सधना

प्रश्न 27 निम्नलिखित मे कौन सा कथन गलत है ?

(अ) 21 वर्ष से ऊपर का नागरिक चुनाव में वोट दे सकता है।

(ब) जाति – धर्म या लिंग को ध्यान में न रखते हुए प्रत्येक नागरिक को मत देने का अधिकार है।

(स) विशेष परिस्थितियों मे कुछ अपराधियों और अस्वस्थ मस्तिष्क के लोगों को मताधिकार से वंचित किया जा सकता है।

(द) यह सरकार का दायित्व है कि मतदाता सूची में सभी योग्य मतदाताओं का नाम दर्ज करें।

प्रश्न 28 'लोकतंत्र बचाओ नारा ' 1977 के लोकसभा चुनावों मे निम्नलिखित में से किस राजनितिक दल द्वारा दिया गया था ?

(अ) काँग्रेस पार्टी (ब) जनता पार्टी

(स) तेलगू देशम पार्टी (द) वाम – मोर्चा

प्रश्न 29 भारत मे लोकसभा चुनाव लड़नेवाले व्यक्ति की आयु क्या है?

(अ) 25 वर्ष (ब) 30 वर्ष (स) 35 वर्ष (द) 40 वर्ष

प्रश्न 30 हमारे देश में एक स्वतंत्र और शक्तिशाली निकाय द्वारा चुनावों का संचालन किया जाता है जिसे जाना जाता है :-

(अ) चुनाव आयोग (ब) संसद

(स) न्यायपालिका (द) लोकसभा

प्रश्न 31 वोटर लिस्ट को जाना जाता है :-

(अ) चुनाव आयोग (ब) मतदाता पहचानपत्र

(स) मतदाता – सूची (द) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 32 लोकसभा का कार्यकाल क्या है ?

(अ) 9 वर्ष (ब) 4 वर्ष (स) 5 वर्ष (द) 6 वर्ष

प्रश्न 33 निम्न में से कौन सा कथन चुनावों के लोकतांत्रिक प्रक्रिया के विरूद्ध है?

(अ) चुनाव लड़ने के लिए दल और उम्मीदवारों को स्वतंत्र होना चाहिए

(ब) कार्यकाल की समाप्ति के बाद चुनाव नियमित तौर पर तुरंत होनी चाहिए

(स) मताधिकार चुने हुए लोगों को दिए जाने चाहिए

(द) चुनाव स्वतंत्र एवं निष्पक्ष तरीके से संचालित किए जाने चाहिए

प्रश्न 34 देश के किस राज्य में सबसे बड़ा विधानसभा है ?

(अ) महाराष्ट्र (ब) उत्तर प्रदेश (स) आंध्रप्रदेश (द) पश्चिम बंगाल

प्रश्न 35 सुरक्षित निर्वाचन क्षेत्र आश्वस्त करता है :-

(अ) समानता का अधिकार (ब) सभी धार्मिक समूहों के समुचित प्रतिनिधित्व

(स) समाज के दुर्बल वर्गो का समुचित प्रतिनिधित्व (द) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 36 निम्न में से भारत में किसे सबसे अधिक लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र प्राप्त है ?

(अ) महाराष्ट्र (ब) उत्तर प्रदेश (स) हिमाचल प्रदेश (द) बिहार

प्रश्न 37 किन्होंने 'गरीबी हटाओं' का नारा दिय था ?

(अ) इंदिरा गाँधी (ब) राजीव गाँधी (स) सोनिया गाँधी (द) पंडित नेहरू

प्रश्न 38 वर्त्तमान में लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या है ?

(अ) 541 (ब) 546 (स) 543 (द) 540

प्रश्न 39 भारत में मुख्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति कौ करता है ?

(अ) भारत के मुख्य न्यायाधीश (ब) भारत के प्रधानमंत्री

(स) भारत के राष्ट्रपति (द) भारत के लोग

प्रश्न 40 भारत मे स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए कौन उत्तरदायी है?

(अ) प्रधानमंत्री (ब) राष्ट्रपति (स) चुनाव आयोग (द) मंत्रिपरिषद

प्रश्न 41 लोकसभा मे अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षित सीटों की संख्या है ?

(अ) 59 (ब) 79 (स) 89 (द) 99

लघुउत्तरात्मक प्रश्न :- 3 अंक

प्रश्न 1 चुनाव अभियान को नियमित करने के लिए आदर्श आचार –संहिता के अंर्तगत प्रावधानो का उल्लेख करें?

उत्तर :- आदर्श आचार संहिता के अनुसार कोई भी दल

1 किसी पूजा स्थल का प्रयोग चुनावी प्रचार के लिए नहीं कर सकता

2 सरकारी सवारी हवाई जहाज और पदाधिकारियों का चुनाव में प्रयोग नहीं कर सकता ।

3 एक बार जब चुनाव की घोषणा हो गई तो कोई भी मंत्री किसी परियोजना की न तो अधारशिला रखेगा न कोई बड़ा फैसला या नीति को लेगा और न ही जन सुविधाओं को प्रदान करने वाला कोई वदा करेगा।

प्रश्न 2 एक चुनाव में मतदाताओं का पसंद क्या है :-

उत्तर :- एक चुनाव में मतदाताओं के अनेक पसंद होते है –

1 वे अपने लिए कानून बनानेवाले को चुन सकते है।

2 वे उन्हे चुन सकते हैं जो सरकार बनावें और बड़े निर्णय ले।

3 वे उस दल को चुन सकते है जिसकी नीतियाँ सरकार और विधि – निर्माण को निर्देशित कर सकें।

प्रश्न 3 किस प्रकार निर्वाचन आयोग न्यायपालिका के समान स्वतंत्रता का आनंद लेता है?

उत्तर :- चुनाव आयोग उसी प्रकार की स्वतंत्रता का आनंद लेता है जिस प्रकार न्यायपालिका लेती है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त होता है। लेकिन एक बार नियुक्त होने के बाद वह राष्ट्रपति या सरकार के प्रति जबाबदेह नहीं होता । यहाँ तक कि सत्तारूढ़ दल या सरकार निर्वाचन आयोग के कामों को पसंद नहीं करे तो भी उसके लिए मुख्य निर्वाचन आयुक्त को हटा देना असंभव है।

प्रश्न 4 चुनाव अभियान की तीन (तकनीकों) का वर्णन करें :-

उत्तर :- 1 प्रत्याशी मतदाताओं से सम्पर्क करते है।

2 वे चुनावी सभाओं को सम्बोधित करते है।

3 प्रचार के लिए समाचार – पत्रों और टी0वी0 का प्रयोग करते है।

प्रश्न 5 लोकतंत्र में चुनावों के महत्व की विवेचना करें?

उत्तर :- चुनाव जनता को एक अवसर देती है अपने प्रतिनिधियों सरकार और अपने पसंद की नीतियों को चुनने की ।चुनाव आयोजित कर प्रतिनिधियों को चुनने का तरीका एक लोकतांत्रिक तरीका है। मतदाता अपनी पसंद प्रकट कर सकते है।

प्रश्न 6 चुनाव घोषणा पत्र के महत्व की चर्चा करें?

उत्तर :- चुनाव घोषणा पत्र अपनी नीतियों की व्याख्या करते हुए एक राजनीतिक दल का कथन है जिसमें वह कहता है कि यदि वह चुनाव जीतता है तो क्या-क्या करेगा ।

प्रश्न 7 आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र क्या है? यह किस प्रकार लोकतंत्र को मजबूत करत है?

उत्तर:- एक आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र में केवल अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति से

सम्बंध रखनेवाला चुनाव में खड़ा होता है। लोकसभा में 79 सीट अनुसूचित जाति तथा 41 अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित किए गए है। यह प्रणाली हमारे लोकतंत्र को प्रतिनिधिमूलक लोकतंत्र बनाती है।

प्रश्न 8 राजनितिक प्रतिस्पर्धा के अवगुण क्या है?

उत्तर:- राजनितिक प्रतिस्पर्धा के विविध अवगुण है:-

1 यह प्रत्येक समुदाय में भेदभाव की भावना और गुटबंदी को उत्पन्न करता है। विभिन्न राजनैतिक दल और उम्मीदवार चुनाव जीतने के लिए प्राय: गँदे चालाकियों का प्रयोग करते हैं।

2 चुनावी संघर्ष जीतने का दवाब लंबी अवधि की बुद्धिमत्तापूर्ण नीतियों को बनने नहीं देता ।

3 कुछ अच्छे लोग जो देश की सेवा करना चाहते है के राजनिति में शमिल हो कर इस अस्वस्थ प्रतियोगिता में भाग लेना नहीं चाहते।

दीर्घउत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1 भारत मे चुनाव कैसे संपन्न होता है?

उत्तर :- 1 चुनाव के लिए देश को विभिन्न क्षेत्रों में बाँट दिया जाता है जिन्हें निर्वाचन क्षेत्र कहा जाता है।

2 उस क्षेत्र मे रहनेवाले मतदाता अपने प्रतिनिधि को चुनते है।

3 लोकसभा चुनाव के लिए देश को 543 निर्वाचन क्षेत्रों मे बाँट दिया जाता है।

4 प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र से चुना जानेवाला प्रतिनिधि एम0पी0 कहलाता है।

ठीक इसी प्रकार प्रत्येक राज्य विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में विभक्त किया जाता है। इस प्रकार के मामले मे प्रतिनिधियों को एम0एल0ए0 कहा जाता है।

प्रश्न 2 आप कैसे कह सकते हैं कि विश्व के बहुत कम ही निर्वाचन आयोगों को उतना

विस्तृत अधिकार प्राप्त है जितना भारत के निर्वाचन अयोग को ?

उत्तर :- 1 चुनाव के आचार - विचार और नियंत्रण के प्रत्येक पहलू पर निर्वाचन

आयोग निर्णय ले सकती है।

2 यह आचार - संहिता को लागू करती है तथा इसका उल्लंघन करनेवाले प्रत्याशी या दल को दंडित कर सकती है।

3 चुनाव के दौरान कुछ दिशा- निर्देशों के पालन के लिए चुनाव आयोग सरकार को आदेश दे सकती है।

4 किसी के चुनाव जीतने की संभावनाओं को मजबूत करने के लिए सरकारी शक्तियों के प्रयोग या कुप्रयोग को रोक सकती है या कुछ सरकारी अधिकारियों का स्थनांतरण कर सकती है।

5 चुनाव कार्य के दौरान सरकारी कर्मचारी चुनाव आयोग के नियंत्रण में काम करते है न कि सरकार के नियंत्रण में।

प्रश्न 3 व्यख्या करें कि किस प्रकार चुनावों परिणाम स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनावों की

अंतिम परीक्षा होती है?

उत्तर :- 1 भारत में सत्तारूढ़ दल राष्ट्रीय और राज्य दोनों स्तरों पर सामान्यतया

चुनाव हारती रही है। वास्तव में अब तक हुए तीन चुनावों में से दो में सत्तारूढ़ दल हारी है।

2 संयुक्त राज्य अमेरिका में मौजूदा चुने हुए प्रतिनिधि शायद ही चुनाव हारते है । भारत में मौजूदा एम0पी0 और एम0एल0ए0 मे करीब आधे चुनाव हार जाते है।

3 मत खरीदने के लिए काफी धन खर्च करनेवाले कुख्यात प्रत्याशी और जिनकी आपराधिक पृष्ठभूमि है वैसे उम्मीदवार भी चुनाव हार जाते है।

प्रश्न 4 भारत के निर्वाचन आयोग के मुख्य कार्य क्या है?

उत्तर:- 1 यह निर्वाचन के संचालन और नियंत्रण के प्रत्येक पहलू पर निर्णय लेती है।

2 यह अचार -संहिता को लागू करती है । यह सरकार के लिए दिशा-निर्देश

देती है ताकि चुनाव जीतने के लिए शक्ति के दुरूपयोग के रोका जा सके।

3 यदि निर्वाचन आयोग चुनावों में धाधली को महसूस करती है तो यह

पुनर्मतदान का आदेश देती है।

प्रश्न 5 चुनाव अभियान के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा अपनायी गयी कुछ गतिविधियाँ क्या है?

उत्तर:- 1 चुनाव अभियानों में कुछ बड़ी समस्याओं पर लोगों का ध्यान खींचने की कोशिश राजनीतिक दल करते है। उदाहरण के लिए - काँग्रेस पार्टी ने इंदिरा गाँधी के नेतृत्व मे 1971 के लोकसभा चुनावों में 'गरीबी हटाओ' का नारा दिया था। 1977 के लोकसभा चुनावों में 'लोकतंत्र बचाओ' जनता पार्टी का नारा था।

2 दूसरे राजनीतिक नेता अपने मतदाताओं से सम्पर्क करते हैं चुनावी सभाओं को संबोधित करते है और लोगों के शिकायतों को दूर करने का आश्वासन देते हैं।

3 तीसरी राजनीतिक दलों द्वारा मीडिया - टी0वी0 चैनल और समाचार पत्रों का सहयोग लिया जाता है ताकि अधिक मत प्राप्त कर सकें।

प्रश्न 6 भारतीय चुनावों में व्यवहृत नामांकन की प्रक्रिया की व्याख्या करें ?

उत्तर:- 1 प्रत्येक प्रत्याशी जो चुनाव लड़ने की इच्छा रखता है को नामांकन फार्म भरने पड़ते है और जमानत के तौर पर कुछ रूपये देने होते है।

2 सर्वोच्च न्यायालय के हाल के निर्देशों के अनुसार प्रत्येक उम्मीदवार को एक कानूनी घोषणा करनी होती है जिसमें अपनी संपत्ति देयता, शैक्षणिक योग्यता और अपने विरूद्ध लंबित किसी गंभीर आपराधिक मुकदमों का विवरण देना होता है।

प्रश्न 7 चुनावी प्रतिस्पर्धा के किन्हीं चार अवगुणों का वर्णन करें?

उत्तर :- 1 यह लोगों मे एकता के भाव को भंग करता है।

2 विभिन्न पार्टियाँ एक दूसरे पर अनेक प्रकार के आरोप लगाती है।

3 लंबी अवधि के लिए नीतियाँ नहीं लागू की जाती है।

4 कुछ अच्छे लोग जो देश की सेवा करना चाहते हैं वे इसमें प्रवेश नहीं करते।

प्रश्न 8 किसी चार अवस्थाओं का वर्णन करें जो एक चुनाव को लोकतांत्रिक बनाती है ?

उत्तर :- 1 नागरिकों के प्रत्येक वर्ग को समान प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए।

2 प्रतिनिधियों को चुनने में प्रत्येक को समान अवसर मिलने चाहिए।

3 प्रत्येक पाँच वर्ष पर मतदाता सूची को संशोधित कर लेना चाहिए।

4 सभी मतदाता को फोटो पहचान पत्र मिलना चाहिए।

प्रश्न 9 आरक्षित चुनाव क्षेत्र क्या है ? भारत में यह प्रणाली क्यों लागू की गई?

उत्तर:- सुरक्षित निर्वाचन क्षेत्र में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति या निर्बल वर्ग के लोगों को जिनके लोकसभा चुनावों को जीतने के अच्छे अवसर नहीं थे, उनको उचित प्रतिनिधित्व देने के लिए ऐसा किया गया।

प्रश्न 10 उन चार चुनौतियों की व्याख्या करें जिनका सामना भारत की निर्वाचन प्रणाली करती है?

उत्तर :- 1 चुनाव में आपराधिक पृष्ठभूमि के प्रत्याशी का खड़ा होना।

2 आम आदमी के पास चुनावों में सही विकल्प की कमी।

3 चुनाव मे धन तथा बाहुबल का प्रयोग।

4 मतदाताओं की उदासीनता ।

प्रश्न 11 भारत में निर्वाचन आयोग द्वारा व्यवहृत किन्ही चार शक्तियों का व्याख्या करें?

उत्तर:- 1 निर्वाचन आयोग चुनाव की तिथियाँ की घोषणा से लेकर परिणामों की घोषणा तक चुनावों के संचालन तथा नियंत्रण के प्रत्येक पहलू पर निर्णय लेता है।

2 यह आचार-संहिता को लागू करता है और इसके उल्लंघन करनेवाले प्रत्याशी या दल को दंडित करता है।

3 चुनावों के दौरान चुनाव आयोग सरकार और राजनैतिक दलों को कुछ दिशा-निर्देशों के अनुपालन का आदेश दे सकती है।

4 चुनावी कार्य के दौरान सरकारी कर्मचारी चुनाव चुनाव आयोग के नियंत्रण मे काम करते है।

प्रश्न 12 गुप्त मत-पत्र प्रणाली क्या है? तीन कारण दें कि क्यों गुप्त मत-पत्र प्रणाली

अच्छी है?

उत्तर:- गुप्त मत पत्र कागज का वह पत्र है जिसमें चुनाव लड़नेवाले प्रत्याशियों के नाम दलों के नाम तथा चुनाव चिन्ह अंकित होते है।

1 मतदाता गोपनीयता के साथ वोट कर सकता है।

2 मतदाता सुरक्षित और निर्भय महसूस करता है।

3 मतदाता धमकी आदि से मुक्त रहता है

प्रश्न 13 वे शर्ते क्या है जो चुनाव को लोकतांत्रिक बनाती है ?

उत्तर :- 1 स्वतंत्र और शक्तिशाली निर्वाचन आयोग की उपस्थिति।

2 यह न्यायापालिका के समान स्वतंत्रता का उपयोग करती है।

3 मुख्य निर्वाचन आयुक्त राष्ट्रपति या सरकार के प्रति उत्तरदायी नही है।

4 एक बार बहाल होने के बाद मुख्य निर्वाचन आयुक्त को हटना लगभग असंभव है।

5 जब चुनाव अधिकारी इस निष्कर्ष पर आते है कि कुछ बूथों या समूचे निर्वाचन क्षेत्र मे चुनाव निषपक्ष नहीं था तो वे पुनर्मतदान की आज्ञा दे सकते हैं।

प्रश्न 14 स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के कोई चार चुनावों का वर्णन करें

उत्तर (१)गलत नाम का समावेश और सही नाम को बाहर करना

(२)सरकारी सुविधाओं का दुरूपयोग शासकीय अधिकारी द्ववारा

(३)अमीर उम्मीदवार द्ववारा रूपये का दुरूपयोग

(४)मतदाताओं का धमकाना, डराना|

उच्चस्तरीय कौशलवाले प्रश्न

प्रश्न 1 व्यवस्थापिका में सीटों के आरक्षण का प्रावधान क्या है?

उत्तर:- 1 संविधान निर्माता इस बात को लेकर चिंतित थे कि खुले चुनावी प्रतियोगिता में कुछ निर्बल वर्ग के लोगों को लोकसभा या विधानसभा चुनावों के जीतने की संभावनाएँ नहीं है।

2 उनके पास प्रभावशाली प्रतिद्वंदियाँ के खिलाफ चुनाव लड़ने के लिए आवश्यक संसाधन एवं शिक्षा का अभाव था इसलिए व्यवस्थापिका में सीटों का आरक्षण किया गया।

प्रश्न 2 राजनैतिक नेताओं पर वे नियंत्रण क्या है जो उन्हे जनता की सेवा करने को बाध्य करता है?

उत्तर 1 यदि राजनीतिक दल आगे आनेवाले चुनाव में जीतना चाहते है तो उन्हें सतत जनता की सेवा करने की जरूरत है। यह सेवा करने की मजबूरी ही राजनीनितिक नियंत्रण है।नियमित चुनावी प्रतिस्पर्द्धा राजनीतिक दलों और नेताओं को पारितोषिक प्रदान करती है।

2 वे जानते हैं कि यदि वे उन मुद्दों को उठाएँ जिन्हें जनता उठाना चाहती हैं तो उनकी लोकप्रियता और जीतने की संभावना अगले चुनाव में बढ़ जाएगी।

3 लेकिन यदि वे जनता को संतुष्ट करने में अपनें कार्यो से विफल हो जाते है तो वे अगले चुनाव को जीत नहीं सकतें।

प्रश्न 3 भारत में लोकप्रिय सहभागिता की प्रवृत्ति क्या है?

उत्तर:- भारत मे लोकप्रिय सहभागिता की प्रवृतियाँ :-

1 चुनावों में लोगों की सहभागिता को सामान्यत: मतदान के प्रतिशत में मापा जाता है। भारत में हाल के वर्षो में मतदान का प्रतिशत या तो स्थिर रहा है

या बढ़ा है।

2 धनी वर्ग की तुलना में निर्धन अशिक्षित और सुविधाविहीन लोग भारत में बड़े पैमाने पर मतदान करते हैं।

3 भारत में सामान्य लोग चुनावों को बहुत महत्त्व देते हैं क्योंकि वे ऐसा महसूस करते है कि वे चुनावों द्वारा अपने पक्ष की नीतियाँ बनाने का दबाब डाल सकते हैं।

प्रश्न 4 उन तीन चुनौतियों को लिखें जिन्हे एक साधारण नागरिक को यदि वह चुनाव लड़ना चाहता है का सामना करना चाहता है?

उत्तर:- 1 पैसेवाले उम्मीदवार को व्यापक और अनुचित सविधा अपने साधारण उम्मीदवार के विरूद्ध प्राप्त होती है।

2 कभी - कभी उम्मीदवार जिनके अपराधियों के साथ संबंध होते है वे दूसरे को चुनावी प्रतिस्पर्धा से बाहर कर टिकट सुरक्षित कर लेते हैं।

3 कुछ परिवार राजनीतिक दलों पर प्रभुत्व जमाए हुए है।

प्रश्न 5 राजनीतिक नेता के लिए कोई शैक्षणिक योग्यता निर्धारित नही की गई है जो देश का शासन चलाने जैसे महत्वपूर्ण कार्य करते है क्यों?

उत्तर:- 1 शैक्षणिक योग्यता सभी प्रकार के नौकरियों के लिए आवश्यक नहीं है।जैसे कि एक क्रिकेटर के लिए उसकी योग्यता अच्छा खेलना है न कि शैक्षणिक योग्यता ठीक उसी प्रकार एक एम0 एल0 ए0 और एक एम0पी0 की योग्यता लोगों की समस्याएँ और उनकी इच्छाओं को ठीक से समझने और उनका प्रतिनिधित्व करने से है।

2 हमारे देश में शैक्षणिक योग्यता को आवश्यक करना लोकतंत्र की भावना के खिलाफ है। इसका तात्पर्य यह होगा कि देश के नागरिक के बहुमत को चुनाव में भाग लेने के अधिकार से रोकना । उदाहरणार्थ यदि स्नातक को आबश्यक योग्यता निर्धारित कर दिया जाय तो 90 प्रतिशत नागरिक चुनाव लड़ने के अयोग्य हो जाएँगें।

प्रश्न 6 निर्वाचन क्षेत्र से क्या तात्पर्य है ? हमारे संविधान निर्माताओं द्वारा सुरक्षित निर्वाचन क्षेत्र की व्यवस्था करने का कारण बताइए ?

उत्तर:- चुनाव के उद्येश्य से देश को अनेक क्षेत्रों में बाँट लिय गया है।इन्हें निर्वाचन क्षेत्र कहते हैं।

हमारे संविधान निर्माताओं को चिंता थी कि संभव है खुले चुनावी मुकाबले में कुछ कमजोर समूहों के लोग लोकसभा और विधानसभा में पहुँच नहीं पाएँ । संसाधनों वाले प्रभावशाली लोग उनको चुनाव जीतने से रोक भी सकते है । अगर ऐसा होता है तो संसद और विधानसभाओं में हमारी अबादी के एक बड़े हिस्से की आवाज नहीं पहुँच पाएगी।इसलिए हमारे संविधान निर्माताओं ने कमजोर वर्गो के लिए आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र की विशेष व्यवस्था सोची।

बहुविकल्पीय प्रश्न का उत्तर

1 (ब) 2 (अ) 3 (द) 4 (स) 5 (ब) 6 (द) 7 (ब) 8 (ब) 9 (अ) 10 (ब) 11 (द)

12 (ब) 13 (द) 14 (स) 15 (द) 16 (स) 17 (द) 18 (ब) 19 (द) 20 (अ) 21 (ब) 22 (अ) 23 (अ) 24(स) 25 (द) 26 (अ) 27 (अ) 28 (ब) 29 (अ) 30 (अ)

31 (स) 32 (स) 33 (स) 34 (ब) 35 (स) 36 (ब) 37 (अ) 38 (स) 39 () 40 (स) 41(ब)

विचार

अध्याय–5:

संस्थाओं का कामकाज

विचार

राजनीतिक संस्थाओं की आवश्यकताः

एक सरकार को विभिन्न कार्यों का निर्वहन, विभिन्न नीतियों का निर्धारण एवं क्रियान्वयन करना पड़ता है। कुछ लोग योजनाओं का निर्माण करते हैं, कुछ निर्णय लेते हैं और कुछ निर्णयों को लागू करते हैं। उपरोक्त सभी कार्यों के लिए संस्थाओं की आवश्यकता होती है। किसी देश के संविधान में प्रत्येक संस्था के आधारभूत नियम, शक्तियों और कार्यों का उल्लेख होता है। वे संस्थाएँ हैं–विधायिका (संसद), कार्यपालिका (सरकार) और न्यायपालिका।

संसदः– (1) यह देश में कानून बनाने की सबसे बड़ी संस्था है।

(2) यह सरकार के क्रियाकलापों पर नियंत्रण रखती है।

(3) यह सरकार के खर्चों और जनता के धन पर नियंत्रण रखती है।

(4) चर्चा और बहस का उच्चतम स्तर होने के कारण यह सार्वजनिक और राष्ट्रीय नीति का निर्धारण करती है।

संसद के दो सदन

लोकसभा और राज्यसभा। लोकसभा चुने हुए प्रतिनिधियों का सदन है। राज्यसभा का गठन प्रत्येक राज्य के विधानसभा के सदस्यों के द्वारा किया जाता है। रूपये–पैसे के मामले में लोकसभा ज्यादा महत्वपूर्ण है। कार्यपालिका पर नियंत्रण रखने के लिए लोकसभा पाँच वर्षों के लिए चुनी जाती है। राज्यसभा एक स्थायी सदन है, एक तिहाई सदस्य प्रत्येक दो वर्ष के पश्चात अवकाश ग्रहण करते हैं। प्रत्येक सदस्यों का कार्यकाल छः वर्षों के लिए निर्धारित है।

राजनीतिक कार्यपालिका

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और उसके मंत्रिपरिषद् तथा लोकसेवक मिलकर कार्यपालिका का निर्माण करते हैं।

राजनीतिक कार्यपालिका में राजनेता जनता द्वारा निर्वाचित होते हैं जो उनकी ओर से काम करते हैं और जनता के प्रति उत्तरदायी होते हैं जिन्होंने उन्हें चुना है। वे सभी निर्णय लेते हैं और संपूर्ण दृश्य की समझ रखते हैं। दूसरा श्रेणी स्थायी कार्यपालिका का होता है जिसमें लोकसेवक होते हैं। वे दिन–प्रतिदिन के कार्यों में राजनीतिक कार्यपालिका की सहायता करते हैं। वे लोग कुशल होते हैं परंतु अंतिम निर्णय नहीं ले सकते।

प्रधानमंत्री की सहायता के लिए तीन प्रकार के मंत्री होते हैं–(1) कैबिनेट मंत्री (2) राज्यमंत्री और (3) उपमंत्री।

प्रधानमंत्री की स्थिति सर्वोच्च है। वह अपने कैबिनेट का चुनाव करता है और उसका निर्णय अंतिम होता है, गठबंधन सरकार को छोड़कर जहाँ उसे दूसरे पार्टी के सदस्यों की बातें भी सुननी पड़ती हैं। जब प्रधानमंत्री त्यागपत्र दे देता है तो संपूर्ण मंत्रिमंडल का त्याग पत्र हो जाता है। राष्ट्रपति नाममात्र का प्रधान होता है। वे अमेरिका की जनता द्वारा सीधे रूप से निर्वाचित नहीं होते हैं। संसद के सभी सदस्य और राज्य विधानसभा के सदस्य उन्हें चुनते हैं। चुँकि वे अप्रत्यक्ष रूप से चुने जाते हैं इसीलिए उनके पास प्रधानमंत्री जैसी शक्तियाँ नहीं होती हैं। राष्ट्रपति अपने सभी विधायी, कार्यपालिका संबंधी, वित्तीय, न्यायिक एवं सैनिक शक्तियों का उपयोग प्रधानमंत्री और उनके मंत्रिपरिषद् की सलाह से करते हैं। राष्ट्रपति किसी विधेयक को

वापस कर सकता है परंतु यदि संसद उसे पुनः पास करके भेज दे तो उसे उस पर हस्ताक्षर करना होता है।

न्यायपालिकाः

भारत की न्यायपालिका सबसे अधिक शक्तिशाली न्यायपालिकाओं में से एक है।

न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका दोनों से स्वतंत्र है। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति राष्ट्रपति के द्वारा प्रधानमंत्री और उसकी मंत्रिपषिद् के सलाह से होती है। सर्वोच्च न्यायालय के अन्य न्यायाधीश और राज्य के उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की नियुक्ति ठीक उसी तरह परंतु मुख्य न्यायाधीश के सलाह से होती है।

एक बार नियुक्त हो जाने के बाद उन्हे केवल महाभियोग द्वारा हटाया जा सकता है।

न्यायपालिका संविधान का संरक्षक है और सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालय को संविधान का व्याख्या करने का अधिकार है।

यह विधायिका के द्वारा पारित किए गए किसी भी कानून को अवैध करार दे सकते हैं अगर वह संविधान के विरूद्ध है।

यह भारत के लोगों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करता है तथा कार्यपालिका और विधायिका के सदस्यों द्वारा गलत कार्यों एवं शक्तियों के दुरूपयोग को नियंत्रित करता है।

नीति निर्माण के कुछ उदाहरण–

भारत सरकार में 1979 में बी0 पी0 मंडल की अध्यक्षता में एक आयोग की नियुक्ति की जिसे द्वितीय पिछड़ा आयोग के नाम से जाना जाता है।

आयोग ने 1980 में रिर्पोट दिया। आयोग के सुझावों में से एक था सरकारी नौकरी में सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछ़डे वर्गों के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण का सुझाव।

संसद ने इस पर कई वर्षों तक चर्चाएँ की।

जनता दल ने 1989 में चुनाव जीता। वी0 पी0 सिंह प्रधानमंत्री बने और उन्होंने आरक्षण लागू करने का निर्णय लिया।

राष्ट्रपति ने अपने अभिभाषण में संसद में इसकी घोषण की।

6 अगस्त 1990 को कैबिनेट ने इसे लागू करने का निर्णय लिया और प्रधानमंत्री ने संसद के दोनों सदनों में इसकी घोषणा की।

शीर्ष अधिकारी ने एक आदेश का प्रारूप तैयार किया जिसपर एक अधिकारी द्वारा हस्ताक्षर किए जाने पर वह कार्यालय ज्ञापन का रूप ले लिया और उसे 13 अगस्त 1990 को जारी किया गया। इस मुद्दे पर काफी

बहस हुई और अंत में यह मुद्दा सर्वोच्च न्यायलय में ले जाया गया। इस मुकदमे को 'इंदिरा सहनी एवं अन्य बनाम भारत सरकार मामला' कहा जाता है।

1992 में सर्वोच्च न्यायालय ने घोषणा की कि मंडल आदेश वैध है लेकिन उसने सरकार से उसके मूल आदेश में कुछ संशोधन करने को कहा।

बहुविकल्पीय प्रश्न

प्र0 1: द्वितीय पिछड़ा वर्ग आयोग की नियुक्ति कब हुई थी,

(क) 1989 (ख) 1979 (ग) 1999 (घ) 2001

प्र0 2: 'कार्यालय ज्ञापन' से क्या तात्पर्य है?

(क) भारत सरकार द्वारा जारी आज्ञा पत्र (ख) नेताओं की पिछली यादें

(ग) महत्वपूर्ण रक्षा दस्तावेज (घ) इनमें से कोई नहीं

प्र0 3: सरकारी सेवक क्या करते हैं?

(क) वे महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय लेते हैं (ख) वे मंत्रियों के निर्णय को लागू करते हैं

(ग) वे झगड़ों को समाप्त करते हैं (घ) इनमें से कोई नहीं

प्र0 4: मंडल आयोग के रिर्पोट पर लोगों ने तीखी प्रतिक्रिया क्यो व्यक्त की?

(क) इसने बहुत से पिछड़े समुदाय को छोड़ दिया था।

(ख) इसने हजारों नौकरियों के अवसर को प्रभावित किया था

(ग) कुछ उच्च जाति के लोग इससे जुड़ना चाहते थे।

(घ) (क) और (ख) दोनों

प्र0 5: संसद क्या है?

(क) राष्ट्रीय स्तर पर चुने हुए प्रतिनिधियों की सभा

(ख) नियुक्ति किये गए मंत्रियों की संख्या

(ग) न्यायाधीशों की संस्था

(घ) केवल नियुक्त किए गए सदस्यों की सभा

प्र0 6: कानून बनाने को छोड़कर संसद की शक्ति से संबंधित इनमें से कौन सा कथन सही है?

(क) सरकार पर नियंत्रण रखना (ख) देश के वित्त पर नियंत्रण रखना

(ग) चर्चा और वाद–विवाद का सर्वोच्च संस्था बनकर सेवा करना

(घ) उपरोक्त सभी

प्र0 7: लोकसभा और राज्यसभा को छोड़कर कौन संसद का हिस्सा है?

(क) प्रधानमंत्री (ख) मुख्यमंत्री (ग) राज्यपाल (घ) राष्ट्रपति

प्र0 8: लोकसभा और राज्यसभा के बीच यदि साधारण बिल पर मतभेद उत्पन्न होता है तो क्या होता है?

(क) राष्ट्रपति निर्णय लेता है। (ख) राज्यसभा की मर्जी चलती है।

(ग) दोनो सदनों की संयुक्त बैठक होती है। (घ) बिल को रद्द कर दिया जाता है।

प्र0 9: राज्यसभा किसी वित्त विधेयक को कितने समय तक रोक सकता है?

(क) 15 दिन (ख) 1 महीना (ग) 3 महीना (घ) 14 दिन

प्र0 10: इनमें से कौन सा विवाद सर्वोच्च न्यायालय में जा सकता है?

(क) देश के नागरिकों के बीच (ख) नागरिक और सरकार के बीच

(ग) दो या उससे अधिक राज्य सरकारों के बीच (घ) उपरोक्त सभी

प्र0 11: सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति कौन करता है?

(क) राष्ट्रपति, अपनी इच्छा से (ख) राष्ट्रपति प्रधानमंत्री के सलाह पर

(ग) भारत के मुख्य न्यायाधीश एवं प्रधानमंत्री के सलाह पर राष्ट्रपति द्वारा

(घ) इनमें से कोई नहीं।

प्र0 12: लोकसभा का कार्यकारी अधिकारी कौन होता है?

(क) अध्यक्ष (ख) उप राष्ट्रपति (ग) राष्ट्रपति (घ) प्रधानमंत्री

प्र0 13: भारतीय न्याय व्यवस्था की दो विशेषताएँ हैं–

(क) स्वतंत्र न्यायपालिका (ख) एकीकृत न्यायपालिका

(ग) आश्रित न्यायपालिका (घ) क और ख दोनों

प्र0 14: सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश को कैसे हटाया जा सकता है?

(क) सर्वोच्च न्यायालय के द्वारा (ख) संसद द्वारा महाभियोग प्रस्ताव पारित कर

(ग) अकेले राष्ट्रपति के द्वारा (घ) पुलिस के द्वारा

प्र0 15: इनमें से किन संस्थाओं के द्वारा देश में लागू कानून में परिवर्तन लाया जा सकता है?

(क) सर्वोच्च न्यायालय (ख) राष्ट्रपति (ग) प्रधानमंत्री (घ) संसद

प्र0 16: संविधान में संशोधन से संबंधित संसद की शक्ति के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय क्या कहता है?

(क) संसद, संपूर्ण संविधान का संशोधन कर सकता है।

(ख) संसद केवल संविधान के मूलभूत तत्वों का संशोधन कर सकता है।

(ग) संसद, संविधान के मूलभूत तत्वों में संशोधन नहीं कर सकता है।

(घ) इनमें से कोई नहीं।

प्र0 17: मौलिक अधिकार के संरक्षक के रूप में कौन सी संस्था कार्य करती है?

(क) जिला अदालत (ख) सर्वोच्च न्यायालय (ग) चुनाव आयोग (घ) विधायिका

प्र0 18: जनहित याचिका क्या है?

(क) जनता के हित में न्यायालय में केश दायर करना

(ख) सर्वोच्च न्यायालय के फैसले पर पुनर्विचार

(ग) न्यायाधीश को हटाने संबंधी कारवाई

(घ) इनमें से कोई नहीं

प्र0 19: स्थायी कार्यपालिका की अपेक्षा राजनीतिक कार्यपालिका को अधिक शक्तियाँ क्यों हैं?

(क) क्योंकि नीतिगत फैसला लेने के लिए विशेषज्ञ की आवश्यकता होती है

(ख) क्योंकि राजनीतिक कार्यपालिका लोगों का प्रत्यक्ष प्रतिनिधि होता है

(ग) राजनीतिक नेता अधिक शिक्षित होते हैं

(घ) इनमें से कोई नहीं

प्र0 20: सरकार में सबसे महत्वपूर्ण और शक्तिशाली पद किसका होता है?

(क) राष्ट्रपति (ख) उप राष्ट्रपति (ग) प्रधानमंत्री (घ) लोकसभा अध्यक्ष

प्र0 21: राष्ट्रपति किसे प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्त कर सकते हैं?

(क) कोई भी जिसे वह चाहता हो (ख) बहुमत दल का नेता

(ग) वह सांसद जिसने सबसे अधिक मत प्राप्त किया हो (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

प्र0 22: प्रधानमंत्री के कार्यालय का कार्यकाल क्या है?

(क) पाँच वर्ष (ख) छः वर्ष

(ग) जितना समय वह चाहे (घ) उसका कोई निश्चित कार्यकाल नहीं होता

प्र0 23: दो और उससे अधिक राजनीतिक दलों द्वारा बनाए गए सरकार को क्या कहा जाता है?

(क) सहयोगी सरकार (ख) गठबंधन सरकार

(ग) सहमति के सरकार (घ) सहकारी सरकार

प्र0 24: सरकार के किस अंग को संविधान की व्याख्या करने का अधिकार है?

(क) सर्वोच्च न्यायालय (ख) जिला अदालत

(ग) उच्च न्यायालय (घ) (क) और (ग) दोनो

प्र0 25: प्रधानमंत्री के शक्ति से संबंधित इनमें से कौन सा कथन सही है?

(क) वह कैबिनेट की बैठक की अध्यक्षता करता है।

(ख) वह विभिन्न विभागों के कार्यों का बँटवारा करता है।

(ग) वह मंत्रियों को बर्खास्त कर सकता है।

(घ) उपरोक्त सभी

प्र0 26: राष्ट्रपति की क्या स्थिति है?

(क) देश का नाममात्र का प्रधान (ख) देश का वास्तविक प्रधान

(ग) देश का वंशानुगत प्रधान (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

प्र0 27: निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है?

(क) न्यायपालिका कानून को सुरक्षा प्रदान करता है।

(ख) विधायिका कानून को लागू करवाता है।

(ग) राजनीतिक कार्यपालिका, स्थायी कार्यपालिका से अधिक शक्तिशाली है।

(घ) स्थायी कार्यपालिका में सरकारी सेवक आते हैं।

प्र0 28: केन्द्रीय मंत्रिपरिषद् जिसके प्रति उत्तरदायी है–

(क) राष्ट्रपति (ख) प्रधानमंत्री (ग) राज्यसभा (घ) लोकसभा

प्र0 29: भारत के राष्ट्रपति चुने जाते हैं–

(क) 18 वर्ष के नागरिकों द्वारा प्रत्यक्ष चुनाव से (ख) अप्रत्यक्ष रूप से

(ग) प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद् के द्वारा (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

प्र0 30: भारत का राष्ट्रपति है–

(क) सरकार का प्रमुख (ख) देश का प्रमुख

(ग) संसद का प्रमुख (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

प्र0 31: सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति होती है–

(क) राष्ट्रपति के द्वारा (ख) प्रधानमंत्री के द्वारा

(ग) मुख्य न्यायाधीश के द्वारा (घ) कानून मंत्री के द्वारा

लघु उत्तरीय प्रश्न (3 अंक)

प्र0 1: प्रधानमंत्री और मंत्री परिषद् का चुनाव कौन करता है तथा कैसे?

उ0– प्रधानमंत्री का चुनाव राष्ट्रपति द्वारा किया जाता है। लेकिन वह अपने मन से उसको नहीं चुन सकता। वह लोकसभा में बहुमत दल एवम् गठबंधन के नेता को प्रधानमंत्री चुनता है। अगर किसी दल या गठबंधन को बहुमत प्राप्त नहीं है तो वह ऐसे नेता को प्रधानमंत्री नियुक्त करता है, जो बहुमत के नजदीक हो।

प्र0 2: कैबिनेट मंत्री दूसरे मंत्रियों से अधिक शक्ति रखते हैं, कैसे?

उ0– कैबिनेट मंत्री सत्ताधारी दल के उच्च स्तरीय नेता होते हैं। वे महत्वपूर्ण मंत्रालयों के प्रभारी होते हैं। राज्यमंत्री छोटे मंत्रालयों के प्रभारी होते हैं। कैबिनेट मंत्रियों के बैठक में जो निर्णय होता है, उसे अन्य मंत्री मानते हैं। दूसरे मंत्री तभी कैबिनेट बैठकों में आते हैं जब उन्हे आमंत्रित किया जाता है।

प्र0 3: गठबंधन वाले राजनीति में प्रधानमंत्री की शक्तियों पर अंकुश लगता है, कैसे?

उ0– गठबंधन राजनीति में प्रधानमंत्री की शक्तियों पर अंकुश लगता है क्योंकि वह स्वतंत्रतापूर्वक निर्णय नहीं ले सकता। उसे अपने दल के नेताओं के साथ–साथ दूसरे दल के नेताओं को भी शामिल करना होता है।

प्रधानमंत्री को गठबंधन के दूसरे दलों के साथ तालमेल बनाना सबसे महत्वपूर्ण कार्य है।

प्र0 4: लोकतंत्र के लिए एक स्वतंत्र एवम् शक्तिशाली न्यायपालिका आवश्यक है। कैसे?

उ0— न्यायपालिका की स्वतंत्रता लोकतंत्र के लिए आवश्यक है। जिससे विधायिका एवम् कार्यपालिका उसको निर्देशित न कर सके। जजों को सरकार के आदेश पर कार्य नहीं करना चाहिए।

न्यायपालिका संविधान की रक्षा करती है। अगर संविधान के खिलाफ कोई कानून बनता है तो वह उसे निरस्त कर सकती है। न्यायपालिका मौलिक अधिकार की रक्षा करता है।

प्र0 5: संसद की शक्तियों एवम् कार्यो का वर्णन करें?

उ0— 1. संसद देश में कानून बनाने की सबसे बड़ी संस्था है।

2. यह कानून में परिवर्तन कर सकता है तथा नया कानून ला सकता है।

3. यह सरकार चलाने वालों पर नियंत्रण रखता है।

4. भारत में यह नियंत्रण पूर्ण एवम् सीधा है।

5. यह बहस एवम् वाद—विवाद की सबसे बड़ी मंच है।

प्र0 6: भारत में मंत्री परिषद् के संरचना का वर्णन करें?

उ0— प्रधानमंत्री के चुनाव के बाद राष्ट्रपति प्रधानमंत्री के सलाह पर दूसरे मंत्रियों को नियुक्त करता है। मंत्री मुख्यतः सत्तासीन पार्टी अथवा गठबंधन का सदस्य होता है। प्रधानमंत्री मंत्रियों के चयन के लिए स्वतंत्र है अगर सदस्य संसद का सदस्य है। मंत्रिपरिषद् मंत्रियों के समूह को करते हैं।

प्र0 7: सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्त और निष्कासन की क्या प्रक्रिया है?

उ0— उच्च अथवा सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री एवम् सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की सलाह पर किया जाता है।

परम्परा के अनुसार सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश ही मुख्य न्यायाधीश होता है।

न्यायाधीशों का निष्कासन अविश्वास (महाभियोग) प्रस्ताव के द्वारा संसद के दो तिहाई बहुमत से होता है।

प्र0 8: संसद का कौन सा सदन ज्यादा शक्तिशाली है? चार कारण बताएँ।

उ0— संसद में लोक सभा ज्यादा शक्तियाँ रखता है। राज्यसभा को कुछ विशेष शक्तियाँ प्राप्त नहीं हैं।

1. एक साधारण कानून दोनो सदनों से पास होता है। परन्तु लोक सभा को कुछ विशेष अधिकार प्राप्त होता है।

2. धन संबंधी मुद्दो पर संसद में लोक सभा को विशेषाधिकार प्राप्त है। राज्यसभा बजट को सिर्फ 14 दिन रोक सकता है।

3. लोक सभा मंत्रीपरिषद् पर नियंत्रण रखता है।

4. यदि लोकसभा का मंत्री परिषद् से विश्वास हट जाए तो प्रधानमंत्री और मंत्री परिषद् तुरंत हट जाती है।

प्र0 9: राजनीतिक संस्थाएँ क्यों महत्वपूर्ण हैं? कोई तीन कारण बताएँ।

उ0– देश में सरकार चलाने के लिए कई गतिविधियों की आवश्यकता होती है। इन गतिविधियों को चलाने के लिए कुछ संस्थाओं की आवश्यकता होती है, इन्हें राजनैतिक संस्थाएँ कहते हैं। अगर ये संस्थाएँ अच्छा कार्य करती हैं तो लोकतंत्र अच्छा चलता है।

1. प्रधानमंत्री एवम् मंत्रीपरिषद् एक संस्था है।
2. लोकसेवक मंत्रिपरिषद् के निर्णय के लिए जिम्मेदार है।
3. सर्वोच्च न्यायालय सभी नागरिकों के मतभेदों को सुलझाता है।

प्र0 10: लोकसभा एवम् राज्यसभा में तीन अंतर बताएँ?

उ0– 1. लोकसभा सदस्य जनता द्वारा सीधे चुने जाते हैं जबकि राज्य सभा सदस्य अप्रत्यक्ष रूप से चुने जाते हैं।

2. लोकसभा को ज्यादा शक्तियाँ प्राप्त हैं जबकि राज्यसभा को कुछ विशेष शक्तियाँ प्राप्त हैं।

3. लोकसभा से मंत्री परिषद् के ज्यादा सदस्य आते हैं जबकि राज्यसभा से कुछ सदस्य आते हैं।

प्र0 11: राष्ट्रपति का कार्यकाल कितने दिनों का होता है? राष्ट्रपति के लिए क्या योग्यताएँ हैं?

उ0– राष्ट्रपति देश का प्रधान होता है। इसके पास बहुत कम शक्तियाँ होती है। भारत के राष्ट्रपति को ब्रिटेन के महारानी की तरह सिर्फ एक सम्मानित पद है। राष्ट्रपति राजनैतिक संस्थानों की कार्यप्रणाली की देखरेख करता है। प्रधानमंत्री के सलाह से राष्ट्रपति प्रत्येक कार्य करता है।

इसका कार्यकाल पाँच साल का होता है।

प्र0 12: किन परिस्थितियों में राष्ट्रपति अपनी शक्ति का प्रयोग प्रधानमंत्री के चयन में करते हैं? दूसरे मंत्रियों का चुनाव करता है?

उ0– अगर लोकसभा चुनाव में किसी पार्टी अथवा गठबंधन को बहुमत प्राप्त है तो बहुमत दल या गठबंधन वाले नेता को राष्ट्रपति द्वारा चुन लिया जाता है, परन्तु अगर किसी परिस्थिति में किसी पार्टी एवम् दल अथवा गठबंधन को बहुमत प्राप्त नहीं है तो राष्ट्रपति अपने पसन्द से किसी नेता को प्रधानमंत्री चुन सकता है जो सबसे बड़े दल अथवा गठबंधन का नेता हो तथा लोकसभा में बहुमत सिद्ध करने का समय दिया जाता है।

प्र0 13: गठबंधन सरकार क्या है? क्यों एक गठबंधन सरकार का प्रधानमंत्री अपने मन से निर्णय नहीं ले सकता?

उ0— गठबंधन राजनीति के उदय ने प्रधानमंत्री के अधिकारों पर कुछ प्रतिबंध लगाया है। गठबंधन सरकार का प्रधानमंत्री अपनी इच्छा से निर्णय नहीं ले सकता। उसे दूसरे समूहों को अपने साथ रखना होता है। अपने दल के नेताओं तथा सहयोगी दल के नेताओं सबको एक साथ रखना पड़ता है।

प्रधानमंत्री को उन सभी दलों एवम् इच्छाओं का आदर करना पड़ता है जो उनके सहयोगी है।

प्र0 14: प्रधानमंत्री की शक्तियाँ क्या हैं? किन्हीं तीन का वर्णन करें।

उ0— सरकार के प्रमुख के रूप में प्रधानमंत्री के पास विस्तृत शक्तियाँ है।

1. वह कैबिनेट की बैठक की अध्यक्षता करता है।
2. वह विभिन्न विभाग के कार्यों के बीच सामंजस्य स्थापित करता है।
3. वह विभिन्न मंत्रियों का सामान्य निरीक्षण करता है। वह मंत्रियों को हटा सकता है। जब प्रधानमंत्री त्यागपत्र दे देता है तब संपूर्ण मंत्रिमंडल को त्यागपत्र देना पड़ता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न — 5 अंक

प्र0 1: किसी देश पर शासन करने के लिए कुछ प्रमुख क्रिया कलापों का वर्णन करें।

उ0— देश में शासन चलाने के लिए अनेक क्रियाकलाप करने होते हैं। उदाहरण के लिए — सरकार नागरिकों की सुरक्षा और सभी को शिक्षा एवं स्वास्थ्य की सुविधा देने के लिए उत्तरदायी है।

2. यह कर इकट्ठा करता है और उस पैसे को प्रशासन, सुरक्षा तथा विकास के कार्यों में खर्च करता है।

3. यह विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को बनाता तथा लागू करता है। कुछ व्यक्ति यह निर्णय लेते हैं कि इसे कैसे करना है। दूसरे उनके द्वारा लिए गए निर्णयों को लागू करता है।

4. यह भी महत्वपूर्ण है कि ये क्रियाकलाप तब भी चलते रहते हैं जब प्रमुख अधिकारी बदल जाते हैं।

प्र0 2: किस तरह से संसद लोगों की ओर से अपनी राजनीतिक शक्तियों का प्रयोग करता है?

उ0— 1. संसद नया नियम बना सकता है, तथा वर्तमान कानून को बदल सकता है।

2. जो सरकार चलाते हैं वे केवल संसद के सहयोग मिलने तक ही निर्णय ले सकते हैं।

3. संसद, सरकार के पास कितने पैसे हैं उनपर नियंत्रण रखती है। सरकारी पैसा तभी खर्च किया जा सकता है जब संसद का उसे अनुमोदन प्राप्त हो।

4. संसद, सार्वजनिक मुद्दे और राष्ट्रीय नीति पर चर्चा और वाद—विवाद का सर्वोच्च संस्था है।

प्र0 3: किस प्रकार लोकसभा राज्यसभा से अधिक महत्वपूर्ण है, वर्णन करें।

उ0– 1. साधारण कानून लोकसभा और राज्यसभा दोनों से पास होता है। मतभेद की स्थिति में, एक संयुक्त अधिवेशन बुलाया जाता है। लोकसभा के सदस्यों की संख्या अधिक होने के कारण इस तरह की बैठक में लोकसभा के विचार को प्राथमिकता मिलने की संभावना रहती है।

2. लोकसभा पैसे के मामलों में अधिक अधिकारों का प्रयोग करती है। लोकसभा में सरकार का बजट या पैसे से संबंधित कोई कानून पारित हो जाए तो राज्यसभा उसे खारिज नहीं कर सकती। राज्यसभा उसे पारित करने में केवल 14 दिनों की देरी कर सकती है या उससे संशोधन का सुझाव दे सकती है। यह लोकसभा का अधिकार है कि वह उन सुझावों को माने या न माने।

3. लोकसभा मंत्रिपरिषद् को नियंत्रित करती है। अगर आधे से अधिक लोकसभा सदस्य यह कह दें कि उन्हे मंत्रिपरिषद् पर 'विश्वास नहीं' है तो प्रधानमंत्री समेत सभी मंत्रियों को पद छोड़ना होगा। राज्यसभा को यह अधिकार हासिल नहीं है।

प्र0 4: आप कैसे कह सकते हैं कि राष्ट्रपति को देश में नाममात्र के प्रधान की स्थिति प्राप्त है?

उ0– 1. राष्ट्रपति का चयन जनता द्वारा प्रत्यक्ष रूप से नहीं किया जाता। वह कभी भी उस तरह से प्रत्यक्ष जनादेश का दावा नहीं कर सकता जिस तरह से प्रधानमंत्री कर सकता है।

2. इससे यह तय हो जाता है कि वह कहने मात्र के लिए कार्यपालक की भूमिका निभाता है।

3. संविधान ने राष्ट्रपति को काफी शक्तियाँ प्रदान की हैं लेकिन इन अधिकारों का इस्तेमाल वह प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद् की सलाह पर ही करता है।

4. राष्ट्रपति मंत्रिपरिषद् को अपनी सलाह पर पुनर्विचार करने के लिए कह सकता है। लेकिन वही सलाह दोबारा मिलती है तो वह उसे मानने के लिए बाध्य होता है। इसी प्रकार जब कोई विधेयक राष्ट्रपति के पास हस्ताक्षर के लिए आता है तो वह उसे पुनर्विचार के लिए संसद में वापस भेज सकता है।

प्र0 5: प्रधानमंत्री की शक्तियों को लिखें।

उ0– 1. इस देश में प्रधानमंत्री सबसे महत्वपूर्ण राजनैतिक संस्था है। उसके पास विस्तृत शक्तियाँ हैं।

1. वह कैबिनेट की बैठक की अध्यक्षता करता है।
2. विभागों के बीच असहमति की स्थिति में उसका निर्णय अंतिम होता है।
3. वह मंत्रियों के काम का वितरण और पुर्नवितरण करता है।
4. उसे किसी मंत्री को बर्खास्त करने का भी अधिकार होता है।
5. जब प्रधानमंत्री अपना पद छोड़ता है तो पूरा मंत्रिमंडल इस्तीफा दे देता है। कैबिनेट के भीतर सबसे प्रभावशाली व्यक्ति प्रधानमंत्री होता है। इसलिए संसदीय लोकतंत्र को कभी–कभी सरकार का प्रधानमंत्रीय रूप कहा जाने लगा है।

प्र0 6: राजनीतिक कार्यपालिका और स्थायी कार्यपालिका के बीच अंतरों की व्याख्या करें।

उ0– 1. लोकतांत्रिक देश में कार्यपालिका के दो हिस्से होते हैं। एक जो जनता द्वारा खास अवधि के लिए निर्वाचित होते हैं, इसे राजनैतिक कार्यपालिका कहा जाता है। इस श्रेणी में राजनैतिक नेता आते हैं जो बड़े फैसले लेते हैं।

2. दूसरी श्रेणी में लोगों को लंबे समय के लिए नियुक्त किया जाता है। उन्हें स्थायी कार्यपालिका या प्रशासनिक सेवक कहते हैं। लोक सेवाओं में काम करनेवाले लोगों को सिविल सर्वेंट कहते हैं। वे सत्ताधारी पार्टी के बदलने के बावजूद अपने पदों पर बने रहते हैं। ये अधिकारी राजनैतिक कार्यपालिका के तहत काम करते हैं।

प्र0 7: संसद अपने राजनैतिक अधिकार का प्रयोग किस तरीके से करती है? व्याख्या करें।

उ0– 1. किसी भी देश में कानून बनाने का सबसे बड़ा अधिकार संसद को होता है। कानून बनाने या विधि निर्माण का यह काम इतना महत्वपूर्ण होता है कि इन सभाओं को विधायिका कहते हैं।

2. दुनिया भर में संसद सरकार चलाने वालों को नियंत्रित करने के लिए कुछ अधिकारों का प्रयोग करती है। भारत जैसे देश में उसे सीधा और पूर्ण नियंत्रण हासिल है।

3. संसद के पूर्ण समर्थन की स्थिति में ही सरकार चलानेवाले फैसले कर सकते हैं।

4. सरकार के हर पैसे पर संसद का नियंत्रण होता है।

5. संसद चर्चा का सर्वोच्च संघ है।

प्र0 8: न्यायपालिका को स्वतंत्र बनानेवाली चार संवैधानिक प्रावधानों को व्याख्या करें।

उ0– न्यायपालिका की स्वतंत्रता का मतलब है कि वह विधायिका या कार्यपालिका के नियंत्रण में नहीं है। न्यायाधीश सरकार के निर्देश या सत्ताधारी पार्टी की मर्जी के मुताबिक काम नहीं करते। इसमें सत्ताधारी पार्टी की दखल की गुंजाइश बेहद कम है।

1. सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों को राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री की सलाह पर और सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के मशविरे से नियुक्त करता है।
2. एक बार किसी व्यक्ति को सर्वोच्च न्यायालय या उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त करने के बाद उसे उसके पद से हटाना लगभग असंभव हो जाता है।
3. भारत की न्यायपालिका दुनिया की सबसे अधिक प्रभावशाली न्यायपालिकाओं में से एक है। सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों को देश के संविधान की व्याख्या का अधिकार है।
4. वह विधायिका के किसी कानून या कार्यपालिका की किसी कार्रवाई को चाहे वह केन्द्र स्तर का हो या राज्य स्तर का, अमान्य घोषित कर सकते हैं।

प्र0 9: सर्वोच्च न्यायालय के शक्तियों को लिखें।

उ0– 1. सर्वोच्च न्यायालय देश के न्यायिक प्रशासन को नियंत्रित करता है।

2. इसका निर्णय देश के दूसरे सभी न्यायालयों के लिए उदाहरण के तौर पर पेश किया जाता है।

3. यह किसी विवाद को ले सकता है– देश के नागरिक के बीच, नागरिकों और सरकार के बीच, दो और उससे अधिक राज्य सरकारों के बीच, संघ सरकार और राज्य सरकार के बीच।

4. दीवानी और फौजदारी मुकदमों में अपील करने का यह सर्वोच्च न्यायालय है। यह उच्च न्यायालय के निर्णय के विरूद्ध अपील सुन सकता है।

5. सर्वोच्च न्यायालय को देश के संविधान की व्याख्या करने का अधिकार है। यह किसी नियम के संवैधानिक मान्यता को सुनिश्चित कर सकता है। इसे न्यायिक समीक्षा के रूप में जाना जाता है।

प्र0 10: प्रधानमंत्री, सरकार में सबसे शक्तिशाली व्यक्ति क्यों होता है?

उ0– 1. प्रधानमंत्री को सरकार के प्रमुख के रूप में व्यापक अधिकार प्राप्त होता है।

2. वह कैबिनेट की बैठक की अध्यक्षता करता है, विभिन्न विभागों के कार्यों के बीच समन्वय स्थापित करता है।

3. उसका निर्णय अंतिम होता है। सभी मंत्री उसके नेतृत्व में काम करते हैं।

4. वह मंत्रियों को काम का वितरण और पुनर्वितरण करता है।

5. उसे किसी मंत्री को बर्खास्त करने का अधिकार होता है और जब वह अपना पद छोड़ता है तो पूरा मंत्रिमंड़ल इस्तीफा दे देता है। प्रधानमंत्री पार्टी के जरिए कैबिनेट और संसद को नियंत्रित करता है।

उच्च कौशल वाले प्रश्न (हॉट्स)

प्र0 1. यद्यपि प्रशासनिक सेवक अधिक शिक्षित और विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ होते हैं फिर भी किसी विषय पर निर्णय लेने की शक्ति मंत्रियों के पास क्यों होती है?

उ0– 1. मंत्री जनता द्वारा निर्वाचित होता है इसलिए वह जनता की इच्छा को ध्यान में रखते हुए जनता की ओर से अपनी शक्तियों का प्रयोग करता है।

2. वह अपने सभी कार्यों तथा निर्णयों के लिए अंतिम रूप से जनता के प्रति उत्तरदायी होता है। मंत्री से यह आशा नहीं की जाती है कि वह तकनीकी रूप से अपने विभाग के विशेषज्ञ हों।

3. प्रशासनिक सेवक यद्यपि अधिक शिक्षित होते हैं, इन मंत्रियों के मातहत काम करते हैं और अंतिम निर्णय मंत्रियों के द्वारा लिए जाते हैं।

प्र0 2: न्यायाधीशों को हटाने की क्या प्रक्रिया है?

उ0– 1. न्यायाधीशों को हटाने की प्रक्रिया को अविश्वास कहा जाता है। अविश्वास प्रस्ताव तभी पारित होता है जब संसद के दोनो सदनों में अलग–अलग दो तिहाई बहुमत उसे मिले।

2. न्यायाधीश जो राष्ट्रपति के द्वारा नियुक्त किए जाते हैं उसे केवल राष्ट्रपति के द्वारा नहीं हटाया जा सकता।

3. राष्ट्रपति को हटाने के लिए लोकसभा और राज्यसभा दोनो को दो–तिहाई बहुमत से प्रस्ताव पारित करना होता है।

प्र0 3: भारत के किसी राज्य में आपातकाल की घोषणा किन परिस्थितियों में की जा सकती है? व्याख्या करें।

उ0– निम्नलिखित परिस्थितियों में किसी राज्य में आपातकाल की घोषणा की जा सकती है:–

1. बाह्य आक्रमण या सशसत्र विद्रोह की स्थिति में
2. यदि राज्य की सरकारी मशीनरी असफल हो
3. यदि देश के वित्तीय स्थिरता को चुनौती मिल रहा हो

इन सारी परिस्थितियों में राष्ट्रपति किसी राज्य में आपातकाल लागू कर सकता है जिसे राष्ट्रपति शासन कहा जाता है।

प्र0 4: ''संसद भारत की सर्वोच्च विधायिका है'' इस कथन को स्पष्ट करें।

उ0– सभी लोकतंत्र में चुने हुए प्रतिनिधियों की सभा जनता की ओर से सर्वोच्च राजनीतिक ऑथिरिटी के रूप में काम करती है।

2. भारत में इस तरह के चुने हुए प्रतिनिधियों की राष्ट्रीय सभा को संसद कहा जाता है।

3. राज्य स्तर पर इसे विधायिका या विधान–परिषद् कहा जाता है।

4. संसद किसी देश में कानून बनानेवाली सर्वोच्च संस्था होती है।

5. संसद पूरे विश्व में नया नियम बनाता है, वर्तमान कानून में परिवर्तन लाता है या उसे हटाकर उसकी जगह नया नियम बनाता है।

प्र0 5: मंडल आयोग की रिर्पोट को लागू करने में जनता की क्या प्रतिक्रिया थी?

उ0– 1. मंडल आयोग की रिर्पोट को लागू होने से बड़े पैमाने पर आंदोलन और जबाबी आंदोलन प्रारंभ हो गए जिसमें से कुछ हिंसक भी थे।

2. लोगों की प्रतिक्रिया काफी तीखी थी क्योंकि इस निर्णय से हजारों नौकरियों के अवसर प्रभावित हो रहे थे।

3. कुछ लोगों का मानना था कि नौकरियों में आरक्षण, विभिन्न जातियों के बीच असमानता को खत्म करने के लिए आवश्यक है।

4. दूसरों का यह मानना था कि यह गलत है, यह लोगों की अवसर की समानता के विरूद्ध है। अधिक शिक्षित होने के बावजूद भी वे नौकरियों से वंचित हो जाएँगे।

प्र0 6ः दो तरीकों का लिखें जिससे यह सिद्ध होता हो कि राष्ट्रपति के पास कोई वास्तविक शक्ति नहीं होती है। वास्तव में राष्ट्रपति क्या कर सकता है।

उ0— 1. हमारी राजनीतिक व्यवस्था में राष्ट्राध्यक्ष केवल नाम के अधिकारों का प्रयोग करता है। भारत का राष्ट्रपति ब्रिटेन की महारानी की तरह होता है, जिसका काम आलंकारिक होता है। राष्ट्रपति देश के सभी राजनैतिक संरचनाओं के काम की निगरानी करता है ताकि वे राज्य के उद्येश्यों को हासिल करने के लिए मिल—जुलकर काम करें।

2. राष्ट्रपति पूरे राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करता है, लेकिन वह उस तरह से प्रत्यक्ष जनादेश का दावा नहीं कर सकता जिस तरह से प्रधानमंत्री कर सकता है। राष्ट्रपति के अधिकारों के मामले में भी यही बात लागू होती है। सारी सरकारी गतिविधियाँ राष्ट्रपति के नाम पर होती हैं। सारे कानून और सरकार के प्रमुख नीतिगत फैसले उसी के नाम से जारी होते हैं। सभी अंतर्राष्ट्रीय संधियाँ और समझौते उसी के नाम से होते हैं लेकिन राष्ट्रपति इन अधिकारों का इस्तेमाल मंत्रिपरिषद् की सलाह पर ही करता है।

बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तरः

1. ख	2. क	3.ख	4.ख	5.क	6.घ	7.घ	8.ग	9.घ	10. घ
11. ग	12.क	13.घ	14.ख	15.घ	16.ग	17.ख	18.क	19.ख	20. ग
21. ख	22.घ	23.ख	24.क	25.घ	26.क	27.ख	28.घ	29.ख	30.ख
31. क									

अध्याय –6

लोकतांत्रिक अधिकार

अवधारणाएँ –

अधिकार क्या है?

अधिकार किसी व्यक्ति का अपने लोगों, अपने समाज और अपनी सरकार से दावा है।

लोकतंत्र में अधिकार –

अधिकार सभी जनता की गरिमा, सुरक्षा एवं निष्पक्ष आचरण को सुनिश्चित करता है।

लोकतंत्र में अधिकार की आवश्यकता है, क्यों ?

अधिकार लोकतंत्र का प्रमुख आधार है। अधिकार के द्वारा नागरिकों को मत देने एवं सरकार के प्रतिनिधियों को चुनने का अवसर प्राप्त होता है।

इसके तहत नागरिक अपने विचारों को स्वतंत्रतापूर्वक प्रकट कर सकते है , राजनितिक दलों की स्थापना एवं राजनीतिक क्रियाओं में भाग ले सकते है।जब चीजें गलत होती है तो अधिकार उनकी रक्षा करता है।अधिकारों की उपलब्धता के कारण ही बहुसंख्यकों का अल्पसंख्यकों पर वर्चस्व स्थापित नहीं हो पाता है। कुछ अधिकार सरकार की नीतियों से भी प्रखर होते हैं जिनका अतिक्रमण सरकार भी नहीं कर सकती है।

भारतीय संविधान में उल्लेखित अधिकार :–

भारतीय संविधान में छः मौलिक अधिकार उल्लेखित है। ये भारतीय संविधान की प्रमुख विशेषता है।

मौलिक अधिकार:–

1 समता का अधिकार क

2 स्वतंत्रता का अधिकार

3 शोषण के विरूद्ध अधिकार

4 धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार

5 शिक्षा एवं संस्कृति का अधिकार

6 संवैधानिक उपचारों का अधिकार

समता का अधिकार :– यह अधिकार कानून की नजर में सबों को समान रूप में

स्थापित करता है। इसके अनुसार जन्मस्थान , जाति, धर्म, लिंग आदि के आधार पर किसी के साथ भेदभाव नहीं किया जा सकता है।

छूआछूत एक दंडनीय अपराध है। सभी नागरिको का समान अवसर की गारंटी दी जाती है।

स्वतंत्रता का अधिकार :- इसके तहत भाषा एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, शांतिपूर्ण तरीके से इकठ्ठे होने की स्वतंत्रता संघ बनाने की स्वतंत्रता , देश के किसी हिस्से में आवाज की स्वतंत्रता, देश के किसी भाग में रहने की स्वतंत्रता, कोई भी व्यवसाय अपनाने की स्वतंत्रता आदि आते है।

शोषण के विरूद्ध अधिकार :- इसके तहत संविधान के द्वारा मनुष्य जाति के अवैध व्यापार का निषेध किया गया है। साथ ही बेगार या जबरन काम लेना तथा बाल मजदूरी को भी प्रतिबंधित या निषेधित किय गया है।

धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार :- भारत में कोई राष्ट्रधर्म नहीं है। सभी धर्मो को समान आदर दिया जाता है। प्रत्येक नागरिक को यह अधिकार है कि वह अपनी इच्छा से किसी भी धर्म या अपने धर्म को अपनाए तथा प्रचार प्रसार करें।

शिक्षा एवं संस्कृति का अधिकार :- अल्पसंख्यकों को अपनी भाषा एवं संस्कृति को संरक्षित करने का अधिकार है।उन्हे यह भी अधिकार है कि वे अपनी शैक्षणिक संस्थाओं की स्थापना करे।

संवैधानि उपचारों का अधिकार :- संविधान के द्वारा प्रदत्त उपरोक्त वर्णित अधिकारो का यदि किसी व्यक्ति, संस्था तथा सरकार द्वारा अतिक्रमण है तो नागरिको को इस अधिकार के तहत न्यायालय के द्वारा सही न्याय पाने का अधिकार है अर्थात् इन अध्किारों का अतिक्रमण होने से न्यायालय मे चुनौती दी जा सकती है।

राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग (एन0एच0आर0सी0)

यह 1993 मे स्थापित एक स्वतंत्र आयोग है। इस आयोग का गठन राष्ट्रपति के द्वारा होता है।जिसमे अवकाश प्राप्त न्यायाधीश, अधिकारी एवं ख्यातिप्राप्त नागरिकों को सदस्यता दी जाती है।

इन्हें न्यायालयीय मुकदमों से मुक्त रखा गया है। यह मानव अधिकारों के हनन से पीड़ित लोगों की सहायता करता है।

एन0एच0आर0सी0 स्वयं अपराधियों को दंडित नहीं कर सकता है।यह मानव अधिकार के हनन से सम्बन्धित किसी भी मुकदमे की जाँच कर सकता है और देश में मानव अधिकार की रक्षा को बढ़ावा देने हेतू अलग – अलग तरीकों को अपना सकता है।

अधिकारों का बढ़ता दायरा संविधान मौलिक अधिकारों के क्षेत्र को बढ़ावा देने हेतू प्रयास करती है।उदारहरण:–

1 स्कूली शिक्षा भारतीय नागरिकों का एक अधिकार संभव हुआ।
2 सम्पत्ति के अधिकार को वैधता प्रदान की गयी।
3 सरकारी कार्यालयों से सूचना पाने का अधिकार।
4 चुनाव में मत देने का अधिकार।

आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों पर अंतर्राष्ट्रीय प्रतिज्ञा–पत्र:–

अंतर्राष्ट्रीय प्रतिज्ञा–पत्र में अनेक अधिकारों की मान्यता दी गयी है।जैसे:–

1 काम करने का अधिकार 2 काम करने के सुरक्षित और स्वास्थ्यप्रद माहौल का अधिकार 3 समुचित जीवन स्तर जीने का अधिकार 4 सामाजिक सुरक्षा और बीमा का अधिकार 5 स्वास्थ्य का अधिकार 6 शिक्षा का अधिकार।

दक्षिण अफ्रीकी संविधान गारंटी देता है – निजता का अधिकार, पर्याप्त आवास पाने का अधिकार, स्वास्थ्य सेवाओ, पार्याप्त भोजन और पानी तक पहुँच का अधिकार , किसी को भी आपात चिकित्सा से इंकार नहीं किया जा सकता ।

बहुवैकल्पिक प्रश्न (एक अंक)

प्रश्न 1 अमेरिका द्वारा गुआंतानामो बे के जेल में लोगो का दिए जाने का कौन सा कारण बताया गया ?

(अ) वे जासूसी के आरोप में पकड़े गए।

(ब) वे अमेरिकी राष्ट्रपति को मारने की योजना बना रहे थे।

(स) वे संयुक्त राज्य अमेरिका मे कम्युनिस्ट सरकार के गठन की योजना भना रहे थे।

(द) अमेरिका उन्हे शत्रु मानता था और 11 सितम्बर 2001 को न्यूयार्क पर किए गए आक्रामण से उन्हे जोड़ता था।

प्रश्न 2 वह कौन सी संस्था थी जो विश्व स्तर पर गुआतानामो बे के कैदियों पर किए गए अमानवीय प्रताड़ना को उजागर किया ?

(अ) संयुक्त राष्ट्र संघ (ब) अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय

(स) एमेनेस्टी इंटरनेशनल (द) संयुक्त राज्य अमरिका का उच्चतम न्यायालय

प्रश्न 3 इनमें से कौन सऊदी अरब के राजनितिक व्यवस्था से सम्बधित नहीं है:-

(अ) राज कार्यपालिका, विधायिका एवं न्यायापालिका को चुनती है।

(ब) नागरिक राजनितिक दलों का गठन नहीं कर सकती है।

(स) वहाँ धार्मिक स्वतंत्रता नहीं है।

(द) इनमें से कोई नहीं।

प्रश्न 4 सऊदी अरब मे महिलाओं की क्या स्थिति है?

(अ) महिलाओं को सारे अधिकार दिए गए हैं।

(ब) महिलाओं को पुरूषो के बराबर अधिकार दिए गए है।

(स) महिलाओं को अनेक प्रतिबन्धों का सामना करना पड़ता है।

(द) महिलाओं को उच्च पदों पर आरूढ़ होने का अवसर दिया जाता है।

प्रश्न 5 अल्बानियनों के प्रति मिलोसेविक की धारणा क्या थी?

(अ) उनकी सरकार कोसोवों के अल्बानियनो के प्रति सुझाव रखती थी

(ब) वह सर्बो और अल्बानियनो मे समानता लाना चाहता था।

(स) वे अल्बानियनों पर सर्बो का बर्चस्व स्थापित करना चाहते थे।

(द) दोनो ब और स ।

प्रश्न 6 अल्बानियों का नरसंहार अंतत: कैसे रोका गया था ।

(अ) संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा मिलोसेविक को बंदी बनाने का आदेश दिया जाना।

(ब) नरसंहार को रोकने हेतु अनेक राष्ट्रों द्वारा हस्तक्षेप किया जाना।

(स) सर्बो का मिलोसेविक के विरूद्ध हो जाना ।

(द) मिलोसेविक द्वारा स्वयं में सुधार किया जाना ।

प्रश्न 7 अधिकार से आप क्या समझते है?

(अ) बिना किसी की सहभागिता के व्यक्तिगत रूप से सब कुछ पाने की माँग

(ब) अन्य सहयोगियो, सरकार एवं समाज से बढ़कर किसी व्यक्ति का विशेष दावा।

(स) कोई स्वतंत्रा नहीं पाना।

(द) इनमें से कोई नहीं।

प्रश्न 8 लोकतंत्र और अधिकारों के बीच सम्बन्धों को अत्यधिक वैधता प्रदान करने वाला कथन इनमे से कौन है–

(अ) लोकतांत्रिक देश अपने नागरिकों को अधिकार देता है।

(ब) जो देश अपने नागरिको का अधिकार देता है, लोकतंत्र कहलाता है।

(स) अधिकार देना अच्छा है किन्तु यह लोकतंत्र मे आवश्यक नहीं है।

(द) उपरोक्त सभी

प्रश्न 9 किस मौलिक अधिकार के तहत नागरिको को संसद के द्वारा सूचना पाने का अधिकार दिया गया है?

(अ) धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (ब) भाव एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता

(स) समानता का अधिकार (द) संवैधानिक उपचारों का अधिकार

प्रश्न 10 दक्षिण अफ्रीकी संविधान द्वारा अपने नागरिको को कौन से अधिकार दिए गए है?

(अ) निजता का अधिकार

(ब) ऐसा पर्यावरण का अधिकार जो लोगों के स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव न डालता है।

(स) पर्याप्त आवास पाने का अधिकार।

(द) उपरोक्त सभी ।

प्रश्न 11 सभी मौलिक अधिकारों के क्रियान्वयन के अधिकार को कहा जाता है:–

(अ) शोषण के विरूद्ध अधिकार (ब) स्वतंत्रता का अधिकार

(स) संवैधानिक उपचारों का अधिकार (द) शिक्षा एवं संस्कृति का अधिकार

प्रश्न 12 यदि हमारा मौलिक अधिकार का अतिक्रमण होता है तो इसका निदान हमें कहाँ मिलेगा?

(अ) उच्चतम एवं उच्चन्यायालय (ब) संसद

(स) निर्वाचन अयोग (द) मंत्रिपरिषद्

प्रश्न 13 संवैधानिक उपचारों के अधिकार को डा0 भीमराव अम्बेदकर ने क्या संज्ञा दी?

(अ) संविधान का मस्तिष्क (ब) संविधान का हृदय एवं आत्मा

(स) संविधान का हृदय (द) संविधान की आत्मा

प्रश्न 14 याचिका का तात्पर्य है:-

(अ) लिखित कानून

(ब) न्यायालय के द्वारा सरकार को दिया गया औपचारिक दस्तावेज के रूप में आदेश।

(स) संविधान की आधारभूत विशेषता

(द) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 15 एन0एच0आर0सी0 (राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग) का गठन कब हुआ ?

(अ) 1998 (ब) 1096 (स) 1993 (द) 2001

प्रश्न 16 भारतीय संविधान द्वारा कितने मौलिक अधिकार दिए गए है?

(अ) 7 (ब) 6 (स) 5 (द) 8

प्रश्न 17 'कानून से बढ़कर कोई नहीं है' इस कथन को स्पष्ट करने वाली कौन सी संविधान का विशेषता सही मानी जाती है?

(अ) कानून का राज्य (ब) कानून का कियान्वयन

(स) कानून का शासन(द) कानून द्वारा शासन

प्रश्न 18 सरकारी नौकरीयों के सम्बन्ध में समानता का अधिकार क्या कहता है:-

(अ) सरकार द्वारा सबों के लिए नौकरियों का अवसर दिया जाना।

(ब) मेधावी छात्रों के लिए नौकरियों का आरक्षण किया जाना।

(स) रोजगार के क्षेत्रों मे सभी नागरिकों को समान अवसर दिया जाना।

(द) इनमें से कोई नही।

प्रश्न 19 छूआछूत के बारे में संविधान क्या कहता है:-

(अ) यह पूर्णत: खत्म कर दी गयी है।

(ब) किसी भी रूप मे छूआछूत किया जाना दंडनीय है।

(स) पुरानी रीति होने के कारण इनका सम्मान किया जाना चाहिए।

(द) दोनों 'अ' और 'ब'।

प्रश्न 20 भाषा एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के सम्बन्ध में निम्न मे से कौन स कथन असत्य है:-

(अ) सबो को अलग -अलग सोचने का अधिकार है।

(ब) सरकार की नीतियों से कोई असहमत हो सकता है।

(स) इसका उपयोग सरकार के खिलाफ लिए जाने के लिए उकसाना।

(द) प्रत्येक व्यक्ति सरकार की आलोचना के लिए स्वतंत्र है।

प्रश्न 21 पुलिस के द्वारा किसी व्यक्ति को कैद किए जाने पर इनमे से कौन स अधिकार उन्हें प्राप्त है?

(अ) कैद के कारण की जानकारी देना।

(ब) 24 घंटे के अंदर मजिस्ट्रेट के सामने प्रस्तुत किया जाना।

(स) अपनी रक्षा के लिए वकील किए जाने का अधिकार।

(द) उपरोक्त सभी।

प्रश्न 22 संविधान में उल्लेखित एक प्रकार के शोषण अवैध व्यापार का क्या तात्पर्य है?

(अ) यातायात व्यवस्था

(ब) मानव (स्त्री-पुरूष या बच्चो) की खरीद बिक्री

(स) वस्तुओं की खरीद विक्री

(द) इनमे से कोई नही।

प्रश्न 23 बेगार का क्या तात्पर्य है?

(अ) भिक्षाटन

(ब) बिना मजदूरी के काम करने की बाध्यता

(स) सामान्य मजदूरी मे मजदूरों को काम करने के लिए प्रोत्साहित करना

(द) दोनों 'ब' और 'स'

प्रश्न 24 इनमें से किस उद्योग मे बच्चों को काम करने से कानून द्वारा निषेध किया गया है?

(अ) बीड़ी बनाना (ब) पटाखे एवं माचिस बनाना

(स) छपाई और रंगाई (द) उपरोक्त सभी

प्रश्न 25 इनमें से कौन सी स्वतंत्रता भारतीय नागरिकों को प्राप्त है?

(अ) सरकार को बदलने के लिए आन्दोलन

(ब) सरकार का विरोध करना

(स) सैनिक विद्रोह में हिस्सेदारी करना

(द) इनमे से कोई नही

प्रश्न 26 इनमें से कौन न्यायालय द्वारा चुनौती नहीं दिया जा सकता है?

(अ) राज्य के नीति निर्देशक तत्व

(ब) मौलिक अधिकार

(स) कोई भी व्यवसाय या व्यापार चुनने का अधिकार

(द) देश के किसी भाग मे आने जाने का अधिकार

प्रश्न 27 शिक्षा और संस्कृति का अधिकार मुख्य रूप से सुरक्षा देता है?

(अ) महिलाओं (ब) अल्पसंख्यकों (स) बच्चों (द) पुरूषों

प्रश्न 28 इनमें से कौन स अधिकार मौलिक अधिकार नही है?

(अ) स्वतंत्रता का अधिकार (ब) मत देने का अधिकार

(स) समानता का अधिकार (द) इनमें से कोई नही

प्रश्न 29 इनमें से कौन सा अधिकार मौलिक अधिकार के अन्तर्गत नहीं आता है:-

(अ) समानता का अधिकार

(ब) स्वतंत्रता का अधिकार

(स) किसी के संस्कृति के संरक्षण का अधिकार

(द) सम्पत्ति का अधिकार

प्रश्न 30 भारत एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है। धर्मनिरपेक्षता का तात्पर्य है:-

(अ) राज्य द्वारा हिन्दु धर्म को सुरक्षित किया जाना

(ब) राज्य द्वारा बहुसंख्यकों को अपने धर्म के प्रचार की अनुमति दिया जाना

(स) राज्य का कोई धर्म न होना

(द) इनमे से कोई नहीं

प्रश्न 31 नागरिक अधिकार किसी व्यक्ति विशेष को किसके द्वारा दिया जाता है:-

(अ) प्रकृति (ब) ईश्वर (स) राज्य (द) लोगों के द्वारा

प्रश्न 32 भारतीय संविधान के किस भाग में मौलिक अधिकार उल्लेखित है:-

(अ) भाग तीन (ब) भाग सात (स) भाग पांच (द) भाग चार

प्रश्न 33 संवैधानिक उपचारों के अधिकार को किनके द्वारा संविधान की आत्मा तथा हृदय कहा गया है:-

(अ) जवाहरलाल नेहरू (ब) बी0 आर0 अम्बेदकर

(स) महात्मा गाँधी (द) राजेन्द्र प्रसाद

प्रश्न 34 राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग, जो एक स्वतंत्र आयोग है, की स्थापना कानून द्वारा किस वर्ष की गयी है :-

(अ) 1993 (ब) 1995 (स) 1999 (द) 2001

प्रश्न 35 इनमे से कौन सी स्वतंत्रत भारत में स्वतंत्रता मे अधिकार के अन्तर्गत नहीं आता है :-

(अ) भाषा एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता

(ब) सरकार के विरूद्ध विद्रोह करने हेतु प्रेरित करना

(स) शांतिपूर्ण ढ़ंग से एकत्रित होने की सवतंत्रा

(द) संघ एवं संगठन बनाने की स्वतंत्रता

प्रश्न 36 पी0आई0एल0 का पूर्ण रूप क्या है:-

(अ) पब्लिक इन्ट्रेस्ट लेजिस्लेचर (ब) पब्लिक इन्ट्रेस्ट सिटिगेशन

(स) पब्लिक इनफारमेशन सिटिगेशन(द) पब्लिक इनफारमेशन लेजिस्लेचर

प्रश्न 37 इनमे से भारतीय नागरिक को कौन सी स्वतंत्रता प्राप्त नही है -

(अ) सरकार की आलोचना का अधिकार

(ब) सशस्त्र विद्रोह मे भागीदारी का अधिकारी

(स) देश के किसी भाग मे रहने का अधिकार

(द) उपरोक्त सभी

प्रश्न 38 भारत में शिक्षा और संस्कृति के अधिकार के अन्तर्गत इनमें से किसकी अनुमति नहीं दी जाती है:-

(अ) सभी सांस्कृतिक वर्गो को अपनी भाषा और संस्कृति को सुरक्षित करने का अधिकार है।

(ब) सांस्कृतिक वर्गो द्वारा सरकारी संस्थानों मे जिन्हे सरकारी सहायता दी जाती है, धर्म के नाम पर नामांकन से रोका जाना या अनुमति नहीं दिया जाना।

(स) सभी अल्पसंख्यक वर्गो को अपनी रूचि व इच्छा के अनुसार शैक्षणिक संस्थाओं को स्थापित करने का अधिकार।

(द) इनमे से कोई नही।

प्रश्न 39 इनमें से कौन राजनितिक अधिकार नहीं है:-

(अ) चुनाव लड़ना

(ब) मत देने का अधिकार

(स) किसी राजनीतिक पद पाने का अधिकार

(द) स्वतंत्रता का अधिकार

प्रश्न 40 यदि हमारे मौलिक अधिकार का अतिक्रमण होता है तो हम प्रत्यक्ष रूप से किसके पास न्याय हेतु पहुँच सकते है?

(अ) प्रधानमंत्री (ब) उच्चतम न्यायालय (स) राष्ट्रपति (द) उप-राष्ट्रपति

लघुउत्तरीय प्रश्न (3 अंक)

प्रश्न 1 भारतीय संविधान द्वारा अल्पसंख्यकों को दी जाने वाली शिक्षा और संस्कृति के

अधिकारों का वर्णन करें ?

उत्तर :- अल्पसंख्यकों की भाषा , संस्कृति एवं धर्म की सुरक्षा की बेहद आवश्यकता है अन्यथा उनका तिरस्कार हो सकता है या बहुसंख्यको द्वारा अल्पसंख्यकों की भाषा, संस्कृति एवं धर्म की महत्ता को नजरअंदाज किया जा सकता है। सभी अल्पसंख्यकों को अपनी इच्छानुसार शैक्षणिक संस्थाओं की स्थापना एवं एवं प्रचार-प्रसार का अधिकार दिया जाता है।

प्रश्न 2 कानून के शासन से क्या समझते है? व्याख्या करें?

उत्तर :- कानून के शासन का तात्पर्य यहाँ है कि कानून के समक्ष सभी समान है। कानून सब पर समान दृष्टि से सुरक्षा प्रदान करती है।कानून सब पर समान रूप से लागू है चाहे वह व्यक्ति कितना भी बड़ा क्यों न हो।कानून का शासन लोकतंत्र का आधार है।यह स्पष्ट करता है कि कानून से बढ़कर कोई नही है, इसके आधार पर किसी राजनैतिक नेता और सरकारी अधिकारी तथा सामान्य नागरिक मे भेदभाव नही किया जा सकता ।

प्रश्न 3 स्वतंत्रता के अधिकार के तहत उल्लेखित स्वतंत्रता का उल्लेख करें?

उत्तर:- स्वतंत्रता के अधिकार के तहत भारतीय संविधान द्वारा छ: प्रकार की स्वतंत्रताएँ दी गई है जो निम्नलिखित है:-

1 भाषा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता

2 बिना अस्त्र शस्त्र के शांतिपूर्ण ढंग से एकत्रित होने का अधिकार

3 संगठन और संघ बनाने की सुविधा

4 देश मे कही आने जाने की स्वतंत्रता

5 देश के किसी भी भाग मे रहने की स्वतंत्रता

6 कोई भी काम करने, धन्धा चूनने या पेशा करने की स्वतंत्रता।

प्रश्न 4 शिक्षा तथा संस्कृति के अधिकार अन्तर्गत अल्पसंख्यक पद का क्या तात्पर्य है?

उत्तर:- यहाँ अल्पसंख्यक से तात्पर्य राष्ट्रीय स्तर पर केवल धार्मिक अल्पसंख्यक से नही है।कुछ जगहों पर किसी खास भाषा के लोग बहुसंख्यक होते है जबकि दूसरे स्थान पर उसी भाषा के लोग अल्पसंख्यक हो जाते है।उदाहरण के लिए आन्ध्रप्रदेश में तेलगू भाषा के लोग बहुसंख्यक है जबकि कर्नाटक मे लेह अल्पसंख्यक है।इसी प्रकार पंजाब मे सिख बहुसंख्यक जबकि राज्स्थान, हरियाणा और दिल्ली मे अल्पसंख्यक है।

प्रश्न 5 नागरिकों के अधिकारों के विस्तार की संभावनाओं के सम्बन्ध मे कुछ उदाहरण दें?

उत्तर:- प्रेस की स्वतंत्रता का अधिकार, सूचना का अधिकार और शिक्षा का अधिकार जैसे कुछ अधिकार मूल अधिकारों से लिए गए है।हाल मे स्कूली शिक्षा भारतीय नागरिकों का अधिकार बन गया है। संसद ने कानून पास कर भारतीय नागरिकों को सूचना का अधिकार दिया है।सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के अंतर्गत, जीवन के अधिकार में अब भोजन का अधिकार भी शामिल है।सम्पत्ति का अधिकार मूल अधिकार नहीं है, पर एक कानूनी अधिकार है।चुनावो में मत देने का अधिकार एक अहम संवैधानिक अधिकार है।

प्रश्न 6 भारतीय नागरिकों द्वारा उपभोग किये जानेवाले 'समानता के अधिकार की व्याख्या करें।इसका क्या महत्त्व है?

उत्तर:- जाति, रंग, क्षेत्र, धार्मिक पहचान, लिंग और जन्म स्थान को ध्यान में न रखते हुए सभी नागरिक कानून के सामने बराबर है। किसी नागरिक के साथ भेदभाव नहीं होगा।सभी नागरिकों को नौकरी के मामले में समान अवसर प्राप्त होगें। समानता का अधिकार का यही अर्थ है।

प्रश्न 7 'स्वतंत्रता का अधिकार छ: अधिकारों का गुच्छा है' व्याख्या करें?

उत्तर:- स्वतंत्रता का अधिकार छ: अधिकारों का गुच्छा है। ये है:-

1 भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता।

2 शांतिपूर्ण तरीके से एकत्र होने की स्वतंत्रता।

3 संघ और यूनियन बनाने की स्वतंत्रता।

4 समस्त देश में स्वतंत्रतापूर्वक घूमने की स्वतंत्रता।

5 देश के किसी भाग मे बसने की स्वतंत्रता।

6 कोई पेशा या व्यवसाय अपनाने की स्वतंत्रता।

प्रश्न 8 भारतीय संविधान द्वारा गारंटी दिए गए अधिकारों को मूल अधिकार क्यों कहा जाता है?

उत्तर :- 1 ये हमारे जीवन के लिए मूलभूत है।

2 सभी नागरिक हमारे संविधान की प्रस्तावना मे दिए गए समानता, स्वतंत्रता और न्याय को प्राप्त कर सकें, इसलिए मूल अधिकारों को प्रभावी रखा गया है।

प्रश्न 9 शोषण के विरूद्ध मूल अधिकार के तीन प्रावधानों को लिखें?

उत्तर :- 1 संविधान मानव के खरीद -बिक्री को मनाही करता है।

2 किसी भी रूप में यह बलात् श्रम या बेगार पर रोक लगाता है।

3 बाल श्रम पर संविधान रोक लगाता है।कोई भी 14 वर्ष से कम के बच्चे या बच्चियों को कारखाने, खदान या किसी खतरनाक काम में नौकरी पर नहीं रख सकता है।

प्रश्न 10 लाकतंत्र में हमें अधिकारों की आवशयता क्यों पड़ती है?

उत्तर:- अधिकार एक व्यक्ति का दूसरे व्यक्तियों, समाज और सरकार पर दावा है। लोकतंत्र के संवर्द्ध न के लिए अधिकार आवश्यक है।अधिकार अल्पसंख्यकों को सुरक्षा देता है।अधिकार गारंटी हैं जिसका प्रयोग जब चीजें बढ़ रही हैं, किया जा सकता है।

प्रश्न 11 भारत में औरतौं और बच्चों के सुरक्षा के लिए तीन संवैधानिक प्रावधानों को लिखे?

उत्तर:- ये है- संविधान रोक लगाता है-

1 मनुष्यों विशेषकर अनैतिक कामों के लिए औरतों की खरीद -बिक्री पर।

2 यह बलात् श्रम पर रोक लगाता है।

3 यह 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को किसी कारखाने, खादान या जोखिम भरे कामों पर नियोजित करने पर रोक लगाता है।

प्रश्न 12 समानता के अधिकार की तीन विशेषताओं को लिखे?

उत्तर:- 1 सभी नागरिकों पर चाहे उनकी हैसियत जो भी हो, कानून लागू होता है (कानून का शासन)।

2 सरकार धर्म, जाति, लिंग, जन्मस्थान के आधार पर किसी नागरिक के साथ कोई भेदभाव नहीं करेगी।

3 रोजी-रोजगार के मामले मे सभी नागरिकों को समान अवसर प्राप्त है।

प्रश्न 13 गिरफ्तार किए गए व्यक्ति के किन्हीं तीन अधिकारों का उल्लेख करें?

उत्तर :- 1 एक व्यक्ति जो कि गिरफ्तार हुआ है या जिसे हिरासत में रखा गया है,उसे गिरफ्तारी का कारण बताया जाएगा ।

2 ऐसे आदमी को 24 घंटे के भीतर नजदीक के मजिस्ट्रेट के सामने प्रस्तुत किया जाएगा ।

3 ऐसे व्यक्ति को वकील के साथ सम्पर्क करने का अथवा अपने बचाव के लिए वकील रखने का अधिकार है।

प्रश्न 14 संवैधानिक उपचारों का अधिकार 'संविधान का हृदय और आत्मा है' सिद्ध करें?

उत्तर:- यह अधिकार हमारे दूसरे अधिकारों को प्रभावशाली बनाता है। जब हमारे किसी अधिकार की अवहेलना होती है, तब तक न्यायालय के द्वारा उपचार पा सकते हैं।यह वह मौलिक अधिकार है जिसके तहत हम सीधे सर्वोच्च न्यायालय तक संपर्क कर सकते है।इसलिए डॉ0 अम्बेडकर ने इसे हमारे संविधान का हृदय और आत्मा कहा था।

प्रश्न 15 कोसोवो मे जातीय नरसंहार की पृष्ठभूमि क्या थी?

उत्तर:- विभाजन के पूर्व कोसोवो युगोस्लाविया का एक प्रांत था। इस प्रांत में अल्बानियन जाति के लोगों का बहुमत था। लेकिन समूचे देश मे सर्व लोगो का बहुमत था। एक संकीर्ण विचारों वाला सर्व राष्ट्रवादी मिलोसेविक ने चुनाव जीता और युगोस्लाविया का राष्ट्रपति बन गया। उसकी सरकार कोसोवो के अल्बानियनों के प्रति शत्रुता पूर्ण रूख रखती थी। द्याह चाहता था कि अल्बानियन प्रभुत्व मान लें। सरकार के निर्देश के अन्तर्गत सेना ने नरसंहार संचालित किया।

दीर्घउत्तरात्मक प्रश्नोत्तर (5 अंक)

प्रश्न 1 शोषण के विरूद्ध अधिकार में शामिल प्रावधानों की व्याख्या करें?

उत्तर:- 1 एक बार जब स्वतंत्रता और समानता का अधिकार दे दिया गया है तो यह अनुसरण करता है कि प्रत्येक नागरिक को शोषित न होने का अधिकार है तो भी संविधान निर्माताओं ने सोचा कि कुछ स्पष्ट प्रावधानों का लिखा जाना आवश्यक है ताकि समाज वे कमजोर वर्गो को शोषण से बचाया जा सके।

2 संविधान समाज के तीन दुर्बल वर्गो का उल्लेख करता है।

3 संविधान तीन बुराइयों का उल्लेख करता है और उन्हें गैर - कानूनी घोषित करता है।

4 प्रथमत:, संविधान मानव के खरीद और बिक्री पर प्रतिबन्ध लगाता है।

5 द्वितीय:, यह बेगार अथवा बलात् श्रम चाहे वह किसी रूप में हो, पर प्रतिबंध लगाता है।

अंतत: संविधान बाल श्रम पर रोक लगाता है। कोई भी चौदह साल से कम उम्र के बच्चे को कारखाने या खान में नियोजित नहीं कर सकता।

प्रश्न 2 सांस्कृतिक और शैक्षक अधिकारों के प्रावधानों का उल्लेख करें?

उत्तर:- 1 सामान्य तर्क है कि लोकतंत्र की कार्यप्रणाली बहुसंख्यक को अधिकार देती है,

अल्पसंख्यकों की भाषा, संस्कृति और धर्म को विशेष संरक्षण की आवश्यकता पड़ती है।इसलिए अल्पसंख्यकों के सांस्कृतिक तथा शैक्षणिक अधिकार संविधान में विशेषीकृत किए गए है।

2 विशिष्ट भाषा तथा संस्कृति वाले नागरिकों के किसी वर्ग को इसे संरक्षित रखने का अधिकार है।

3 सरकार द्वारा पोषित या सरकारी सहायता प्राप्त करने वाले कोई भी शैक्षणिक संस्थान धर्म या भाषा के आधार पर किसी भी नागरिक के प्रवेश की मनाही नहीं कर सकता ।

4 सभी अल्पसंख्यकों को अपनी पसंद के शैक्षणिक संस्थाओं की स्थापना और संचालन का अधिकार है।

5 यदि राज्य अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान का अधिग्रहण करना चाहता है, तो उसे पूर्ण मुआवजा दिया जाएगा।

प्रशन 3 व्याख्या करें कि 'संवैधानिक उपचारों के अधिकार' का क्या अर्थ है?

उत्तर:- संविधान द्वारा गारंटी दिए गए अधिकार अर्थहीन हैं यदि

1 उन्हें गारंटी देने का कोई विशेष प्रावधान नहीं है।

2 संविधान के मूल अधिकार प्रर्वत्तन योग्य है।हमें अधिकार है कि इन अधिकारो के प्रर्वत्तन के लिये हम उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय जा सकते है।यह संवैधानिक उपचारों का अधिकार कहलाता है जिसे संविधान के अनुच्छेद 32 ने दिया है।

3 यह स्वत: एक मूल अधिकार है। यह अधिकार अन्य अधिकारों को प्रभावी बनाता है।यह संभव है कि कभी-कभी हमारे अधिकार अन्य नागरिकों, निजी संस्थाओं या सरकार द्वारा उल्लंघित हो।

4 जब किसी अधिकार का उल्लंधन होता है तब हम अदालत के जरिये उपचार

पा सकते हैं, यह एक मूल अधिकार है और हम सीधे सर्वोच्च न्यायालय या राज्य के उच्च न्यायालय से सम्पर्क कर सकते हैं।

5 डॉं अम्बेडकर ने संवैधानिक उपचारों के अधिकार को हमारे संविधान का हृदय और आत्मा कहा था।मूल अधिकारों को उल्लंधन करनेवाला कोई कानून या कृत्य नहीं हो सकता।सर्वोच्च न्यायालय द्वारा ऐसे किसी कानून को प्रभावहीन

घोषित किया जा सकता है।

प्रश्न 4 मूल अधिकारों के उल्लंघन की स्थिति में एक नागरिक क्या कर सकता है?

जनहित याचिका क्या है और यह कैसे काम करता है?

उत्तर:- 1 मूल अधिकारों के उल्लंघन की स्थिति में पीड़ित व्यक्ति उपचार के लिए उच्च

न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय तक पहुँच सकता है।

2 जो भी हो कोई व्यक्ति मूल अधिकारों के उल्लंघन के विरूद्ध अदालत जा

सकता है।अगर यह समाजिक और जनहित में है, यह जनहित याचिका

कहलाता है।

3 इसके अन्तर्गत कोई भी नागरिक या नागरिकों का समूह किसी खास कानून

या सरकार के कृत्य के विरूद्ध जनहित के सुरक्षा के लिए सर्वोच्च न्यायालय

या उच्च न्यायालय तक पहुँच सकता है।

4 कोई भी एक पोस्टकार्ड पर न्यायाधीशों तक लिख सकता है।अदालत उस बात को उठाएगी यदि उसमें गुण हुए।

प्रश्न 5 इस कथन की सत्यता की व्यख्या करें ' लोकतंत्र की मजबूरी के लिए अधिकार

अधिकार आवश्यक है'।

उत्तर :- 1 यह कहना बिल्कुल सही है कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए अधिकार

आवश्यक है।अधिकार लोकतंत्र का हृदय और आत्मा है।'

2 लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक को मत देने का तथा सरकार के लिए चुने

जाने का अधिकार है।होनेवाले लोकतांत्रिक चुनाव के लिए यह आवश्यक है

कि नागरिकों को अपने मत व्यक्त करने का , राजनीतिक दल बनाने का

और राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेने का अधिकार हो।

3 लोकतंत्र में अधिकार विशेष भूमिका निभाते है। ये बहुसंख्यक के दमन से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा करते है। ये अल्पसंख्यकों के हितों को सुरक्षित करने को सुनिश्चित करते है और बहुमत अपने सनक के अग्रसर काम नहीं करता।

4 अधिकार गारंटी है जिसका प्रयोग चीजों के गलत जाने की स्थिति मे किया जा सकता है। चीजे गलत जा सकती है जब कुछ नागरिक दूसरों के अधिकारों को छीनने की इच्छा करते हो। सामन्यत: बहुमत अल्पमत पर प्रभाव डालने की चाह रखता है।

5 ऐसी स्थिति में सरकार को अपने नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा करनी चाहिए। कभी- कभी निर्वाचित सरकार सुरक्षा नहीं करती या अपने नागरिकों के अधिकारों पर हमला भी करती (जैसे कि मिलोसेविक के अधीन युगोस्लाविया में हुआ) इसलिए नागरिकों के कुछ मूल अधिकार अधिकतर लोकतांत्रिक देशों मे संविधान में लिख दिये जाते है। जनहित में समाचारपत्र के लेख या रिपोर्ट को अदालत द्वारा जनहित याचिका जैसा माना जा सकता है।

प्रश्न 6 चार नए अधिकारों का उल्लेख करें जिसकी गारंटी अपने नागरिकों को दक्षिण अफ्रीका के संविधान ने दी है?

उत्तर:- 1अधिकारों का दायरा बढ़ता जा रहा है और समय-समय पर नए-नए अधिकार आ रहे है। ये लोगों के संघर्ष के परिणाम है। नए अधिकार जन्म लेते है जब समाज प्रगति करता है या नए संविधान बनते है।

2 निजता का अधिकार ताकि नागरिकों या उनके घरों की तलाशी नहीं ली जा सकती, उनके फोन टेप नहीं किए जा सकते, उनकी सूचनाओं को प्रकाशित नहीं किया जा सकता ।

3 पर्यावरण का अधिकार जो कि उनके स्वास्थ्य या अच्छे से होने के लिए नुकसानदेह न हो।

4 पर्याप्त आवासन (गृह) तक पहुँच का अधिकार

5 स्वास्थ्य दायित्व सेवाएँ तथा पर्याप्त भोजन तथा जल पाने का अधिकार, कोई भी आपात्कालीन चिकित्सा इलाज को अस्वीकार नही कर सकता ।

प्रश्न 7 बिना शर्तो के भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार नहीं होता व्याख्या करें?

उत्तर:- 1 भाषण की स्वतंत्रता किसी भी लोकतंत्र की एक अनिवार्य विशेषता है।

2 हमारे विचार और व्यक्तित्व तभी प्रगति कर सकते है जबकि हम स्वतंत्रतापूर्वक दूसरों से विचार-विमर्श करने योग्य है। आप सरकार की नीतियों से असहमत हो सकते हैं, आप सरकार की आलोचना करने में स्वतंत्र है।

3 आप अपने विचारों को पंपलेट, पत्रिका या समाचार पत्रों द्वारा प्रचारित कर सकते हैं। जो भी हो, आप इस आजादी का उपयोग दूसरे के खिलाफ हिंसा भड़काने में नहीं कर सकते।

4 आप जनता को सरकार के खिलाफ विद्रोह करने के लिए नहीं भड़का सकते, न ही आप गलत बातों या नीच चीजो द्वारा इसका प्रयोग दूसरों को बदनाम करने में ताकि एक आदमी की प्रतिष्ठा क्षतिग्रस्त हो जाए, कर सकते है। यह शर्त्तो के साथ भाषण की स्वतंत्रता कहलाता है।

उच्च कौशल वाले प्रश्न (उत्तर)

प्रश्न 1 अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ी जातियों को दी जाने वाली आरक्षण क्या समानता के अधिकार के विरूद्ध है?तर्क दें?

उत्तर:- 1 आरक्षण समानता के अधिकार के विरूद्ध नहीं है।

2 व्यापक अर्थो में, समानता का अर्थ प्रत्येक को समान व्यवहार देना है, कोई चीज नहीं जिसे वे चाहते है।

3 समानता का अर्थ प्रत्येक को जिसके लिए वह समर्थ है, पाने के लिए समान अवसर देना है। समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए कभी-कभी सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े समाज के लोगो को नौकरियों में आरक्षण देना जरूरी है।

4 संविधान कहता है कि इस प्रकार का आरक्षण समानता के अधिकार का उल्लंघन नहीं है।

प्रश्न 2 मानव अधिकारों की प्राप्ति में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग की क्या भूमिका है? यह किस प्रकार काम करता है?

उत्तर:- 1 राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग अपने मानवाधिकार पाने से वंचित लोगो की सहायता करता है।इनमें संविधान द्वारा गारंटी दिए गए सभी अधिकार शामिल है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के मानवाधिकारों में वे सभी अधिकार शामिल है जिनका उल्लेख संयुक्त राष्ट्र संघ समर्थित अंतर्राष्ट्रीय संधियों में है जिन पर भारत ने हस्ताक्षर किये हैं।

2 राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग स्वत: दोषियों को दंड नहीं दे सकता, यह न्यायालयों का दायित्व है।राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग स्वतंत्र और विश्वसनीय जाँच पड़ताल मानवाधिकारों के किसी उल्लंघन की दशा मे करता है।

3 आयोग अपने निष्कर्षो और अनुशंसाओं को सरकार के सामने प्रस्तुत करता है या पीड़ित की तरफ से अदालत में प्रस्तुत हो सकता है।

4 अदालत की तरह , यह गवाहों को बुला सकता है सरकारी अधिकारी से प्रश्न पूछ सकता है।किसी सरकारी कागज की मांग कर सकता है।निरीक्षण के लिए किसी जेल जा सकता है या स्थल पर अपने दल को भेजकर जाँच - पड़ताल कर सकता है।

प्रश्न 3 'संवैधानिक उपचारों का अधिकार संविधान का हृदय कहा जाता है' व्याख्या करें

उत्तर:- 1 यह अधिकार अन्य अधिकारों को प्रभावशाली बनाता है। यदि किसी के अधिकार अन्य नागरिकों, निजी सस्थाओं या सरकार द्वारा उपचार की मांग कर सकता है।

2 यह वह मूल अधिकार है जिसमें हम सीधे उच्चतम न्यायालय या राज्य के उच्च्च न्यायालय तक सम्पर्क कर सकते है।इसलिए डॉ0 अम्बेडकर ने इसे संविधान का

हृदय और आत्मा कहा था।

प्रश्न 4 स्वतंत्रता का अधिकार कुछ प्रतिबंधों के साथ आता है।तीन उचित उदाहरणों से सिद्ध करें?

उत्तरः- 1 आप अपने स्वतंत्रता के अधिकार का प्रयोग लोगों को सरकार के खिलाफ भड़काने या दूसरे को बदनाम करने में नहीं कर सकते है।

2 आप शांतिपूर्वक सभा कर सकते है।

3 जुलूस या सभा मे शामिल होने की स्थिति में आप हथियारों को नहीं ले जा सकते है।

प्रश्न 5 पंथनिरपेक्ष राज्य क्या है? किस प्रकार हमारे संविधान ने भारत को पंथनिरपेक्ष राज्य बनाया है?

उत्तरः- 1 पंथनिरपेक्ष राज्य वह है जो किसी विशेष धर्म का कोई सुविधा या समर्थन नही देता।यह धर्म के आधार पर लोगों को सजा नहीं देता और न भेदभाव करता है।

2 इसका अर्थ है कि सरकार किसी को किसी विशेष धर्म या धार्मिक संस्थान के उन्नति या पोषण के लिए किसी प्रकार के कर देने के लिए बाध्य नहीं कर सकती।

3 सरकारी शैक्षणिक संस्थाओं में किसी प्रकार की धार्मिक शिक्षा नहीं दी जाएगी।निजी संस्थाओं में, किसी व्यक्ति को धार्मिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए विवश नहीं किया जाएगा।धर्म निरपेक्ष राज्य वह राज्य है जो किसी धर्म को सरकारी धर्म के रूप में स्थापित नहीं करता।

4 भारतीय पंथनिरपेक्षता सभी धर्मो से समान दूरी के सिद्धांत पर बल देता है।भारतीय संविधान की प्रस्तावना भारत को एक पंथनिरपेक्ष राज्य घोषित

करती है। भारत में कोई शासकीय धर्म नहीं है। तभी धर्मो से सम्बध स्थापन में

भारतीय राज्य और निष्पक्ष है।

5 धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार एक मूल अधिकार है। भारत के प्रत्येक नागरिक को अपने विश्वास के धर्म का समर्थन करने, आचरण करने और प्रचार करने का अधिकार है। प्रत्येक धार्मिक समूह या संप्रदाय अपने धार्मिक मामलों की देखरेख करने में स्वतंत्र है।

बहुवैकल्पिक प्रश्न के संकेत :-

प्रश्न सं0	उत्तर	प्रश्न सं0	उत्तर	प्रश्न सं0	उत्तर
1	द	15	स	29	द
2	स	16	ब	30	स
3	द	17	स	31	स
4	स	18	स	32	अ
5	ड	19	द	33	ब
6	ब	20	स	34	अ
7	ब	21	द	35	ब
8	ब	22	ब	36	ब
9	ब	23	ब	37	ब
10	द	24	द	38	ब
11	स	25	स	39	द
12	अ	26	ब	40	ब
13	ब	27	ब		
14	ब	28	ब		

अध्याय 3

गरीबी एक चुनौती

मूल बिन्दुः–

गरीब– जो लोग अपनी दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं उन्हें गरीब कहा जाता है। गरीबों की आमदनी इतनी कम होती है कि वे उससे अपनी सामान्य जरूरतों को भी पूरा नहीं कर पाते।

गरीबों में साक्षरता दर कम पाया जाता है, उनका स्वास्थ्य भी ठीक नहीं रहता, उन्हे रोजगार के अवसर भी नहीं मिलते, उन्हें स्वच्छ पेयजल भी नहीं मिल पाता। 1973 में भारत में 55 प्रतिशत लोग गरीब थे जो 1993 में घटकर 36 प्रतिशत और 2000 में मात्र 26 प्रतिशत रह गया। भारत में गरीबी सबसे अधिक अनुसूचित जाति और जनजाति में पाई जाती है। भारत के हर राज्य में गरीबी का प्रतिशत एक समान नहीं है। 20 राज्यों के गरीबी का स्तर राष्ट्रीय स्तर से भी ज्यादा है। उड़ीसा और बिहार भारत के दो सबसे अधिक गरीबी वाले राज्य हैं। उड़ीसा में गरीबी 47 प्रतिशत है जबकि बिहार में गरीबी 43 प्रतिशत है। जम्मू और कश्मीर में गरीबी मात्र 3.5 है। गत् वर्षों में अन्तराष्ट्रीय गरीबी के स्तर में कमी हुई है। चीन और दक्षिण पूर्व एशिया के देशों में गरीबी के स्तर में काफी कमी आई है।

गरीबी के कारण निम्न हैंः–

(क) जनसंख्या में तीव्र वृद्धिः– भारत में गरीबी का मुख्य कारण जनसंख्या में तेजी से विकास होना रहा है।

(ख) कृषि क्षेत्र में रोजगार सृजन में कमी आना भी गरीबी का मुख्य कारण रहा है। औद्योगिक क्षेत्र में भी रोजगार के अवसरों में कमी आई है।

(ग) भूमि का असमान वितरणः– भूमि का असमान वितरण भी भारत में गरीबी का एक मुख्य कारण रहा है।

(घ) सामाजिक कारक भी भारत में गरीबी का एक प्रमुख कारण रहा है। जैसे गरीब होने के बावजूद लोग शादी ब्याह या सुख श्राद्ध के अवसर पर काफी पैसे खर्च कर देते हैं।

सरकार द्वारा गरीबी उन्मूलन हेतु उठाये गये कदमः

सरकार के द्वारा गरीबी निवारण हेतु दो प्रकार के कदम उठाये गये हैंः–

(क) आर्थिक विकास का प्रोत्साहन

(ख) गरीबी उन्मूलन हेतु उठाये गये कदम

(ग) ग्रामीण रोजगार सृजन कार्यक्रम

(घ) स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना

(ड.) प्रधानमंत्री ग्रामोदय योजना

(च) अंत्योदय अन्न योजना

(छ) राष्ट्रीय काम के बदले अनाज योजना

(ज) राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम

बहुविकल्पीय प्रश्नः—

प्रश्न 1: दक्षिण पूर्व एशिया के किस देश ने तेजी से आर्थिक विकास किया है।

(क) भारत (ख) चीन

(ग) नेपाल (घ) पाकिस्तान

प्रश्न 2: एन.एफ.ड्ब्यू.पी. का क्या अर्थ है।

(क) कार्य और विकास का राष्ट्रीय संघ (ख) जंगली जीव संरक्षण हेतु राष्ट्रीय वन

(ग) राष्ट्रीय खाद्य एवं गेहूँ संरक्षण (घ) राष्ट्रीय काम के बदले कार्य योजना

प्रश्न 3: सामाजिक बहिष्कार कुछ खास व्यक्तियों को नकारता है।

(क) सुविधाएँ (ख) लाभ

(ग) अवसर (घ) उपर्युक्त सभी

प्रश्न 4: भारत में कितने लोग गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करते हैं?

(क) 30 करोड़ (ख) 26 करोड़

(ग) 28 करोड़ (घ) 24 करोड़

प्रश्न 5: कौन सा संगठन गरीबी रेखा के निर्धारण के लिए सर्वेक्षण करता है।

(क) एन.एस.एस.ओ. (ख) सी.एस.ओ.

(ग) योजना आयोग (घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 6: भारत में कौन सा सामाजिक समूह गरीबी से सबसे अधिक प्रभावित है।

(क) अनुसूचित जाति (ख) अनूसूचित जनजाति

(ग) दिहाड़ी मजदूर (घ) उपर्युक्त सभी

प्रश्न 7: भारत के कौन से दो राज्य सबसे गरीब राज्य है—

(क) मध्यप्रदेश एवं जम्मू एवं कश्मीर (ख) उत्तरप्रदेश एवं उत्तराखण्ड

(ग) उड़ीसा एवं बिहार (घ) कोई नहीं

प्रश्न 8: ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी रेखा के अन्तर्गत निम्न आय वाले लोग आते हैं–

(क) 328 रू0 (ख) 370 रू0

(ग) 454 रू0 (घ) 460 रू0

प्रश्न 9: सबसे अधिक गरीब कौन है?

(क) महिलायें (ख) वृद्ध व्यक्ति

(ग) बच्चे (घ) उपरोक्त सभी

प्रश्न 10: उड़ीसा राज्य में गरीबी का प्रतिशत क्या है?

(क) 50 प्रतिशत (ख) 47 प्रतिशत

(ग) 60 प्रतिशत (घ) 57 प्रतिशत

प्रश्न 11: किस राज्य में कृषि विकास का उच्च स्तर गरीबी को कम करने में सहायक रहा है।

(क) जम्मू एवं कश्मीर (ख) पश्चिम बंगाल

(ग) पंजाब (घ) गुजरात

प्रश्न 12: किस राज्य में भूमि सुधार कार्यक्रम गरीबी कम करने में सहायक रहा है।

(क) तमिलनाडु (ख) पंजाब

(ग) पश्चिम बंगाल (घ) केरल

प्रश्न 13: किस राज्य में मानव संसाधन के विकास पर अधिक ध्यान दिया है–

(क) गुजरात (ख) मध्यप्रदेश

(ग) महाराष्ट्र (घ) केरल

प्रश्न 14: किस राज्य में सार्वजनिक वितरण प्रणाली गरीबी कम करने के लिए जिम्मेदार रहा है–

(क) आंध्रप्रदेश (ख) तमिलनाडु

(ग) क और ख (घ) उपरोक्त कोई नहीं

प्रश्न 15: भारत में गरीबी के मुख्य कारण क्या हैं–

(क) आय में असमानता (ख) निम्न रोजगार अवसर

(ग) जनसंख्या में अधिक वृद्धि (घ) उपरोक्त सभी

प्रश्न 16: उच्च गरीबी दर के लिए निम्न में कौन जिम्मेवार है–

(क) आय में बहुत अधिक असमानता (ख) भूमि का असमान वितरण

(ग) भूमि सुधार का प्रभावपूर्ण क्रियान्वयन (घ) उपरोक्त सभी

प्रश्न 17: ग्रामीण क्षेत्रों में से कौन गरीब नहीं है–

(क) भूमिहीन कृषक मजदूर (ख) पिछड़े लोग

(ग) मध्यवर्ती किसान (घ) ग्रामीण कलाकार

(ड.) पिछड़ी जातियाँ

प्रश्न 18: योजना आयोग के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी रेखा के निर्धारण हेतु भोजन में कितने कैलोरी का निर्धारण किया गया है–

(क) 2100 (ख) 2400 (ग) 1500 (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

प्रश्न 19: पाकिस्तान में भारत की तुलना में गरीबी का अनुपात है–

(क) एक समान (ख) आधा (ग) दुगुना (घ) ढ़ाई गुना

प्रश्न 20: गरीबी रेखा के निर्धारण के लिए कौन सा तरीका मुख्य है–

(क) विनिवेश पद्धति (ख) आय पद्धति (ग) पूँजी पद्धति (घ) मानव पद्धति

प्रश्न 21: निम्न में से कौन गरीब है–

(क) एक धनी भूपति (ख) एक व्यवसायी

(ग) एक भूमिहीन श्रमिक (घ) एक शिक्षक

प्रश्न 22: भारत के किस राज्य में गरीबी का प्रतिशत सबसे ज्यादा है–

(क) बिहार (ख) उड़ीसा (ग) केरल (घ) पंजाब

प्रश्न 23: राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी एक्ट कब पारित हुआ–

(क) सितम्बर 2005 (ख) अगस्त 2004 (ग) मई 2009 (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

प्रश्न 24: किसने कहा था कि भारत का सच्ची आजादी तब मानी जायेगी जब यहाँ कोई भी दुखी और गरीब न हो–

(क) महात्मा गाँधी (ख) इंदिरा गाँधी (ग) जवाहरलाल नेहरू (घ) सुभाषचन्द्र बोस

प्रश्न 25: निम्न में से कौन सा कार्यक्रम वर्ष 2000 ई0 में शुरू हुआ–

(क) राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून (ख) प्रधानमंत्री रोजगार योजना

(ग) स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना (घ) प्रधानमंत्री ग्रामोदय योजना

प्रश्न 26: निम्न में से कौन शहरी गरीबी के श्रेणी में नहीं आते –

(क) दिहाड़ी मजदूर (ख) बेरोजगार

(ग) दुकानदार (घ) रिक्शाचालक

प्रश्न 27: वर्ष 2000 में कितने प्रतिशत लोग गरीब थे–

(क) 36 प्रतिशत (ख) 46 प्रतिशत

(ग) 26 प्रतिशत (घ) 29 प्रतिशत

प्रश्न 28: 1993 ई0 में शिक्षित बेरोजगारों के लिए कौन सी स्वरोजगार योजना ग्रामीण एवं छोटे शहरी क्षेत्रों में शुरू की गई

(क) प्रधानमंत्री रोजगार योजना (ख) राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून

(ग) ग्रामीण रोजगार सृजन कार्यक्रम (घ) स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना

प्रश्न 29: मनरेगा कितने दिनों तक रोजगार उपलब्ध कराता है?

(क) 70 दिन (ख) 80 दिन (ग) 90 दिन (घ) 100 दिन

प्रश्न 30: कौन सा सामाजिक समूह ज्यादातर गरीबी फैलाता है?

(क) अनुसूचित जाति (ख) शहरी दिहाड़ी मजदूर

(ग) ग्रामीण कृषक मजदूर (घ) उपरोक्त सभी

प्रश्न 31: शहरी गरीबी के अन्तर्गत कौन नहीं आते हैं?

(क) दिहाड़ी मजदूर (ख) बेरोजगार

(ग) दुकानदार (घ) रिक्शावाला

प्रश्न 32: कौन सा सामाजिक समूह गरीबी का सुमेद्य है?

(क) अनुसूचित जाति (ख) शहरी दिहाड़ी मजदूर

(ग) ग्रामीण कृषक (घ) उपरोक्त सभी

प्रश्न 33: निम्नलिखित में से कौन सा मुख्य कारण आयकर असमानता का कारण नहीं है।

(क) भूमि का असमान बँटवारा (ख) उपजाऊ भूमि का अभाव

(ग) अमीर और गरीब के बीच खाई (घ) जनसंख्या में वृद्धि

प्रश्न 34: सन् 1981 से 2001 तक निम्नलिखित में से किस देश में गरीबी का उदय वास्तविक रूप में हुआ?

(क) सब सहारन अफ्रीका (ख) भारत (ग) चीन (घ) रूस

प्रश्न 35: भारत में गरीबी के संकेतक क्या हैं?

(क) आय अन्तर (ख) निरक्षरता स्तर (ग) रोजगार स्तर (घ) इनमें से सभी

प्रश्न 38: निर्धनता–विरोधी कार्यक्रमों के कम प्रभावी होने का निम्नलिखित में से कौन सा प्रमुख कारण नहीं है?

(क) उचित कार्यान्वयन की कमी (ख) सही लक्ष्य निश्चित करने की कमी

(ग) योजनाओं का परस्पर व्यापी होना (घ) ऊपर वर्णित सभी

प्रश्न 39: उपनिवेश काल के समय कौन सा उद्योग सबसे अधिक प्रभावित हुए

(क) जूट (ख) वस्त्र उद्योग (ग) नील (घ) इनमें से सभी

प्रश्न 40: इनमें से किस राज्य में औसत भारतीय निर्धनता अनुपात अधिक है?

(क) पश्चिम बंगाल (ख) तमिलनाडु (ग) आन्ध्रप्रदेश (घ) कर्नाटक

लघुउत्तरीय प्रश्न (3 अंक)

(1) गरीबी और अधिक गरीबी उत्पन्न करते हैं, कैसे? व्याख्या करें।

उ0– गरीबी, गरीबों को और बढ़ाती है। गरीबी का कारण और परिणाम गरीबी ही है। एक गरीब देश अपने राष्ट्रीय आय का ज्यादा भाग बचत नहीं कर पाते हैं। जिसके कारण वह राष्ट्र मौद्रिक कमी से प्रभावित होकर उस देश के उत्पादन और आय को प्रभावित करती है।

(2) निम्न पदों की व्याख्या करें।

उ0– (क) सामाजिक बहिष्कारः इस विचार के अनुसार गरीबों को निम्नस्तरीय माहौल में दरिंदों के साथ रहना होता है। गरीब लोग एक उन्नत वातावरण और अच्छे लोगों से हटकर एक दूषित वातावरण में ही रहना होता है। जैसा कि भारत में कुछ विशेष जाति समूह के लोगों को (दलित) सामाजिक सहभागिता से अलग रखा जाता था।

(ख) समाज में जो दबे कुचले दलित अपंग होते हैं वे ज्यादा गरीब ही रहते हैं और इस वर्ग के लोग प्रकृतिक प्रकोप से ज्यादा दुष्प्रभावित होते हैं इस तरह से उच्च वर्ग के लोगों की तुलना में ये गरीब लोग प्राकृतिक प्रकोप का ज्यादा शिकार होते हैं।

(3) क्षेत्रिय गरीबी को कम करने का उपाय लिखें।

उ0– भारत में ज्यादातर गरीबी इन राज्यों में जैसे उड़ीसा, बिहार, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश में पाई जाती है। इन राज्यों की गरीबी को दूर करने के लिए निम्नलिखित कदम उठाने होंगे–

(क) इन राज्यों को केन्द्र से ज्यादा सहायता मिलनी चाहिए।

(ख) इन राज्यों को एक विशेष छूट मिलनी चाहिए। इन राज्यों में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम स्थापित करना चाहिए।

(4) भारत की गरीबी को दूर करने का कोई तीन उपाय बतायें।

उ0– (क) औद्योगीकरण (ख) उन्नत कृषि (ग) शिक्षा

ज्यादा से ज्यादा उद्योग लगाकर हम भारत में बेरोजगारी एवं गरीबी को कम कर सकते हैं।

कृषिः– आधुनिक संभवों एवं उपकरण का प्रयोग कर हम अपने उत्पादन को बढ़ायेगें जिससे गरीबी कम होगी।

शिक्षा– शिक्षा अनेक समस्याओं का समाधान है। अतः शिक्षा सस्ती और सर्व उपलब्ध हो जिससे यहाँ कि गरीबी एवं बेरोजगारी दूर होगी।

(5) सरकार द्वारा आरंभ किए गए किन्हीं तीन निर्धनता निरोधी उपायों का उल्लेख करें।

उ0– (1) प्रधानमंत्री रोजगार योजना– इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे शहरों में शिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिए स्वरोजगार के अवसर सृजित करना है। उन्हें लघु व्यवसाय और उद्योग स्थापित करने में उनकी सहायता दी जाती है।

(2) रोजगार गारंटी योजनाः– इस योजना का आरंभ 1999 में किया गया था। इस योजना का उद्देश्य गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले व्यक्ति को रोजगार दिलाना तथा ग्रामीण क्षेत्र में गरीबों की जीवन स्तर को सुधारना (बढ़ाना)

(3) जवाहर आय समृद्धि योजनाः– इस कार्यक्रम का प्रमुख उद्येश्य 'लाभदायक रोजगार' बेरोजगारों के लिए उपलब्ध कराना। मिट्टी बचाव के सामूहिक तथा सामाजिक रूप से रोजगार उत्पन्न करना।

(6) राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (2005) की तीन विशेषताओं को लिखें।

उ0– राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम सितम्बर 2005 में लागू हुआ था इसके प्रमुख विशेषता निम्नलिखित है।

(1) यह प्रत्येक ग्रामीण परिवार को 100 दिन को सुनिश्चित रोजगार का प्रावधान करता है। इसमें एक तिहाई रोजगार महिलाओं के लिए आरक्षित है।

(2) केन्द्र सरकार राष्ट्रीय रोजगार गारंटी कोष भी स्थापित करेगी। इसी तरह राज्य सरकार भी योजना के कार्यान्वयन के लिए राज्य रोजगार गारंटी कोष भी स्थापित करेगी।

(3) कार्यक्रम के अंतर्गत अगर आवेदक को 15 दिन के अन्दर रोजगार उपलब्ध नहीं कराया गया तो वह दैनिक बेरोजगारी भत्ते का हकदार होगा।

(7) भारत में गरीबी के प्रमुख कारण क्या है?

उ0— भारत में गरीबी के प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं—

(1) औद्योगिकरण की कमी— उद्योगों की दृष्टि से भारत बहुत पिछड़ा हुआ देश है। कुछ कार्यशील जनसंख्या केवल 3 प्रतिशत ही बड़े पैमाने के उद्योगों में कार्यरत है।

(2) कृषि पर अत्यधिक निर्भरता— स्वतंत्रता के 55 वर्ष बाद भी कुल जनसंख्या का 60 प्रतिशत अपनी आजीविका के लिए अभी भी कृषि पर निर्भर करता है। निवेश सामग्री की कमी के कारण हमारी कृषि अभी भी पिछड़ी है।

(3) मुद्रा—स्फीति का प्रभावः बढ़ती कीमतें समाज के गरीब श्रेणी के लोगों पर बहुत जरा प्रभाव डालती है।

(4) बेरोजगारीः रोजगार के अवसरों की कमी के कारण कुल कार्यशील जनसंख्या के 90 लाख से भी अधिक लोग बेरोजगार है।

(8) भारत में गरीबी के आकलन के तीन तरीके लिखें।

उ0— गरीबी पर चर्चा के केन्द्र में सामान्यतया गरीबी रेखा की अवधारणा होती है। गरीबी का निर्धारण भोजन, कपड़ा, शिक्षा, दवा, ईंधन इत्यादि आवश्यक है।

(1) कैलोरी की आवश्यकता आयु लिंग क्षेत्र एवं कार्य के आधार से निर्धारित होते हैं। ग्रामीण क्षेत्र में 2400 कैलोरी तथा शहरी क्षेत्र में 2100 कैलोरी प्रतिदिन निर्धारित किया गया है।

(2) मासिक प्रति व्यक्ति उपयोग व्यय के द्वारा वर्ष 2000 में किसी व्यक्ति के लिए गरीबी रेखा का निर्धारण ग्रामीण क्षेत्रों में 328 रू0 प्रतिमाह और शहरी क्षेत्रों में 454 रू0 प्रतिमाह लिया गया था।

(3) विश्व बैंक जैसे अनेक अन्तराष्ट्रीय संगठन निर्धनता या गरीबी रेखा के लिए एक मापदण्ड का प्रयोग करते हैं जैसे एक डॉलर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन के समतुल्य न्यूनतम उपलब्धता के आधार पर

(9) पंजाब केरल तथा आन्ध्र प्रदेश में निर्धनता में कमी लाने के लिए उत्तरदायी प्रमुख कारक कौन से हैं?

उ0— (क) पंजाब— उच्च कृषि विकास दर के कारण गरीबी कम हुई है।

(ख) केरल— मानव संसाधन विकास के माध्यम से गरीबी कम हुई है।

(ग) आन्ध्रप्रदेश– सुगठित सार्वजनिक वितरण प्रणाली से गरीबी कम हुई है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नः

(1) भारत में गरीबी के प्रमुख विशेषता क्या है?

उ0– भारत में गरीबी का मुख्य विशेषता निम्नलिखित हैं–

(क) गिरावट का रूख– भारत में गरीबी रेखा के नीचे के लोगों के अनुपात विविधताओं तथा गरीबी का अनुपात 1970 के दशक के दौरान वृद्धि हुई यह तेजी से 1980 के दशक में गिरावट आई 1990 के दशक के दौरान वृद्धि के पहले वहाँ गया था। एक आर्थिक सुधार की अवधि और फिर गरीबी की घटनाओं में गिरावट आई थी। 1993–94 में गरीबों की कुछ संख्या में गिरावट का रूख से पता चलता है।

(ख) अन्तर राज्य विविधताओं– देशों में गरीबी एक समान वितरित नहीं है। तत्कालिक अध्ययन से पता चलता है कि भारत की 90 प्रतिशत से अधिक ग्रामीण गरीब जनता आन्ध्रप्रदेश, उड़ीसा, बिहार, मध्यप्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तरप्रदेश तथा पश्चिम बंगाल राज्य में रहते हैं इनमें से 50 प्रतिशत भारतीय ग्रामीण (बिहार, मध्यप्रदेश तथा उत्तरप्रदेश) इन तीन राज्यों में रहते हैं। इसकी तुलना में जम्मू एवं कश्मीर, गुजरात, केरल, पंजाब तथा हरियाणा में गरीबी दर कम है।

(ग) निर्धनता की प्रकृति– ग्रामीण क्षेत्रों में निर्धन व्यक्ति वे व्यक्ति हैं जो भूमिहीन खेतीहर मजदूर छोटे तथा सीमान्त किसान हैं। नगरीय क्षेत्र में निर्धन वे लोग हैं जो बेरोजगार उच्चरोजगार अथवा कम मजदूरी के साथ कम उत्पादकता वाले व्यवसायों में लगे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में निर्धनता के कारण शोषित लोग नगरीय क्षेत्रों में प्रवासन कर रहे हैं।

(2) भारत में अपनाए गए गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों की व्याख्या कीजिए।

उ0– भारत में गरीबी निरोधी कार्यक्रम– ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में गरीबी निरोधी कार्यक्रम निम्नलिखित महत्वपूर्ण हैं–

(1) प्रधानमंत्री रोजगार योजना (1993)ः यह योजना 2 अक्टूबर 1993 को लागू किया गया था। इन कार्यक्रमों का उद्येश्य ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे शहरों में शिक्षित बेरोजगार युवाओं के स्वरोजगार के अवसर सृजित करना है। उन्हें लघु व्यवसाय और उद्योग स्थापित करने में उनकी सहायता दी जाती है।

(2) स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना (1999)ः इस योजना का आरम्भ 1 अप्रैल 1999 को हुआ था। इस कार्यक्रम का उद्येश्य सहायता–प्राप्त निर्धन परिवारों को स्वसहायता समूहों में संगठित कर बैंक ऋण और सरकारी सहायिकी के संयोजन द्वारा निर्धनता रेखा से उपर लाना है।

(3) प्रधानमंत्री ग्रामोदय योजना (2000)ः यह योजना 2000 में लाया गया। इस योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण स्तर के पाँच क्रिटिकल क्षेत्रों जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण आश्रय, ग्रामीण पेयजल,

ग्रामीण सड़क का विकास। इसका परिणाम यह हुआ कि ग्रामीण लोगों के जीवन स्तर में विकास देखने को मिलेगा।

(4) सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार (2001): यह योजना सितम्बर 2001 को आरम्भ की गई। इस योजना का लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार प्रदान करना तथा सामूहिक सामाजिक तथा आर्थिक सम्पतियों के साथ खाद्य सुरक्षा प्रदान करना भी था। अप्रैल 2002 से जवाहर ग्राम समृद्धि योजना तथा रोजगार आश्वासन योजना को इस योजना में पूरी तरह मिला दिया गया।

(5) राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (2005): इसे सितम्बर 2005 में पारित किया गया। यह विधेयक प्रत्येक वर्ष देश के सुनिश्चित रोजगार का प्रावधान करता है। बाद में इस योजना का विस्तार 600 जिलों में किया जाएगा। प्रस्तावित रोजगारों का एक तिहाई रोजगार महिलाओं के लिए आरक्षित है। कार्यक्रम के अन्तर्गत अगर आवेदक को 15 दिन के अन्दर रोजगार उपलब्ध नहीं कराया गया तो वह दैनिक बेरोजगार भत्ते का हकदार होगे।

(3) भारत में गरीबों को भविष्य में कैसे कम किया जा सकता है। चार उपाय बतावें।

उ0– निम्नलिखित प्रकार से गरीबी का कम किया जा सकता है–

(क) महिलाओं और समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के बढ़ते सशक्तीकरण के कारण संभव हो सकेगा।

(ख) पूँजी के असमान वितरण को खत्म करके

(ग) जाति तथा लिंग के आधार पर भेदभाव को समाप्त करें

(घ) अर्थ का असमान वितरण को समाप्त करके

(ड़) प्रारम्भिक शिक्षा को वैश्विक रूप में बढ़ाकर

(च) स्वास्थ्य शिक्षा तथा रोजगार के अवसर को बढ़ाकर

(छ) आर्थिक विकास को गति देकर

(4) सरकार के दो नीतियों का वर्णन करें जो निर्धनता विरोधी कार्यक्रमों पर आधारित है किस कारण से गरीबी समाप्त करने के कार्यक्रम भारत के मुख्य हिस्सों में असफल रहा।

उ0– वर्तमान परिवेश परिदृष्य में गरीबी विरोधी नीतियाँ मुख्य रूप से दो तत्वों पर आधारित है।

(क) आर्थिक विकास को गति देकर

(ख) निर्धनता विरोधी कार्यक्रमों को लक्ष्य बनाकर इन कार्यक्रमों को प्रभावविहीन होने का मुख्य कारण है।

(ग) कार्यक्रमों का कमजोर रूप से व्यवहार में लाना तथा वास्तविक लक्ष्य को अनदेखा करना

(घ) कई तरह के योजनाओं का आपस में घुल मिल जाना

(ड.) तथा सही तरीके से उन कार्यक्रमों का देखरेख न हो पाना फलस्वरूप योजनाओं का वास्तविक जरूरत मंद लोगों तक न पहुँच पाना।

(5) नरेगा (2005)– किस तरह से एक मुख्य निर्धनता विरोधी कार्यक्रम है।

उ0– नरेगा मुख्य रूप से राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना 2005 निम्नलिखित जिलों को इनमें जोड़ा गया है–

(क) इसका लक्ष्य प्रत्येक ग्रामीण का प्रत्येक साल 100 दिनों का निश्चित तौर से रोजगार दिलाना।

(ख) प्रारम्भ में 200 जिलों में इनको शुरू किया गया जो आने वाले समय में 600 जिलों तक फैला।

(ग) इसके तरह कुल रोजगारों का एक तिहाई हिस्सा महिलाओं के लिए सुरक्षित रखा गया है।

(घ) इन कायक्रमों के लिए केन्द्र सरकार में राष्ट्रीय रोजगार गारंटी कोष की स्थापना की तथा इसी तरह से प्रत्येक राज्यों में राज्य रोजगार गारंटी कोष की स्थापना की।

(ड.) अगर इस कार्य–कर्म के तहत किसी आवेदक को 15 दिनों के अन्दर रोजगार नहीं मुहैया कराया गया तो वे प्रतिदिन रोजगारी भत्ते के हकदार होगे।

(6) संक्षेप में भारत के उत्तर राजिय आर्थिक असमानता का वर्णन करें। संक्षेप में भारत के विभिन्न राज्यों के मध्य आर्थिक असमानता का वर्णन करें?

उ0– प्रत्येक राज्यों में गरीबी का अनुपात अलग–अलग है।

(क) 20 राज्यों तथा केन्द्रशासित प्रदेशों में गरीबी या निर्धनता का अनुपात राष्ट्रीय औसत कम है।

(ख) निम्न राज्य जैसे उड़ीसा, बिहार, असम, त्रिपुरा तथा उत्तरप्रदेश में निर्धनता की प्रतिशत 35 से अधिक है अर्थात् इन राज्यों में निर्धनता एक मुख्य समस्या है। साथ ही साथ ग्रामीण निर्धनता तथा शहरी निर्धनता भी अधिक है।

(ग) जबकि राज्यों जैसे केरल, जम्मू कश्मीर, तमिलनाडू, आन्ध्रप्रदेश में निर्धनता का स्तर साधारणतः कमा है।

(घ) राज्य जैसे पंजाब तथा हरियाणा में गरीबी निर्धनता के स्तर में कृषि के स्तर को बढ़ा कर घटा दिया है।

(ड.) पश्चिम बंगाल में भूमि संबंधित सुधार के माध्यम से निर्धनता को कम करने का प्रयास किया गया है।

हॉट्स

(1) गरीबी का सर्वाधिक जोखिम भरा क्षेत्र क्या है तथा निर्धन लोगों का वह समूह जिनपर निर्धनता का सर्वाधिक प्रभाव पड़ता है उसका वर्णन करें।

उ0– निर्धनता का जोखिम भरा क्षेत्र– यह निर्धन लोगों का वह समूह है जो कि आने वाले निकट भविष्य में इस क्षेत्र में सर्वाधिक समय तक रहने की सम्भावना रखते हैं। जैसे विधवा तथा शारीरिक रूप से अक्षम विकलांग लोगों का समूह।

आर्थिक क्षेत्र के वर्ग जो निर्धनता से सर्वाधिक प्रभावित हैं– (1) निर्धनता से निम्न समूह के लोग अधिक प्रभावित हैं जैसे अनुसूचित जाति तथा जनजाति, शहरी दैनिक मजदूर, ग्रामीण खेतीहर मजदूर इत्यादि। इनके मध्य में अनुसूचित जनजाति का हिस्सा 51 प्रतिशत है जो कि भारत की औसत गरीबी का 26 प्रतिशत है।

(2) सामाजिक पृथकता एक कारण तथा परिणाम दोनो हो सकता है। निर्धनता के लिए कैसे वर्णन करें?

उ0– सामाजिक पृथकता को इस सापेक्ष में इस तरह से भी देखा जा सकता है कि जिन लोगों को निर्धनता के माहौल में या फिर निर्धन लोगों के बीच रहना पड़ता है उन्हें भी मुख्यधारा से अलग होना पड़ता है। भारत में मुख्य रूप से यह देखा गया है कि कुछ ऐसे समूह जैसे अनुसूचित सामान्य जाति या आर्थिक रूप से समृद्ध जाति से अलग रखा जाता है या उन्हे रहना पड़ता है। फलस्वरूप विकास की गति में वे पिछड़े रह जाते हैं इसे उनका आर्थिक कमाई का कोई महत्व नहीं रहता है। उन्हें उच्च स्तर की नौकरी रोजगार से वंचित रहना पड़ता है।

(3) सर्वाधिक निर्धनता का जोखिम भरा हिस्सा या क्षेत्र क्या है। किस तरह से पश्चिम बंगाल, पंजाब तथा तमिलनाडू ने इस परेशानी से छूटकारा पाया है।

उ0– मुख्य रूप से असुरक्षित निर्धन समूह निम्न हैं– (1) अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति (2) ग्रामीण खेतिहर मजदूर (3) शहरी दैनिक मजदूर (4) निम्न राज्यों में निर्धनता को इस तरह कम किये हैं।

(1) पश्चिम बंगाल– भूमि सुधार के उपायों के माध्यम से

(2) पंजाब– कृषि उत्पादन में वृद्धि

(3) तमिलनाडू – उचित सार्वजनिक प्रणाली के माध्यम से।

मूल्य आधारित प्रश्नः

1. विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार की गरीबी रेखा का प्रयोग क्यो होता है?
2. गरीब घर में सभी को गरीब रहना पड़ता है। परन्तु कुछ लोगों को असर अधिक सहना पड़ता है।
3. एक मजबूत संबंध आर्थिक प्रगति, समृद्धि तथा निर्धनता उन्मूलन में देखने को मिलता है, वर्णन करें।
4. किस तरह से अशिक्षा गरीबी के लिए भारत में जिम्मेदार है, वर्णन करें।

अध्याय:4— भारत में खाद्य सुरक्षा

तथ्यः—

खाद्य सुरक्षा— खाद्य सुरक्षा का शाब्दिक अर्थ है सभी लोगों के लिए सदैव भोजन प्राप्त करने का सामर्थ,

खाद्य सुरक्षा क्यों आवश्यक है— गरीबी क्षेत्र के आबादी को हमेशा भोजन असुरक्षा की भावना रहता है। कुछ परिस्थितियों में गरीबी रेखा से उपर जीवन निर्वाह कर रहे व्यक्तियों को भी खाद्य असुरक्षा का सामना भूकंप, सुखा, बाढ़, सुनामी जैसी स्थिति में करना पड़ता है।

खाद्य असुरक्षा— ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य पदार्थों की कमी का सामना करना पड़ता है यह वैसे लोगों का पारम्परिक शिल्पकार, बुनकर, कुम्हार, लोहार आदि मजदूरों का जो सेवा प्रदान करते है जैसे नाई, धोबी इत्यादि शहरी क्षेत्रों में वैसे मजदूरों का समूह जिन्हें सामान्य से भी कम दैनिक मजदूरी मिलता है।

भुखमरी— भुखमरी का दीर्घकालिक और मौसमी आयाम होते हैं गरीब लोग दीर्घकालिक भुखमरी का शिकार होते हैं तथा उन्हें सदैव खाद्य असुरक्षा की भावना से ग्रसित रहना पड़ता है। मौसमी भुखमरी फसल उपजाने और काटने के चक्र से संबंधित है। शहरी क्षेत्रों में अनियमित श्रम की अनुपलब्धता के कारण होती है।

आवश्यक है हमें खाद्य सुरक्षा के मामले में आत्मनिर्भर होना और हमारी सरकार स्वतंत्रता के समय से ही खाद्य सुरक्षा में आत्मनिर्भर होने की आवश्यकता को महसूस किया है चूकि भारत में कई दफा खाद्य सामगी की उपलब्धता की कमी को विभाजन के बाद ही महसूस किया है। वस्तुतः निम्न कारणों से खाद्य सुरक्षा की भावनाओं का जन्म हुआ—

(क) बढ़ती जनसंख्या को पर्याप्त मात्रा में भोजन उपलब्ध कराना (ख) खाद्य सामग्री के निर्भरता को कम करने के लिए (ग) सुखा, बाढ़ जैसे आपदाओं से सामना करने के लिए (घ) खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण रखने के लिए।

भारतीय खाद्य सुरक्षा व्यवस्था— हरित क्रांति (1960) आने के बाद से ही भारत अकाल तथा विपरीत मौसम की परिस्थितियों में भी खाद्य पदार्थों को नागरिकों के मध्य उपलब्ध कराने में सक्षम हो सका इसका मुख्य कारण विभिन्न तरह के अनाजों का पूरे भारत वर्ष में पैदावार होना है। फलस्वरूप भारत सरकार खाद्य सुरक्षा योजना बनाने में सफलता पाया।

(क) बफर स्टॉक— बफर स्टॉक एक अनाजों का संग्रह करने का भारत सरकार का कार्यक्रम है जिसमें भारतीय खाद्य निगम के माध्यम से गेहूँ तथा चावल को किसानों से खरीदा जाता है तथा उनका संग्रह किया जाता है जिनका प्रयोग वैसे राज्यों में किया जाता है जहाँ पर भोजन की उपलब्धता में कमी है। इसके संग्रह करने के समय एक विशेष बात पर ध्यान दिया जाता है। जिसके तहत वैसे ही राज्यों से अनाज लिया जाता है जहाँ के किसानों का उपज उनकी उपयोगिता से अधिक हो साथ ही साथ उन किसानों को उनकी फसलों के लिए पहले से घोषित कीमतें दी जाती है जिन्हें न्यूनतम समर्थित कीमत कहा जाता है।

सार्वजनिक वितरण प्रणालीः— सार्वजनिक वितरण प्रणाली एक ऐसी व्यवस्था है जिसके तहत सरकार भारतीय खाद्य निगम के द्वारा जमा किये हुए खाद्य पदार्थों को उचित दर वाली दुकान के माध्यम से गरीबों को देती है। इसके लिए उपभोक्ताओं को राशन कार्ड जारी किया जाता है।

भारत में राशन कार्ड के प्रकारः

मुख्य रूप से तीन तरह के राशन कार्ड दिये गये हैं।

(1) अन्तयोदय कार्ड (सबसे अधिक गरीबों के लिए)

(2) ए0 पी0 एल0 कार्ड (गरीबी रेखा से उपर रह रहे परिवार)

(3) बी0 पी0 एल0 कार्ड (गरीबी रेखा से नीचे रह रहे परिवार)

तीन मुख्य खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम – 1970 के मध्य में गरीबी उन्मूलन के लिए तीन मुख्य कार्यक्रम प्रयोग में लाये गये। (क) जनवितरण प्रणाली (ख) स्वीकृत बाल विकास सेवा (1975) (ग) काम के बदले अनाज (1977–78)

इसी तरह से वर्ष 2000 में दो खास योजनाएँ प्रयोग में लाया गया।

(क) अन्तयोदय अन्य योजना (ख) अन्नपूर्णा योजना । इन दोनो योजनाओं के तहत ऐसे लोगों को लक्ष्य किया गया जो गरीबों में भी सर्वाधिक गरीब थे

अत्यधिक अनाज संग्रह– वर्ष जुलाई (2002) गेहूँ तथा चावल का संग्रह 63 मिलियन टन हो गया जो कि न्यूनतम बफर आधार से भी 24.3 मिलियन टन अधिक था परन्तु उसके बाद खाद्य संग्रह घटा उसके बाबजूद भी यह बफर स्टाक के न्यूनतम जमा सीमा से अधिक है।

भारत में खाद्य पदार्थों की अत्यधिक उपलब्धता के बाबजूद भी एक वर्ग खाद्य सामग्री से वंचित है। खाद्य सामग्री की उपलब्धता के बाबजूद भी भुखमरी एक विडंबना है। वास्तव में भारत ने एक विडम्बना को विगत वर्षों में देखा है जहाँ एक तरफ अनाज गोदामों में अत्यधिक है। वहीं पर दूसरी तरफ ऐसे व्यक्तियों का समूह है जिन्हें योजना सामग्री की कमी का सामना करना पड़ रहा है। इस दुभाग्यपूर्ण स्थिति के कारण गरीब परिवार पर्याप्त धन के कारण पर्याप्त मात्रा में योजना प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं।

बहुवैकिल्पक प्रश्न

1. ग्रामीण क्षेत्रों में किस वर्ग समूह के लोग खाद्य असुरक्षा से सबसे अधिक प्रभावित हैं–

   (क) भूमिहीन व्यक्ति　　(ख) पारंपरिक कारीगर

   (ग) गरीब, भिखारी　　(घ) उपर्युक्त सभी

2. एम0 एस0 पी0 क्या है?

   (क) प्रमुख समर्थन मूल्य　　(ख) अधिकतम समर्थन मूल्य

   (ग) निम्नतम समर्थन मूल्य　　(घ) न्यूनतम बिक्री दर

3. 1960 के हरित क्रांति किससे संबंधित है?

   (क) एच0वाई0भी0 बीज के प्रयोग से　　(ख) वृक्षारोपण कार्यक्रम

(ग) मत्स्यपालन का विकास (घ) इनमें से कोई नहीं

4. पी0 डी0 एस0 क्या है?

(क) निजी वितरण प्रणाली (ख) सार्वजनिक वितरण प्रणाली

(ग) कार्यक्रम विकास प्रणाली (घ) सार्वजनिक लायंस प्रणाली

5. आर0 पी0 डी0 एस0 क्या है?

(क) पुननिर्मित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (ख) नवीनीकृत सार्वजनिक वितरण प्रणाली

(ग) संसोधित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (घ) ग्रामीण सार्वजनिक वितरण प्रणाली

6. श्वेत क्रांति संबंधित है?

(क) चीनी (ख) दूध (ग) कागज (घ) इनमें से कोई नहीं

7. अन्नपूर्णा योजना किनके भोजन की जरूरत को पूरा करता है–

(क) गरीबों में सर्वाधिक गरीब (ख) बच्चा (ग) गर्भाधारित औरतें (घ) जवान व्यक्ति

8. अन्तयोदय कार्ड संबंधित है–

(क) सभी गरीब (ख) गरीबों में सर्वाधिक गरीब

(ग) गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले (घ) इनमें से कोई नहीं

9. अन्तयोदय अन्न योजना तथा अन्नपूर्णा योजना का संबंध है–

(क) जनवितरण प्रणाली (ख) मध्याह्न भोजन (ग) विशेष पोषण (घ)उपर्युक्त में कोई नहीं

10. जनवितरण प्रणाली के तहत प्रत्येक परिवार को प्रत्येक माह अनाज दिया जाता है–

(क) 40 किलो (ख) 35 किलो (ग) 25 किलो (घ) 20 किलो

11. किस राज्य में 90 प्रतिशत से ज्यादा राशन की दुकान कॉपरेटिव के द्वारा चलाया जाता है–

(क) आंध्रप्रदेश (ख) तमिलनाडू (ग) उड़ीसा (घ) बिहार

12. किस क्षेत्र के समाज में अनाज की बैंक की स्थापना की गई है–

(क) अमूल्य (गुजरात) (ख) विज्ञान विकास की शिक्षा (महाराष्ट्र)

(ग) मदर डेयरी (दिल्ली) (घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

13. नरेगा उपलब्ध कराता है–

(क) 200 दिनों का सुनिश्चित रोजगार (ख) 100 दिनों का सुनिश्चित रोजगार

(ग) कोई निश्चित रोजगार नहीं (घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

14. सरकार के द्वारा उपलब्ध न्यूनतम समर्थित मूल्य की घोषणा की गई है?

(क) किसानों को उपज बढ़ाने के लिए दिया गया सार्मन मूल्य

(ख) किसानों से अधिकतम लाभ कमाने के लिए व्यवसायों को दिया गया पारितोषिक

(ग) कर्जदारों को दिया गया पारितोषिक

(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

15. मौसमीक भूख निम्न में पाया जाता है–

(क) शहरी क्षेत्र (ख) ग्रामीण क्षेत्र (ग) महानगर (घ) क और ख दोनो

16. हरित क्रांति के दौरान किस फसल का सर्वाधिक पैदावार में वृद्धि हुई–

(क) गेहूँ (ख) चावल (ग) मकई (घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

17. बफर स्टॉक के मुख्य उद्येश्य क्या हैं–

(क) अनाज को किसान से बचाना (ख) मूल्य की उतार चढ़ाव को रोकना

(ग) कम उपज से उत्पन्न समस्या (घ) ख एवं ग दोनो

18. जिला स्तरीय नोडल अधिकारी कौन होता है–

(क) आयुक्त (ख) पुलिस अधीक्षक (ग) जिला अधिकारी (घ) कलेक्टर

19. भूख की समस्या संबंधित है–

(क) आवश्यक सामानों के दामों में वृद्धि (ख) अनाज के उत्पादन में कमी

(ग) सूखा (घ) क एवं ख दोनो

20. खाद्य सुरक्षा का संबंध है–

(क) भोजन की उपलब्धता (ख) भोजन की एकत्रित

(ग) भोजन के लिए खर्च करने की क्षमता (घ) उपर्युक्त सभी

21. पौरानिक भूख संबंधित है–

(क) निम्न आय से (ख) भोजन की कम मात्रा

(ग) भोजन की अपर्याप्त शुद्धता (घ) उपर्युक्त में से सभी

22. भारत में सर्वाधिक बर्बादी भूख की समस्या 1943 में इनमें हुआ था–

(क) आसाम (ख) बंगाल (ग) बिहार (घ) उड़ीसा

23. इनमें से कौन से राज्य में खाद्यान असुरक्षा सबसे अधिक है–

(क) बिहार, झारखण्ड, उड़ीसा (ख) बिहार, झारखण्ड, गुजरात

(ग) बिहार, मध्यप्रदेश, तमिलनाडू (घ) बिहार, छत्तीसगढ़, कर्नाटक

24. भारत के किस राज्य में अमूल्य डेयरी स्थित है–

(क) राजस्थान (ख) गुजरात (ग) कर्नाटक (घ) बिहार

25. जुलाई 1968 में गेहूँ क्रांति शीर्षक से किसने विशेष डाक टिकट जारी किया था?

(क) महात्मा गाँधी (ख) इंदिरा गाँधी (ग) जवाहरलाल नेहरू (घ) मोतीलाल नेहरू

26. बुआई के मौसम से पहले खाद्यानों का न्यूनतम कीमत की घोषणा करना कहलाता है?

(क) निर्गम कीमत (ख) उचित कीमत (ग) बाजार कीमत (घ) न्यूनतम समर्थित मूल्य

27. पीला कार्ड किसे जारी किया जाता है?

(क) दुकानदार को (ख) जमींदार को

(ग) सरकारी कर्मचारी को (घ) गरीबी रेखा से नीचे के लोगो को

28. अन्तयोदय अन्न योजना किस समूह पर लक्षित है–

(क) गरीबों में भी सर्वाधिक गरीब (ख) गरीब तथा गैर गरीब

(ग) पिछड़े वर्ग (घ) उपर वर्णित में से कोई नहीं

29. काम के बदले अनाज कार्यक्रम निम्नलिखित में से किस वर्ष में आरम्भ किया गया?

(क) 2003 (ख) 2001 (ग) 2004 (घ) 2005

30. निम्नलिखित में से किस राज्य में कालाहांडी स्थित है–

(क) उड़ीसा (ख) पंजाब (ग) राजस्थान (घ) बिहार

31. मदर डेयरी .... में एक महत्वपूर्ण सहकारी समिति है–

(क) गुजरात (ख) पंजाब (ग) आंध्रप्रदेश (घ) दिल्ली

32. पाँच वर्ष से कम आयु के बच्चे और महिलाएँ .... के कारण खाद्य असुरक्षा से ग्रस्त हैं–

(क) कुपोषण (ख) पौष्टिक आहार (ग) वसा (घ) इनमें से कोई नहीं

33. एफ0सी0आई0 क्या है?

(क) भारत का कार्यात्मक खाद्य निगम (ख) भारतीय खाद्य निगम

(ग) भारतीय खाद्य समूह (घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

34. किन वरिष्ठ नागरिकों के लिए सन् 2000 में निम्नलिखित में से कौन सी योजना आरम्भ की गई थी?

(क) पी0डी0एस0 (ख) एन0एफ0डब्ल्यूपी0

(ग) एस0जी0एस0वाई0 (घ) ए0पी0एस0

35. उस सहकारी समिति का नाम बताएँ जो दिल्ली सरकार द्वारा नियंत्रित दरों पर दूध, सब्जियाँ और दालें प्रदान करती हैं?

(क) अमूल (ख) केन्द्रीय भंडार (ग) मदर डेयरी (घ) कोई नहीं

36. सभी क्षेत्रों में गरीबों को लक्षित करने के सिद्धांत को अपनाने के लिए निम्नलिखित में से कौन सी योजना आरम्भ की गई थी?

(क) पी0डी0एस0 (ख) आर0पी0डी0एस0

(ग) ए0ए0वाई0 (घ) उपर वर्णित सभी

37. बफर स्टॉक के माध्यम से सरकार द्वारा अधिप्राप्त खाद्यानों का भंडार है?

(क) आई0एफ0सी0आई0 (ख) एफ0सी0आई0

(ग) आई0डी0बी0आई0 (घ) एफ0आई0जी0सी0आई

38. देश के किस भाग में अनाज बैंकों की स्थापना के लिए गैर–सरकारी संगठनों ने नेटवर्क में सहायता की है?

(क) गुजरात (ख) हरियाणा (ग) पंजाब (घ) महाराष्ट्र

39. अन्तयोदय अन्न योजना किस वर्ष आरम्भ किया–

(क) जनवरी 1999 (ख) मई 2000 (ग) दिसम्बर 2000 (घ) अक्टूबर 2005

40. भारत में मौसमी और साथ ही दीर्घकालिक भूखमरी के प्रतिशत में ....

(क) वृद्धि हुई है (ख) गिरावट हुई है (ग) उतना ही रही है

(घ) उपर वर्णित में से कोई नहीं।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. खाद्य सुरक्षा के लिए क्या–2 आवश्यक है?

उ0– खाद्य सुरक्षा के निम्नलिखित तथ्य आवश्यक हैं।

(क) घरेलु उत्पाद क्षमता को आवश्यकता अनुसार बढ़ाना होगा।

(ख) खाद्य की उपलब्धता पर्याप्त मात्रा में करना होगा जिसमें आवश्यक पौष्टिकता मिले।

(ग) खाद्य सामग्री उचित दर में प्राप्त हो।

(घ) बफर स्टॉक में अनाज उपलब्ध हो।

2. भारत में खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर होने की आवश्यकता क्यो हैं?

उ0– (क) बढ़ती हुई जनसंख्या को भोजन उपलब्ध करना

(ख) प्राकृतिक आपदाओं से मुकाबला करने हेतु

(ग) अनाज की निर्यात को कम करने के लिए तथा

(घ) खाद्य उत्पादक की उचित दर को बनाये रखने के लिए

3. कॉपरेटिव भोजन या अनाज उपलब्ध कराने में किस तरह सहायक है?

उ0– भारत के कई प्रान्तों में कॉपरेटिव सोसाइटी में अपना एक निजी कॉपरेटिव का निर्माण किया है। जिसके द्वारा अपना–अपना तरह के आनाज तथा खाद्य संबंधित उपयोग वस्तुतः सस्ते दामों में अपने लोगों को उपलब्ध कराती है। उदाहरण के तहत

(क) तमिलनाडू में 94 प्रतिशत राशन की दुकान कॉपरेटिव के द्वारा चलाई जाती है।

(ख) दिल्ली में मदर डेयरी सफलतापूर्वक दूध तथा दूध से बने खाद्य सामग्री सस्ते दरो पर उपलब्ध कराते हैं। इसी तरह से गुजरात में अमूल्य में दूध तथा दूध से बने खाद्य सामग्री यहाँ की जनता को स्वेत क्रांति के तहत उपलब्ध कराया है।

4. खाद्य सुरक्षा क्यों आवश्यक है तथा यह किस तरह से आपदा के समय प्रभावित होते हैं?

उ0– खाद्य उपलब्धता की आवश्यकता– गरीब तबके की आबादी सामान्यतः खाद्य असुरक्षा की भावना से सदैव भयभीत रहती है। लेकिन कुछ विशेष अवसरों में गरीबी रेखा से उपर रहे व्यक्ति को भी खाद्य असुरक्षा की भावना का सामना करना पड़ता है। जैसे प्राकृतिक दुर्घटना, सुखा, बाढ़ आदि के समय में खाद्य उत्पादन घट जाता है तथा इसे सामान्य वर्गों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इन परिस्थितियों में खाद्य की उपलब्धता में कमी होने के कारण खाद्य सुरक्षा आवश्यक हो जाता है।

5. खाद्य सुरक्षा के प्रमुख आयामों का उल्लेख करें।

उ0– खाद्य सुरक्षा के निम्नलिखित आयाम हैं–

(क) खाद्य उपलब्धता– इसका तात्पर्य देश में खाद्य उत्पादन खाद्य आयात और सरकारी अनाज भंडारों से संचित पिछले वर्षों के स्टॉक कैसे हैं।

(ख) पहुँच– पहुँच का अर्थ है कि खाद्य प्रत्येक व्यक्ति को मिलता रहे

(ग) सामर्थ्य– सामर्थ्य का अर्थ है कि लोगों के पास अपनी भोजन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त और पौष्टिक भोजन खरीदने के लिए धन उपलब्ध है।

6. सार्वजनिक वितरण प्रणाली की आलोचन क्यो हुआ है। किन्हीं तीन कारणों का वर्णन करें।

उ0– (क) सार्वजनिक वितरण प्रणाली के निम्न कमियों के कारण आलोचनाओं का सामना करना पड़ा–

सामान्यतः औसत अनाज का उपभोग भारत में एक किलो प्रति व्यक्ति प्रतिमाह है। औसत खपत बिहार उड़ीसा तथा उत्तरप्रदेश में मात्र 300 ग्राम है। वही दूसरी तरफ केरल, कर्नाटक तथा तमिलनाडू जैसे राज्यों में औसतन खपत 4 किलो प्रति व्यक्ति है जिसके कारण गरीबों को बाजार में अतिरिक्त राशन के लिए निर्भर रहना पड़ता है।

(ख) तीन तरह के कार्ड का प्रचलन में लाने से प्रयोगात्मक समस्याएँ उपस्थित हो रहा है।

(ग) सार्वजनिक वितरण प्रणाली से जुड़े व्यक्ति तथा कर्मचारियों के द्वारा अनाज का जमाखोरी तथा खुले बाजार में बेच देना तथा सही उपभोक्ता को नहीं देना भी प्रभावित कर रहा है।

7. मौसमी भुखमरी तथा दीर्घकालिक भुखमरी में भेद कीजिए।

उ0–

मौसमी भुखमरी	**दीर्घकालिक भुखमरी**
(1) यह फसल उपजाने और काटने के चक्र से संबद्ध है।	(1) यह भुखमरी मात्रा एवं गुणवत्ता के आधार पर अपर्याप्त आहार ग्रहण करने के कारण होती है।
(2) मौसमी भुखमरी का मूल कारण काम की कमी है।	(3) दीर्घकालिक भुखमरी का मूल कारण निम्न आय है।

8. खाद्य सुरक्षा के लिए भारत सरकार द्वारा कौन से उपाय अपनाये गये हैं।

उ0– भारत सरकार ने इसके लिए निम्नलिखित कदम उठाये–

(क) बफर स्टॉक प्रणाली

(ख) सार्वजनिक वितरण प्रणाली

(ग) अंत्योदय अन्न योजना

(घ) अन्य योजनाएँ

9. सरकार बफर स्टॉक क्यों बनाती है किन्हीं तीन कारण को लिखें।

उ0– (1) खाद्य सुरक्षा– बफर स्टॉक का मुख्य उद्देश्य कमी वाले क्षेत्रों में और समाज के गरीब वर्गों में बाजार से कम कीमत पर अनाज का वितरण करना है।

(2) आपदा या संकट– बफर स्टॉक का दूसरा उद्देश्य आपदा के समय अथवा विपरीत परिस्थितियों में खाद्यान की कमी को पूरा करना है।

(3) खाद्यानों की निरन्तर आपूर्ति– सरकार द्वारा बफर स्टॉक इसलिए भी बनाया जाता है ताकि पूरे देश में वर्ष भर खाद्यानों की आपूर्ति निरन्तर हो सके।

10. भारत में खाद्य निगम के प्रमुख आयाम क्या हैं?

उ0– (1) भारतीय खाद्य निगम अधिशेष उत्पादन वाले राज्यों में किसानों से गेहूँ और चावल खरीदता है।

(2) यह बफर स्टॉक भी रखता है।

11. सार्वजनिक वितरण प्रणाली क्या है। इनके क्या–2 लाभ हैं?

उ0– सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत सरकार ने गरीब लोगों को बाजार से कम कीमत पर अनाज तथा अन्य आवश्यक वस्तुएँ वितरण के लिए बहुत से दुकानें खोली है।

(1) ये गरीब लोगों को उचित दर पर खाद्यान वितरित करती है।

(2) ये उँची कीमतों से लोगों को बचाती है।

(3) ये कालाबाजारी तथा जमाखोरी को रोकती है।

(4) ये खाद्य सुरक्षा में मदद करती है।

12. खाद्य सुरक्षा के लिए भारत सरकार के द्वारा लिए गये महत्वपूर्ण जनवितरण प्रणाली को लिखे।

उ0– सार्वजनिक वितरण के कुछ महत्वपूर्ण विशेषताएँ–

योजना का नाम	**आरंभ का वर्ष**	**लक्षित समूह**	**अद्यतनम मात्रा**	**निर्गम कीमत**
सार्वजनिक वितरण प्रणाली	1992 तक	सार्वजनिक		गेहूँ–2.34 चावल–2.89
संशोधित सार्वजनिक	1992	पिछड़े ब्लॉक	20 कि. खाद्यान	गेहूँ–2.80

वितरण प्रणाली				चावल–3.77
लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली	1997	निर्धन और गैर–निर्धन	35 कि. खाद्यान	बी0पी0एल0–गेहूँ–2.50 चावल–3.50 ए0पी0एल0 गेहूँ–4.50 चावल–7.00
अन्तयोदय अन्न योजना	2000	निर्धनों में सबसे निर्धन	35 कि. खाद्यान	गेहूँ–2.00 चावल– 3.00
अन्नपूर्णा योजना	2000	दीन वरिष्ठ नागरिक	10 कि. खाद्यान	निःशुल्क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(1) पी0डी0एस0 और टी0पी0डी0एस0 के बीच अन्तर लिखें।

उ0– सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत सरकार ने गरीब लोगों को बाजार से कम कीमत पर अनाज तथा अन्य आवश्यक वस्तुएँ वितरण करने के लिए 4.6 लाख से भी अधिक दुकानें खोली हैं। इसमें गरीबों तथा अगरीबों के बीच कोई अन्तर नहीं किया गया है।

- टी0पी0डी0एस0 (लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली) के अन्तर्गत गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले तथा गरीबी रेखा के उपर रहने वाले परिवारों के लिए सरकार ने अलग–2 सामर्थ्य कीमत का निर्धारण किया है। दिसम्बर 2000 में दो नये स्कीम को लाया गया है।
- ये दोनो अंत्योदय अन्न योजना तथा अन्नपूर्णा योजना है। ये दोनो योजना टी0पी0डी0एस0 से संबंधित है। अन्तयोदय अन्न योजना के अन्तर्गत गरीब परिवार को राज्य ग्रामीण विकास बोर्ड के तहत चिह्नित किया जाता था।
- 2 रू0 प्रति किलोग्राम गेहूँ और 3 रू0 प्रति किलोग्राम की अत्यधिक मासिक सहायता प्राप्त दर पर प्रत्येक पात्र परिवारो को 25 किलोग्राम अनाज उपलब्ध कराया गया।
- अप्रैल 2002 से अनाज की मात्रा 25 कि0ग्रा0 से बढ़ाकर 35 कि0ग्रा0 कर दिया गया।

2. खाद्य उत्पादन और आपूर्ति को बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गये कदमों का संक्षिप्त वर्णन करें।

उ0– सरकार द्वारा खाद्य उत्पादन एवं पूर्ति के लिए अपनाये गये कदम निम्नलिखित हैं–

- भूमि सुधार के द्वारा– हमारी सरकार स्वतंत्रता के बाद भूमि सुधार के कई कार्य किये जिससे कि अनाज उत्पादन की वृद्धि हो सके। (क) भूमि को छोटे–2 टुकड़ों में बाँटकर खेती करना (ख) भूमि में उचित खाद एवं समय पर पानी डालकर

- संस्थागत वित्तीय व्यवस्था उपलब्ध करना– भारत सरकार द्वारा न्यूनतम ब्याज दर पर संस्थागत बैंकों के द्वारा वित्तीय व्यवस्था को मजबूत बनाना।

- नई कृषि पद्धति अपना कर – उन्नत किस्म के बीज के प्रयोग कर खेती के उपज को बढ़ाया जाता है। हरित क्रांति के द्वारा–इस क्रांति में खास कर गेहूँ के पैदावार को बढ़ाया गया है।

3. भारत के खाद्य सुरक्षा संबंधित खामियों को बताएँ।

उ0– भारत के खाद्य सुरक्षा के निम्नलिखित खामियाँ हैं, जो निम्नलिखित हैं–

- गरीबों को सीमित लाभ देकर– गरीबों को जनवितरण प्रणाली के द्वारा अधिक लाभ नहीं दिया गया है। अधिकांश खाद्यानों के लिए उन्हें खुली बाजार से ही सामान खरीदना पड़ता है। राशन कार्ड उसे ही दिया गया है जिनका निश्चित या स्थाई आवास का पता है। अधिकांश घरविहीन गरीबों को जनवितरण प्रणाली में सम्मिलित नहीं किया गया है तथा इन्हें राशन कार्ड का सुविधा भी नहीं दिया गया है।

- जनवितरण प्रणाली में खाद्यान की कमियां या हानियाँ– दूसरी खामिया जनवितरण प्रणाली के खाद्य कमियों से है जो बाजार में उपलब्ध है। पी0डी0एस0 डीलर अधिक लाभ कमाने के लिए अनाज को खुल बाजार में बेचना, दुकानों में घटिया अनाज बेचना, दुकान कभी कभार खोलना जैसे अपचार करते हैं।

- कीमत वृद्धि– गरीबों की खाद्यान समस्या में बढ़ती कीमत रोकने में पी0डी0एस0 हमेशा असफल रहे हैं क्योंकि अखिल भारतीय स्तर पर पी0डी0एस0 खाद्यानों की औसत उपयोग मात्रा 1 कि0ग्रा0 प्रतिव्यक्ति प्रतिमाह है जबकि बिहार, उड़ीसा और उत्तरप्रदेश में प्रतिव्यक्ति प्रतिमाह उपभोग का आँकड़ा 300 ग्राम प्रतिव्यक्ति प्रतिमाह से भी कम है। फलस्वरूप निर्धनों को अपनी खाद्य आवश्यकताओं के लिए राशन दुकान के बजाय बाजार पर निर्भर होना पड़ता है।

- आर्थिक सहायता का बढ़ता हुआ दबाव– भारत में खाद्यान पर अत्यधिक सब्सिडी दिया जाता है। जो कि सरकार के लिए एक भार है। जैसे कि 1980–81 में खाद्यान पर सब्सिडी 602 करोड़ दिया गया था जो 2003 में बढ़कर 25,800 करोड़ रू0 हो गया।

कौशल पर आधारित प्रश्न

1. राशन की दुकानों के संचालन में क्या समस्या है?

उ0– राशन की दुकानों के संचालन में अनेक समस्याएँ हैं जो इस प्रकार हैं–

- उसे ही राशन कार्ड दिये जाते हैं जिनका अपना स्थायी आवास हो या स्थायी पता हो जिसके कारण घर विहीन अधिकांश गरीब लोग राशन के दुकान से राशन नहीं खरीद पाये।

- पी0डी0एस0 अधिक लाभ कमाने के लिए अनाज को खुले बाजार में अधिक कीमत पर बेच देते हैं।

- अनाज में मिलावट राशन की दुकानों की एक बहुत बड़ी समस्या है।

- राशन की दुकानों में घटिया किस्म के अनाज का पड़ा रहना। जो बिक नहीं पाता है।

2. खाद्य असुरक्षा से अधिकांशतः कौन से लोग अत्यधिक प्रभावित होते हैं। व्याख्या करें।

उ0– भारत में लोगों का एक बड़ा वर्ग खाद्य एवं पोषण की दृष्टि से असुरक्षित है। इनमें भूमिहीन, पारंपरिक दस्तकार, पारंपरिक सेवाएँ प्रदान करने वाले लोग, अपना छोटा–मोटा काम करने वाले कामगार और निराश्रित तथा भिखारी। शहरी क्षेत्रों में खाद्य की दृष्टि से असुरक्षित वे परिवार हैं जिनके कामकाजी सदस्य प्रायः कम वेतन वाले व्यवसायों और अनियत दाम बाजार में काम करते हैं। ये कामगार अधिकतर मौसमी कार्यों में लगे हैं और उनको इतनी कम मजदूरी दी जाती है कि वे मात्र जीवित रह सकते हैं।

3. कौन से व्यक्ति खाद्य असुरक्षा से प्रभावित हैं?

उ0– (क) भूमिहीन एवं छोटे किसान (ख) पारंपरिक दस्तकार (ग) पारंपरिक सेवाएँ प्रदान करने वाले लोग (घ) अपना छोटा–मोटा काम करने वाले कामगार (ड.) भिखारी

4. गरीबों को खाद्य सुरक्षा देने के लिए सरकार ने क्या किया? सरकार की आरे से शुरू की गई किन्हीं दो योजनाओं की चर्चा कीजिए।

उ0– सरकार में खाद्य सुरक्षा के लिए भारतीय खाद्य निगम की स्थापना की जो किसानो से गेहूँ और चावल खरीदता है तथा बफर स्टॉक बनाता है।

खाद्य सुरक्षा के लिए सरकार के द्वारा उठाये गये उपाय–

(क) बफर स्टॉक– बफर स्टॉक भारतीय खाद्य निगम के माध्यम से सरकार द्वारा अधिप्राप्त अनाज, गेहूँ और चावल का भंडार है। इसका मुख्य उद्येश्य कमी वाले क्षेत्रों तथा समाज के गरीब वर्गों में बाजार से कम कीमत पर अनाज का वितरण

(ख) जनवितरण प्रणाली– भंडारित अनाज को राशन की दुकानों के माध्यम से गरीब लोगों में वितरित किया जाता हैं। ये सब बाजार कीमत से कम कीमत पर बेचा जाता है।

(ग) गरीब उन्मूलन कार्यक्रम– (पी0ए0पी0)– सार्वजनिक वितरण प्रणाली, दोपहर का भोजन, स्कूली बच्चों के लिए, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए खाद्य सुरक्षा पहुँचाना। इसके अलावा 2000 में दो विशेष योजनाएँ–अन्तयोदय अन्न योजना और अन्नपूर्णा योजना प्रारंभ की गई। ये योजनाएँ क्रमशः गरीबों में भी सर्वाधिक गरीब और दीन वरिष्ठ नागरिक समूहों पर लक्षित हैं।

इन दोनो योजनाओं के उद्येश्यों को पी0डी0एस0 से जोड़ दिया गया है। अंत्योदय अन्न योजना के अन्तर्गत 35 कि0ग्रा0 अत्यधिक आर्थिक सहायता प्राप्त दर पर प्रत्येक पात्र परिवारों को 2 रू0 प्रति किलोग्राम गेहूँ तथा 3रू0 प्रति किलोग्राम चावल उपलब्ध कराया गया है। ए0पी0एस0 के अन्तर्गत 10 कि0ग्रा0 बिना कीमत लिये प्रत्येक पात्र परिवारों को उपलब्ध कराते हैं।

मूल्य आधारित प्रश्न

1. खाद्य अनाज के कीमत निर्धारण के लिए सरकार द्वारा अपनाये गये विधि को लिखें।
2. हरित क्रांति किस प्रकार अनाज के लिए भारतीयों को आत्मनिर्भर बनाये, व्याख्या करें।
3. राष्ट्रीय काम के बदले अनाज कार्यक्रम के लिए अपनाये गये चार बिन्दुओं को दर्शायें।
4. आजादी के बाद खाद्य आत्मनिर्भरता के लिए किस–2 विधि को अपनाया गया, व्याख्या करें।